मौलाना आज़ाद नेशनल उर्दू यूनिवर्सिटी مولانا آزاد نیشنل اُردو یونیورسٹی

Maulana Azad National Urdu University

(A Central University established by an Act of Parliament in 1998)

Gachibowli, Hyderabad-500 032 Telangana, India

Accredited "A" Grade by NAAC

कुलाध्यक्ष
श्री प्रणब मुखर्जी
भारत के माननीय राष्ट्रपति

कुलाधिपति
श्री ज़फ़र सरेशवाला

कुलपति
डॉ. मोहम्मद असलम परवेज़

कुलसचिव
डॉ. शकील अहमद

XIX वार्षिक प्रतिवेदन

(1अप्रैल 2016 से 31 मार्च 2017)

XIX वार्षिक प्रतिवेदन 2016-17

अनुक्रम

I)	कुलपति संदेश	4
	खंड - I	
II)	कार्यकारिणी सारांश	7
III)	विश्वविद्यालय प्रशासन	13
	खंड - II	
IV)	भाषा, साहित्य और इंडोलॉजी संकाय	30
i)	उर्दू विभाग	30
ii)	अंग्रेज़ी विभाग	33
iii)	हिन्दी विभाग	35
iv)	अरबी विभाग	38
v)	फ़ारसी विभाग	40
vi)	अनुवाद विभाग	43
V)	कला एवं सामाजिक विज्ञान संकाय	45
i)	इस्लाम अध्ययन विभाग	45
ii)	अर्थशास्त्र विभाग	47
iii)	इतिहास विभाग	49
iv)	राजनीतिक विज्ञान विभाग	51
v)	लोक प्रशासन विभाग	53
vi)	समाजशास्त्र विभाग	55
vii)	समाज कार्य विभाग	57
viii)	महिला शिक्षा विभाग	61
VI)	विज्ञान संकाय	65
i)	गणित विभाग	65
ii)	भौतिक शास्त्र विभाग	67
iii)	रसायन शास्त्र विभाग	70
iv)	वनस्पति शास्त्र विभाग	72
v)	जीव शास्त्र विभाग	74
VII)	वाणिज्य एवं व्यापार प्रबंधन संकाय	77
i)	प्रबंधन अध्ययन विभाग	77
ii)	वाणिज्य विभाग	81
VIII)	जनसंचार एवं पत्रकारिता संकाय	83
i)	जनसंचार वं पत्रकारिता विभाग	83
IX)	शिक्षा एवं प्रशिक्षण संकाय	87
i)	शिक्षा एवं प्रशिक्षण विभाग	87
ii)	शिक्षक शिक्षा कॉलेज, श्रीनगर	95
iii)	शिक्षक शिक्षा कॉलेज, भोपाल	96
iv)	शिक्षक शिक्षा कॉलेज, औरंगाबाद	97
v)	शिक्षक शिक्षा कॉलेज, असनसोल	100
vi)	शिक्षक शिक्षा कॉलेज, संभल	100

vii)	शिक्षक शिक्षा कॉलेज, बीदर	100
viii)	शिक्षक शिक्षा कॉलेज, नूह	101
ix)	शिक्षक शिक्षा कॉलेज, दरभंगा	102
x)	मानू मॉडल स्कूल, हैदराबाद	104
xi)	मानू मॉडल स्कूल, दरभंगा	109
xii)	मानू मॉडल स्कूल, मेवात	109
X)	संगणक विज्ञान और सूचना प्रौद्योगिकी संकाय	109
i)	संगणक विज्ञान और सूचना प्रौद्योगिकी	110
ii)	पॉलिटेकनीक, हैदराबाद	114
iii)	पॉलिटेकनीक, बैंगलोर	116
iv)	पॉलिटेकनीक, दरभंगा	117
v)	औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, हैदराबाद	117
vi)	औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, बेंगलूरू	121
vii)	औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, दरभंगा	121
XI)	मानू सैटेलाइट कैंपस	122
i)	मानू सैटेलाइट कैंपस ,लखनऊ	122
ii)	मानू सैटेलाइट कैंपस , श्रीनगर	123

खंड – III

XII)	अनुसंधान केन्द्र	124
i)	उर्दू संस्कृति अध्ययन केन्द्र (सीयूसीएस)	126
ii)	उर्दू में ज्ञान को बढ़ावा देने के लिए केन्द्र(सीपीकेयू)	126
iii)	एच.के.शेरवानी दक्कन अध्ययन केन्द्र	127
iv)	अल-बरूनी सामाजिक बहिष्कार और समावेश नीति अध्ययन केन्द्र-(एसीएसएसईआईपी)	130
v)	महिला अध्ययन केन्द्र	133
XIII)	समर्थन केन्द्र	138
i)	विश्वविद्यालय केन्द्रीय पुस्तकालय	138
ii)	सूचना प्रौद्योगिकी केन्द्र (सीआईटी)	139
iii)	अनुदेशात्मक मीडिया केन्द्र (आईएमसी)	140
iv)	अनुवाद एवं प्रकाशन निदेशालय (डीटीपी)	142
v)	आंतरिक शिकायत समिति	143
vi)	प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट प्रकोष्ठ	143
XIV)	प्रशिक्षण केन्द्र	144
i)	यू.जी.सी.- मानव संसाधन विकास केन्द्र(एचआरडीसी)	144
ii)	सीएसई आवासीय कोचिंग अकादमी	145
iii)	उर्दू माध्यम शिक्षक के लिए व्यवसायिक विकास केन्द्र (सीपीडीयूएमटी)	147
iv)	समान अवसर केन्द्र (ईओसी)	147
v)	अल्पसंख्यको के लिए नेट कोचिंग केन्द्र	149
vi)	अल्पसंख्यकों के लिए सुधारात्मक कोचिंग केन्द्र(आरसीसीएम)	149

खंड – IV

XV)	दूरस्थ शिक्षा निदेशालय	150
XVI)	घटनाक्रम 1अप्रैल 2016 से 31मार्च 2017	155

I) कुलपति महोदय का संदेश

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के माध्यम से अगम्य तक पहुँचना

मुझे मौलाना आज़ाद नेशनल उर्दू यूनिवर्सिटी (मानू) का उन्नीसवां वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए अत्यंत खुशी और सम्मान का अनुभव हो रहा है। यह प्रतिवेदन वर्ष 2016-17 के दौरान की उपलब्धियों और कार्यसिद्धियों का वर्णन करता है।

कुलपति महोदय का संदेश

यह वर्ष एक मील का पत्थर था क्योंकि हम शैक्षणिक और प्रशासनिक सुधारों के माध्यम से प्रगति कर रहे थे, जबकि नैक द्वारा ' ए ' ग्रेड के साथ प्रत्यायित किया गया और 2016-17 के दौरान हमारी उपलब्धियों के लिए एनआईआरएफ -2017 के अंतर्गत विश्वविद्यालयों में विश्वविद्यालय को 101-150 के बैंड में सूचीयन किया गया और साथ ही पारिस्थितिकी संरक्षण हेतु INTACH पुरस्कार भी प्राप्त हुआ । इसके अतिरिक्त, यह वर्ष अकादमिक और प्रशासनिक प्रदर्शन के लिए चुनौती और परिवर्तन के रूप में माना जाएगा, लेकिन साथ ही विश्वविद्यालय के सभी हितधारकों के कार्य को महत्वपूर्ण मान्यता भी प्राप्त हुई। विश्वविद्यालय विशेष रूप से सभी प्रकार के अकादमिक कार्यक्रमों की पेशकश करता है जिसमें सामान्य, पेशेवर, तकनीकी और व्यावसायिक स्ट्रीम की शिक्षा निहित है और औपचारिक और अनौपचारिक दोनों विधा से उर्दू माध्यम में शिक्षा प्रदान करने की विशिष्टता को भी प्रदर्शित करता है।

गतिविधियाँ :

अकादमिक मोर्चे पर, सात अध्ययन संकायों जिनमें 24 विभाग निहित है जिनके माध्यम से नियमित पाठ्यक्रम के कार्यक्रमों को प्रदान किया जाता है। ये विभाग 72 कार्यक्रमों और पाठ्यक्रमों, (21पीएच.डी., 14 एम.फिल.,21 पीजी,10 यूजी और 6 डिप्लोमा और 5 प्रमाणपत्र) इसके अतिरिक्त 5 प्रत्येक पॉलिटेकनीक और आईटीआई ट्रेडों की पेशकश करते है।

जबकि अनुसंधान और प्रशिक्षण मुख्य रूप से उर्दू भाषा के संवर्धन, उर्दू में ज्ञान को बढ़ावा देने के लिए केन्द्र के माध्यम से संस्कृति और धरोहर, उर्दू माध्यम शिक्षक व्यवसायिक विकास केन्द्र, उर्दू संस्कृति अध्ययन केन्द्र और दक्कन अध्ययन केन्द्र पर केन्द्रित है ।

इनके अलावा, सामाजिक बहिष्कार और समावेशी नीति केन्द्र और महिला अध्ययन केंद्र के यूजीसी समर्थित योजनाओं के माध्यम से सामाजिक समावेश और लिंग समानता के मुद्दों को अनुसंधान की मुख्यधारा से भी संबोधित करने हेतु। इसके अतिरिक्त, विश्वविद्यालय ने अनुसंधान के विस्तार के लिए यूजीसी की सलह पर लघु शोध परियोजना योजना का आरंभ किया है। साथ ही, आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए प्रभावी प्रशासन को स्थान दिया और स्थापित संरचनाओं के साथ जवाबदेही बनाए रखा है।

मानू अपने छात्रों को असंबद्ध जीवन अनुभवों में से संबद्ध किए जाने के साथ ज्ञान संवर्धन हेतु उर्दू भाषा ज्ञानार्जन के लिए तैयार करता है। यह चिंतन को समृद्ध करने में सक्षम है कि क्या व्याख्या करने के लिए है और सहिष्णुता, समग्रता , प्रेम और शांति की संस्कृति उत्पन्न करते हुए चीजों का अर्थ निकालता है। इसके अतिरिक्त, यह स्वयं की समझ और दुनिया के साथ मुकाबले के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए जिम्मेदार वैश्विक नागरिक के रूप में स्वयं को बनाए रखेगा ।

पहल :

मदरसा छात्रों को मुख्यधारा की शिक्षा में प्रवेश के साथ-साथ सकल नामांकन अनुपात(जीईआर) को बढ़ाने के लिए मानू ने एक ब्रिज पाठ्यक्रम शुरू किया है। नियमित पाठ्यक्रम के अंतर्गत पेश दोनों यूजी और पीजी कार्यक्रमों में विकल्प आधारित क्रेडिट प्रणाली(सीबीसीएस) को कार्यान्वित किया और राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियों के साथ सामरिक नेटवर्क साझेदारी के लिए एमओयू प्रक्रियाओं को औपचारिक रूप दिया। योजना स्कीमों हेतु एक नोडल ऐजंसी की भूमिका निभाने के लिए योजना और विकास अनुभाग की स्थापना की गई और विश्वविद्यालय की दूरदर्शिता, मिशन और उद्देश्यों को स्पष्ट करने के लिए विभिन्न अकादमिक और प्रशासनिक इकाइयों के साथ समन्वय से कार्य करना।

परंपरा के साथ नवीनता के योग के माध्यम से प्रगति

सर्वोत्तम कार्यप्रणाली :

प्राथमिकता के आधार पर विभिन्न हितधारकों की आवश्यकताओं और अपेक्षाओं को पहचानने और संतुलन हेतु विभिन्न हस्तक्षेप प्रक्रियाएँ प्रचलन में है। इसके अतिरिक्त, विश्वविद्यालय समर्थन प्रणालियों के प्रावधान और प्रगतिशील उपायों के विस्तार के माध्यम से छात्र सशक्तिकरण में विश्वास करता है। मानू, एमएचआरडी के मिशन मोड निर्देशों का हिस्सा है, जैसे स्वच्छ भारत अभियान; स्वच्छ भारत - स्वस्थ भारत; स्वच्छता पखवाड़ा; एक भारत - श्रेष्ठ भारत; बेटी बचाओ - बेटी पढ़ाओ; वित्तीय साक्षरता अभियान और प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना; इसके अतिरिक्त डिजिटल भारत परियोजना एनकेएन-एनएमई-आईसीटी, जिसमें कैंपस कनेक्ट, यूजीसी-इनफ्लिबनेट, एनडीएल क्लस्टर, स्वयं, भारतवाणी आदि शामिल है।

उल्लेखनीय घटनाएँ :

28-29 नवंबर 2016 के दौरान भारतीय विश्वविद्यालयों के संघ (एआईयू) के प्रस्ताव पर " शेरिंग ऑफ बेस्ट प्रैक्टिसिस इन आईसीटी - टीचिंग एंड स्किल डेवलेप्मेंट" विषय पर विश्वविद्यालय ने केन्द्रीय मंडल कुलपतियों के सम्मेलन का आयोजन किया। इसके अलावा, 26 दिसंबर 2016 को छठें दीक्षांत समारोह में श्री.शाहरुख खान और संजीव सराफ को मानक की उपाधि से सम्मानित किया गया।

मैं अपनी तरफ से और विद्यार्थियों, शैक्षणिक और गैर-शैक्षणिक बिरादरी की तरफ से, विश्वविद्यालय के कुलाध्यक्ष भारत के माननीय राष्ट्रपति, विश्वविद्यालय के कुलाधिपति, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी), भारतीय विश्वविद्यालय संघ (एआईयू), राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद(एन.ए.ए.सी), अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई), राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद(एनसीटीई), राष्ट्रीय उर्दू भाषा विकास परिषद् (एनसीपीयूएल), भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद(आईसीएसएसआर) और विभिन्न अन्य सरकारी नियामक निकायों और विभागों को उनके निरंतर और बहुमूल्य समर्थन के लिए हार्दिक आभार व्यक्त करता हूँ।

मैं विशेष रूप से विश्वविद्यालय में मेरे सहयोगियों द्वारा प्रदान की गयी सहायता एवं सहयोग के लिए आभार प्रकट करता हूँ। मानू निश्चित रूप से मेरे सहयोगियों के समर्थन से उर्दू भाषी जनसंख्या की आकांक्षाओं को पूर्ण करेगा। मैं विश्वविद्यालय के प्राध्यापक और कर्मचारियों को विश्वविद्यालय में उनकी विकासात्मक गतिविधियों में निरंतर समर्थन के लिए और विश्वविद्यालय के जनादेश की परिपूर्णता की प्रतिबद्धता के लिए आभार व्यक्त करता हूँ।

(डॉ. मोहम्मद असलम परवेज़)
कुलपति

खंड – I

II) कार्यकारी सारांश

मौलाना आज़ाद नेशनल उर्दू यूनिवर्सिटी(मानू) राष्ट्रीय स्तर पर उर्दू भाषा के माध्यम से शिक्षा प्रदान करने के उच्च शिक्षा संस्थान के रूप में उभरा हैं। मानू को एक विशिष्ट जनादेश के अनगिनत दायित्व और उद्देश्य जो समाज की शैक्षणिक आकांक्षाओं के सबसे अधिक योग्य सदस्यों की सेवा के साथ स्थापित किया गया। जैसे-जैसे विश्वविद्यालय आकार में बढ़ रहा है अतिरिक्त श्रमशक्ति के रूप में प्रशासनिक सहायता के लिए मांग साझा हो रही है। जैसा कि इन नए कर्मचारियों की स्थिति विश्वविद्यालय के दर्शन , प्रयोजनों और उद्देश्यों के भीतर विकसित हुई, कर्तव्यों और जिम्मेदारियों को विभिन्न कर्मियों के मध्य स्थानांतरित किया जाता है ताकि वे कार्य का उचित रूप में समान वितरण हस्तगत कर सकें। वर्तमान में मानू मौजूदा संस्थानों को मजबूत करने की प्रक्रिया में है, जबकि इसं विभिन्न मध्यवर्ती उपायों के माध्यम दूरगामी तक पहुंचने के लिए विस्तारित किया गया है। इसके अलावा,विशेष रूप से सामान्य और उर्दू बोलने वाले समुदाय में अपने युवाओं की बढ़ती आकांक्षाओं को पूरा करना। विश्वविद्यालय विशिष्ट दूरदर्शिता, मिशन और उद्देश्यों के साथ शैक्षणिक, अनुसंधान और शासन के सभी मोर्चों में बहुत प्रगति कर रहा है।

दूरदर्शिता

उर्दू को शिक्षा का माध्यम बनाकर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक पहुंच उपलब्ध कराना, समावेशी नीति का पालन करते हुए।

मिशन

समाज के सामाजिक, आर्थिक, शैक्षणिक और सांस्कृतिक रूप से वंचित वर्गों को सशक्त बनाने के लिए उन्हें मुख्यधारा में लाया जा सके और ताकि इससे देश के सामाजिक-आर्थिक विकास में योगदान मिले।

उद्देश्य

विश्वविद्यालय के जनादेश को पूर्ण करने के लिए

- उर्दू भाषा की उन्नति और विकास ;
- उर्दू माध्यम से उच्च शिक्षा और तकनीकी एवं व्यावसायिक शिक्षा प्रदान करना ;
- इच्छुक लोग जो कैंपस व दूरस्थ पाठ्यक्रम के माध्यम से उर्दू माध्यम में उच्च शिक्षा और प्रशिक्षण प्राप्त करना चाहते हैं उन लोगों तक अपनी व्यापक पहुँच प्रदान करना ; और
- महिला शिक्षा पर जोर देना;

छात्रों को उर्दू भाषा के माध्यम से अच्छा अनुभव प्रदान करना साथ ही निश्चित जोर संवादात्मक और नवीन शिक्षण-ज्ञानार्जन के साथ सामाजिक आउटरीच की वचनबद्धता पर देना।

शैक्षणिक और शोध परिणामों तथा आउटरीच पहल के संबंध में वैश्विक सर्वोत्तम कार्यप्रणालियों और मानदंडों का पालन करना ।

राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में सक्षम श्रमशक्ति की बढ़ती मांगों को पूरा करने के लिए छात्र क्षमता में वृद्धि करना। निरंतर शिक्षा, प्रायोजित अनुसंधान और परामर्श के माध्यम से आईआरजी बढ़ाने हेतु

राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था के विकास के लिए सक्षम श्रमशक्ति के उत्पादन के द्वारा लाखों गरीब लोगों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार लाने में योगदान कर सकते है।

संसाधनों को प्रभावी ढ़ंग और बेहतर ढंग से उपयोग करने के लिए और एक विशिष्ट क्रिया चालित पहल के साथ विश्वविद्यालय को एक स्मार्ट, डिजिटल और स्वच्छ परिसर में बदलने के लिए।

मानू ने स्पष्ट रूप से देश के उभरते हुए आर्थिक माहौल से संबंधित अपनी गतिविधियों को बढ़ाने,विस्तार एवं विस्तारित करने की आवश्यकता पर विचार किया और यूजीसी की शासनादेश योजना के अनुसार गतिविधियों को तीव्र करने के कारण कार्यबल की कमी को पूर्ण करने के लिए और साथ ही साथ मानव संसाधन विकास मंत्रालय के निदेश के संदर्भ में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, अनुसंधान बढ़ावा,आंतरिक संसाधन उत्पत्ति, ढ़ांचागत विकास, छात्र-केंद्रित साधन, ई-शासन पहल, आउटरीच गतिविधियों आदि। इसके अलावा,राष्ट्रीय कार्यावली अधिगम, निष्पक्षता और गुणवत्ता का पालन करना और यह भी सुनिश्चित करने के लिए कि सभी स्नातक छात्रों को अंग्रेज़ी भाषा और सूचना प्रौद्योगिकी के पर्याप्त ज्ञान प्राप्त करने की आवश्यकता है। इससे उर्दू भाषा सक्षम होगी और उर्दू बोलने वालो को देश के बाकी हिस्सों के छात्रों के साथ दोनों लम्बवत और क्षैतिज गतिशीलता के साथ प्रतिस्पर्धा कर सकते हैं।

मानक आधारित वित्त पोषण के लिए यूजीसी द्वारा निर्धारित निष्पादन रडार, अकादमिक, अनुसंधान और शासन कार्यों को प्रतिबिंबित करने के लिए मात्रात्मक संकेतक से विश्वविद्यालयों के सर्वांगीण विकास और संवृद्धि को दर्शाता है।

विश्वविद्यालय हस्तक्षेप कार्य/ उपाय संगठनात्मक संरचना का दृश्य, चरण/ योजना के प्रारंभ और अंत के दो बिंदुओं के मध्य विश्वविद्यालय की प्रगति और विकास में गति और अंतर का एक स्नैपशॉट दृश्य दर्शाते हैं ।

संगठनात्मक ढ़ांचा

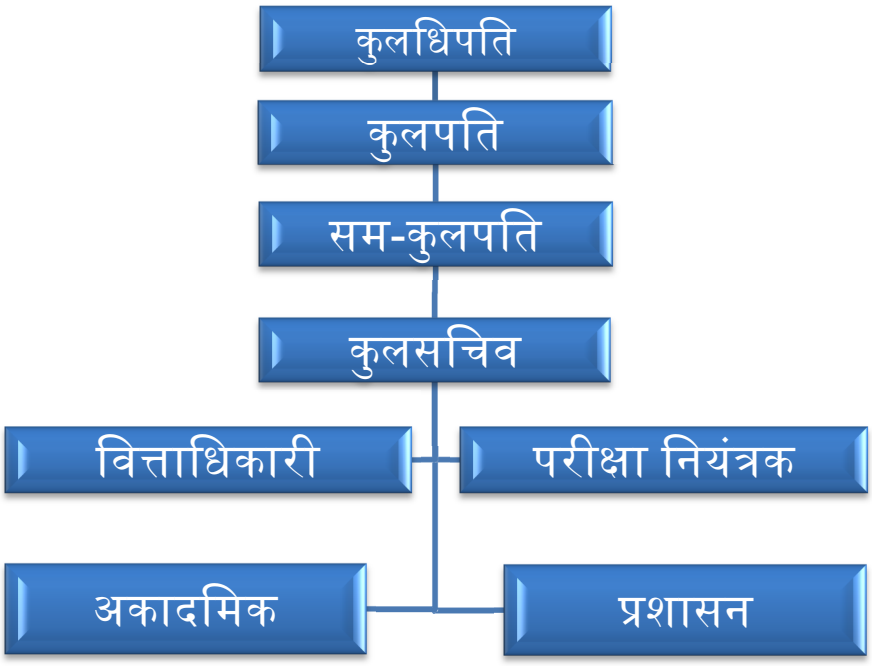

विशिष्टता:

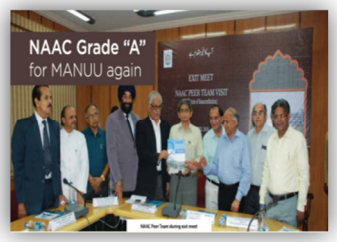

मौलाना आज़ाद नेशनल उर्दू यूनिवर्सिटी (मानू)1998 में राष्ट्रीय न्यायक्षेत्र के साथ संसद के एक अधिनियम के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालयों में से एक है, जिसे सभी प्रकार के विशिष्ट शैक्षणिक कार्यक्रमों सामान्य, तकनीकी, पेशेवर और व्यावसायिक शिक्षा की पेशकश करने और उर्दू माध्यम से प्राथमिक से उच्च शिक्षा स्तर तक शिक्षा प्रदान करने का गौरव प्राप्त है। विश्वविद्यालय के उद्देश्यों को पूरा करने के लिए विश्वविद्यालय के कुछ मुख्य अंश इस प्रकार हैं :

- *राज्यों में ऑफ- कैंपसों की स्थापना और विभिन्न विषयों में पाठ्यक्रम / कार्यक्रम की पेशकश; नियमित और दूरस्थ शिक्षा दोनों के माध्यम से दूरगामी क्षेत्रों तक पहुंचकर समाज की शैक्षिक आवश्यकताओं को पूरा करना; विभिन्न बुनियादी ढांचे से संबंधित विस्तारण गतिविधियों और आउटरीच कार्यक्रमों के माध्यम से एक जीवंत ज्ञानार्जन के वातावरण का निर्माण करना; पर्यावरण, ऊर्जा और पानी की दृष्टि से संरक्षण उपायों के लिए एक प्रबंधन ढांचा स्थापित करने के लिए एक स्थायी पर्यावरण-परिसर में विश्वविद्यालय को परिवर्तित करना जो राष्ट्रीय संस्कृति और नीति पर प्रभाव पैदा कर सके है;*

वर्ष 2009 में राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद द्वारा मानू के ' ए' ग्रेड से प्रत्यायित किया गया और फिर दूसरे दौर के दौरान, 2016 में विश्वविद्यालय को ' ए' ग्रेड से पुनः प्रत्यायित किया गया । एनआईआरएफ-2017 द्वारा विश्वविद्यालयों में विश्वविद्यालय को 101-150 के बीच सूचीयन किया गया और साथ ही पारिस्थितिकी संरक्षण हेतु INTACH पुरस्कार भी प्राप्त हुआ।

गतिविधियां :

अकादमिक : 7 अध्ययन संकायों के माध्यम से नियमित पाठ्यक्रम प्रदान करता है:

1) भाषा ,भाषा-विज्ञान एवं इंडोलॉजी ;
2) कला एवं सामाजिक विज्ञान
3) वाणिज्य एवं व्यापार प्रबंधन ;
4) शिक्षा एवं प्रशिक्षण ;
5) जनसंचार एवं पत्रकारिता
6) विज्ञान
7) संगणक विज्ञान और सूचना प्रौद्योगिकी

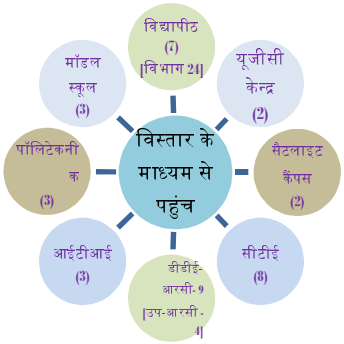

यह 7 संकाय 24 विभागों को चलाते है: - *(i)अरबी; (ii) अंग्रेज़ी; (iii) हिन्दी;(iv) फ़ारसी;(v) उर्दू;(vi) अनुवाद अध्ययन;vii) इस्लाम अध्ययन; viii) अर्थशास्त्र ; ix) इतिहास; x) राजनीतिक विज्ञान ; xi) लोक प्रशासन ; xii) समाजशास्त्र ; xiii) समाज कार्य ; xiv) महिला शिक्षा ; xv) गणित ; xvi) भौतिक शास्त्र; xvii)रसायन शास्त्र ; xviii) वनस्पति शास्त्र; xix) जीव विज्ञान; xx) वाणिज्य; xxi) प्रबंधन; xxii) पत्रकारिता एवं जनसंचार ;xxiii) शिक्षा एवं प्रशिक्षण ; xxiv) संगणक विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी ;विभाग।*

ये विभाग 72 कार्यक्रम और पाठ्यक्रम की पेशकश करते है, (21 पीएच.डी; 14 एम.फिल; 21 पीजी; 10 यूजी और 6 डिप्लोमा कार्यक्रम और 5 प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम) इसके अतिरिक्त मानू में 5 प्रत्यके पॉलिटेकनीक और आईटीआई ट्रैडस की पेशकश की जाती है। इसके अलावा विश्वविद्यालय बाजार आधारित आवश्यकताओं को ध्यान में रख कर लचीले अकादमिक ढांचे के साथ नवोन्मेषी और प्रासंगिक गुणवत्ता शिक्षा प्रदान करने हेतु विकसित हो रहा है;

अनुसंधान: उर्दू भाषा और उसकी विरासत को प्रोत्साहित करने के लिए मानू ने **4** अनुसंधान केंद्रों की स्थापना की जो उर्दू आबादी की शैक्षिक और सांस्कृतिक आवश्यकताओं को पूरा करती है।

उर्दू माध्यम शिक्षक पेशागत विकास केन्द्र
उर्दू के ज्ञान को बढ़ावा देने के लिए केन्द्र
उर्दू संस्कृति अध्ययन केन्द्र
दक्कन अध्ययन केन्द्र

अनुसंधान उपज

परियोजनाएं	अध्येतावृत्ति	पर्चे	पीएच.डी	एम.फिल
51	415	540	76	406

इसके अलावा, यूजीसी की योजनाओं के अंतर्गत सामाजिक और लैंगिक विषयों को संबोधित करने वाले अनुसंधान केंद्र भी स्थापित किए गए हैं, जिसमें सामाजिक बहिष्कार और समावेशी नीति केंद्र और महिला अध्ययन केंद्र हैं।

शासन: स्थापित संरचनाओं के साथ पारदर्शिता और जवाबदेही के लिए प्रभावी शासन प्रणाली को स्थान दिया गया है। इसके अलावा विश्वविद्यालय आंतरिक प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करने के लिए ई-गवर्नेंस में कार्य कर रहा है।

विश्वविद्यालय एमएचआरडी के मिशन मोड निर्देशों का हिस्सा है, जैसे स्वच्छ भारत अभियान; स्वच्छ भारत - स्वस्थ भारत; स्वच्छता पखवाड़ा; एक भारत - श्रेष्ठ भारत; बेटी बचाओ - बेटी पढ़ाओ; वित्तीय साक्षरता अभियान और प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना; इसके अतिरिक्त डिजिटल भारत परियोजना एनकेएन-एनएमई-आईसीटी, जिसमें कैंपस कनेक्ट, यूजीसी-इनफ्लिबनेट, एनडीएल क्लस्टर, स्वयं, भारतवाणी आदि.,

पहल:

मदरसा छात्रों को मुख्यधारा की शिक्षा में प्रवेश के साथ सकल नामांकन अनुपात(जीईआर) को बढ़ाने के लिए एक ब्रिज पाठ्यक्रम शुरू किया है।

चयन आधारित क्रेडिट प्रणाली (सीबीसीएस) को कार्यान्वित किया और एमओओसी द्वारा गैर-सीजीपीए क्रेडिट पाठ्यक्रमों के रूप में शामिल किया गया ताकि मानू द्वारा पेश किए जा रहे शैक्षणिक कार्यक्रमों के मूल्य में वृद्धि को बढ़ाया जा सके।

- सहयोग के माध्यम से अकादमिक, अनुसंधान और प्रशिक्षण गतिविधियों के विस्तार के लिए राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियों के साथ सामरिक भागीदारी के 8 समझौते।
- प्राथमिकता के आधार पर विभिन्न हितधारकों की अपेक्षाओं को पहचानना और संतुलित करना।
- विभिन्न हस्तक्षेप उपायों के माध्यम से छात्रों के समग्र विकास पर ध्यान केंद्रित करना।
- लघु अनुसंधान और नवोन्मेषी परियोजनाओं के लिए वित्त पोषण के माध्यम से प्राध्यापक का समर्थन करना।
- उर्दू भाषा में योगदान के लिए 'कुली कुतुब शाह' स्मारक व्याख्यान ।
- विश्वविद्यालय की दूरदर्शित, मिशन और जनादेश के साथ परिप्रेक्ष्य, रणनीति और कार्य योजना तैयार करने के लिए योजना एवं विकास अनुभाग की स्थापना की गई तथा विभिन्न योजना स्कीमों के लिए नोडल एजेंसी की भूमिका में कार्य करना और विकास गतिविधियों के लिए विश्वविद्यालय के विभिन्न प्रशासनिक अनुभागों के साथ समन्वय करना।

उपलब्धियाँ:

पहुंच: पेशेवर प्रतिस्पर्धी और सामाजिक रूप से संवेदनशील जनशक्ति तैयार करने के लिए जीईआर में प्रगतिशील सुधार को बनाए रखने के लिए जारी रखा गया;

समानता : आत्मविश्वास के साथ किसी भी सामाजिक चुनौतियों का सामना करते हुए सशक्तिकरण से उच्च शिक्षा के अवसरों को सभी उचित और वांछित लोगों के जीवन और मूल्यों को पूरा करने के लिए सक्षम वातावरण का विस्तार करते हुए समावेशी नीतियां प्रचलित हैं;

गुणवत्ता : छात्र-शिक्षक अनुपात को कम करने के लिए गुणवत्ता प्राध्यापक जैसे सहायक / अतिथि / अतिथि प्राध्यापक के अतिरिक्त बुनियादी ढांचे और सुविधाओं में काफी विस्तार किया गया।

सर्वोत्तम कार्यप्रणाली:

विभिन्न समर्थन प्रणाली और प्रगति उपायों के माध्यम से छात्र सशक्तिकरण;

क. **समर्थन प्रणाली:** छात्रावास सुविधा, 'सीखो और कमाओ' के माध्यम से शुल्क में रियायत,छात्रवृत्ति, महिला और दिव्यांगों के लिए आयु में छूट आदि।

ख. **प्रगति उपाय :** अत्याधुनिक तकनीक के साथ सीएसईसीए और ईओसी के माध्यम से कोचिंग सुविधा,प्लेसमेंट और प्रशिक्षण प्रकोष्ठ के माध्यम से व्यक्तित्व विकास, कार्यशालाओं के अलावा कंप्यूटर प्रयोगशाला और भाषा के माध्यम से कौशल विकास,सलाहकार और परामर्शदाता प्रणाली के माध्यम से आत्मविश्वास का निर्माण, खेल के माध्यम से प्रतिभा को विकसित करना, खेल, मनोरंजन और सांस्कृतिक गतिविधियाँ, एन एस एस, एन सी सी आदि.,

***सफलता की कहानियां*:**

औपचारिक और अनौपचारिक दोनों तरीकों से उर्दू माध्यमों में कार्यक्रमों की पेशकश करके और समाज के अधीनस्थ श्रेणियों के लिए उच्च शिक्षा को और अधिक सशक्त बनाने के द्वारा दूरगामी क्षेत्रों तक पहुंचे।

मानू अपने छात्रों को असंबद्ध जीवन अनुभवों में से संबद्ध किए जाने के साथ ज्ञान संवर्धन हेतु उर्दू भाषा ज्ञानार्जन के लिए तैयार करता है। यह चिंतन को समृद्ध करने में सक्षम है कि क्या व्याख्या करने के लिए है और सहिष्णुता, समग्रता , प्रेम और शांति की संस्कृति उत्पन्न करते हुए चीजों का अर्थ निकालता है। इसके अतिरिक्त, यह स्वयं की समझ और दुनिया के साथ मुकाबले के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए जिम्मेदार वैश्विक नागरिक के रूप में स्वयं को बनाए रखेगा ।

उल्लेखनीय घटनाक्रम :

दीक्षांत समारोह: 26 दिसंबर 2016 को विश्वविद्यालय का छठा दीक्षांत समारोह आयोजित कर डिग्री प्रदान किए गए और सेवा के संबंधित क्षेत्रों में प्रतिष्ठित व्यक्तियों शाहरूख ख़ान और संजीव सराफ को मानद की उपाधि से सम्मानित किया गया था।

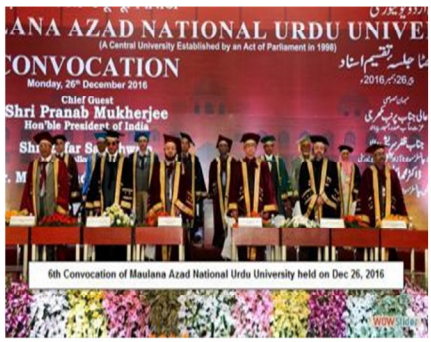

व्याख्यान श्रृंखला:

11 नवंबर 2016 को प्रो.इश्तियाक अहमद ज़िल्ली, निदेशक, शिब्ली अकादमी, आज़मगढ़, यू.पी. के द्वारा आज़ाद स्मारक व्याख्यान ।

03 जनवरी 2017 के डॉ. इवा ऑर्थमान, प्रख्यात फ़ारसी अध्येता, इस्लाम अध्ययन विभाग, बॉन विश्वविद्यालय, जर्मनी द्वारा 'द इंडो-परशियन ट्रांस्लेशन मूवमेंट : एन अर्ली सलीहोत्रा ट्रांस्लेशन फ्रम द डेक्कन- पर विशिष्ट व्याख्यान दिया गया;

9 जनवरी 2017 को डॉ.वी.के.सारस्वत, सदस्य, नीति आयोग, भारत सरकार द्वारा स्थापना दिवस व्याख्यान दिया गया।

30 जनवरी 2017 को प्रो. पैट्रिक मान्निंग, ऐन्ड्रू डब्ल्यू. मेल्लन चेयर प्रोफेसर विश्व इतिहास, पीट्सबर्ग विश्वविद्यालय,यू.एस.ए. द्वारा 'वाइड अर्रे ऑफ नेटवर्कस ऑफ द इंडियन ऑशन विथ अदर पार्टस ऑफ द वर्ल्ड' पर मुख्य व्याख्यान दिया गया।

भ्रमण:

- **पदाधिकारी:**

  श्री. एम.वेंकैया नायडू, माननीय सूचना और शहरी विकास मंत्री, भारत सरकार ने मानू में भ्रमण कर मुख्य अतिथि के रूप में उर्दू पत्रकारिता पर कार्यशाला का उद्घाटन किया।

  न्यायमूर्ति बी. सुभाषन रेड्डी, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना राज्य के माननीय लोकायुक्त ने विश्वविद्यालय में भ्रमण कर 04 नवंबर 2016 को सप्ताह चलने वाले आज़ाद दिवस समारोह का उद्घाटन किया।

- **दल:**

  नैक शिष्टजन दल द्वारा मानू में 4-6 अप्रैल 2016 तक दूसरे दौर के प्रत्यायन के लिए दौरा।

  आवासीय कोचिंग अकादमी की संतति के लिए 19.03.2017 को विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति का दौरा।

विशेष घटनाक्रम :

केन्द्रीय मंडल कुलपतियों के सभा सम्मेलन का आयोजन	28-29 **नवंबर**, 17	**शिक्षा एवं प्रशिक्षण विभाग**	**एआईयू, नई दिल्ली**

वर्ष 2016-17 के दौरान सांख्यिकीय प्रदर्शन :

प्राध्यापक का अकादमिक, अनुसंधान और प्रशिक्षण कार्यक्रम:

घटनाक्रम	अंतर्राष्ट्रीय		राष्ट्रीय		क्षेत्रीय	
	आयोजित	उपस्थित	आयोजित	उपस्थित	आयोजित	उपस्थित
सम्मेलन	**4**	**2**	**9**	**18**	**11**	**42**
कार्यशालाएं	**-**	**-**	**6**	**5**	**9**	**8**
नोट: सम्मेलनों में संगोष्ठि एवं विचार-गोष्ठी शामिल है						

प्रवेश:

स्ट्रीम	यूजी	पीजी	एम.फिल	पीएच.डी.	डिप्लोमा	प्रमाण पत्र	अन्य
सामान्य	84	212	51	35	44	41	07
पेशेवर	432	209	02	11	77	-	-
तकनीकी	56	11	-	04		-	-
व्यावसायिक	-	-	-		352	156	-
कुल	**572**	**432**	**53**	**50**	**473**	**197**	**07**

नियुक्तियाँ:

संवर्ग	शैक्षणिक			गैर-शैक्षणिक			
	स्वीकृत	भर्ती	रिक्त	संवर्ग	स्वीकृत	भर्ती	रिक्त
प्रोफेसर	48	31	17	ए	45	37	08
एसोसिएट प्रोफेसर	87	49	38	बी	117	98	19
सहायक प्रोफेसर	249	232	17	सी	236	227	09
कुल	384	312	72	कुल	398	362	36

वैधानिक निकाय की बैठके:

वैधानिक निकाय	कार्यकारी परिषद	अकादमिक परिषद	वित्त समिति	भवन समिति
बैठकों की संख्या	4	2	4	4

बारहवीं योजना के दौरान विस्तारण के संदर्भ में प्रगति:

योजना की समाप्ति	स्कूल	विभाग	ऑफ-कैंपस	छात्र	प्राध्यापक	अन्य अकादमिक	स्टाफ	योजना अनुदान
XI	6	13	10	1999	293	99	364	112.50
XII	7	24	17	6696	384	130	398	208.10

बारहवीं योजना के दौरान (. लाखों में) वित्त :

आवंटन	स्वीकृत	जारी	प्रयुक्त	ब्याज	शेष	% प्रयोग
गैर-योजना	18747.00	18747.00	18016.00	0.00	731.00	96.10
योजना	20810.00	20810.00	20275.00	293.00	827.00	96.08

III) विश्वविद्यालय प्रशासन

कुलसचिव विश्वविद्यालय प्रशासन का प्रमुख होता है। 1 फरवरी 2016 से डॉ. शकील अहमद ने नियमित कुलसचिव के रूप में कार्यभार संभाला है । वर्तमान में, विश्वविद्यालय में 3 संयुक्त कुलसचिव, 11 सहायक कुलसचिव, 2 सहायक निदेशक, 30 अनुभाग अधिकारी और 2 सहायक लेखा अधिकारी सहित 100 प्रशासनिक, तकनीकी और आईटी समर्थित कर्मचारी कार्यरत है।

निम्नलिखित विश्वविद्यालय प्रशासन में विभिन्न विभागों और अनुभागों के कामकाज को दर्शाते हैं। उपरोक्त के अतिरिक्त यह पारदर्शिता और जवाबदेही के साथ सेवाओं को अधिक प्रभावी ढंग से वितरित करने के लिए शैक्षिक प्रशासकों द्वारा दोनों नीतिगत ढांचे और कार्यान्वयन रणनीति हेतु समर्थन प्रदान करता है।

शासन

शासन विश्वविद्यालय की मुख्य महत्वपूर्ण कार्यात्मक इकाई है जो संस्थागत प्राथमिकताओं और कार्यप्रणाली के अनुसार नीति, संपत्ति के कार्यान्वयन और निगरानी, वित्त, खरीद, मानव संसाधन, जनसंपर्क, सूचना प्रबंधन, प्रलेखीकरण और समर्थन सेवाओं के अलावा नियोजन और विकास , जिसे लगातार दल कार्य, समन्वय और संचार की आवश्यकता होती है। विश्वविद्यालय के प्रमुख मूल्यों का पालन करते हुए, कई हितधारकों के साथ दीर्घकालिक सहयोग और उत्पादक संबंधों को बनाए रखने पर यह प्रदर्शन निर्भर करता है। इसके अलावा संगठनात्मक संरचनाओं में असीमित संख्या में भिन्नताएं अनिवार्य थीं क्योंकि यूजीसी और एमएचआरडी के योजना शासनादेश के अंतर्गत विश्वविद्यालय का विस्तार हुआ था। शैक्षणिक प्रशासकों द्वारा निपटाए गए अधिकांश निर्णयों और मुद्दों (प्रशासन, अकादमिक और अनुसंधान) विश्वविद्यालय की दूरदर्शित, मिशन और उद्देश्यों को पूरा करने में साझा विचारों के आधार पर तर्कसंगतता, विश्वसनीयता और प्राधिकरण से संबंधित हैं।

मानव संसाधन

विश्वविद्यालय का मानव संसाधन तीन अनुभागों द्वारा नियंत्रित किया जाता है., स्थापना एवं भर्ती – I (शैक्षणिक प्राध्यापक), स्थापना एवं भर्ती –II (गैर- शैक्षणिक प्राध्यापक) एवं शासन एवं प्रशासन ।

i. **स्थापना एवं भर्ती – I अनुभाग** : यह अनुभाग विश्वविद्यालय के शैक्षणिक कर्मचारियों, पॉलिटेक्निक, आईटीआई और मॉडल स्कूल से संबंधित भर्ती और सेवा के मामलों को देखता हैं। विश्वविद्यालय नें अपने शिक्षकों के लिए यू.जी.सी/एआईसीटीई/ भारत सरकार द्वारा निर्धारित नियमों और नियमावली एवं समय-समय पर संशोधित नीतियों को अपनाया हैं। रिक्तियों के आने पर शिक्षक भर्ती के अलावा, स्थापना एवं भर्ती-I अनुभाग का मुख्य कार्य रोजगार अधिसूचना, अनुवीक्षण का आयोजन और उचित रूप से गठित समितियों के माध्यम से आवेदनों की संक्षिप्त सूची और साक्षात्कार आयोजन करने के लिए मिसिल की कार्यविधि करना हैं। सेवा पंजीयों, छुट्टियों का रिकॉर्ड, व्यक्तिगत मिसिल, नामांकन, सेवा समझौते, एल.टी.सी. रिकॉर्ड और शैक्षिक स्टाफ से संबंधित सेवा मामलों एवं अन्य महत्वपूर्ण दस्तावेजों का अनुरक्षण करना है। अनुभाग कार्यकारी परिषद और अन्य महत्वपूर्ण समिति बैठकों के आयोजन में अपनी सेवाओं का योगदान प्रदान करता है।समय-समय पर यू.जी.सी. और एम.एच.आर.डी. द्वारा मांगी गई विभिन्न जानकारी और सूचना का अधिकार अधिनियम, संसद को प्रश्नों, लेखापरीक्षा को उत्तर देने से संबंधित कार्य की देखरेख करता है। विभिन्न नीतिगत मामलों पर एम.एच.आर.डी./ यूजीसी के साथ पत्राचार। अनुभाग कार्यालयी कार्य हेतु एल.टी.सी., वेतन यौगिकीकरण, छुट्टियां, अध्ययन-छुट्टियाँ डयूटी-छुट्टियाँ,टी.ए.,डी.ए. मामलों को देखता हैं, विभिन्न प्रयोजनों के लिए अनापति प्रमाण-पत्र जारी करना, अभिविन्यास और पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में भाग लेने के लिए अनुमति इत्यादि। इसके अलावा कार्यकारी परिषद के सदस्यों, अध्ययन विद्यापीठों को संकायाध्यक्षों, विभागाध्यक्षों, कुलानुशासक, छात्रावासों के लिए मुख्य वार्डन, वार्डन की नियुक्ति विश्वविद्यालय के अधिनियम और संविधि के अंतर्गत प्रावधान के अनुसार की जाती है। यू.जी.सी. विनियम 2010 के अनुसार कैरियर उन्नत योजना के अंतर्गत पात्र शिक्षक को बढ़ावा /पदोन्नति देना आरंभ कर दिया हैं। कैरियर उन्नत योजना का लाभ विश्वविद्यालय के सभी पात्र अध्यापकों के लिए बढ़ा दिया गया है। तदनुसार, यू.जी.सी. वेतनमान/ वेतन बैंड और अकादमिक ग्रेड पे के अनुसार उनके वेतन में अभ्युत्थान करना। ई.आर- I अनुभाग शैक्षिक स्टाफ की वरिष्ठता सूची, आरक्षण पंजी, और पद आधारित पंजी को तैयार करने के कार्य में शामिल रहता है।

ii. **स्थापना एवं भर्ती– II अनुभाग :** यह अनुभाग विश्वविद्यालय के गैर-शैक्षणिक और तकनीकी कर्मचारियों से संबंधित भर्ती और सेवा के मामलों को देखता हैं। विश्वविद्यालय नें अपने गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों के लिए यू.जी.सी/ भारत सरकार द्वारा निर्धारित नियमों और नियमावली एवं समय-समय पर संशोधित नीतियों को अपनाया हैं। गैर-शैक्षणिक और तकनीकी कर्मचारियों से संबंधित भर्ती के अलावा, स्थापना एवं भर्ती- II अनुभाग का मुख्य कार्य रोजगार अधिसूचना, अनुवीक्षण का आयोजन और उचित रूप से गठित समितियों के माध्यम से आवेदनों की संक्षिप्त सूची और साक्षात्कार/ परीक्षा का आयोजन करने के लिए मिसिल कार्यविधि करना हैं। सेवा पंजीयों, छुट्टियों का रिकॉर्ड, व्यक्तिगत मिसिल, नामांकन, सेवा समझौते, एल.टी.सी. रिकॉर्ड और गैर-शैक्षणिक और तकनीकी कर्मचारियों से संबंधित सेवा मामलों एवं अन्य महत्वपूर्ण दस्तावेजों का अनुरक्षण करना है। अनुभाग कार्यालयी कार्य हेतु एल.टी.सी., वेतन यौगिकीकरण, छुट्टियां, टी.ए.,डी.ए. मामलों को देखता हैं, विभिन्न प्रयोजनों के लिए अनापति प्रमाण-पत्र जारी करना, प्रशिक्षण कार्यक्रमों/कार्यशालाओं में भाग लेने के लिए अनुमति इत्यादि। संशोधित सुनिश्चित करियर प्रगतन स्कीम और विभागीय पद्दोन्नति समिति के अनुसार पद्दोन्नति नीति को देखता है। इसके अलावा, अनुभाग गैर-शैक्षणिक और तकनीकी कर्मचारियों से संबंधित बहुत महत्वपूर्ण रिकॉर्ड जैसे कि वरिष्ठता सूची, आरक्षण पंजी, और पद आधारित पंजी को तैयार/संधृत करने के कार्य में शामिल रहता है।

iii. **शासन एवं प्रशासन अनुभाग**: इस समय शासन एवं प्रशासन द्वारा निम्नलिखित सामान्य मामलों को देखा जाता है सामान्य आदेश/अधिसूचना/परिपत्र; बाल शिक्षा भत्ता की कार्यविधि; वाहनों (दोपहिया/चार पहिया वाहनों) ऋणों, त्यौहार और विशेष अग्रिम की कार्यविधि; कर्मचारियों को स्वास्थ्य-कार्ड और पहचान पत्रों को जारी करना; अग्रदाय, आकस्मिक व्यय, सुरक्षा बिल और मुख्यालय के अग्रिम , क्षेत्रीय केन्द्रों, उप क्षेत्रीय केन्द्रों, सीटीई,आईटीआई, पॉलिटेकनीक, मॉडल स्कूल की कार्यविधि । निम्न समितियों की बैठकों का आयोजन : (1) स्वास्थ्य योजना की स्थायी समिति; (2) चिकित्सा तकनीकी समिति और (3) नीति निर्णयों की स्थायी समिति ।

अन्य कार्यों में गैर-योजना बजट की निगरानी, गैर-शैक्षिक कर्मचारी के प्रायोजक एवं व्यावसायिक प्रशिक्षण और समय-समय पर किसी अन्य कार्य को निर्दिष्ट किया जाना।

आधारभूत अनुभाग

विश्वविद्यालय का अवसरंचना अनुभाग पूंजी परिसंपत्तियों के विकास और खरीद एवं उसके प्रबंधन को देखता है और यह विविध प्रकोष्ठों द्वारा नियंत्रित किया जाता है

i. संपदा प्रकोष्ठ: यह प्रकोष्ठ शैक्षणिक गतिविधियों के लिए मूलभूत सुविधाओं को बढ़ाने और सभी अभिलेखों की स्थिति को बनाए रखने के लिए भारत के विभिन्न राज्य सरकारों/ दानकर्ताओं से भूमि के अधिग्रहण करने का उत्तरादायित्व है। भारत के विभिन्न राज्यों के ऑफ-कैंपस में स्थित क्षेत्रीय केंद्रों, उप-क्षेत्रीय केंद्रों, आईटीआई, पॉलिटेक्निक,सीटीई और मॉडल स्कूलों को अन्य विविध किराए के समायोजित भवनों के लिज़, पट्टा समझौते, भुगतान एवं नवीकरण के लिए व्यवस्था आदि करने हेतु प्रकोष्ठ उत्तरदायी है। इसके अतिरिक्त,विभागों ,विद्यापीठों, कर्मचारी आवासों, बैंक, डाक घर, कैंटीन, और प्रोविशनल दुकान आदि को भवन के आवंटन को भी देखता है। इसके अलावा, संपदा प्रकोष्ठ कैंपस में सेंट्रेक्स कनेक्शन/ निःशुल्क कनेक्शन के रख-रखाव को भी देखता है।

ii. साफ-सफाई (हाउस्कीपिंग) और सुरक्षा सेवा प्रकोष्ठ: यह प्रकोष्ठ मुख्य रूप से सभी भवनों, क्षेत्रों और आंतरिक सड़कों पर स्वच्छता के वातावरण के प्रावधान पर साफ सफाई सेवाओं की नियमित पर्यवेक्षण की सुविधा प्रदान करता है और बड़ी संख्या में कर्मचारियों के साथ बाहरी स्रोत से साफ सफाई सेवाएँ प्रदान करता है। यह विश्वविद्यालय सुरक्षा सेवाओं की भी निगरानी और आवश्यक कर्मचारियों को बाहरी स्रोत से सेवाएँ प्राप्त करते है।

iii. कैंपस विकास प्रकोष्ठ: यह प्रकोष्ठ सड़कों के निर्माण और बाड़ लगाने / सीमा की दीवार, परिदृश्य विकास, सीवरेज लाइनों के बिछाने, बिजली और पानी के प्रावधान को बढ़ाने के अलावा उनकी उन्नति को देखता है। बिजली उप-स्टेशन / ट्रांसफार्मर की स्थापना, साफ पेयजल सुविधाओं के अतिरिक्त वैकल्पिक बिजली की आपूर्ति। यह कर्मचारियों के लिए बेहतर प्रेरणादायक और प्रेरक काम के वातावरण और विद्यार्थियों के लिए ज्ञानार्जन के माहौल के लिए नवीकरण सुविधाओं की देखभाल भी करता है। यह प्रकोष्ठ ऊर्जा और जल संरक्षण उपायों को प्राथमिकता देता है और पीडब्ल्यूडी के लिए सक्षम माहौल की सुविधा प्रदान करता है, जिसमें रैंप का निर्माण, लिफ्टों का प्रावधान और सुलभ शौचालय शामिल हैं। इसके अलावा यह कैम्पस विकास के अंतर्गत विशेषज्ञ राय के आधार पर विश्वविद्यालय के अन्य किसी भी मद का भी समावेशन कर सकता है, हालांकि जहां निर्माण शामिल है, योजना अवधि के दौरान कुल वित्तीय परिव्यय के 50% के भवनों के आवंटन से प्रावधान किया जाएगा। यह प्रकोष्ठ एक उचित तरीके से कार्यों को पूरा करने के लिए लॉन-मॉवर, कटर आदि भी रखता है। इसके अलावा, इसकी प्राथमिकता कैंपस में हरित आवरण को विकसित और विस्तारित करना है।

iv. भवन प्रभाग प्रकोष्ठ: यह प्रकोष्ठ यूजीसी के नियमों के अनुसार विभिन्न निर्माण परियोजनाओं की योजना, अनुमान और निर्माण की तैयारी के लिए उत्तरदायी है, जिसमें अकादमिक, प्रशासनिक और सुविधाएं शामिल है और विश्वविद्यालय की सभी भवन परियोजनाओं का अनुमान योजना अवधि के अनुसार कुल वित्तीय परिव्यय का 50% से अधिक नहीं होना चाहिए। यह प्रकोष्ठ भवन निर्माण समिति और सक्षम प्राधिकारी की सिफारिश के साथ सभी नए निर्माण, विस्तार और नवीकरण (30 लाख रुपये से अधिक) को कार्यान्वित करता है। भवन समिति , प्रस्तावित विभिन्न परियोजनाओं के रेखा-चित्रों और अनुमानों को अंतिम रूप देने और स्वीकृत रेखा-चित्रों के अनुसार निर्माण की प्रगति की आवधिक समीक्षा के साथ भवनों को पूरा करने के लिए जिम्मेदार है और यू.जी.सी., सरकार एवं विश्वविद्यालय के अपने संसाधनों से प्राप्त धनराशि का अनुमान और उचित उपयोग करना। विश्वविद्यालय भवन प्रभाग निधीयन अभिकरण द्वारा अनुमोदन और अनुदान जारी करने के लिए आवश्यक प्रमाण पत्र जमा करने की सुविधा प्रदान करती है। यदि भवन पूर्ण होने पर व्यय आयोग द्वारा अनुमोदित राशि से अधिक है तो वह अपने स्वयं के संसाधनों से हैं, या यू.जी.सी. / निधीयन अभिकरण के पूर्व अनुमोदन के साथ अनुमोदित वस्तु(वस्तुओं) से पुनःविनियोग।

क्रय एवं भंडार अनुभाग

विश्वविद्यालय सभी प्रकार की मुक्त और सीमित निविदा प्रक्रियाओं के लिए केन्द्रीय खरीद और खरीद उपकरण, पुस्तकें और पत्रिकाओं, फर्नीचर, निर्धारित सेवाओं की वार्षिक रखरखाव, अनुबंध और उपभोग्य सेवाओं के दर (रसायन, स्टेशनरी और भंडार वस्तु) की सुविधा प्रदान करता है। किसी भी संगठन की सफलता सभी विभागों / स्कूलों / अनुभागों के लिए समयबद्ध खरीद और उपकरण, फर्नीचर और अन्य की आपूर्ति और स्थापना के समय में होती है। विश्वविद्यालय का जनादेश प्रकोष्ठ को केंद्रीय खरीद और खरीद प्रणाली का पालन जीएफआर के अनुसार और जिसमें समय-समय पर संशोधन होते है। बजट आवंटन और प्रावधानों के अलावा सक्षम अधिकारी के अनुमोदन के बाद अनुभागों, विभागों, विद्यापीठों आदि से विभिन्न वस्तुओं के लिए मांग पत्र प्राप्त किए जाते है। सारी खरीद मानकों के अनुसार की जाती है।वित्तीय वर्ष में प्रमुख क्रय/ खरीद में नए स्थापित किए गए विद्यापीठों के लिए उपकरण एवं फर्नीचर, इसके अलावा विभागों और अनुभागों के लिए उपभोग्य जैसे प्रिंटिंग और डीडीई के लिए स्वतः ज्ञानार्जन सामग्री की आपूर्ती (पुस्तके, दत्त कार्य, विवरणिका); परीक्षा शाखा के लिए उत्तर पुस्तिका; विश्वविद्यालय द्वारा पेश किए गए विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु विवरणिका;

वित्त एवं लेखा अनुभाग

वित्त अनुभाग की विभिन्न इकाइयों द्वारा विश्वविद्यालय वित्त को स्त्रोत, उत्पादन, पोषित, और संचालित किया जाता है। विश्वविद्यालय भारत सरकार और यूजीसी द्वारा स्वीकृत विभिन्न अनुदानों पर काफी हद तक आश्रित है। इसके अलावा, विश्वविद्यालय छात्रों द्वारा एकत्रित शुल्क के रूप में अपने आंतरिक संसाधनों को उत्पन्न करता है, अर्जित ब्याज और विभिन्न वित्तपोषण एजेंसियों से विभिन्न शीर्षकों के अंतर्गत। इस अनुभाग में विभिन्न प्रकोष्ठ हैं, जिनमें वेतन और व्यक्तिगत दावों, बिल और चेक, बजट और लेखा, आईआरजी और आंतरिक लेखा परीक्षा आदि शामिल हैं।

आंतरिक लेखा परीक्षा प्रकोष्ठ: आंतरिक लेखा परीक्षा प्रकोष्ठ इस समय एक आंतरिक लेखा परीक्षा अधिकारी और चार आंतरिक लेखाकार प्रतिनियुक्ति के आधार पर माननीय कुलपति के नियंत्रण में काम कर रहा है। आंतरिक लेखा परीक्षा अधिकारी प्रतिनियुक्ति के आधार पर नियुक्त किये जाते हैं। लेखा परीक्षा विभाग के सेवानिवृत कर्मचारियों को प्रतिनियुक्ति के आधार पर आंतरिक लेखा परीक्षकों के रूप में लिया जाता हैं। आंतरिक लेखा परीक्षा विभाग को उच्च मूल्य लेनदेन और समझौतों की समीक्षा करने और रूपये 50,000 से अधिक के भुगतान की पूर्व लेखा परीक्षा के कर्तव्यों को सौंपा गया है। विभाग वित्त एवं लेखा के रसीदों की नियमित रूप से समीक्षा करता हैं। विभाग द्वारा विश्वविद्यालय के विभागों, केन्द्रों,कॉलेज़ों और विद्यापीठों उत्तर-लेखापरीक्षा (पोस्ट-ऑडिट) किया जाता है। आंतरिक लेखा परीक्षा अधिकारी कुलसचिव और कुलपति द्वारा उसे भेजें गए विषयों पर अपनी राय देता हैं। आंतरिक लेखा परीक्षा अधिकारी वस्तुओं और सेवाओं की खरीद के उद्देश्य हेतु विभिन्न समितियों में एक विशेष आमंत्रित सदस्य होता हैं। सभी निविदा दस्तावेज़ों को अंतिम रूप देने से पहले आंतरिक लेखा परीक्षा कार्यालय के द्वारा भली प्रकार से जांच लिया जाता है।

जनसंपर्क अनुभाग

विश्वविद्यालय जनसंपर्क एक महत्वपूर्ण अनुभाग है जो विभिन्न प्रकोष्ठों से बना हुआ है जो विभिन्न गतिविधियों का प्रदर्शन कर विश्वविद्यालय की ब्रांड छवि को बढ़ाती है। ये प्रकोष्ठ विश्वविद्यालय में प्रेस और इवेंट मैनेजमेंट सहित विभिन्न एजेंसियों के साथ संपर्क कार्य की सुविधा प्रदान करते हैं।

i. **मीडिया संपर्क प्रकोष्ठ**: मीडिया प्रकोष्ठ का उद्देश्य मानू की गतिविधियों के प्रचार और प्रचार करने हेतु प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के साथ संबंध बनाए रखना है। प्रेस नोट्स और विभिन्न अधिसूचनाएं सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन से प्रकोष्ठ द्वारा जारी की जाती हैं यह न केवल नेशनल इंग्लिश डेलीज़ और प्रमुख देशी भाषा के समाचार पत्रों में प्रकाशित किए जा रहे हैं, लेकिन प्रमुख वेबसाइट्स भी हैं जो मानू के समाचार और तस्वीरें पोस्ट करती हैं। इसके अलावा, यह प्रसिद्ध राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय समाचार एजेंसियों द्वारा आवृत किया जाता है । इस प्रकोष्ठ को विश्वविद्यालय पत्रिका (अल-कलाम) का प्रकाशन और विश्वविद्यालय प्रोफाइल के लिए विवरण पुस्तिका तैयार करने का कार्य सौंपा गया है।

ii. **इवेंट मैनेजमेंट प्रकोष्ठ** : यह विश्वविद्यालय की विभिन्न घटनाओं जैसे सम्मेलन / संगोष्ठी / विचार-गोष्ठियों / कार्यशालाओं / प्रख्यात व्यक्तित्वों के अतिथि व्याख्यान आदि के सफल आयोजनों के लिए अन्य विभागों, विद्यापीठों और केंद्रों की सहायता भी करेगा। और विश्वविद्यालय के घटनाक्रमों में भी रिकॉर्ड करेगा ।

iii. **यात्रा पटल और अतिथि संपर्क प्रकोष्ठ**: इस प्रकोष्ठ का कार्य गेस्ट हाउस में विश्वविद्यालय अधिकारियों एवं अतिथियों के आरक्षण एवं आवास व्यवस्था के अतिरिक्त यात्रा योजनाओं को सुगम करना आदि.,

iv. **परिवहन प्रकोष्ठ**: विश्वविद्यालय परिवहन प्रकोष्ठ विश्वविद्यालय के वाहन की स्थिति, विश्वविद्यालय के विभिन्न वैधानिक अधिकारियों को वाहन आवंटन और विशेष रूप से लॉग बुक को बनाए रखता है। यह वाहनों की जरूरतों को जब कभी पूरा करने की सुविधा प्रदान करता है और वाहनों की भर्ती के लिए वार्षिक दर अनुबंध प्रक्रिया के लिए भी जा सकता है। यह विश्वविद्यालय की जरूरतों को उचित सिद्ध करने के लिए वाहनों की संख्या को भी देगा।

योजना एवं विकास अनुभाग

अच्छी योजना और विकास क्रियाकलाप, भूतकाल, वर्तमान काल और भविष्य की पहल के बीच स्पष्ट संबंध स्थापित करके एक व्यवस्थित तरीके से विश्वविद्यालय के संगठित विकास में योगदान प्रदान करती है। योजना लक्ष्य निर्धारित करने, रणनीति तैयार करने, जरूरतों को निर्धारित करने, संसाधनों को आवंटित करने और विभिन्न विकास गतिविधियों के लिए कार्यान्वयन व्यवस्था को रूपांतरित करने की प्रक्रिया है। विकास में जानकारी प्रबंधन प्रणाली के अलावा शैक्षणिक, अनुसंधान, आउटरीच, शासन, बुनियादी ढांचा, वित्तीय और मानव संसाधन के मामले में संस्थागत प्रभाव और प्रदर्शन को बढ़ाना में भी शामिल है। विश्वविद्यालय का योजना और विकास कार्यालय विश्वविद्यालय के परिसंपत्तियों के विकास और विश्वविद्यालय के प्रत्येक परिसर की लंबी दूरी की भौतिक दृष्टि को परिभाषित करने के लिए जिम्मेदार है और विश्वविद्यालय की संगठनात्मक स्थापना के प्रबंधन में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसके अलावा, यह विश्वविद्यालय के सभी विकास कार्यक्रमों के लिए एक सहज रणनीतिक और परिचालन योजना प्रदान करता है और सुधारों के माध्यम से दोनों अकादमिक और प्रशासनिक को पूरा करने और अग्रिम करने के लिए निर्णय लेने के लिए सहायता प्रदान करता है।

आदेश सं. मानू /शासन और प्रशासन-III / मि.108 / 2013-14 / 732 दिनांक 30.10.2013 के अनुसार, विकास प्रकोष्ठ को मानू में अन्य वित्त पोषण अभिकरणों और यूजीसी की योजना के अंतर्गत विकास अनुदान की मंजूरी के प्रस्तावों को देखने हेतु स्थापित किया गया। बाद में, विकास प्रकोष्ठ को समाप्त कर वर्ष 2016 में पुनःनामकरण कर योजना और विकास नाम दिया गया।

योजना और विकास प्रकोष्ठ को एक अनुभाग के रूप में विस्तारित कर कक्ष आवंटित किया गया है। प्रशासनिक भवन की दूसरी मंजिल में कक्ष संख्या. 210 और 211 से कामकाज कर रहा है।

इस अनुभाग को विषयों, जैसे यूजीसी / एमएचआरडी पत्रव्यवहार, योजना के अंतर्गत सामान्य विकास सहायता, विकास योजना तैयार करने, शिक्षण और गैर-शिक्षण पदों की मंजूरी के लिए प्रस्ताव आदि को देखने का कार्य सौंपा गया है। समय-समय पर नए संस्थानों, संसदीय जवाब, आगंतुक की बैठक और सम्मेलन, एटीआर, संस्थागत परियोजनाएं, यूजीसी योजनाएं और प्राधिकरण द्वारा कोई अन्य कार्य करने हेतु स्थापित किया गया है। इसके अलावा यह लेखा परीक्षा प्रश्नों का परीक्षण भी कर रहा है, अनुभाग आर.टी.आई. उत्तरों आदि से संबंधित विषयों देखता है।

प्रो. ए.रविंदर नाथ को उस्मानिया विश्वविद्यालय से प्रतिनियुक्ति के आधार पर विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी(पी एंड डी) के रूप में नियुक्त किया गया है। दिनांक 09.05.2016 को विश्वविद्यालय में नियुक्त हुए । इसके बाद, उन्हें संकायाध्यक्ष , अकादमिक के पद पर नियुक्त किया गया। इसके अलावा, यह राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अन्य संस्थानों / संगठनों / एजेंसियों के साथ समझौता ज्ञापन का कार्य देखता है।

वर्ष 2016-17 के दौरान गतिविधियों की रिपोर्ट

सं.	प्रदर्शित गतिविधियाँ			
1.	विकास प्रस्थापना			
2.	विकास अनुदान			
3.	संस्थागत परियोजनाएं-यू.जी.सी. योजनाओं द्वारा समर्थित			
	i.	समान अवसर प्रकोष्ठ		
	ii.	यूजीसी कोचिंग योजनाएँ	**ए.**	सुधारात्मक
			बी.	नेट
			सी.	सेवाओं में प्रवेश
	iii.	द्वियांग व्यक्तियों के लिए योजना		
	iv.	मौलाना अबुल कलाम आज़ाद पीठ		
	v.	यूजीसी-सीएसई-आवासीय कोचिंग अकादमी		
	vi.	महिला अध्ययन केन्द्र		
	vii.	सामाजिक बहिष्कार और समावेश नीति केन्द्र		
	viii.	यूजीसी-मानव संसाधन विकास केन्द्र		
	ix.	खेल आधारभूत योजना		
	x.	डे केयर केन्द्र		
	xi.	नवोन्मेष कार्यक्रम योजना		
	xii.	'कैंपस कनेक्ट' योजना		
4.	संस्थागत योजनाएँ- विकास या अन्य अनुदान द्वारा समर्थन			
	i.	एचकेएस दक्कन अध्ययन केन्द्र		
	ii.	उर्दू संस्कृति अध्ययन केन्द्र		
	iii.	उर्दू माध्यम शिक्षको के पेशवर विकास केन्द्र		
	iv.	उर्दू में ज्ञान को बढ़ावा देने के लिए केन्द्र		
5.	उच्च शिक्षा पर अखिल भारतीय सर्वेक्षण- आंकडे			
6.	आगंतुको और एमएचआरडी सम्मेलनों के संकल्प पर एटीआर			
7.	संसदीय प्रश्नों के लिए उत्तर			
8.	यूजीसी-एमएचआरडी पत्राचार			
9.	यूजीसी - केन्द्रीय विश्वविद्यालय पोर्टल			
10.	अन्य संगठनों के साथ एमओयू			
11.	डिजिटल पहल			
12.	यूजीसी द्वारा वित्त पोषित योजनाओं की प्रगति की निगरानी			

यह **प्रलेखीकरण और अभिलेख** (निर्णय, परिपत्र, सूचना) के साथ भी जुड़ा हुआ है, जो विश्वविद्यालय की महत्वपूर्ण गतिविधियों में से एक है। उपरोक्त के अलावा नियमवाली, वार्षिक प्रतिवेदन आदि के विकास में भी शामिल है, और सूचना प्रबंधन प्रणाली के माध्यम से अभिलेखागार और रिकॉर्ड बनाए रखने की भी योजना बना रही है। यह एनआईआरएफ, सांख्यिकी प्रकोष्ठ और एआईएसएचई का अतिरिक्त उत्तरदायित्व भी सौंपा गया है।

मानू सैटेलाइट कैंपस अनुभाग

सैटेलाइट / ऑफ-कैंपस अनुभाग: विश्वविद्यालय ने कॉलेज विकास परिषद की तर्ज पर सैटेलाइट / ऑफ-कैंपस अनुभाग की स्थापना की, जैसा कि विश्वविद्यालय के विभिन्न प्रशासनिक और शैक्षिक घटकों के बीच प्रभावी समन्वय के लिए यूजीसी द्वारा परिकल्पना की गई है। यह सैटेलाइट / ऑफ-कैंपस कॉलेजों / संस्थान देश के 11 राज्यों में 17 से अधिक संस्थानों (3 मॉडल स्कूल, 2 आईटीआई, 2 पॉलीटेक्निक और 8 सीटीई और 2 कला और विज्ञान - 1 महिलाएं और अन्य सह-शिक्षा) के अलावा 9 क्षेत्रीय केंद्रों , 5 उप-क्षेत्रीय केंद्र और 164 अध्ययन केंद्र सैटेलाइट कैंपसों के रूप में । इस प्रभाग की सक्रिय भागीदारी उच्च शिक्षा के मानकों के सुधार की दिशा में एक स्वागत योग्य कदम है। यूजीसी के मानदंडों के अनुसार यूनिवर्सिटी के मुख्य परिसर के बाहर स्थापित विश्वविद्यालयों और संविधान महाविद्यालयों में विद्यमान मशीनरी के बीच पूर्ण सहयोग और सहायता सुनिश्चित होने पर इस तरह के निकायों के प्रयासों का फल प्राप्त किया जाता है।

सैटेलाइट / ऑफ-कैंपस कार्यक्रम विश्वविद्यालय के शैक्षिक उद्देश्यों के अनुरूप हैं; मुख्य परिसर में पेश किए गए पाठ्यक्रमों और कार्यक्रमों के समान शैक्षणिक मानकों को सुनिश्चित करने और बनाए रखने के लिए; शिक्षा और अन्य जरूरतों के लिए पर्याप्त समर्थन प्राप्त; और उपयुक्त ज्ञानार्जन के संसाधनों के लिए उचित पहुंच है। यह यूनिवर्सिटी के संपदा अनुभाग के साथ संपूर्ण भूमि सड़कों और भवन के साथ चल और अचल संपत्ति दोनों अधिग्रहीत या दान या आवंटित संपत्ति के साथ समन्वय करेगा जो विश्वविद्यालय में स्थानांतरित हो जाएगा और संबंधित राज्य सरकार के अनुमोदन के अधीन राजस्व विभाग द्वारा बनाए गए सभी अभिलेखों में विश्वविद्यालय संपत्ति के रूप में माना जाएगा।

समर्थन सेवाएँ

यह विश्वविद्यालय के महत्वपूर्ण प्रभागों में से एक है जो प्रशासनिक समर्थन सेवाएं और छात्र समर्थन सेवाओं के अतिरिक्त केन्द्रीय समर्थन सेवाएं प्रदान करता है।

i. **प्रशासनिक समर्थन सेवाएं:** हिन्दी प्रकोष्ठ, विधि प्रकोष्ठ, शिकायत निवारण प्रकोष्ठ, आंतरिक शिकायत समिति, सूचना का अधिकार प्रकोष्ठ आदि सम्मिलित है।

ii. **छात्र समर्थन सेवाएं:** छात्र कल्याण कार्यालय, कुलानुशासक कार्यालय, प्रोवोस्ट कार्यालय,समान अवसर केन्द्र, एससी/एसटी प्रकोष्ठ, ओबीसी प्रकोष्ठ, अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ और महिला प्रकोष्ठ, कोचिंग अकादमी, स्थान्न और प्रशिक्षण केन्द्र, उद्यम-वृत्ति उद्यमी विकास प्रकोष्ठ, एन एस एस प्रकोष्ठ, खेलकूद के लिए केन्द्र, आदि सम्मिलित है।

iii. **केन्द्रीय समर्थन सेवाएं** : केन्द्रीय पुस्तकालय सुविधाएँ, सूचना प्रौद्योगिकी केन्द्र, अनुदेशात्मक मीडिया केन्द्र, अनुवाद एवं प्रकाशन निदेशालय, मनोरंजन केन्द्र, स्वास्थ्य केन्द्र आदि सम्मिलित है।

अकादमिक

अकादमिक एक महत्वपूर्ण कार्यात्मक गतिविधि में से एक है जो विश्वविद्यालय की ब्रांड छवि के विकास के माध्यम से विभागों, स्कूलों, कॉलेजों और संस्थानों द्वारा प्रस्तुत विभिन्न विषयों या पाठ्यक्रमों में छात्रों की धारणा, ज्ञान, कौशल और समस्या निवारण क्षमता के विकास के माध्यम से महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह प्रतिभा की खोज करने और समाज में बुद्धिजीवियों, नेताओं, पेशेवरों और शोधकर्ताओं के उत्पादन में मददगार है। यह मुख्य रूप से क्षेत्रीय, राष्ट्रीय और वैश्विक परिप्रेक्ष्य के संबंध में विभिन्न विभागों, स्कूलों, कॉलेजों और संस्थानों की शिक्षा, अनुसंधान और विस्तारण गतिविधियों के मामलों से जुड़ा हुआ है। इस अनुभाग को अन्य महत्वपूर्ण कार्यात्मक इकाइयों जैसे कि केंद्रीय प्रवेश अनुभाग, परीक्षा अनुभाग, दूरस्थ शिक्षा निदेशालय और आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ और अध्ययन और शैक्षणिक विभागों के विद्यापीठों के समन्वय के साथ कार्य करना होता है। इसके अलावा, यह विश्वविद्यालय की अन्य केन्द्रीय समर्थित कार्यात्मक अंगों जैसे विश्वविद्यालय पुस्तकालय, निर्देशात्मक मीडिया केंद्र, सूचना प्रौद्योगिकी केंद्र आदि के साथ संबद्ध होना है, अन्य केंद्रों के अतिरिक्त जो शैक्षिक और अनुसंधान गतिविधियों को प्रदर्शित करने में सहायक हैं।

विश्वविद्यालय का शैक्षणिक प्रभाग संस्थान द्वारा प्रस्तुत सभी शैक्षणिक कार्यक्रमों की नीतियों और विनियमों को तैयार करने के लिए सीधे जिम्मेदार है, जो विशेष रूप से पाठ्यक्रम संरचना के लिए एक समान ढांचे के विकास और शिक्षा के वितरण में सुधार के तरीकों में विश्वविद्यालय के कामकाज पर काफी प्रभाव डालता है। अकादमिक अनुभाग मुख्यत: विश्वविद्यालय की अकादमिक गतिविधियों से संबंधित मामलों की देख रेख करता है। यह सक्रिय रूप से समय-समय पर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग एवं अन्य नियामक निकायों जैसे ए.आई.सी.टी.ई, एन.सी.टी.वी.ई.टी द्वारा जारी अधिसूचनाओं के अनुरूप विधियों, अकादमिक नियमों और विनियमों के अनुसार विश्वविद्यालय की अकादमिक नीति को लागू करने में लगा हुआ है। इसके अतिरिक्त अकादमिक अनुभाग विश्वविद्यालय देश एवं विदेश के विद्यार्थियों को सुविधाएं प्रदान करने हेतु विद्यार्थी सहायता केंद्र के रूप में भी कार्य करता है। इसके अलावा, समय और प्रयास का प्रमुख हिस्सा विभिन्न विभागों और विद्यापीठों माध्यम से कार्यक्रम, पाठ्यक्रमो, शिक्षा का माध्यम और छात्रों की शैक्षणिक प्रगति की निगरानी के लिए समर्पित है एवं शैक्षिक विचार और कार्यप्रणाली को बदलने में प्राध्यापक को संवेदनशील बनाने के लिए, उच्च शिक्षा में वर्तमान रुझानों को पूरा करने के लिए पाठ्यक्रम का पुनःअवलोकन करना और अध्ययन के पाठ्यक्रमों को रूपांतरित करना। पर्याप्त आकार और भाग के विश्वविद्यालयों के लिए एक पूर्णकालिक सेवाएं प्रशासक को नियुक्त करने की आवश्यकता होती है, जिनके पास विश्वविद्यालय के शैक्षणिक कार्यक्रमों, नियमों, कर्मियों और आवश्यक संचालन करने का सिद्धांत है। संबंधित विभागों के साथ विद्यापीठों की सिफारिश पर विभिन्न बोर्डों और समितियों में शिक्षण कर्मचारियों के सदस्यों को नामांकित करने में सहयोग प्रदान करना।

अकादमिक मामलों के प्रशासक अध्यक्ष या उप-समितियों के रूप में कार्य करता है जो कि अनुदेशात्मक कार्यक्रम में काम करता है और कभी-कभी वह परामर्शदायी क्षमता में भी काम करता है। विश्वविद्यालयों को बौद्धिक दक्षता के केंद्र के रूप में पहचाना जाता है, जो कई मामलों में, अपने विशेष क्षेत्रों में ज्ञानार्जन विशेषज्ञ होते हैं और उनके पास अवधारणा और शिक्षा का एक दर्शन होता है जो विश्वविद्यालय को उच्च शिक्षा की एक संस्था के रूप में अपनी पूर्ण भूमिका में विचार करते हैं। इसके अलावा, वह कुछ समस्याओं के उचित विन्यास में सहायता करने के लिए स्कूलों के विभिन्न संकायाध्यक्षों या विभागों के प्रमुखों से परामर्श कर सकते हैं, लेकिन अंतिम निर्णय मामलों के निष्पादन करने वाले प्राधिकरण पर निहित होना चाहिए। निर्णय की घोषणा से पहले समझौते और सद्भाव के कुछ आश्वासन होने के कारण आम सहमति की सहायता से निर्णय अधिक आसानी से प्रशासित किए जाते है।

I	**अकादमिक मामले**		**IV**	प्राध्यापक प्रगति मामले	
1.	**अनुमोदन**		1.	संगोष्ठियों/ सम्मेलनों/ कार्यशालाओं के आयोजन के लिए अनुमोदित अनुदान	
	ए.	अल्मनाक	2.	संगोष्ठियों/ सम्मेलनों/ कार्यशालाओं में पर्चा प्रस्तुत करने हेतु उपस्थित होने पर यात्रा अनुदान	
	बी.	कार्यक्रमों की विवरणिका			
	सी.	प्रवेश	3.	प्रकाशन अनुदान	
	डी.	शुल्क ढांचा	4.	आई एस बी एन आवंटन	
2.	सभी सामान्य अधिसूचना/पत्राचार		**V**	छात्र समर्थन सेवाएँ	
3.	योग्यता समानता		1.	छात्रावास मामले	
4.	पाठ्यक्रम विकास		2.	शैक्षणिक भ्रमण	
5.	अध्ययन बोर्ड/संकाय बोर्ड		3.	बी.एड छात्रों के लिए शिक्षण अभ्यास	
	ए.	गठन	4.	छात्र चिकित्सा बीमा	
	बी.	बैठक अधिसूचनाएं	5.	विदेशी छात्रों के मामले	
	सी.	संकलित कार्यवृत्त	6.	छात्रों से संबंधित परिपत्र	
6.	अकादमिक परिषद मामले			ए.	अधिसूचनाएं
	ए.	बैठक		बी	शुल्क का भुगतान आदि।
	बी.	कार्य सूची	7.	छात्र कल्याण मामले	
	सी.	कार्यवृत्त	**VI**	छात्रवृत्ति और अध्येतावृत्ति	
7.	दूरस्थ शिक्षा मामले		1.	राज्य छात्रवृत्ति	
8.	एम.फिल/पीएच.डी. एक्सटेंशन		2.	राष्ट्रीय छात्रवृत्ति/ एमओएमए	
II	गुणवत्ता आश्वासन मामले		3.	विश्वविद्यालय मासिक छात्रवृत्ति	
1.	आईक्यूएसी		4.	यूजीसी पीजी छात्रवृत्ति	
III	परीक्षा मामले		5.	यूजीसी गैर-नेट अध्येतावृत्ति	
1.	दीक्षांत समारोह		6.	नेट/आरजेएनएफ/एमएएनएफ आदि.,	

प्रवेश प्रभाग

यूनिवर्सिटी केन्द्रीय प्रवेश प्रकोष्ठ (सीएसी) की स्थापना वर्ष 2014 में सामान्य, पेशेवर, तकनीकी और व्यावसायिक स्ट्रीम के अंतर्गत दी गई सभी प्रकार के कार्यक्रमों के लिए आम प्रवेश सुविधा हेतु की गई थी। इसके पश्चात, यह ऑनलाइन प्रवेश मोड पर स्विच करने के लिए सौंपा गया था, ताकि प्रवेशयोग्य पंजीकरण और आवेदन प्रपत्रों के लिए ऑनलाइन पहुंच के माध्यम से संभावित विद्यार्थी तक मानू में उपलब्ध शैक्षणिक अवसरों को बढ़ाने के लिए किया गया। इसे आसान सुविधा के लिए प्रारूपों को सरलीकृत बनाने और कम से कम समय और मेहनत पर ऑनलाइन आवेदन भरने और प्रस्तुत करने की प्रक्रिया को पूरा करने की आवश्यकता है।

इच्छुक छात्रों को पर्याप्त सूचना और अवसर के साथ निर्धारित समय पर प्रवेश पूरा करने के लिए सीएसी को पर्याप्त सहायक कर्मचारी वर्ग प्रदान किया गया है इसके द्वारा प्रवेश प्रक्रिया में आवश्यक पारदर्शिता प्रदान करने और विद्यार्थियों के सामने आने वाली बाधाओं को कम करने और कक्षाओं के प्रारंभ से पहले प्रवेश प्रक्रिया को पूरा करने के लिए समय भी कम कर दिया है।

31 मार्च 2017 छात्र नामांकन			
पूर्वस्नातक कार्यक्रम - छात्रों की संख्या का विवरण			
	III वर्ष	II वर्ष	I वर्ष
बी.ए	28	21	53
बी.कॉम	0	16	26
बी.एससी (एमपीसी)	1	4	14
बी.एससी(एमपीसीएस)	10	9	12
बी.एससी.(जीव विज्ञान, वनस्पति शास्त्र, रसायन शास्त्र)	21	34	35
शिक्षा स्नातक, हैदराबाद कैंपस	89	74	79
बी.टेक(कंप्यूटर विज्ञान)	53	48	50
बी.टेक के लिए पार्श्व प्रवेश	10	8	06
बी.एड (सीटीई, श्रीनगर)	93	15	54
बी.एड(सीटीई, भोपाल)	100	73	77
बी.एड (सीटीई, दरभंगा)	100	78	78
बी.एड (सीटीई, औरंगाबाद)	50	26	39
बी.एड (असनसोल)	100	78	77
बी.एड (संभल)	50	39	39
बी.एड (नूह)	50	37	39
बी.एड (बीदर)	50	11	39
कुल पूर्वस्नातक कार्यक्रम	**805**	**571**	**717**

यू.जी. कार्यक्रम - छात्र नामांकन का ग्राफिकल प्रतिरूप : -

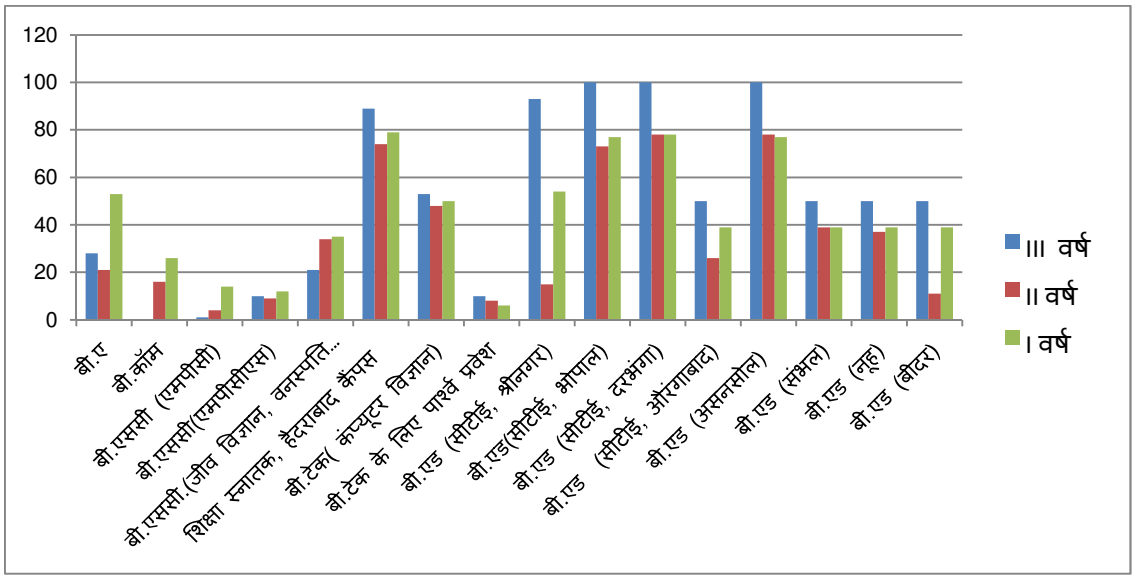

स्नातकोत्तर कार्यक्रम - छात्रों की संख्या का विवरण		
	II वर्ष	I वर्ष
एम.ए. (उर्दू)	26	11
एम.ए. (अंग्रेज़ी)	43	9
एम.ए. (हिन्दी)	16	21
एम.ए. (अरबी)	29	26
एम.ए. (फ़ारसी)	10	7
एम.ए. (अनुवाद)	12	5
एम.ए. (महिला अध्ययन)	12	7
एम.ए. (लोक प्रशासन)	4	6
एम.ए. (इस्लाम अध्ययन)	15	15
एम.ए. (राजनीतिक विज्ञान)	21	13
एम.ए. (इतिहास)	12	8
एम.ए. (समाजशास्त्र)	3	2
एम.ए. (अर्थशास्त्र)	6	7
एम.कॉम.	27	17
एम.बी.ए	59	48
एम.ए. (एमसीजे)	13	11
एम.ए. (समाज कार्य)	23	16
एम.एससी. (गणित)	10	10
एम.टेक. (कंप्यूटर विज्ञान)	15	11
एम.सी.ए.	27	21
स्नातकोत्तर शिक्षा विशारद ,हैदराबाद कैंपस	49	36
एम.एड. (सीटीई, श्रीनगर)	42	30
एम.एड. (सीटीई, भोपाल)	50	9
एम.एड. (सीटीई, दरभंगा)	50	38
एम.ए. (इस्लाम अध्ययन)-(बड़गाम कैंपस)	0	17
एम.ए. (उर्दू)- लखनऊ कैंपस	11	13
एम.ए. (अंग्रेज़ी)- लखनऊ कैंपस	10	6
एम.ए. (फ़ारसी)- लखनऊ कैंपस	2	2
कुल स्नातकोत्तर कार्यक्रम	**597**	**422**

ग्राफिकल प्रतिरूप : -

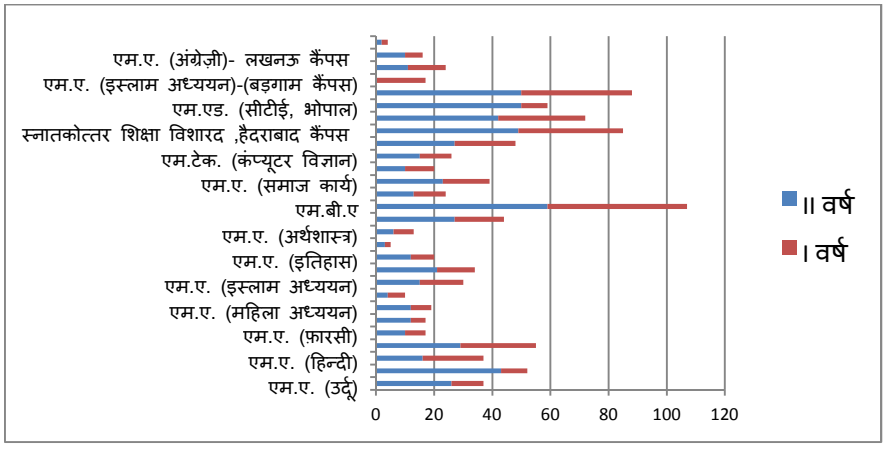

एम.फिल कायक्रम		
	2015-16	2016-17
एम.फिल (उर्दू)	12	2
एम.फिल (अग्रज़ा)	1	-
एम.फिल (हिन्दा)	10	21
एम.फिल (अरबा)	08	8
एम.फिल (फ़ारसा)	08	3
एम.फिल (अनुवाद)	0	7
एम.फिल (माहला अध्ययन)	7	1
एम.फिल (लाक प्रशासन)	3	
एम.फिल (इस्लाम अध्ययन)	09	2
एम.फिल (राजनातिक विज्ञान)	06	5
एम.फिल (प्रबधन)	04	2
एम.फिल (शिक्षा)	4	-
एम.फिल (सामाजिक बाहृष्कार और समावश नाति)	06	2
कुल एम.फिल कायक्रम	**78**	**53**

एम.फिल कार्यक्रम - छात्र नामांकन का ग्राफिकल प्रतिरूप

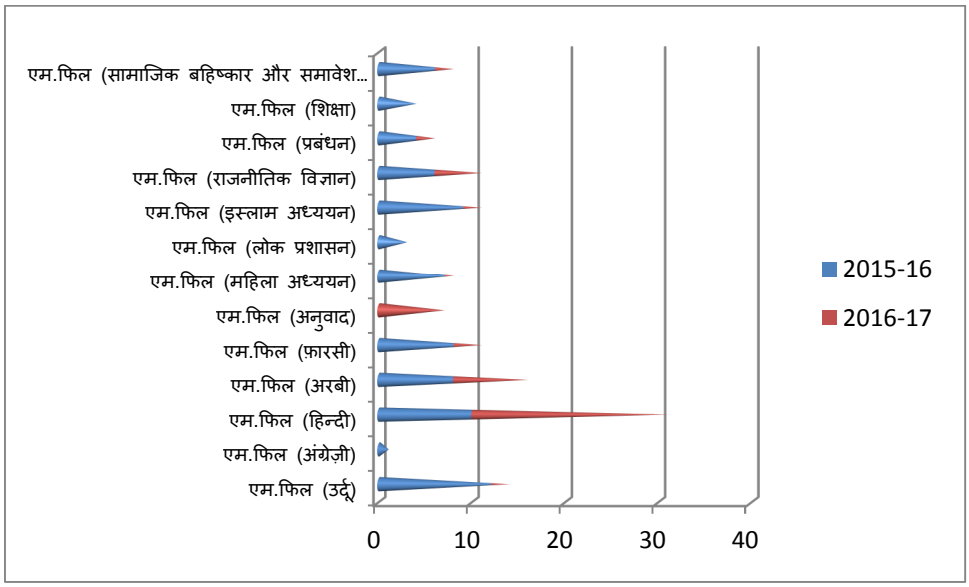

पीएच.डी. कार्यक्रम		
	2015-16	2016-17
पाएच.डा. (उर्दू)	10	
पाएच.डा (अग्रज़ा)	7	6
पाएच.डा (हिन्दा)	6	7
पाएच.डा (अरबा)	5	3
पाएच.डा (फ़ारसा)	5	3
पाएच.डा (अनुवाद)	9	5
पाएच.डा (माहला अध्ययन)	2	2
पाएच.डा (लाक प्रशासन)	4	4
पाएच.डा (समाज काय)	5	2
पाएच.डा (इस्लाम अध्ययन)	0	3
पाएच.डा (प्रबधन)	3	3
पाएच.डा(एमसाज)	3	1
पाएच.डा (गाणत)	2	1
पाएच.डा (जाव विज्ञान)	0	1
पाएच.डा (कप्यूटर विज्ञान)	2	4
पाएच.डा (शिक्षा)	10	5
कुल पाएच.डा कायक्रम	**73**	**50**

पीएच.डी कार्यक्रम - छात्र नामांकन का ग्राफिकल प्रतिरूप : -

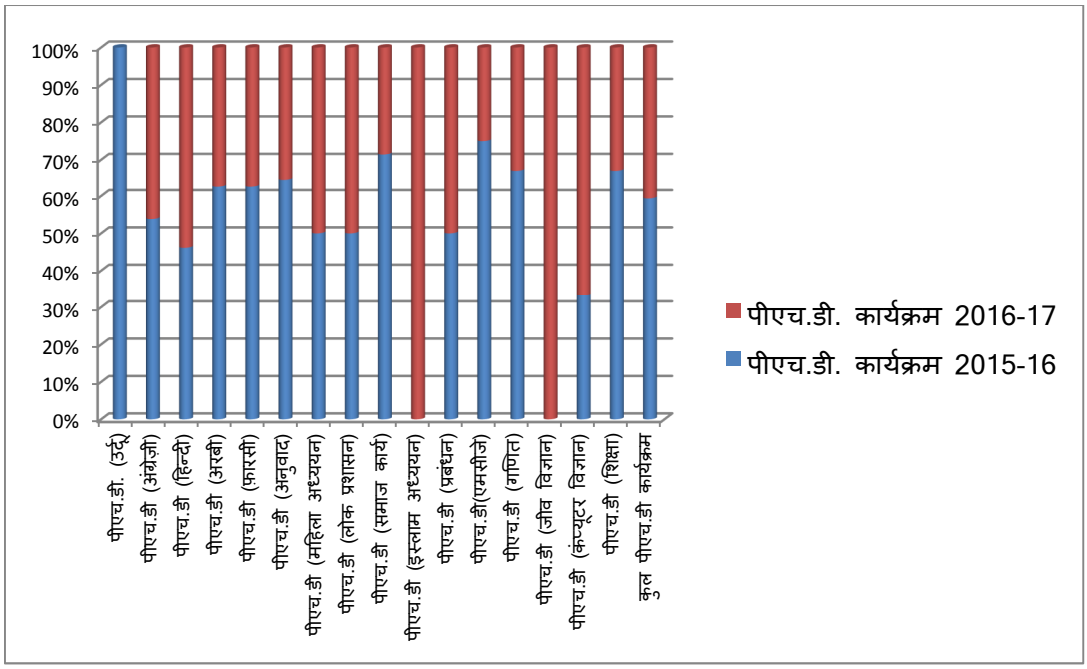

व्यावसायिक डिप्लोमा		
डी.एल.एड़	99	77
सिविल इंजीनियरिंग में डिप्लोमा (हैदराबाद)	55	48
इलेक्ट्रानिक एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग में डिप्लोमा (हैदराबाद)	50	47
कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग में डिप्लोमा (हैदराबाद)	46	47
सूचना प्रौद्योगिकी में डिप्लोमा(हैदराबाद)	28	46
सिविल इंजीनियरिंग में डिप्लोमा(पॉलीटेकनीक दरभंगा)	36	31
इलेक्ट्रानिक एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग में डिप्लोमा (पॉलीटेकनीक दरभंगा)	52	31
कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग में डिप्लोमा (पॉलीटेकनीक दरभंगा)	66	31
सिविल इंजीनियरिंग में डिप्लोमा (पॉलीटेकनीक, बैंगलोर)	40	31
इलेक्ट्रानिक एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग में डिप्लोमा -(पॉलीटेकनीक, बैंगलोर)	40	31
कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग में डिप्लोमा (पॉलीटेकनीक, बैंगलोर)	34	19
कुल व्यावसायिक डिप्लोमा	**546**	**439**
अन्य प्रमाणपत्र एवं डिप्लोमा कार्यक्रम		
अरबी में प्रमाणपत्र	09	8
अरबी में डिप्लोमा	08	8
अरबी अनुवाद में अग्रिम प्रमाणपत्र	05	18
फ़ारसी में प्रमाणपत्र	04	9
इस्लाम अध्ययन में प्रमाणपत्र	10	0
तहसीन-ए-ग़ज़ल में प्रमाण पत्र	02	1
हिन्दी में पीजी डिप्लोमा	06	21
कुल अन्य कार्यक्रम	**44**	**65**
सभी कार्यक्रमों का कुल योग	**1861**	**1681**

परीक्षा प्रभाग

परीक्षा विश्वविद्यालय की सबसे महत्वपूर्ण गतिविधि में से एक है और इसे शैक्षिक गतिविधियों की रीढ़ की हड्डी के रूप में माना जाता है। यह अपने छात्रों के अकादमिक प्रदर्शन का मूल्यांकन करने के साथसाथ विद्यार्थियों की - योग्यता के लिए डिग्री प्रदान करता है।

परीक्षा प्रभाग के अन्य महत्वपूर्ण कार्य इस प्रकार है : -

- प्रश्न-पत्र बनाने वाले, परीक्षक, परीक्षा नियंत्रक, वरिष्ठ पर्यवेक्षकों की नियुक्ति ;
- परीक्षा की समय-सारणी तैयार और प्रकाशित करना ;
- परीक्षा का आयोजन ;

- परीक्षाओं में उम्मीद्वारों के पर्चों का मूल्यांकन कर उनके प्रदर्शन का ठीक मूल्यांकन और परिणामों की समय पर घोषणा ;
- डिग्री, डिप्लोमा और प्रमाणपत्र उपाधि को प्रदान करना।

विश्वविद्यालय ने 26 दिसंबर 2016 को अपने छठा दीक्षांत समारोह का आयोजन किया और विश्वविद्यालय द्वारा दी गई नियमित कैंपस और दूरस्थ पाठ्यक्रम के माध्यम से विभिन्न डिग्री के लिए उपाधि प्राप्तकर्ताओं की सूची निम्नलिखित है : -

विश्वविद्यालय के परिसर में 26 दिसंबर, 2016 को आयोजित छठें दीक्षांत समारोह में डिग्री / डिप्लोमा / प्रमाण पत्र के लिए दाखिल हुए अभ्यर्थियों की कुल संख्या वाले रिकार्ड का सार : -

नियमित पाठ्यक्रम कार्यक्रम

क्र.सं.	कार्यक्रम	उत्तीर्ण वर्ष				
		2013	2014	2015	2016	कुल
1	विद्या वाचस्पति	9	14	21	15	59
2	स्नातकोत्तर दर्शनशास्त्र विशारद	55	56	29	77	217
3	पी.जी.	307	286	399	302	1294
4	यू.जी.	452	411	728	0	1591
5	डिप्लोमा	461	411	400	396	1668
6	प्रमाण पत्र	3	14	3	15	35
	कुल योग्य उम्मीद्वारों की संख्या					**4864**

दूरस्थ पाठ्यक्रम कार्यक्रम

वर्ष	पाठ्यक्रम	उत्तीर्ण
2013	यू.जी.(बी.एड)	599
2014	यू.जी. (बी.ए.,बी.कॉम.,बी.एससी.और बी.एड)	11060
2014	पी.जी. (एम.ए.,उर्दू,अंग्रेज़ी,इतिहास)	8339
2015	यू.जी. (बी.ए.,बी.कॉम.,बी.एससी.और बी.एड)	11640
2015	पी.जी. (एम.ए., उर्दू, अंग्रेज़ी, इतिहास और इस्लाम अध्ययन)	2098
2016	यू.जी. (बी.ए., बी.कॉम., बी.एससी)	2646
2016	पी.जी.(एम.ए., उर्दू, अंग्रेज़ी,इतिहास और इस्लाम अध्ययन)	7853
	कुल	**44235**

आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ

मौलाना आजाद नेशनल उर्दू यूनिवर्सिटी ने मान्यता प्राप्त करने की प्रक्रिया में और राष्ट्रीय मूल्यांकन और प्रत्यायन परिषद (एनएएसी) की सिफारिश के आधार पर गुणवत्ता के लिए आवश्यक मानक की पहचान करने के लिए और एनएएसी मानदंड के सभी पहलुओं को पूरा करने के लिए वर्ष 2009 में एक आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आईक्यूएसी) की स्थापना की। इस प्रकार, यह महसूस किया गया कि गुणवत्ता मानकों के अनुरूप विश्वविद्यालय की शैक्षणिक और प्रशासनिक गतिविधियों के प्रदर्शन में सुधार करने में आईक्यूएसी की अहम भूमिका है। विश्वविद्यालय के प्राध्यापक और कर्मचारियों द्वारा किए गए शैक्षणिक, प्रशासनिक, अनुसंधान और आउटरीच गतिविधियों को समय-समय पर शैक्षिक लेखापरीक्षा के माध्यम से आंतरिक समिति द्वारा मूल्यांकन किया जाता है, साथ ही बाह्य सहयोगियों द्वारा उनके इनपुट और बहुमूल्य सुझावों के रूप में आवश्यक हस्तक्षेप को लागू करने के लिए प्राध्यापक और प्रशासन का विश्वास बढ़ाया जाता है प्रमाणन प्रक्रिया में समग्र प्रदर्शन और गुणवत्ता के मानकों को सुधारने के लिए। विश्वविद्यालय के आईक्यूएसी ने एनएएसी द्वारा विश्वविद्यालयों के लिए गुणवत्ता वाले मानदण्डों में दिए गए सभी गुणवत्ता मानकों को सुनिश्चित करने के लिए एक रणनीति विकसित की है। इसके अलावा, यह एक बाह्य शैक्षिक एवं उद्योग विशेषज्ञों की सहायता से प्रदर्शन का मूल्यांकन करने के लिए कड़े गुणवत्ता मूल्यांकन उपायों को पूरा करने के लिए सौंपा गया है। प्रतिस्पर्धी शैक्षिक वातावरण में शैक्षिक मानकों को प्राप्त करने के लिए उनकी भूमिका और जिम्मेदारियों के प्रति प्राध्यापक को संवेदनशील बनाने के लिए, समय-समय पर गुणवत्ता के मानकों पर कार्यशालाओं के आयोजन भी शामिल है। विश्वविद्यालय अपने दो दौर के प्रत्यायन प्रक्रिया के मूल्यांकन अभ्यास के साथ गुज़रा और क्रमशः 2009 और 2016 के दौरान एनएएसी द्वारा 'ए' ग्रेड से सम्मानित किया गया। आईक्यूएसी सक्रिय रूप से कार्यात्मक है और समय-समय पर विभागों के वार्षिक गुणवत्ता आश्वासन रिपोर्ट (एक्यूएआर) और मूल्यांकन रिपोर्ट तैयार करता है तथा विश्वविद्यालय वेबसाइट पर अपलोड होने से पहले आईक्यूएसी के समक्ष प्रस्तुत किया जाता है।

अनुसंधान

अनुसंधान उच्च शिक्षा का एक अनिवार्य घटक है और राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर विशेष जोर दिया गया है। अनुसंधान और विकास किसी भी संगठन के लिए उन्नति और समृद्धि के संकेतक होते है। अनुसंधान एक व्यवस्थित वैज्ञानिक गतिविधि है, जिसे डिजाइनिंग में ज्ञान निर्माण के लिए विकसित या योगदान करने के लिए डिज़ाइन और नए अनुप्रयोगों को बनाने के लिए उपकरणों, प्रक्रियाओं, प्रयोगों और प्रणालियों की सहायता से तैयार करना जिससे प्रलेखीकरण के लिए आंकड़े एकत्र करने, खोज के लिए जानकारी इकट्ठा करने, विश्लेषण करने, व्याख्या करने और मानव कल्याण और लाभ के लिए समाधान खोजने हेतु तथ्य मान्य करने के लिए सामान्यीकृत किया जा सकता है।

अनुसंधान नए ज्ञान, अंतर्दृष्टि का सृजन करता है और शैक्षणिक प्रक्रिया के विकास के लिए जोश और गतिशीलता प्रदान करता है। विकास की प्रतिक्षा नहीं की जाती वह हासिल करने की चीज है, जो व्यक्तियों के योगदान और निवेश एवं सामूहिक दल के प्रयासों का हिस्सा होती है। विश्वविद्यालय प्रणाली को संबंधित क्षेत्र में नवाचार, आविष्कार, औद्योगिक विकास के लिए विज्ञान, इंजीनियरिंग, प्रौद्योगिकी, सामाजिक विज्ञान, मानविकी और कला के सभी क्षेत्रों में शोध को प्रोत्साहित करना होगा । इसे चीजों को पूरा करने का एक अभिनव तरीका, बेहतर चीजें करने, तथ्यों के बीच नए रिश्ते की खोज के रूप में देखा जाता है। इसके अलावा, यह अनावरण के माध्यम से अज्ञात की अन्वेषण , अवलोकन, प्रयोग और अन्य रूपों की व्यवस्थित जांच-पड़ताल, जिसके बाद एक उद्देश्य और मर्मज्ञ विश्लेषण और निष्कर्ष तैयार किया गया हैं। विश्वविद्यालयों और संस्थानों में मुख्य शोध क्षमता, सबसे प्रतिभाशाली प्राध्यापक और ताजा युवा मन की उपलब्धता है जो कि स्वतंत्रता और बहुआयामी पर्यावरण के माहौल में लगातार पृष्ठभूमी में प्रवेश कर रहे हैं।

उपरोक्त के अनुसार, विश्वविद्यालय की संरचना में एक अलग प्रभाग अनुसंधान परियोजनाओं और नवाचार क्लबों की सुविधा प्रदान करता है और विश्वविद्यालय के लिए और इसके लिए बाह्य वित्त पोषित अनुबंध, दान, धर्मस्व दान और अनुदान का प्रबंध करता है। यह सार्वजनिक और सरकार के प्रति जवाबदेह होने के अलावा उत्पादकता प्राप्त करने के लिए संसाधनों के सावधानीपूर्वक और न्यायसंगत प्रबंधन के लिए प्रयास करने में सहायता प्रदान करता है।

खंड – II

IV) भाषा, भाषाविज्ञान एवं भारत अध्ययन संकाय

विश्वविद्यालय ने विभिन्न भाषाओं के तहत प्रस्तुत पाठ्यक्रम हेतु शैक्षिक मानकों की स्थापना के लिए वर्ष 1999 में भाषा, भाषाविज्ञान और भारत अध्ययन संकाय शुरू किया था। स्कूल की स्थापना मुख्य रूप से स्वदेशी भाषाओं की पहचान के प्रतिधारण पर केंद्रित होती है जो राष्ट्रीय भाषा के साथ अच्छी तरह से एकीकृत होती है। वर्तमान में इस संकाय में छह विभाग हैं और लखनऊ (यूपी) और श्रीनगर (जम्मू-कश्मीर) में स्थित संविधान कॉलेजों में पाठ्यक्रम भी उपलब्ध हैं।

संकाय का मुख्य उद्देश्य विदेशी भाषाओं (अरबी, फ़ारसी और अंग्रेजी) के साथ भारतीय भाषाओं (उर्दू, हिंदी और कश्मीरी) को बढ़ावा देना ह । जो स्वदेशी भाषा को प्रभावित करती है और प्रभावी एकीकरण के लिए अनुवाद विभाग को बढ़ावा देना भी इस संकाय के उद्देश्यों में शामिल है।

क्र.सं.	विभाग	स्थापना वर्ष	पाठ्यक्रम
1.	उर्दू	2004-05	बी.ए., एमए.,. एम.फिल., एवं पीएच.डी.
2.	अंग्रेजी	2004-05	बी.ए., एमए.,. एम.फिल., एवं पीएच.डी.
3.	हिंदी	2007-08	बी.ए., एमए.,. एम.फिल., एवं पीएच.डी.
4.	फ़ारसी	2007-08	बी.ए., एमए.,. एम.फिल., एवं पीएच.डी.
5.	अरबी	2007-08	बी.ए., एमए.,. एम.फिल., एवं पीएच.डी.
6.	अनुवाद विभाग	2006-07	एम.ए., एम.फिल., एवं पीएच.डी.

i) उर्दू विभाग

स्थापना वर्ष : 2004.

उद्देश्य: भारत और दुनिया भर में उर्दू संस्कृति, भाषा और साहित्य की साहित्यिक और सांस्कृतिक महत्व और प्रासंगिकता के बारे में जागरूकता फैलाना।

- उर्दू भाषा को ज्ञान की भाषा के रूप में बढ़ावा देना और उर्दू साहित्य के मूल्य तथा विशेष रूप से मानव मूल्यों एवं मूल अनुसंधान कार्य को पूरा करना।

विभागाध्यक्ष : प्रो. नसीमुद्दीन फरीस

1. पाठ्यक्रम विवरण :

.सं.	प्रस्तुत पाठ्यक्रम	पाठ्यक्रमों के प्रकार	नामावली	इन्टेक	टिप्पणियाँ
1.	**स्नातक**	सीबीसीएस	बी.ए. उर्दू		
2.	**स्नातकोत्तर**	सीबीसीएस	एम्.ए. उर्दू	30	
3.	**एम.फिल.**		एम.फिल. उर्दू	10	
4.	**पीएच.डी.**	नॉनसीबीसी-एस	पीएच.डी. उर्दू	-	

2. प्राध्यापक :

क्र.सं.	नाम	योग्यता	पदनाम
1.	प्रोफरीस ननसीमुद्दी .	एम.ए., पीएच.डी.	आचार्य एवं विभागाध्यक्ष
2.	प्रो .अबुल कलाम	एम.ए., पीएच.डी.	आचार्य
3.	डॉबेगम वसीम .	एम.ए., पीएच.डी.	सह आचार्य
4.	डॉहुदा शमशुल .	एम.ए., पीएच.डी.	सहायक आचार्य
5.	डॉमुशर्रत . जहां	एम.ए., पीएच.डी.	सहायक आचार्य
6.	डॉ. बीखातून जारा .बी.	एम.ए., पीएच.डी.	सहायक आचार्य

3. शोध विवरण : परियोजना – 01 - @ 1,05,000/- रुपये

4. कार्यशाला / सम्मेलन / संगोष्ठी / परिसंवाद

संगोष्ठी	आयोजित – राष्ट्रीय -01	उपस्थिति – राष्ट्रीय-17; अंतरराष्ट्रीय-5

5. प्रशिक्षण / पुनश्चर्या / अभिविन्यास कार्यक्रम

अभिविन्यास कार्यक्रम	आयोजित – राष्ट्रीय – 02

6. प्रख्यात शिक्षाविदों की सूची / वैज्ञानिकों का आगमन / सूचीबद्ध

1.	श्रीमती नईमा महजूर	अतिथि व्याख्यान	03-02-2017

7. पूर्व छात्र संघ

क्र.सं.	पूर्व छात्र	पदनाम
1	हिलाल अहमद शाह	सहायक आचार्य
2	खुर्शीद अहमद गनी	10+2 उर्दू व्याख्याता
3	निसार अहमद डार	10+2 उर्दू व्याख्याता
4	अरशदुदद्दीन खान	टी.टी .जी . उर्दू
5	इम्तियाज़ हुसैन शाह	10+2 उर्दू व्याख्याता
6	शहाबुद्दीन पी.	10+2 उर्दू व्याख्याता
7	शौकत अली के.	10+2 उर्दू व्याख्याता

8. पाठ्यक्रम विवरण

क्र.सं.	पाठ्यक्रम	पाठ्यक्रम का शीर्षक	पुनरावृत्ति वर्ष	कार्यान्वयन वर्ष
1.	स्नातक	बी.ए ..	2016	2017
2.	स्नातकोत्तर	एम्.ए.. (उर्दू)	2016	2017
3.	पीडी.एच.	पीडी.एच. (उर्दू)	2016	2017

➔ विभिन्न पाठ्यक्रमों के लिए संकाय द्वारा अपनाई गई शिक्षण विधियों की सूची
- ❖ व्याख्यान विधि; पावर प्वाइंट प्रस्तुति विधि;
- ❖ चर्चा और पैनल चर्चा विधि । कैटिज़ेज़ेबल मेथड; शिक्षकों द्वारा असाधारण तरीके ।
- ❖ विद्यार्थियों द्वारा पुनरावृत्ति और प्रामाणिक पद्धति।

➔ विभागीय पाठ्यक्रम के द्वारा उद्देश्य और सीखने के परिणामों के माध्यम से निगरानी की जाती है:
- ❖ दैनिक आधार पर ट्यूटोरियल; कमजोर आधार पर प्रत्येक विषय का परीक्षण; मासिक आधार पर प्रत्येक पत्र का असाइनमेंट; क्रिएटिव, क्रिटिकल और संगठनात्मक क्षमताओं का मूल्यांकन किया जाता है और विभाग के "आजाद व्याख्यान फोरम" पर मासिक आधार पर मूल्यांकन किया जाता है; सेमेस्टर के आधार पर प्रत्येक पेपर का सुसंगत दत्त कार्य द्वारा मूल्यांकन किया जाता है।

8. छात्र विविधता एवं प्रगति

पाठ्यक्रम	विश्वविद्यालय में अन्य राज्यों के विद्यार्थियों का प्रतिशत
एम.ए. (9 विद्यार्थी)	9 विद्यार्थी (100 %)

9. नियुक्ति विवरण

ऑफ कैंपस नियुक्तियां	पदनाम
हिलाल अहमद शाह	सहायक आचार्य
खुर्शीद अहमद गनी, निसार अहमद डार, अरशदुद्दीन खान, इम्तियाज़ हुसैन खान, शहाबुद्दीन पी.,शौकत अली के.	10+2 व्याख्याता उर्दू

10. परीक्षा की सफलता दर

क्र.सं.	पाठ्यक्रम	श्रेष्ठता से उत्तीर्ण विद्यार्थियों का प्रतिशत / ए$^{+}$ग्रेड	प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण विद्यार्थियों का प्रतिशत / ए ग्रेड
1.	एम्.ए.	55%	45%
2.	एम.फिल.	99%	1%
3.	पीएच.डी.	100%	

11. वित्तीय सहायता : नॉन- नेट फेलोशिप – 7 एम.फिल. एवं 6 पी.डी.एच. शोधार्थी;

विभाग की वैधानिक समितियां : विभागीय समीति: /विभागीय शोध समीति एवं बोर्ड ऑफ़ स्टडीज़

12. सर्वोत्तम प्रणालियाँ : i) प्रत्येक विषय, अकादमिक एवं शोध में विशेषज्ञता ; ii) जोर दिये जाने वाले क्षेत्रों में दक्कनी भाषा, साहित्य और संस्कृति, अनुवाद और भाषाविज्ञान, फिल्म और मीडिया शामिल हैं; iii) शिक्षण और साथ ही अनुसंधान में अंतर-विषयक दृष्टिकोण; एवं iv) 2 स्मार्ट क्लास रूम की उपलब्धता और शिक्षक द्वारा अधिकतम उपयोग और सिखाना।

13. विभाग की भविष्य की योजनाएं : 1) विभागीय पाठ्यक्रम के महत्वपूर्ण विषयों पर पैनल चर्चाओं की एक श्रृंखला को संस्थागत बनाने के लिए*; 2)* तीन अर्धवार्षिक पत्रिका प्रकाशित करना यथा- तख़लेक, ताहकीक और तनकीद*; 3)* विश्वविद्यालय द्वारा प्रत्येक सेमेस्टर की शुरुआत में एनसीपीयूएल और मखदूम -मोहिउद्दीन मेमोरियल व्याख्यान द्वारा पहले से ही मंजूर कुर्रतुल-एन- हैदर स्मारक व्याख्यान नामक दो विशेष विस्तार व्याख्यानों को संस्थागत बनाना *; 4)* उर्दू भाषा, साहित्य और संस्कृति समूहों के शैक्षिक दौरे को शामिल करने के साथ पाठ्यक्रम को संशोधित करने के लिए. बाहरी पाठ्यक्रम डिजाइन विशेषज्ञों की मदद से विभागीय पाठ्यक्रम को संशोधित करने, अद्यतन करने और पुनर्जीवित करने के लिए एक कार्यशाला का आयोजन करना; *5)* विश्व स्तर पर उर्दू भाषा सीखने के लिए लैब (डब्लूसीयूएलएलएल) की योजना *; 6)* रचनात्मकता, आलोचना और अनुसंधान के पैटर्न पर उर्दू पाठ्यक्रम का डिजाइन। इन पर आधारित, छात्र को प्रशिक्षित करना और इस विषय में उनकी आंतरिक प्रतिभा को देखते हुए एम.फिल डिग्री के अनुसंधान स्तर पर सम्मानित किया जा सकता है।

15. नवीन पाठ्यक्रम सुधार अकादमिक / : *i)*शैक्षणिक और गैरप्रमाणपत्र लिए के कर्मचारियों शैक्षणिक- *ii)* एम.ए. अंग्रेजी तथा एमपाठ्यक्रम एक का उर्दू लिए के विद्यार्थियों के हिन्दी .ए. प्रमाणपत्र ।

16. बीओ एस की क्रमीटिंग बोर्ड स्कूल / .सं. : 1

ii) अंग्रेजी विभाग

स्थापना वर्ष : 2004.

उद्देश्य:

- विभाग सांस्कृतिक अध्ययन और तुलनात्मक अध्ययनों को भाषा के परिप्रेक्ष्य के माध्यम से खोजता है और अपने शोध कार्यक्रमों में पूछताछ के उदारवाद के माध्यम से भाषा प्रौद्योगिकी और साहित्य अध्ययनों में सहयोग के क्षेत्रों की तलाश करता है।
- इसकी प्राथमिकताओं में से एक अंग्रेजी और उर्दू में द्विभाषी शोध को बढ़ावा देना है ताकि एक एकीकृत साहित्यिक और भाषाई अंतरविषयक अनुसंधान किया जा सके और अकादमिक दुनिया में एक महत्वपूर्ण योगदान किया जा सके।
- बौद्धिक सहिष्णुता पर जोर देने के साथ विभाग मानविकी परंपराओं में अपने विद्यार्थियों को प्रशिक्षित करता है। यह अपने विद्यार्थियों को साहित्यिक और भाषाई रचनात्मकता का एक समृद्ध क्षेत्र प्रदान करने का प्रयास करता है।
- यह देश में साहित्यिक और भाषाई शिक्षा के उन्नत केंद्रों में से एक है। विभाग खुद को अंग्रेजी -उर्दू उन्नत द्विभाषी शोध गतिविधियों के रूप में एक अत्याधुनिक हब के रूप में देखता है।

विभागाध्यक्ष: प्रोशाहीन शगुफ्ता .

1. पाठ्यक्रम विवरण :

क्र.सं.	प्रस्तुत पाठ्यक्रम	पाठ्यक्रमों के प्रकार	नामावली	इन्टेक	टिप्पणियां
1.	**स्नातक**	सीबीसीएस	बीअंग्रेजी.ए.		
2.	**स्नातकोत्तर**	सीबीसीएस	एम.ए. अंग्रेजी	50	
3.	**एम.फिल.**		एमफिल..अंग्रेजी	10	
4.	**पीएच.डी.**	गैर-सीबीएससी	पीएच.डी. अंग्रेजी	08	

2. प्राध्यापक:

क्र.सं.	नाम	योग्यता	पदनाम
1.	प्रोशाहीन शगुफ्ता .	एम.ए., पीएच.डी.	आचार्य एवं विभागाध्यक्ष
2.	प्रोकादरी हसीबुद्दीन सैयद .	एम.ए., पीएच.डी.	आचार्य
3.	श्री सोम्पलायम ओमप्रकाश	एम्.ए.., एम.फिल.	सहायक आचार्य
4.	श्री गोविन्दिया गोदावती	एम्.ए.., एम.फिल.	सहायक आचार्य
5.	सुश्री खैरुनिसा नकाथोरिगे	एम्.ए.., एम.फिल.	सहायक आचार्य
6.	डॉआनंद शिल्पा .	एम.डी.पीएच .ए.	सहायक आचार्य
7.	श्री मोहम्मद असलम कुनथिल	एम्.ए.. एम.फिल.	सहायक आचार्य
8.	डॉनागेंद्र कोट्टाचेरुगु .	एम.डी.पीएच .ए.	सहायक आचार्य
9.	डासिद्दीकी समी अब्दुल मोहम्मद .	एम.डी.पीएच .ए.	सहायक आचार्य

2. संकाय उपलब्धियां

क्र.सं.	इनपुट	विवरण			
1.	प्रकाशन	पुस्तकें	पत्रिकाएं	प्रोसीडिंग्स	दस्तावेज़रिपोर्ट्स/
		2	5	-	-
2.	समितियों में सेवारत			संपादकीय मंडल - 5	
3.	सम्मानसदस्यता/		क्षेत्रीय - 1	अंतरराष्ट्रीय - 1	

4. शोध विवरण :

i.	परियोजना	:	1	राष्ट्रीय	1,05,000/- रुपये

5. कार्यशाला / सम्मेलन / संगोष्ठी / परिसंवाद

श्रेणी	**आयोजित**		**उपस्थिति**	
	राष्ट्रीय	**अंतरराष्ट्रीय**	**राष्ट्रीय**	**अंतरराष्ट्रीय**
कार्यशाला	1	-	1	-
संगोष्ठी	-	-	1	-

6. प्रशिक्षण / पुनश्चर्या / अभिविन्यास कार्यक्रम : राष्ट्रीय - पुनश्चर्या पाठ्यक्रम - 1

7. अतिथि व्याख्यान / विशिष्ट व्याख्यान

श्रेणी	**संचालित**		**दिया गया**	
	राष्ट्रीय	**अंतरराष्ट्रीय**	**राष्ट्रीय**	**अंतरराष्ट्रीय**
अतिथि व्याख्यान	-	-	1	-

8. प्रख्यात शिक्षाविदों की सूची / वैज्ञानिकों का आगमन / सूचीबद्ध

क्र.सं.	अकादमिक / वैज्ञानिक नाम	**उद्देश्य**	**दिनांक**
1.	प्रो.राधेश्याम शर्मा	अतिथि व्याख्यान	27.02.2017
2.	डॉगोपानी चंद्रैयाह .	अतिथि व्याख्यान	28.02.2017

9. पाठ्यक्रम विवरण

क्र	**पाठ्यक्रम**	**पाठ्यक्रम का शीर्षक**	संशोधन और कार्यान्वयन का वर्ष
1.	**स्नातक**	इंग्लिश-कम्युनिकेशन-एंड-द-इंडिविजुअल सोसाइटी	2016-2017
2.	**स्नातकोत्तर**	एम.ए. (अंग्रेजी)	2016-2017
3.	**पीएच.डी.**	लिटरेरी एंड कल्चर स्टडीज	2016-2017

10. नियुक्तियां

कैंपस नियुक्तियां	**ऑफ कैंपस नियुक्तियां**	**औसत वेतन**	**अधिकतम वेतन**
01 (अस्थायी)	20	15,000/-	सहायक आचार्य वेतनमान

11. परीक्षा की सफलता दर

पाठ्यक्रम	**श्रेष्ठता से उत्तीर्ण विद्यार्थियों का प्रतिशत ए$^{+}$ ग्रेड**	**प्रथम श्रेणी से उतीर्ण विद्यार्थियों का प्रतिशत ए ग्रेड**	**द्वितीय श्रेणी से उत्तीर्ण विद्यार्थियों का प्रतिशत / बी+ एवं बी ग्रेड**
एम्.ए. (अंग्रेजी)	05	25	10

12. प्रतियोगी परीक्षा की सफलता दर : नेट-1; सेट-1

13. विभाग की वैधानिक समितियां : डीआरसी/बीओएस/शोध सलाहकार समिति

14. सर्वोत्तम प्रणालियाँ : विशेष व्याख्यान माला और श्रव्य दृश्य सामग्री का उपयोग.

15. बीओ एस की क्रमीटिंग बोर्ड स्कूल / .सं. : 01/01

iii) हिंदी विभाग

स्थापना वर्ष : 2007

उद्देश्य:

- *विभाग का मुख्य उद्देश्य हिंदी भाषा और साहित्य का हिंदीतर भाषी क्षेत्र में प्रचार-प्रसार करना.*
- *उर्दू तथा दक्खिनी भाषाओं से सुदृढ़ सम्बन्ध बनाना.*
- *अंतरानुशासनिक अध्यन, शोध कार्यक्रम और सर्वेक्षण कार्य चलाते हुए विभिन्न पाठ्यक्रमों जिसमें नारीवादी साहित्य, दलित साहित्य, तुलनात्मक साहित्य, मुस्लिम विमर्श तथा आधुनिक रंगमंच को चलाना.*

- **विभागाध्यक्ष:** *डॉ(विभागाध्यक्ष प्रभारी) ज़फर-उज़-मुबस्शिर खालिद ०मो .*

- **1. पाठ्यक्रम विवरण :**

क्र	प्रस्तुत पाठ्यक्रम	पाठ्यक्रमों के प्रकार	नामावली	पंजीकृत विद्यार्थी	टिप्पणी
1.	स्नातक	सीबीसीएस	बी.ए. हिन्दी	04	
2.	स्नातकोत्तर		एम्.ए. हिंदी	30	
3.	एम.फिल.		एम.फिल हिन्दी	07	
4.	पीएच.डी.	नॉनसीबीसीएस-	पीएच.डी. हिंदी	17	
5.	पीजी डिप्लोमा	पीजी डिप्लोमा इन फंक्शनल हिंदी एंड ट्रांसलेशन		25	

2. प्राध्यापकगण

क्र.सं.	प्राध्यापक का नाम	शैक्षणिक योग्यताएं	पदनाम
1.	डॉ.जी.वी.रत्नाकर	एम.ए.,एम.फिल, पीएच.डी.	सहायक आचार्य
2.	डॉ. दोड्डा शेषु बाबु	एम.ए.,एम.फिल, पीएच.डी.	सहायक आचार्य
3.	डॉ. करन सिंह ऊटवाल	एम.ए.,एम.फिल, पीएच.डी.	सहायक आचार्य
4.	डॉ.पठान रहीम खान	एम.ए.(हिन्दी एवं अंग्रेजी) ,एम.एड,एम.फिल, पीएच.डी.	सहायक आचार्य

3. संकाय उपलब्धियां

क्र.सं.	इनपुट	विवरण			
1.	प्रकाशन	पुस्तकें	पत्रिकाएं	प्रोसीडिंग्स	दस्तावेज़/रिपोर्ट्स/
		11	8	5	
2.	समितियों में सेवारत	राष्ट्रीय	अंतरराष्ट्रीय	संपादकीय मंडल	अन्य कोई
		-	-	21	8
3.	पुरस्कार	क्षेत्रीय	राष्ट्रीय	अंतरराष्ट्रीय	प्रोफेशनल बॉडीज़
		-	3	-	-
4.	सम्मान/ सदस्यता	क्षेत्रीय	राष्ट्रीय	अंतरराष्ट्रीय	प्रोफेशनल बॉडीज़
		-	-	-	5

5. शोध विवरण : शोध के विशिष्ट क्षेत्र :

क्र.सं.	इनपुट	:	योग	विवरण	कुल अनुदान
i.	परिचलित परियोजनाएं पूर्ण/ परियोजनाएं	:	1	राष्ट्रीय	Rs. 1,05,000/-

6. कार्यशाला /सम्मेलन/संगोष्ठी / : उपस्थिति

श्रेणी	आयोजित		उपस्थिति	
	राष्ट्रीय	अंतरराष्ट्रीय	राष्ट्रीय	अंतरराष्ट्रीय
कार्यशाला	-	-	3	4
संगोष्ठी	-	-	15	3

4. प्रशिक्षण / पुनश्चर्या / अभिविन्यास कार्यक्रम :

श्रेणी	उपस्थिति	
	राष्ट्रीय	अंतरराष्ट्रीय
पुनश्चर्या पाठ्यक्रम	2	-
अन्य	1	-

6. पाठ्यक्रम विवरण

क्र.सं.	पाठ्यक्रम	पाठ्क्रम का शीर्षक	कार्यान्वयन वर्ष
1.	स्नातक	बी.ए. हिंदी	2014
2.	स्नातकोत्तर	एम.ए. हिंदी	2007
3.	एम.फिल.	एमहिंदी.फिल.	2007
4.	पीएच.डी.	पीएच.डी. हिंदी	2007
5.	डिप्लोमा	पीजी डिप्लोमा इन फंक्शनल हिंदी एंड ट्रांसलेशन	2012

7. विद्यार्थी विविधता एवं प्रगति:

क्र.सं.	पाठ्यक्रम	उसी विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों का प्रतिशत	राज्य के अंतर्गत अन्य विश्वविद्यालयों के विद्यार्थियों का प्रतिशत	विश्वविद्यालय में अन्य राज्यों के विद्यार्थियों का प्रतिशत
01	एम.ए. हिंदी	शून्य	38.1%	61.9%
02	एमहिंदी.फिल.	शून्य	86%	14%
03	पीएच.डी. हिंदी	100%	50%	50%

8. प्रतियोगी परीक्षा की सफलता दर

राष्ट्रीय / राज्य स्तरीय /विश्वविद्यालय स्तरीय परीक्षाएं		
क्षेत्रीय कार्य गतिशीलता (उच्च शिक्षा)	नेट - 05	सेट – 03

9. वित्तीय सहायता: एम.फिल.-2016-07-01- आरजीएनएफ /6-स्नातक C-नॉनफ़ेलोशिप नेट-; पीएच.डी.- स्नातक – जेआरएफ -01,आरजीएनएफ-02, एमएएनएफ -02, राष्ट्रीय फ़ेलोशिप-01, स्नातक नॉनफ़ेलोशिप नेट- -11

10. विभागीय वैधानिक समितियां :

- **डीआरसी समिति** : तीन बैठकें संपन्न-2016-2017
- बोर्ड ऑफ़ स्टडीज़: एक बैठक संपन्न-2016-2017

11. सर्वोत्तम प्रणालियाँ

1. उत्साह साहित्यिक एवं सांस्कृतिक मंच
2. प्रति माह साहित्यिक प्रश्नोत्तरी का आयोजन
3. प्रति माह साहित्यिक फिल्मों का प्रदर्शन एवं विचार विमर्श
4. बाह्य एवं विभागीय प्राध्यापकों द्वारा व्याख्यान
5. प्रति माह विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों द्वारा खुली चर्चा एवं परिचर्चा.

12. बी ओ एस मीटिंग बोर्ड लस्कू / : एक (1)

30- 31 मार्च 2017 को आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का छाया चित्र

iv) अरबी विभाग

स्थापना वर्ष : 2004

उद्देश्य: इस विभाग की स्थापना अरबी में उच्च शिक्षा तथा शोध व विभिन्न पाठ्यक्रमों को बढ़ावा देना है

विभागाध्यक्ष: डॉअसलम दसय्य . अशरफ

1. पाठ्यक्रम विवरण :

क्र .सं.	प्रस्तुत पाठ्यक्रम	पाठ्यक्रम	नामावली	पंजीकृत विद्यार्थी	टिप्पणी
1.	स्नातक	सीबीसीएस	बीअरबी.ए.		
2.	स्नातकोत्तर	सीबीसीएस	एम्.ए.. अरबी	**35**	
3.	एम.फिल.	---	एमअरबी.फिल.	**10**	
4.	पीएच.डी.,	नॉन-सीबीसीएस	पीएच.डी. अरबी	**4**	
5.	एडवांस डिप्लोमा		मॉडर्न अरबी लैंग्वेज एंड ट्रांसलेशन		
6.	डिप्लोमा		अरबी भाषा		
7.	प्रमाण पत्र		प्रवीणता प्रमाण पत्र		

2. प्राध्यापकगण

क्रसं.	प्राध्यापक का नाम	शैक्षणिक योग्यताएं	पदनाम
1.	डॉअशरफ अलीम सय्यद.	एम.ए., पीएच.डी.	सह- आचार्य
2.	डॉनदवी नदीम.जे.	एम.ए., पीएच.डी.	सहायक आचार्य
3.	डॉआलम शर्फे ०मो मुफ़्ती.	एम.ए., पीएच.डी.	सहायक आचार्य
4.	डॉकौसर समीना .	एम.ए., पीएच.डी.	सहायक आचार्य

3. संकाय उपलब्धियां

क्र.सं.	इनपुट	विवरण			
1.	प्रकाशन	पुस्तकें	पत्रिकाएं	प्रोसीडिंग्स	दस्तावेज़पोर्ट्सरि/
		2	2	-	-
2.	समितियों में सेवारत	राष्ट्रीय	अंतरराष्ट्रीय	संपादकीय मंडल	अन्य कोई
			1		2
3.	सम्मानसदस्यता/	क्षेत्रीय	राष्ट्रीय	अंतरराष्ट्रीय	प्रोफेशनल बॉडीज़
		1	2	1	1

4. शोध परियोजना:

i.	**परिचलित परियोजनाएंपरियोजनाएं पूर्ण/**	2	**राष्ट्रीय**	@ 1,05,000/- **रुपये प्रत्येक**

5. राष्ट्रीय कार्यशाला / सम्मेलन / संगोष्ठी / परिसंवाद :

श्रेणी	उपस्थिति	
	राष्ट्रीय	**अंतरराष्ट्रीय**
कार्यशाला	4	-
सम्मलेन	1	-
संगोष्ठी	5	-

6. प्रशिक्षण / पुनश्चर्या / अभिविन्यास कार्यक्रम : राष्ट्रीय : पुनश्चर्या पाठ्यक्रम – 2; अभिविन्यास कार्यक्रम - 1

7. पाठ्यक्रम विवरण

क्र.सं.	**पाठ्यक्रम**	**पाठ्क्रम का शीर्षक**	**पुनरावृत्ति वर्ष**	**कार्यान्वयन वर्ष**
1.	स्नातक	बीअरबी.ए.	2016	2016 -17
2.	स्नातकोत्तर	एमए. अरबी	2016	2016 -17
3.	एमफिल.	एमअरबी.फिल.	2016	2016 -17
4.	पीएचडी.	पीएचअरबी.डी.	2016	2016 -17
5.	डिप्लोमा	एडवांस डिप्लोमा एंड डिप्लोमा इन अरबी	2016	2016 -17

7. विद्यार्थी विविधता एवं प्रगति

क्र.सं.	पाठ्यक्रम	उसी विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों का प्रतिशत	राज्य के अंतर्गत अन्य विश्वविद्यालयों के विद्यार्थियों का प्रतिशत	विश्वविद्यालय में अन्य राज्यों के विद्यार्थियों का प्रतिशत
1	एम.ए.	26	42	58
2	एम.फिल.	75		25
3	पीएच.डी.	100	-	-

8. नियुक्ति विवरण

कैंपस नियुक्तियां	ऑफ कैंपस नियुक्तियां	औसत वेतन	अधिकतम वेतन	कैंपस में नियोक्ताओं के आगमन की संख्या
2	3	25,000.00	35,000.00	फेसबुक; अमेज़ोन; टेक महिंद्रा; गूगल; & जेन पैक्ट

9. परीक्षा की सफलता दर

पाठ्यक्रम	**श्रेष्ठता से उत्तीर्ण विद्यार्थियों का प्रतिशत / ए$^{+}$ ग्रेड**	**प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण विद्यार्थियों का प्रतिशत उत्तीर्ण / ए ग्रेड**	द्वितीय **श्रेणी में उत्तीर्ण विद्यार्थियों का प्रतिशत** उत्तीर्ण /बी+ और बी ग्रेड
एम.ए.	48	44	8

10. सर्वोत्तम प्रणालियाँ : अरबी के प्राध्यापकों द्वारा एससीईआरटी तेलंगाना सरकार की कक्षा 6 से 10 तक की अरबी पुस्तकों की रचना की एवं संशोधन किया.

11. भविष्य की योजनाएं: राष्ट्रीय संगोष्ठी

12. बी.ओ. एस. की क्रमीटिंग बोर्ड स्कूल / .सं. : बोर्ड ऑफ़ स्टडीज़ - 1

और विज्ञान (ओरिएंटेशन कार्यक्रम में)

v) फ़ारसी विभाग

स्थापना वर्ष : 2008

उद्देश्य:

इस विभाग की स्थापना फारसी में उच्च शिक्षा तथा शोध व विभिन्न पाठ्यक्रमों तथा फारसी भाषा को बढ़ावा देना है।

विभागाध्यक्ष: प्रो० अज़ीज़ बानू

1. पाठ्यक्रम विवरण:

क्र.सं.	प्रस्तुत पाठ्यक्रम	पाठ्यक्रमों के प्रकार	नामावली	पंजीकृत विद्यार्थी	टिपण्णी
i.	स्नातक	सीबीसीएस	बी.ए .	30	
ii.	स्नातोकोत्तर	सीबीसीएस	एम्.ए. (फ़ारसी)	07	
iii.	एम.फिल.	नॉन- सीबीसीएस	एम.फिल. (फ़ारसी)	04	
iv.	पीएच.डी.,	नॉन-सीबीसीएस	पीएच.डी. (फ़ारसी)	04	
vi.	डिप्लोमा		डिप्लोमा (फ़ारसी)	25	

6. प्राध्यापकगण

क्रसं.	प्राध्यापक का नाम	शैक्षणिक योग्यताएं	पदनाम
1.	प्रोबानू अज़ीज़ .	एम .ए.पीएच.डी.	आचार्य
2.	प्रोमीआज़ नौखेज़ शहीद .	एम.डी.पीएच .ए.	आचार्य
3.	डॉ जहाँ असमत सयेदा .	एम.डी.पीएच .ए.	सहायक आचार्य
4.	डॉअहमद खैसर .	एम.डी.पीएच .ए.	सहायक आचार्य
5.	डॉअतहर मुस्तफा सयेदा .	एम.डी.पीएच .ए.	सहायक आचार्य

3. संकाय उपलब्धियां

क्र	इनपुट	विवरण			
1.	प्रकाशन	पुस्तकें	पत्रिकाएं	प्रोसीडिंग्स	दस्तावेज़रिपोर्ट /
			8		
2.	समितियों में सेवारत	राष्ट्रीय	अंतरराष्ट्रीय	संपादकीय मंडल	अन्य कोई
		9		5	1
3.	अवार्ड्स	क्षेत्रीय	राष्ट्रीय	अंतरराष्ट्रीय	प्रोफेशनल बॉडीज़
		1	-	-	-
4.	सम्मानित सदस्यता	क्षेत्रीय	राष्ट्रीय	अंतरराष्ट्रीय	प्रोफेशनल बॉडीज़
		3	6		

4. अतिथि व्याख्यान व्याख्यान विशिष्ट /

श्रेणी	संयोजन/उपस्थिति	
	राष्ट्रीय	अंतरराष्ट्रीय
अतिथि व्याख्यान	2	- - -
विशिष्ट व्याख्यान	- - -	1
सत्र की अध्यक्षता	- - -	2
संगोष्ठी		3

5. शोध विवरण :

इनपुट	योग	विवरण	कुल अनुदान
लघु शोध परियोजना	04	राष्ट्रीय	1) Rs. 1,05,000/-; 2) Rs. 3,45,000/-

6. प्रशिक्षण / पुनश्चर्या / अभिविन्यास कार्यक्रम :

श्रेणी	आयोजित		उपस्थिति	
	राष्ट्रीय	अंतरराष्ट्रीय	राष्ट्रीय	अंतरराष्ट्रीय
अभिविन्यास कार्यक्रम	- - -	- - -	1	- - -

7. प्रख्यात शिक्षाविदों की सूची /वैज्ञानिकों का आगमन /सूचीबद्ध:

No	शिक्षाविदों/ वैज्ञानिकों का नाम	उद्देश्य	दिनांक
1	*अब्दुल गफ्फार*	अतिथि व्याख्यान	19 अप्रैल 2016
2	*अहमद अली*	अतिथि व्याख्यान	21 अप्रैल 2016
3	*प्रोओर्थमिन इवा.*	विशिष्ट व्याख्यान	3 जनवरी 2017
4	*45 सदस्यों की उपस्थिति*	अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी	21-23 मार्च 2017

8. पूर्व छात्र संघ

क्र.सं.	पूर्व छात्र के नाम	वर्ष
1.	श्रीआलम क़मर .	2016
2.	श्रीअहमद शफ़ीक़ .	2016

9. पाठ्यक्रम विवरण

No	पाठ्यक्रम	पाठ्क्रम का शीर्षक	पुनरावृति वर्ष	कार्यान्वयन वर्ष
1.	**स्नातक**	फ़ारसी	2016	2016
2.	**स्नातोकोत्तर**	फ़ारसी	2016	2016
3.	**पीएच.डी.**	फ़ारसी	2016	2016

10. मूलभूत सुविधाएं :

No	मूलभूत		सुविधायें				
1.	भौतिक	कक्षाएं	3	सेमीनार हाल	1	प्राध्यापक कक्ष	4
2.	शैक्षणिक	ग्रंथालय		डिजिटल ग्रंथालय		अध्ययन कक्ष	1
3.	आईसीटी	कंप्यूटर लैब	Y	इन्टरनेट सुविधा	Y	प्रिंटर्स एवं नेटवर्क	Y
4.	कार्य कुशलता	प्रयोगशाला	-	कार्यशाला	-	संगीत प्रयोगशाला	
5.	खेल	इनडोर गेम्स	Y			आउट डोर गेम्स	Y

11. नियुक्ति विवरण

कैंपस नियुक्तियां	**औसत वेतन**	**अधिकतम वेतन**	कैंपस में नियोक्ताओं के आगमन की संख्या
1	25,000.00	50,000.00	1

12. वित्तीय सहायता : 7 नॉननेट-; & 4 स्नातक नेट फ़ेलोशिप

13. विभागीय वैधानिक समितियां : डीआरसी एवं बीओएस

14. बोर्ड ऑफ़ स्टडीज़:- 9वीं बोर्ड ऑफ़ स्टडीज़ की बैठक-31अक्टूबर 2016.

तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी "द इंडोसाइंस ओन सोर्सेज फारसी- & टेक्नोलॉजी" (दक्खिनी विशेष के फारसी- (में सन्दर्भ की एक झलक - *21 से 23 मार्च, 2017*

vi) अनुवाद विभाग

स्थापना वर्ष : 2006.

उद्देश्य: 1.क्षेत्रीय यात्राएं और अनुवाद / भाषा केंद्रों के प्रत्यक्ष अवलोकन के अलावा विभिन्न शैक्षणिक गतिविधियों में छात्रों की सहभागिता, जैसे संगोष्ठी, व्याख्यान, परिचर्चा और सांस्कृतिक एवं साहित्यिक गतिविधियाँ.

2. प्रत्येक विद्यार्थी को व्यक्तिगत रूप से अकादमिक मार्गदर्शन तथा सहायता के अलावा लिखने हेतु दत्तकार्य और संगोष्ठी की तयारी हेतु प्रेरित करना .

विभागाध्यक्ष: *डॉज़फर-उज़-मुबस्शिर खालिद ०मो.*

1. पाठ्यक्रम विवरण :

क्रसं.	प्रस्तुत पाठ्यक्रम	पाठ्यक्रम	नामावली	पंजीकृत विद्यार्थी	टिपण्णी
1.	स्नातोकोत्तर	सीबीसीएस	एम्.ए.. अनुवाद विभाग	11	
2.	एम.फिल.		एम.फिल अनुवाद	09	
3.	पीएच.डी.	नॉन-सीबीसीएस	पीएच.डी. अनुवाद विभाग	29	

2. प्राध्यापकगण:

क्रसं.	प्राध्यापकों का नाम	शैक्षणिक योग्यताएं	पदनाम
1.	प्रोज़फरुद्दीन ०मो .	एम.ए., पीएच.डी.	आचार्य
2.	*डॉज़फर-उज़-मुबस्शिर खालिद ०मो.*	एम.ए., पीएच.डी.	सह- आचार्य
3.	डॉकाज़मी ०मो सय्यद.	एमए.,. पीएच.डी.	सहायक आचार्य
4.	डॉज़ाकिर जुनैद ०मो .	एम.ए., पीएच.डी.	सहायक आचार्य
5.	डॉअहमद फहीमुद्दीन .	एम.ए., पीएच.डी.	सहायक आचार्य
6.	डॉ कहकशां.लतीफ़	एम.ए., पीएच.डी.	सहायक आचार्य

3. संकाय उपलब्धियां

क्र.सं.	इनपुट	विवरण			
1.	प्रकाशन	पुस्तकें	पत्रिकाएं	प्रोसीडिंग्स	दस्तावेज़रिपोर्ट्स/
		1	10	-	1
2.	समितियों में सेवारत	राष्ट्रीय	अंतरराष्ट्रीय	संपादकीय मंडल	अन्य कोई
		1	-	1	-
3.	पुरस्कार	क्षेत्रीय	राष्ट्रीय	अंतरराष्ट्रीय	प्रोफेशनल बॉडीज़
		1	-	-	-
4.	सम्मानसदस्यता/	क्षेत्रीय	राष्ट्रीय	अंतरराष्ट्रीय	प्रोफेशनल बॉडीज़
		1	-	-	-

4. मूलभूत सुविधाएं :

No	मूलभूत		सुविधायें				
1.	भौतिक	कक्षाएं	3	संगोष्ठी कक्ष	0	प्राध्यापक कक्ष	6
2.	अकादमिक	ग्रंथालय	1	डिजिटल लाइब्रेरी	1	अध्ययन कक्ष	1
3.	आईसीटी	कंप्यूटर लैब	1	इन्टरनेट सुविधाएं	Y	प्रिंटर्स & नेटवर्क	Y

5. नियुक्ति विवरण

कैंपस	ऑफ़ कैंपस	औसत वेतन	अधिकतम वेतन
04	03	3 लाख प्रति वर्ष	3.5 लाख प्रति वर्ष

6. वित्तीय सहायता: एमफिल. :-स्नातक- नॉन- नेट फ़ेलोशिप–9

पीएच.डी.- एमएएनएफ - 08, स्नातक - नॉन- नेट फ़ेलोशिप - 21 शोध छात्र

7. विभागीय वैधानिक समितियां :

- डीआरसी समिति : दो बैठकें संपन्न-2016-2017
- बोर्ड ऑफ़ स्टडीज़: एक बैठक संपन्न-2016-2017

8. सर्वोत्तम प्रणालियाँ :

1. बज़्मसक़फत-ओ-तर्जुमा-ए-
2. प्रति माह साहित्यिक प्रश्नोत्तरी का आयोजन
3. अनुवाद प्रतियोगिता तथा अन्य बहुगतिविधियाँ तिकसांस्कृ भाषी-
4. बाह्य एवं विभागीय प्राध्यापकों द्वारा व्याख्यान का आयोजन.
5. प्रति माह विद्यार्थियों तथा शोधार्थियों द्वारा खुली चर्चा.परिचर्चा-
6. भित्ति पत्रिका

9. भविष्य की योजनाएं :

i) एक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी ;

ii) अनुवाद डिप्लोमा का परिचय कराना

iii) अनुवाद में पुनश्चर्या पाठ्यक्रम

10 बीओ एस की संख्या बोर्ड स्कूल / .बैठके: 11वी बीओएस बैठक-07.11.2016

V) कला एवं समाजविज्ञान विभाग-

विश्वविद्यालय ने कला और विज्ञान के तहत शैक्षिक प्रस्तुति पाठ्यक्रम के लिए वर्ष 2006 में कला एवं समाज-भाग की स्थापना की।विज्ञान वि इसकी स्थापना मौलाना आजाद की राजनीतिक, सार्वजनिक और सामाजिक जीवन की विरासत और प्रभाव पर आधारित है। वर्तमान में इसमें आठ विभाग हैं और यह विश्वविद्यालय के सभी स्कूलों में से सबसे बड़ा है और श्रीनगर (जम्मू और कश्मीर) में स्थित कॉलेजों में पाठ्यक्रम प्रदान करता है।

स्कूल का मुख्य उद्देश्य अध्ययन के पाठ्यक्रम की पेशकश करना है जो दार्शनिक, सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक, ऐतिहासिक और सार्वजनिक जीवन के लिए मानवीय चिंताओं को प्रभावित करता है, साथ ही समाज और लिंग के साथ संबंधित मुद्दों को समझने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

संकाय अध्यक्ष: प्रोएम रहमतुल्लाह.एस.

क्र.सं.	विभाग	स्थापना वर्ष	पाठ्यक्रम
1.	इस्लामिक अध्ययन	2012-13	बी.ए., एम.ए., एम.फिल., पीएच.डी.
2.	वाणिज्य	2015-16	बी.ए.,एम्.ए.. , पीएच.डी.
3.	इतिहास	2015-16	बी.ए.,एम्.ए., पीएच.डी.
4.	राजनितिक विज्ञान	2015-16	बी.ए., एम.ए., एम.फिल., पीएच.डी.
5.	लोक प्रशासन	2006-07	बी.ए., एम.ए., एम.फिल., पीएच.डी.
6.	समाजशास्त्र	2015-16	बी.ए.,एम.ए., पीएच.डी.
7.	समाज कार्य	2007-08	एमएसडब्लू , एम.फिल., पीएच.डी.
8.	स्त्री अध्ययन	2005-06	एम.ए., एम.फिल., पीएच.डी.

i) इस्लाम अध्ययन विभाग

स्थापना वर्ष : 2012

उद्देश्य:

विभाग का मख्य उद्देश्य आधनिक परिप्रेक्ष्य में इस्लामी अध्ययन में पाठ्यक्रम की पेशकश करना है। इन दिनों में विभाग ने विशेष रूप से अपने राजनीतिक विचारों और सामाजिक दृष्टिकोण से संबंधित सार्वजनिक चर्चाओं और परिचर्चा के माध्यम से एक केंद्रीय मंच अपनाया है।

विभागाध्यक्ष: डॉ. मो.फहीम अख्तर

1. पाठ्यक्रम विवरण :

क्र.सं.	प्रस्तुत पाठ्यक्रम	पाठ्यक्रम	नामावली	पंजीकृत विद्यार्थी	टिपण्णी
1.	स्नातोकोत्तर	सीबीसीएस	एम्अध्ययन इस्लामिक.ए.	30	
2.	एम.फिल.	नॉन - सीबीसीएस	एम.फिल. इस्लामिक अध्ययन	02	
3.	पीएच.डी.,	नॉन - सीबीसीएस	पीएच.डी. इस्लामिक अध्ययन	03	

2. प्राध्यापकगण:

क्र.सं.	प्राध्यापकों का नाम	शैक्षणिक योग्यताएं	पदनाम
1.	डॉअख्तर फहीम ०मो.	एम.डी.पीएच .ए.	सह- आचार्य
2.	डॉअहमद इरफ़ान ०मो .	एम.डी.पीएच .ए.	सहायक आचार्य
3.	श्री मो० सिराजोदीन	एम्.ए.., एम.फिल.	सहायक आचार्य

1. प्राध्यापक उपलब्धियां

प्रकाशन	पुस्तकें -1	पत्रिकाएं -2

2. प्रशिक्षण / पुनश्चर्या / अभिविन्यास कार्यक्रम

श्रेणी	उपस्थिति - राष्ट्रीय स्तर, 1- इंडक्शन कोर्स

3. अतिथिव्याख्यान विशिष्ट /

श्रेणी	संयोजन		दिया गया व्याख्यान	
	राष्ट्रीय	अंतरराष्ट्रीय	राष्ट्रीय	अंतरराष्ट्रीय
अतिथि व्याख्यान	1		2	3

4. **पाठ्यक्रम विवरण :**

क्र सं.	पाठ्यक्रम	पाठ्क्रम का शीर्षक	पुनरावृत्ति वर्ष	कार्यान्वयन वर्ष
1.	स्नातक	बी.ए.(इस्लामिक अध्ययन)	2016	2016
2.	स्नातकोत्तर	एम.ए.(इस्लामिक अध्ययन)	2016	2016
3.	पीएच.डी	पीएच.डी(इस्लामिक अध्ययन)	2016	2016

7. छात्र विविधता एवं प्रगति

सं.	पाठ्यक्रम	उसी विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों का प्रतिशत	राज्य के अंतर्गत अन्य विश्वविद्यालयों के विद्यार्थियों का प्रतिशत	विश्वविद्यालय में अन्य राज्यों के विद्यार्थियों का प्रतिशत
1	एम.ए.	6.6 %	66.6 %	26.6 %
2	पीएच.डी.	100 %	शून्य	शून्य
3	एम.फिल.	50 %	शून्य	50 %

8.. परीक्षा की सफलता दर

पाठ्यक्रम	श्रेष्ठता से उत्तीर्ण विद्यार्थियों का प्रतिशत /ए$^+$ ग्रेड	प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण विद्यार्थियों का प्रतिशत / ए ग्रेड	द्वितीय श्रेणी में उत्तीर्ण विद्यार्थियों का प्रतिशत /बी+, बी ग्रेड	साधारण श्रेणी में उत्तीर्ण विद्यार्थियों का प्रतिशत/सी और डी ग्रेड
एम.ए	शून्य	69.2 %	23 %	7.6 %

9. **सर्वोत्तम प्रणालियाँ** : विभाग ने उर्दू भाषा में स्नातक एवं इस्लामिक अध्ययन में स्नातकोत्तर के लिए पाठ्य सामग्री बनाने में योगदान दिया है।

10. **नवीन पाठ्यक्रमों की प्रस्तुति** : पी.एच.डी पाठ्यक्रमों का आरंभ

बी.ओ.एस. की संख्या : 02 - 30 सितंबर 2016 और 08फरवरी 2017

ii) अर्थशास्त्र विभाग

स्थापना वर्ष : 2014

उद्देश्य :

अर्थशास्त्र का अध्ययन उर्दू माध्यम से गुणात्मक बनाने में योगदान देना।

आर्थिक सशक्तिकरण के माध्यम से समाज के उपेक्षित वर्गों के विकास पर ध्यान केंद्रित करने के साथ साथ अल्पसंख्यक पर विशेष रूप में बल देना।

विभागाध्यक्ष : प्रो. फरीदा सिद्दीकी

1. पाठ्यक्रम विवरण :

सं.	प्रस्तुत पाठ्यक्रम	पाठ्यक्रमों के प्रकार	नामावली	इनटेक	टिप्पणियाँ
1.	स्नातक	सीबीसीएस	बी.ए. अर्थशास्त्र	18	
2.	स्नातकोत्तर	सीबीसीएस	एम.ए. अर्थसास्त्र	30	

2. प्राध्यापक

क्र.सं.	नाम	योग्यता	पदनाम
1.	प्रो.फरीदा सिद्दीकी	एम.ए .पीएच.डी.	आचार्य
2.	*श्री मोहम्मद ज़ुल्क़ार नैन ज़ेहरा*	एम्.ए.., एम.फिल.	सहायक आचार्य
3.	डॉ .सैयद हसन क़ायेद	एम.ए .पीएच.डी.	सह- आचार्य
4.	श्री फसलुर्रहमन पी.के.	एम्.ए.., एम.फिल.	सहायक आचार्य

3. प्राध्यापको की उपलब्धियां

प्रकाशन	**पत्रिकाएं- 03**	
सम्मान/सदस्यता	क्षेत्रीय -01	राष्ट्रीय - 03

5. **शोध विवरण:**

1	राष्ट्रीय	परिचालित परियोजनाएँ और पूर्ण परियोजनाएँ	15.00 लाख रूपये

6. **कार्यशाला / सम्मेलन / संगोष्ठी / परिसंवाद**

श्रेणी	**उपस्थिति**	
	राष्ट्रीय	अंतरराष्ट्रीय
कार्यशाला	01	01
सम्मेलन	02	--
परिसंवाद	01	--

7. प्रशिक्षण / पुनश्चर्या / अभिविन्यास कार्यक्रम

अभिविन्यास कार्यक्रम	02
अन्य कोई	02 अधिष्ठापन पाठ्यक्रम

8. अतिथि व्याख्यान /विशिष्ट व्याख्यान

श्रेणी	संयोजक	व्यख्यान दिया गया
	राष्ट्रीय	राष्ट्रीय
अतिथि व्याख्यान	02	02
	02	-

9. पाठ्यक्रम विवरण

No	पाठ्यक्रम	पाठ्क्रम का शीर्षक	पुनरावृत्ति वर्ष	कार्यान्वयन वर्ष
1.	स्नातक	बी.ए.	2016	2016
2.	स्नातकोत्तर	एम.ए.	2016	2016

10. छात्र विविधता एवं प्रगति

पाठ्यक्रम	उसी विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों का प्रतिशत	राज्य के अंतर्गत अन्य विश्वविद्यालयों के विद्यार्थियों का प्रतिशत	विश्वविद्यालय में अन्य राज्यों के विद्यार्थियों का प्रतिशत	अन्य देशों से आए हुए विद्यार्थियों का प्रतिशत
एम.ए.	00	36.36	63.63	00

11. परीक्षा की सफलता दर

पाठ्यक्रम	श्रेष्ठता से उत्तीर्ण विद्यार्थियों का प्रतिशत/ ए + ग्रेड	प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण विद्यार्थी प्रतिशत /ए ग्रेड	द्वितीय श्रेणी से उत्तीर्ण विद्यार्थी प्रतिशत /बी +, और बी ग्रेड
एम.ए..	16.66	83.33	--

12. प्रतियोगिता परीक्षा की सफलता दर :जेआरएफ – 2 और नेट-1

13. नवीन पाठ्यक्रम प्रस्तुति/अकादमिक सुधार : पीएच.डी.

14. विभाग द्वारा आयोजित अकादमिक कार्यक्रम :ईको-हीमा एसोशिएशन अर्थशास्त्र के विद्यार्थी, मानू) संयोजक के अंतर्गत श्री फसलुरहमान पी.के. (सहायक आचार्य) ने 17 अक्तूबर 2016 को गरीबी उन्मूलन के विषय के तहत मेगान मीलान के निर्देशन में "स्माइली पिंकी" नाम से एक फिल्म शो आयोजित किया। फिर विद्यार्थियाँ गरीबी के कारणों पर विचार किया और गरीबी उन्मूलन के लिए विभिन्न तरीकों से विचार विमर्श किया।

पेनेल ने "भारत में जी.एस.टी.; अर्थशास्त्र पर प्रभाव" - 27.10.2016 में संयोजक : डॉ .सय्यद हसन क़यद, सहायक आचार्य ने चर्चा की।

10 मार्च 2017 को सुबह 10 बजे श्री शाकिर अली, सह संस्थापक एवं प्रमुख सलाहकार, डीजिटोज़ प्रा.लि., हैदराबाद - "पर्सनालिटी डेवलोपमेंट एंड एम्प्लोयाबिलिटी स्किल"में विचार अभिव्यक्त करते हुए।

iii) इतिहास विभाग

स्थापना वर्ष : 2014

उद्देश्य : इतिहास के माध्यम से विद्यार्थियों के बीच नागरिक भावना प्रदान करना।

एक जीवंत केंद्र में बदल कर बदलते समय के साथ चलने हेतु प्रेरित करना।

विभागाध्यक्ष: प्रो .मुस्ताक़ अहमद कॉ

1. पाठ्यक्रम विवरण :

No	प्रस्तुत पाठ्यक्रम	पाठ्यक्रमों के प्रकार	नामावली	ईनटेक	टिप्पणियाँ
1.	स्नातक	सीबीसीएस	बी.ए.इतिहास	18	
2.	स्नातोकोत्तर	सीबीसीएस	एम्.ए. इतिहास	30	

2. प्राध्यापक

क्र.सं.	नाम	योग्यता	पदनाम
1.	प्रो .मुश्ताक़ अहमद कॉ	एम.ए. ,पीएच.डी.	आचार्य
2.	*डॉ. दानिश मोइन*	एम.ए. ,पीएच.डी.	सह- आचार्य
3.	श्री फयाज़ अहमद	एम्.ए.., एम.फिल.	सह- आचार्य
4.	श्री ख़ालिद पोन्मुलाथोड़ि	एम्.ए.., एम.फिल.	सहायक आचार्य

3. कार्यशाला / सम्मेलन / संगोष्ठी / परिसंवाद

श्रेणी	उपस्थिति	
	राष्ट्रीय	अंतरराष्ट्रीय
कार्यशाला	01	शून्य
सम्मेलन	04	03
संगोष्ठी	02	शून्य

4. प्रशिक्षण / पुनश्चर्या / अभिविन्यास कार्यक्रम

श्रेणी	आयोजित	
	राष्ट्रीय	अंतरराष्ट्रीय
अभिविन्यास कार्यक्रम	01	शून्य

5. अतिथि व्याख्यान/विशिष्ट व्याख्यान

श्रेणी	संयोजक		व्याख्यान दिया गया	
	राष्ट्रीय	अंतरराष्ट्रीय	राष्ट्रीय	अंतरराष्ट्रीय
अतिथि व्याख्यान	03	शून्य	08	01

6. प्रख्यात शिक्षाविदों की सूची / वैज्ञानिकों का आगमन / सूचीबद्ध

संख्या	शिक्षाविद/वैज्ञानिक	उद्देश्य	तारीख
01	प्रो .के.के .मुहम्मद पूर्व क्षेत्रीय निदेशक, पुरातत्त्वविद, सर्वे ऑफ इंडिया	विस्तार व्याख्यान	23.08.2016
02	प्रो .इशरत आलम, इतिहास विभाग, ए.एम.यू.	विस्तार व्याख्यान	31.01.2017
03	डॉ .एम .विरेंद्र, डिप्टी क्युरेटर, सालार जंग म्यूज़ियम, हैदराबाद	विस्तार व्याख्यान	17.03.2017

7. पाठ्यक्रम विवरण

क्र.सं.	पाठ्यक्रम	Year of Revision	कार्यान्वयन वर्ष
1.	स्नातक	2016	2017
2.	स्नातकोत्तर	2015	2016
3.	पी.एच.डी	नवीन पंजीकरण	2017

8. छात्र विविधता एवं प्रगति

सं.	पाठ्यक्रम	उसी विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों का प्रतिशत	राज्य के अंतर्गत अन्य विश्वविद्यालयों के विद्यार्थियों का प्रतिशत	विश्वविद्यालय में अन्य राज्यों के विद्यार्थियों का प्रतिशत
1	स्नातकोत्तर	18.75%	33.33%	55.55%

9. नियुक्ति विवरण : शून्य

10. परीक्षा की सफलता दर

क्र.सं.	पाठ्यक्रम	श्रेष्ठता से उत्तीर्ण विद्यार्थियों का प्रतिशत / A^+ ग्रेड	प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण विद्यार्थियों का प्रतिशत / A ग्रेड	द्वितीय श्रेणी में उत्तीर्ण विद्यार्थियों का प्रतिशत / B+ & B ग्रेड
1	स्नातकोत्तर	16.66%	83.33%	शून्य

10. भविष्य की योजनाएँ : मध्य एशिया से विशेष रुप से भारत के पड़ोसी देशों से अच्छें संबंधों के लिए एक शोध केंद्र की स्थापना करने की कोशिश की जा रही हैं। भारत-मध्य एशिया संबंधों को अपने साझा अतीत के आधार पर बनाने और मजबूत करने और नीति निष्पादन के लिए संबंधित नीतिगत योजनाकारों को आवश्यक इनपुट प्रदान करने का इरादा है।

11. **बीओ एस की संख्या / स्कूल बोर्ड बैठके** : 02

iv) राजनीति विज्ञान विभाग

स्थापना वर्ष : - 2015

उद्देश्य: बहुआयामी अधिगम के अनुभव प्रदान करने के लिए, अपने सभी संदर्भों में राजनीति विज्ञान की गहरी समझ सुनिश्चित करने हेतु कठोर शैक्षणिक, लागू, व्यावहारिक और पार-अनुशासनिक दृष्टिकोण को एकीकृत करना है।

अपने विद्यार्थियों को प्रभावी नागरिकों के रुप में प्रशिक्षित करने और उन्हें समकालीन करियर की बड़ी संख्या के लिए फिट करने में सक्षम बनाना।

विषय विशेषज्ञों, छात्रों और शिक्षण, शिक्षण मूल्यांकन पर संकाय से मौखिक और लिखित प्रतिक्रिया इकट्ठा करना।

सेमिनार, संगोष्ठी और सम्मेलनों जैसे अकादमिक गतिविधियों का आयोजन करना।

विभागाध्यक्ष- डॉ. अफरोज़ आलम

1. **पाठ्यक्रम विवरण** :

क्र.	प्रस्तुत पाठ्यक्रम	पाठ्यक्रमों के प्रकार	नामावली	इनटेक	टिप्पणियाँ
1.	स्नातक	सीबीसीएस	बी.ए.	33	
2.	स्नातकोत्तर	सीबीसीएस	एम्.ए.. (राजनीति विज्ञान)	50	
3.	एम.फिल.	नॉन-सीबीसीएस	एम.फिल राजनीति विज्ञान	10	

2. प्राध्यापक :

क्र.सं.	**नाम**	**योग्यता**	**पदनाम**
1.	डॉ. *अफरोज़* आलम	एम.ए., पीएच.डी.	सह- आचार्य
2.	*डॉ. दास्तागिर्बाशा चाबनुर*	एम.ए., पीएच.डी.	सहायक आचार्य
3.	डॉ .मोहम्मद खुर्शीद आलम	एम.ए., पीएच.डी.	सहायक आचार्य
4.	शबाना फहीन	एम्.ए., एम.फिल.	सहायक आचार्य

3. **प्राध्यापक उपलब्धियां**

1.	प्रकाशन	पत्रिकाएं – 2	
2.	समितियों में सेवारत	राष्ट्रीय - 1	संपादकीय मंडल - 1
4.	सम्मान/सदस्यता	क्षेत्रीय - 1	अंतरराष्ट्रीय – 2

4. **शोध विवरण:**

i.	परिचालित परियोजना/पूर्ण परियोजना	01	राष्ट्रीय	रु. 1,05,000.00

5. **कार्यशाला / सम्मेलन / संगोष्ठी / परिसंवाद**

आयोजित	**उपस्थिति**	**अध्यक्षीय सत्र**
राष्ट्रीय- 1 (22-26 अगस्त 2017)	राष्ट्रीय - 04 (4 व 5)	राष्ट्रीय – 02

6. प्रशिक्षण / पुनश्चर्या / अभिविन्यास कार्यक्रम :

श्रेणी	**राष्ट्रीय स्तर पर उपस्थिति**
पुनश्चर्या पाठ्यक्रम	01
अभिविन्यास कार्यक्रम	01
अन्य कोई	03

7. अतिथि व्यख्यान / विशिष्ट व्यख्यान

श्रेणी	संयोजक		व्याख्यान दिया गया	
	राष्ट्रीय	अंतरराष्ट्रीय	राष्ट्रीय	अंतरराष्ट्रीय
अतिथि व्याख्यान	06		01	

प्रख्यात शिक्षाविदों की सूची / वैज्ञानिकों का आगमन / सूचीबद्ध

सं.	शिक्षाविद/वैज्ञानिक	उद्देश्य	तारीख
01	डॉ .नावेद जमाल, जे.एम.आइ, नई दिल्ली	विशेष व्याख्यान	23 अगस्त, 2016
02	डॉ .ई .वेंकटेसु, हैदराबाद विश्व विद्यालय		24 अगस्त, 2016
03	डॉ .वी .वसुंधरा देवी, वीमेंस कॉलेज, निज़ामाबाद		25 अगस्त , 2016
04	डॉ .अजय गुडवर्ती, सी.पी.एस, जे.एन.यू., नई दिल्ली		21 अक्तूबर, 2016
05	डॉ .मोहम्मद फहीम अख़्तर, विभागाध्यक्ष, आइ.एस.,मानू		09 नवम्बर, 2016
06	रुख़्सार सलीम, संस्थापक, मदर्स डाइजेस्ट,		06 मार्च, 2017
07	प्रो.निसार – यू.आइ-हक़, राजनीति विज्ञान विभाग., जे.एम.आइ	आगमन	21 जनवरी, 2017
08	प्रो .मिस्रा अस्मेर बेग, राजनीति विज्ञान विभाग., ए.एम.यू		

9. पाठ्यक्रम विवरण

सं.	पाठ्यक्रम	पुनरावृत्ति वर्ष	कार्यान्वयन वर्ष
1.	स्नातक	2017	2017
2.	स्नातकोत्तर	2017	2017

10.मूलभूत सुविधाएँ :

सं.	मूलभूत		सुविधाएँ				
1.	भौतिक	कक्षाएँ	2	संगोष्ठी कक्ष	--	अध्यापक कक्ष	2
2.	अकादमिक	पुस्तकालय	--	डिजिटल लाइब्रेरी		वाचनालय	--
3.	आइ.सी.टी	कंप्यूटर लैब	--	इंटरनेट सुविधा	हाँ	प्रिंटर्स एंड नेटवार्क	Y

12. छात्र विविधता एवं प्रगति

सं.	पाठ्यक्रम	उसी विश्व विद्यालय के विद्यार्थियों का प्रतिशत	राज्य के अंतर्गत अन्य विश्वविद्यालयों के विद्यार्थियों का प्रतिशत	विश्वविद्यालय में अन्य राज्यों के विद्यार्थियों का प्रतिशत
1	एम.ए.	0%	61%	39%
2	एम.फिल.	80%	------	100%

13. प्रतियोगी परीक्षा की सफलता दर : नेट - 1

12. विद्यार्थियों के लिए वित्तीय सहायता : एम.फिल.= 08 विद्यार्थी @ 5000/- *प्रतिमाह*

13. सर्वोत्तम प्रणालियाँ :

विद्यार्थियों और हितधारकों के आधार पर अद्यतन पाठ्यक्रम का निर्माण।

व्यक्तित्व विकास कार्यक्रम

विद्यार्थियों का वाल जर्नल शुरु हुआ।

आपसी संवाद परियोजन के साथ नियमित विशेष व्याख्यान आयोजित किए जाते हैं।

14. भविष्य की योजना : पीएच.डी. पाठ्यक्रम की शुरुआत

15. बीओ एस की संख्या / स्कूल बोर्ड मीटिंग : 03 बी.ओ.एस.

v) लोक प्रशासन विभाग

स्थापना वर्ष : 2006

उद्देश्य : शैक्षणिक उत्कृष्टता के लिए उच्च शिक्षा प्रदान करना और अनुसंधान की गतिविधि प्रदान करना।

विद्यार्थियों को उभय अकादमिक एवं सिविल सेवा की परीक्षाओं के लिए तैयार करना। सार्वजनिक नीति, स्थानीय सरकार, ई. शासन, महिला अधिकारों, बाल अधिकारों, अल्पसंख्यक अधिकारों एवं

मानवीय अधिकारों आदि बिंदुओं पर ध्यान केंद्रित करना।

विभागाध्यक्ष : *डॉ. कनीज़ ज़ेहरा*

1. पाठ्यक्रम विवरण :

सं.	प्रस्तुत पाठ्यक्रम	पाठ्यक्रमों के प्रकार	नामावली	इनटेक	टिप्पणियाँ
1.	स्नातक	सीबीसीएस	बी.ए.	08	
2.	स्नातकोत्तर	सीबीसीएस	एम.ए.	20	
3.	पीएच.डी.	नॉन-सीबीसीएस	पी.एच.डी.	06	

2. प्राध्यापक:

क्र.सं.	नाम	योग्यता	पदनाम
1.	प्रो .एस .एम .रहमतुल्लाह	एम.ए., पीएच.डी.	आचार्य
2.	*डॉ. कनीज़ ज़ेहरा*	एम.ए., पीएच.डी.	सह- आचार्य
3.	*डॉ. अब्दुल क़य्युम*	एम.ए., पीएच.डी.	सह- आचार्य
4.	डॉ .सय्यद नाजीउल्लाह	एम.ए., पीएच.डी.	सहायक आचार्य
5.	डॉ .इश्तिआक़ अहमद	एम.ए., पीएच.डी.	सहायक आचार्य

3. संकाय उपलब्धियां

1.	प्रकाशन	पुस्तकें	पत्रिकाएं	प्रोसीडिंग्स	दस्तावेज़/रिपोर्ट्स
		1	3	-	1
2.	समितियों में सेवारत	राष्ट्रीय	अंतरराष्ट्रीय	संपादकीय मंडल	अन्य कोई
		-	-	1	1

4. शोध विवरण:

परिचालित परियोजनाएँ /पूर्ण परियोजनाएँ	1	यूजीसी-एम.आर.पी	रु.6,62,200/-

5. कार्यशाला / सम्मेलन / संगोष्ठी / परिसंवाद

उपस्थिति	राष्ट्रीय	अंतरराष्ट्रीय
कार्यशाला	4	1
संगोष्ठी	8	1

6. पुनश्चर्या/अभिविन्यास कार्यक्रम : आयोजित पुनश्चर्या कोर्स-1 राष्ट्रीय स्तर व अभिविन्यास कार्यक्रम उपस्थिति – 1

7. अतिथि व्याख्यान / विशिष्ट व्याख्यान

श्रेणी		संयोजक	व्याख्यान दिया गया
अतिथि व्याख्यान	राष्ट्रीय	1	6
विशिष्ट व्याख्यान		--	1
सत्राध्यक्ष		4	--

8. पूर्व छात्र संघ

क्र.सं.	पूर्वछात्रों के नाम	वर्ष
1.	डॉ .अली हुसैन, सह- आचार्य , एडिस अबाबा, इथियोपिया	2013
2.	डॉ .मीर कोकब अली, व्याख्याता, इस्लामिया डिग्री कॉलेज, वारंगल	2014
3.	डॉ .मोहम्मद अकबर, प्राध्यापक, मुमताज़ डिग्री कॉलेज, हैदराबाद	2016
4.	फिरदौस जहां, गांधी फाउंडेशन	2011
5.	मोहम्मद यूसूफ, प्राध्यापक, ज़हीराबाद	2011
6.	नवाज़ खान, जिला -चित्तोर	2012
7.	रहीमुद्दीन, कनिष्ठ सहायक टेलीकॉम विभाग, हैदराबाद	2012
8.	रियाज़ुन्निसा परियोजना फेलो, अन्वेषी-वीमेन रिसोर्स सेंटर, हैदराबाद	2017

8. पाठ्यक्रम विवरण

सं.	पाठ्यक्रम	पाठ्क्रम का शीर्षक	परिचय वर्ष	कार्यान्वयन वर्ष
1.	स्नातक	बी .ए..	जनवरी 017	2017 & 2018
2.	स्नातकोत्तर	एम्.ए.. (लोक प्रशासन)	जनवरी 017 (पुनरावृत्त)	2017
3.	पीएच.डी	पीएच.डी (लोक प्रशासन)	जनवरी 17(बनाया गया)	2017

9. छात्र विविधता एवं प्रगति

सं.	पाठ्यक्रम	उसी विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों प्रतिशत	राज्य के अंतर्गत अन्य विश्वविद्यालयों के विद्यार्थियों का प्रतिशत	विश्वविद्यालय में अन्य राज्यों के विद्यार्थियों का प्रतिशत
1.	एम.ए.	--	100	--
2.	पीएच.डी.	83.3	--	16.6

10. नियुक्ति विवरण

कैंपस	ऑफ कैंपस	औसत वेतन	अधिकतम वेतन	नियोक्ताओं का आगमन
--	ऑफ कैंपस	रु. 30,000	रु.1.5 लाख	--

11. परीक्षा की सफलता दर

पाठ्यक्रम	श्रेष्ठता से उत्तीर्ण विद्यार्थियों का प्रतिशत/ए$^{+}$ ग्रेड	%प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण विद्यार्थी/ए ग्रेड	%द्वितीय श्रेणी से उत्तीर्ण विद्यार्थी बी +और बी ग्रेड
एम.ए.	--	66.6	33.3

12. विद्यार्थियों को वित्तीय सहायता : पी.एच.डी. : जे.आर.एफ-1; एम.ए.एन.एफ.-2; नॉन-नेट फेलॉशिप-12

13. सर्वोत्तम प्रणालियाँ : प्रशासनिक सिद्धांतों में भारतीय शासन प्रबंधन, मानव संसाधन प्रबंधन, सार्वजनिक नीति, कल्याण प्रशासन एवं सुशासन आदि में अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए यहाँ एम.फिल एवं पीएच.डी अपने विशिष्ट क्षेत्र में कराया जाता है। इनके अंतर्गत ई-गवर्नेंस, महिला सशक्तिकरण, कल्याणकारी नीतियाँ, बाल अधिकारों, क्षेत्रीय सरकार एवं आरक्षण नीति आदि विषयों पर अपने विशिष्ट क्षेत्र में अनुसंधान कर नए ज्ञान के निर्माण के लिए अग्रणी है।

14. भविष्य की योजनाएँ : मानव संसाधन प्रबंधन में एम.ए .प्रारंभ करना

15. बीओ एस की सं / .संकाय बोर्ड की बैठक : 2

vi) समाजशास्त्र विभाग

स्थापना वर्ष : 2014

उद्देश्य: - शिक्षण, अनुसंधान, सिविल सोसाइटी के साथ नेटवर्क स्थापित करना, शोध परामर्श आदि के माध्यम से नीति अध्ययन में योगदान जैसे कई उद्देश्य शामिल हैं।

विभागाध्यक्ष : प्रो .पी.एच .मोहम्मद

1. पाठ्यक्रम विवरण :

क्र.	प्रस्तुत पाठ्यक्रम	पाठ्यक्रमों के प्रकार	नामावली	इनटेक	टिप्पणियाँ
1.	स्नातक	सीबीसीएस	बी .ए.	16	
2.	स्नातकोत्तर		एम्.ए..	14	
3.	पीएच.डी.,	नॉन-सीबीसीएस	पीएच.डी.	03	

2. प्राध्यापक:

क्र.सं.	नाम	योग्यता	पदनाम
1.	प्रो पी.एच .मोहम्मद	एम.ए .पीएच.डी.	आचार्य
2.	*डॉ.शरीआ फारुक़ फ़ज़ली*	एम.ए .पीएच.डी.	सहायक आचार्य
3.	डॉ .शाहीद	एम.ए .पीएच.डी.	सह- आचार्य

3. प्राध्यापक उपलब्धियां

1.	प्रकाशन	पुस्तकें	पत्रिकाएं	प्रोसीडिंग्स	रिपोर्ट्स
		-	03	-	-
2.	समितियों में सेवारत	राष्ट्रीय	अंतरराष्ट्रीय	संपादक मंडल	अन्य कोई
		01	-	-	04
3.	सम्मान/सदस्यता	क्षेत्रीय	राष्ट्रीय	अंतरराष्ट्रीय	व्यावसायिक
		-	-	03	-

4. शोध विवरण: शोध के विशिष्ट क्षेत्र:

i.	परिचालित परियोजना /पूर्ण परियोजना	02	राष्ट्रीय	@ रु. 1,05,000/-

5. कार्यशाला / सम्मेलन / संगोष्ठी / परिसंवाद

सम्मेलन	उपस्थिति	राष्ट्रीय - 01	अंतरराष्ट्रीय – 04
संगोष्ठी	उपस्थिति	राष्ट्रीय - 01	

6. प्रशिक्षण / पुनश्चर्या / अभिविन्यास कार्यक्रम

प्रशिक्षण	उपस्थिति	राष्ट्रीय – 01
अभिविन्यास कार्यक्रम	उपस्थिति	राष्ट्रीय – 01

7. अतिथि व्याख्यान/ विशिष्ट व्याख्यान

श्रेणी	संयोजक		व्याख्यान दिया गया	
	राष्ट्रीय	अंतरराष्ट्रीय	राष्ट्रीय	अंतरराष्ट्रीय
अतिथि व्याख्यान	02	-	01	-
विशिष्ट व्याख्यान	02	-	-	-
सत्राध्यक्ष	01	01	-	-

8. पाठ्यक्रम विवरण : पाठ्यक्रम विकास के लिए आवश्यकता, अंतर एवं रुझान का आकलन

सं.	पाठ्यक्रम	पाठ्क्रम का शीर्षक	पुनरावृत्ति वर्ष	कार्यान्वयन वर्ष
1.	स्नातक	सभी कोर्स बी.ओ.एस में स्वीकृत	2016 एवं17	2017
2.	स्नातकोत्तर	सभी कोर्स बी.ओ.एस में स्वीकृत	2016 एवं17	2017
3.	पी.एच.डी.	सभी कोर्स बी.ओ.एस में स्वीकृत	2016 एवं17	2017

9. छात्र विविधता एवं प्रगति

सं.	पाठ्यक्रम	उसी विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों का प्रतिशत	राज्य के अंतर्गत अन्य विश्वविद्यालयों के विद्यार्थियों का प्रतिशत	विश्वविद्यालय में अन्य राज्यों के विद्यार्थियों का प्रतिशत
1	एम.ए..	7%	61.5%	32.5%
2	पीएच.डी.	33%	-0-	67%

10. प्रतियोगी परीक्षा की सफलता दर

विद्यार्थी सफलता - राष्ट्रीय / राज्य / विश्वविद्यालय स्तर पर परीक्षा							
ऊर्ध्वाधर गतिशीलता(उच्च शिक्षा)				समतल गतिशीलत (रोजगार)			
नेट	गेट	सेट	यू.सी.ई.टी	सीविल	डिफेंस	बैंक	अन्य
02	-	-	-	-	-	-	01

11. नवीन पाठ्यक्रम प्रस्तुति/अकादमिक सुधार: पीएच.डी.

12. बीओ एस की संख्या. / स्कूल बोर्ड बैठके : 02, बी.ओ.एस.

vi) समाज कार्य विभाग

स्थापना वर्ष : 2009

उद्देश्य: - • प्रभावी और कठोर क्षेत्रीय कार्य प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए हैदराबाद और आसपास के गैर सरकारी संगठनों और सरकारी एजेंसियों के साथ एक बड़े नेटवर्क का विकास करना।

• यह छात्रों को अपनी धारणाओं पर सवाल उठाने में मदद करता है, मुद्दों के प्रति संवेदनशीलता विकसित करता है और प्रगतिशील मानव मूल्यों को आत्मसात करता है।

-विभाग का अनुसंधान फोकस 'अभ्यास आधारित / हस्तक्षेप अनुसंधान पर जोर देने के साथ लैंगिक मुद्दों के विशेष संदर्भ के साथ अल्पसंख्यक' है।

• विभाग ने उर्दू और अंग्रेजी भाषाओं में स्वदेशी फील्ड वर्क और स्किल लैब मैनुअल भी तैयार किया है।

विभागाध्यक्ष : **प्रो. मो. शाहिद**

1. पाठ्यक्रम विवरण :

क्र.	प्रस्तुत पाठ्यक्रम	पाठ्यक्रमों के प्रकार	नामावली	इनटेक	टिप्पणियाँ
1.	स्नातकोत्तर	सीबीसीएस	एमएसडब्ल्यू	30	
2.	पीएच.डी.,	नॉन-सीबीसीएस	पीएच.डी.	02	

2. संकाय विवरण :

नाम	**योग्यता**	**पदनाम**	**विशेषज्ञता**
प्रो.मो.शाहिद	एम.ए.डब्ल्यू , पीएच.डी	विभागाध्यक्ष, आचार्य	सोशर वर्क एज्यूकेशन, रिप्रोडक्टिव हेल्थ, पार्टीसिपेटरी रिसर्च
डॉ.मो.शाहिद रज़ा	एम.ए.डब्ल्यू , पीएच.डी	सह-आचार्य	ग्रूप वर्क, सोशल डेवलेप्मेंट, वूमन एंड माइक्रो फिनेन्स
श्री.मो.इश्रार आलम	एम.ए.डब्ल्यू, एम.बी.ए	सहायक आचार्य	सेल्फ हेल्प, लाइवलीहूड, प्रोजेक्ट मैनेजमेंट
डॉ.मो.आफ्ताब आलम	एम.ए.डब्ल्यू , पीएच.डी	सहायक आचार्य	कम्यूनीटि वर्क, स्कूल सोशल वर्क
डॉ.रफात आरा	एम.ए.डब्ल्यू , पीएच.डी	अतिथि संकाय	फील्ड वर्क प्रेक्टीकम, सोशल केस वर्क, साइकलाजी फर सोशल वर्क

3. प्राध्यापक उपलब्धियां

1.	प्रकाशन	पुस्तकें	पत्रिकाएं	प्रोसीडिंग्स	रिपोर्ट्स
		-	02	-	3
2.	समितियों में सेवारत	राष्ट्रीय	अंतरराष्ट्रीय	संपादक मंडल	अन्य कोई
		02	-	2	2
3.	सम्मान/सदस्यता	क्षेत्रीय	राष्ट्रीय	अंतरराष्ट्रीय	व्यावसायिक
		-	3		3

4. शोध विवरण: शोध के विशिष्ट क्षेत्र:

i.	परिचालित परियोजना /पूर्ण परियोजना	02	राष्ट्रीय	@ रु. 1,05,000/-

5. कार्यशाला / सम्मेलन / संगोष्ठी / परिसंवाद

सम्मेलन	उपस्थिति	राष्ट्रीय - 03	अंतरराष्ट्रीय – 01

6. प्रशिक्षण / पुनश्चर्या / अभिविन्यास कार्यक्रम

अभिविन्यास कार्यक्रम – 01

7. अतिथि व्याख्यान/ विशिष्ट व्याख्यान

श्रेणी	संयोजक		व्याख्यान दिया गया	
	राष्ट्रीय	अंतरराष्ट्रीय	राष्ट्रीय	अंतरराष्ट्रीय
अतिथि व्याख्यान	01	-	01	-
सत्राध्यक्ष	01	01	-	-

8. प्रखायत शिक्षाविद/ वैज्ञानिक : प्रो.जुबैर मिनाई, प्रो. अंजलि गांधी

9. पूर्व छात्र संघ: रिज़वाना अंजुम, नवेद, एस खान, एफ जहान।

10. पाठ्यक्रम पहलू

पीजी- सीबीसीएस पाठ्यक्रम- पुरावर्तित वर्ष 2016- 2016-17 में लागू ।

11.मूलभूत सुविधाएँ :

सं.	मूलभूत		सुविधाएँ				
1.	भौतिक	कक्षाएँ	2	संगोष्ठी कक्ष	1	अध्यापक कक्ष	2
2.	अकादमिक	पुस्तकालय	1	डिजिटल लाइब्रेरी	1	वाचनालय	--
3.	आइ.सी.टी	कंप्यूटर लैब	--	इंटरनेट सुविधा	हाँ	प्रिंटर्स एंड नेटवार्क	Y
4.	कौशल विकास	प्रयोगशाला	हां	कार्यशाला	हाँ	इन्स्ट्रमेन्टल लैब	हाँ
5.	खेल	इंडोर खेल	हाँ			आउटडोर गेम्स	हाँ

12.. छात्र विविधता एवं प्रगति

सं.	पाठ्यक्रम	उसी विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों का प्रतिशत	राज्य के अंतर्गत अन्य विश्वविद्यालयों के विद्यार्थियों का प्रतिशत	विश्वविद्यालय में अन्य राज्यों के विद्यार्थियों का प्रतिशत
1	एम.एस डबुल्यू.		3(13.04%)	20(86.9%)
2	पीएच.डी.	2 (25%)	-0-	6(75%)

13. परीक्षा की सफलता दर : (2014-16)

पाठ्यक्रम	श्रेष्ठता से उत्तीर्ण विद्यार्थियों का प्रतिशतए/+ ग्रेड	प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण विद्यार्थियों का प्रतिशत/ ए ग्रेड	द्वितीय श्रेणी से उत्तीर्ण विद्यार्थियों का प्रतिशत बीग्रेड बी और +
एम.एस.डब्ल्यू	1	13	4

14. प्रतियोगी परीक्षाओं की सफलता दर : 01जेएफ.आर., 01 नेट

15. वित्तीय सहायता : 02 जेएफ.आर., 06 (नॉन नेट अध्येतावृत्ति पीएच.डी.)

16. विभागीय वैधानिक समितियां (क्र.सं. आयोजित बैठक): विभागीय समिति: 11: डिआरसी: 02; बोर्ड ऑफ़ स्टडीज़ : 01

17-18. सर्वोत्तम प्रणालियाँ : सामाजिक कार्य एवं भित्ती पत्रिका का निर्माण: नवीन अकादमिक हस्तक्षेप - कौशल प्रयोगशाला; और फील्ड वर्क प्रस्तुति

19. नवीन पाठ्यक्रम प्रस्तुतसुधार शैक्षणिक / : सीबीसीएस पाठ्यक्रम

अतिथी व्याख्यान सं.: 07; कौशल प्रयोगशाला सं.: 25; ओरिएनटेशन पाठ्यक्रम : 01

शैक्षिक भ्रमण: 01; एनजिओ बैठक: 01; कार्यशाला : 01; समारोह:03

विभाग की शैक्षणिक गतिविधियाँ:

सं	दिनांक	विवरण	संसाधन व्यक्ति/ लेखक
1.	7.04.2016	विस्तार व्याखान: कैंसर जागरुकता पाठ्यक्रम	फेसिलिटेटर डॉ जे बेजामिन . ऑफ इंस्टीट्यूट एमेएनजे ऑन्कोलॉजी
2.	1- 8.8.2016	एमएसडबलु ऑरिएनटेशन पाठ्यक्रम से-1	सभी प्राध्यापक
3.	04.08.2016	विस्तार व्याख्यान :: साफा सोसाइटी,	मिसमज़हर रुबीना .
4.	04.08.2016	विस्तार व्याख्यान: प्रतहाम, हैदरावाद.	सयद परवीन
5.	05.08.2016	विस्तार व्याख्यान: शाहीन,हैदरावाद	जमीलानिशांत
6.	23.09.2016	अतिथि व्याख्यान: महिलाओं के प्रति लिंगभेद-नहीं मुद्दा का अधिकारों मानव हिंसा और राष्ट्र ,महिलाओं का मुद्दा है।	डॉखान फरज़ाना ., पाठ्यक्रम प्रबंधक, मेरी पसंद
7.	20.01.2017	अतिथी व्याख्यान: 'सस्टेनेवल डेवलोपमेट गोल्स एंड कनसर्नस फॉर सोशल वर्कस '	प्रो. आबिद अहसान महोम्मद, चैरपॉरसन-, एसएचआरएम टिआईएसएस, हैदराबाद
8.	03.02.2017	अतिथी व्याख्यान: 'पब्लिक हेलथ एज कनसर्न ऑफ सोशल वर्क'	प्रो. ज़ुबैर मीनाई जेएमआई, दिल्ली
9.	21.02.2017	मातृभाषा दिवस	सभी प्राध्यापकगण
10.	23.02.2017 24.02.2017	शैक्षणिक भ्रमण	मो. इसरार आलम एंड अबु ओसामा
11.	8.03.2017	'वाल ऑफ सोशल वर्क' (वाल मेगाज़िन)	प्रो. एस एम रहमतउल्लाह डीन, एसओएएसएस
12.	8.03.2017	कार्यशाला- 'परसॉनालिटी डेवलोपमेन्ट एंड एम्पलोयएविलिटि स्किलस'	तहवर अली खान, टू नोर्थ लर्निंग, हैदराबाद
13.	8.03.2017	अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के संदर्भ में एक डॉक्यूमेंटरी का प्रदर्शन	सभी प्राध्यापकगण
14.	15.03.2017	एनजीओ की बैठक	सभी प्राध्यापकगण
15.	18.03.2017	सत्र-iv के विद्यार्थियों द्वारा शैक्षणिक भ्रमण	सभी प्राध्यापकगण
16.	22.03.2017	'विश्व सामाजिक कार्य दिवस'	सभी प्राध्यापकगण

आयोजित व्याख्यान पर संक्षिप्त रिपोर्ट " सस्टेनेबल डेवलपमेट गोल्स एंड कनसर्नस फॉर सोसिआल वार्कस" *दिनांक* 20.01.2017 समाजकार्य विभाग

"सस्टेनेवल डेवलोपमेट गोल्स एंड कनसर्नस फॉर सोशल वर्क" *विषय पर* एक व्याख्यान हुआ जिसमें सस्टेनेबल डेवलपमेट गोल्स - 2030 की उपलब्धियों के बारे में सोशल वर्क की भूमिकाओं को जानना और प्रातिबिंबित करने के बारे में समझाया गया। प्रोमोहम्मद आबिद ., (एचाआरएम के आध्यक्ष, टिआईएसएस हैदराबाद संसाधनव्यक्ति और विशेषज्ञ कि दिया ध्यान इसमें ने (तेजी से विकास के बावजुद, भारत में प्राकृतिक संसाधनों की तेजी से कमी के मुद्दो सहित, असमानता, बहिष्कार और उत्पीड़न की समस्याओं के बारे में चर्चा करना चाहिए। एसडीजी के कार्यकर्ता होने के कारण उन्होंने मानव अधिकारों और सामाजिक न्याय के सिद्धांतों को छात्राओं के परिप्रेक्ष में मांग की। इसके अलावा डॉशहिदरज़ा एमएस . ने कहा कि सामाजिक कार्यकर्ताओं को उनके विकास के लिए लोगों के सशक्तिकरण और उनके विकास पर ध्यान देना जरुरी है। मोहम्मद इसरार आलम ने वर्तमान समाज के विकास पर चर्चा की तथा इसकी आवश्यकता पर बल दिया। और साथ ही यह कहा है कि छात्र जो भविष्य के नेता है और प्रग़तिशिल समाज के लिए मशाल है। लगभग पचास छात्र तथा विभाग के शैक्षणिक और गैर शैक्षणिक कर्मचारियों ने भाग लिया।

इस कार्यक्रम में प्रो(साइंसेस सोशल एंड आर्टस ऑफ स्कूल डीन)रहमतुल्लाह एसएम ., डॉ मोहम्मद अफताब आलम, मिस्टरओसामा अबू .(सहायक आचार्य(, डॉ रफतआरा भी उपस्थित थे इसरार मोहम्मद - व्याख्यान अतिथि प्रभारी)आलम, समाजकार्य विभाग ग की प्रस्तुत रिपोर्ट द्वारा के (विस्तृत व्याख्यान पर एक संक्षिप्त रिपर्ट – "पब्लिक हेलथ एज कनसर्न ऑफ सोशल वर्क दिनांक 03.02.2017 समाजकार्य विभाग आयोजित किया गया। सामाजिक कार्यों को जानने और समझने के लिए पब्लिक हेल्थ से संबधित मुद्दों और सामाजिक कार्यों की भूमिकाओं को जानना जरूरी है। मोहम्मद इसरार आलमव्याख्यान अतिथि प्रभारी), समाजकार्य विभाग) ने अतिथि कार्यकर्ताओं का स्वागत किया साथ ही सार्वजनिक स्वास्थ के मुद्दों और आवश्यकताओं पर चर्चा की।
प्रो. ज़ुबैर मीनाई विभाग समाजकार्य), जेएमआई, नई दिल्ली, संसाधन व्यक्ति और विशेषज्ञ) ने सामाजिक कार्यकर्ताओं की प्रेरणा और प्रतिबद्धता पर जोर देते हुए समाज को प्रभावी सेवा देने के लिए विभिन्न सामाजिक विशेषताओं पर चर्चा की है। इससे मालूम होता है कि कुछ बीमारियों का प्रमुख कारण है सामाजिक अर्थिक कमजोरी का होना । विभिन्न व्यक्तियों के लिए संसाधन का अभाव और असमानता है। जहां तक संसाधन वितरण और स्वामित्व का सम्बंध है उन्होंने कहा कि इस दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति में एक व्यक्ति ने प्राकृतिक व्यवस्था की तुलना में प्रकृति का अत्यधिक दोहन किया है। इसके अलावा डॉ मोहम्मद शाहिदरज़ा ने बताया है कि सामाजिक कार्यकर्ता को उनकी गरिमा और लोगों के सशक्तिकरण तथा विकास की भूमिका को परिभाषित करने की जरूरत है। साथ ही छात्र-छात्राओं को कहा कि ग्रासरुट और जन स्वास्थ से जुड़े मुद्दों को समझने का यह एक अच्छा मौका है।.

डॉ. आफताब आलम (सहायक आचार्य(, अबू ओसामा (सहायक आचार्य(, और डॉ रफतआरा के साथ अन्य प्राध्यापकगण और विद्यार्थियों भी उपस्थित रहे अतिथि प्रभारी)आलम इसरार मोहम्मद -व्याख्यान, समाजकार्य विभाग की। प्रस्तुत रिपोर्ट द्वारा के (

विभाग की महत्वपूर्ण गतिविधियों की झलक

viii) महिला शिक्षा विभाग

स्थापना वर्ष : 2004

उद्देश्य: शिक्षण पाठ्यक्रम गुणवत्ता और प्रासंगिकता पर केंद्रित है

- विषय के अनुरूप पाठ्यक्रम को प्रगति हेतु नियमित रुप से अध्यतन रुप प्रदान करना।
- छात्र और शिक्षक के बीच घनिष्ठ संबंध स्थापित करना।

विभागाध्यक्ष: प्रो. शाहिदा

1. पाठ्यक्रम विवरण :

क्र .सं.	पाठ्यक्रम प्रस्तुति	पाठ्यक्रमों के प्रकार	नामावली	इनटेक	टिप्पणी
1.	स्नातोकोत्तर	सीबीसीएस	एम्.ए.. (डब्ल्यूएस.)	25	
2.	एमफिल.	-	एमफिल. (डब्ल्यूएस.)	08	
3.	पीएच.डी.	-	पीएच.डी.	03	

2. प्राध्यापक:

नाम	योग्यता	पदनाम
प्रो. शाहिदा	एम.डी.पीएच .ए.	आचार्य
शाबान कैसर	एम्.ए.., एम.फिल.	सहायक आचार्य
डॉ. परवीन कमर	एम.डी.पीएच .ए.	सहायक आचार्य

3. प्राध्यापक उपलब्धियां

इनपुट	विवरण			
समितियों में सेवारत	राष्ट्रीय	अंतरराष्ट्रीय	संपादकीय मंडल	अन्य कोई
			1	3
सदस्यता	1			1

4. शोध विवरण :

परिचलित परियोजनाएंपरियोजनाएं पूर्ण/		राष्ट्रीय	1,05,000/-

5. कार्यशाला / सम्मेलन / संगोष्ठी / परिसंवाद (केवल अंकों में संकेत)

श्रेणी	आयोजित		उपस्थिति	
	राष्ट्रीय	अंतरराष्ट्रीय	राष्ट्रीय	अंतरराष्ट्रीय
कार्यशाला	1		1	1
सम्मेलन			2	3
संगोष्ठी	2		10	-

6. प्रशिक्षण / पुनश्चर्या / अभिविन्यास कार्यक्रम

श्रेणी	आयोजित		उपस्थिति	
	राष्ट्रीय	अंतरराष्ट्रीय	राष्ट्रीय	अंतरराष्ट्रीय
प्रशिक्षण			1	
पुनश्चर्या पाठ्यक्रम			1	
अन्य कोई	1		1	

7. अतिथि व्याख्यान / विशिष्ट व्याख्यान

श्रेणी	संयोजक		व्याख्यान दिया गया	
	राष्ट्रीय	अंतरराष्ट्रीय	राष्ट्रीय	अंतरराष्ट्रीय
अतिथि व्याख्यान	-	-	7	-

8. प्रख्यात शिक्षाविदों की सूची / वैज्ञानिकों का आगमन / सूचीबद्ध

No	अकादमिकनाम का वैज्ञानिकों/	उद्देश्य	दिनांक
1	हसानुद्दिन अनास	व्यक्तित्व विकास	02.11.2016
2	प्रो. रेखा पाण्डे	महिला दिवस एवं महिला सशक्तिकरण	04.10.2016
3	प्रो. लाल दास	शोध प्रविधि	31.10.16 & 01.11.16

9. पूर्व छात्र संघ

1	अब्दुल बारी नायक, श्रीनगर में डिग्री कॉलेज व्याख्याता के रुप में नियुक्त	2016
2	फज़िल फिरुस, संपादक वी.टी.के -, केरला	2016

10. पाठ्यक्रम विवरण

1. महिला भागीदारी का ऐतिहासिक विवरण प्रदान करना साथ ही अधिक समग्र और सूक्ष्म ज्ञान उत्पादन का विकास करना ।
2. समाजिक है। जाता माना में रुप के साधन अध्ययन महिला लिए के करने प्राप्त परिवर्तन राजनीतिक और आर्थिक-प्रत के महिलाओं में बारे के स्वयं बल्कि लिए के बदलने को नीतियों की राज्य केवल नरिुप को बदलने के लिए भी यह आवश्यक है।
3. विश्वविद्यालय प्रणाली में नारीवादी विचारों की पारगम्यता की सुविधा के लिए तथा नारीवादी अवधारणाओं की प्रस्तुति के साथ, सामाजिक ज्ञान और कार्यवाही में महिलाओं को सामने लाने के लिए आवश्यक है।

अंतर

1. शैक्षिक और सक्रियता के बीच डिस्कनेक्ट कुछ चुनौतियों का सामना किया है। जिससे यह प्रतीत होता है कि आज के अनुशासन का सामना करता है।
2. महिला शिक्षा के स्नातक पाठ्यक्रम में डिग्री में प्रदान करना।
3. अपर्याप्त संदर्भ पुस्तक एवं उर्दू में पत्रिकाओं के कारण ज्ञान में बाधा

रुझान मूल्यांकन

समय समय पर विभाग ने अपने विशेषज्ञ समिति तथा अध्ययन बोर्ड द्वारा पाठ्यचार्य एवं पाठ्यक्रम को पुनर्गठित किया। जहाँ कहीं अंतर महसूस होता है, यूजीसी की सलाह के मुताबिक परिवर्तनकिया जाता है। पाठ्यक्रम बहुत समावेशी है, जिसमें संरचनात्मक परिवर्तन, विकास नीतियाँ, कार्यक्रम, महिलाओं से संबंधित कानून, नई चुनौतियाँ इत्यादि शामिल हैं। उसी को सर्वोच्च शीर्ष बींदू द्वारा अनुमोदित किया गया है।

शिक्षण शैक्षणिक संकाय द्वारा अपनाए जाने वाली शिक्षण विधियाँ –

कक्षागत शिक्षण, प्रदत्त कार्य, आंतरिक मूल्यांकन, सामुहिक चर्चाएँ, संगोष्ठी समारोह, विशेष व्याख्यान, अनुभवजन्य सर्वेक्षण, गैर सरकारी संगठनों और संवादाता की आगमन, व्याख्यान के लिए आई।टी का उपयोग.सी.

- शैक्षणिक उद्देश्य एवं परिणाम :सीएस के अनुसार सीखने के उद्देश्यों और परिणामों के साथ .सी.बी. विभिन्न पाठ्यक्रमों के लिए पाठ्यक्रम पुनः संरचित है।
- विद्वानों की दत्तक गतिविधियाँ पर प्रतिक्रियाएँ : विभाग के अध्यक्ष ने उर्दू में प्रथम सेमिस्टर के लिए संदर्भ एवं अध्ययन सामग्री प्रस्तुत किये हैं।

प्रोफेसर शाहिदा नियमित रुप से एचआई.एम., हैदराबाद में आने वाले विदेशी प्रतिनिधियों के लिए सत्र आयोजित कर रहे हैं। सत्र का विषय लिंग और इस्लाम, इंटरफेथ वार्ता, इस्लाम में महिलाओं की स्थिति, भारतीय महिला और सशक्तिकरण आदि रहे हैं।

तीन महीने के सर्टिफिकेट कोर्स मई 2016 में "जेंडर जस्टिस एंड इंटर फेथ डायलॉग" हेनरी मार्टिन इन्सटिट्यूट ऑफ इंटर फेथ रिलेशन, हैदराबाद के लिए प्रस्तुत किया है। मार्च 2017 में यु द्वारा पी डी आर आई एन एंड विमेन .एन. नीति लिंग लिए के संस्थान राष्ट्रीय लिए के (आर पी डी आर आई एन) राज पंचायत और विकास ग्रामीण आयोजित की तैयार योजना।

मार्च 2017 में यू लिए के राज पंचायत और विकास ग्रामीण आयोजित द्वारा आर.पी.डी.आर .आई.एन एंड विमेन .एन. की तैयार नीति लिए के संस्थान राष्ट्रीय योजना।

11. नवीन पाठ्यक्रम धारसु अकादमिक / : महिला अध्ययन में सीबीएससी गाईडलाईन के अनुसार सभी स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में जिनेरिक इलैक्टिविन को भी सामिल किया गया है।

12. छात्र विविधता एवं प्रगति

सं.	पाठ्यक्रम	उसी विश्वविद्यालयों के विद्यार्थियों का प्रतिशत	राज्य के अंतर्गत अन्य विश्वविद्यालयों के विद्यार्थियों का प्रतिशत	विश्वविद्यालय में अन्य राज्यों के विद्यार्थियों का प्रतिशत
1	स्नातकोत्तर	0%	20%	80%
2	एम.फिल.	100%	0%	0%
3	पीएच.डी.	100%	0%	0%

13. परीक्षा की सफलता दर

सं.	पाठ्यक्रम	श्रेष्ठता से उत्तीर्ण विद्यार्थियों का प्रतिशतए/+ ग्रेड	प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण विद्यार्थियों का प्रतिशत ए ग्रेड	द्वितीय श्रेणी से उत्तीर्ण विद्यार्थियों का प्रतिशत बीऔर + बी ग्रेड	उत्तीर्ण विद्यार्थियों का प्रतिशत सी और डी ग्रेड
1	पीएचडी.	100%	-	-	-
2	एमफिल.	-	100%	-	-
3.	एम्.ए.	50%	500	-	-

14. प्रतियोगिता परीक्षा की सफलता दर : एक शोधार्थी नेट पास किया है।

15. 06 शोधार्थी विश्वविद्यालय से वित्तीय सहायता प्राप्त कर रहे हैं।

16. भविष्य की योजनाएं: स्नातक के विद्यार्थियों को महिला अध्ययन का परिचय दिया जाता है । साथ ही हैदराबाद में मुस्लिम महिलाओं की एक रिपोर्ट भी बनाई गई है।

17. बी ओएस : 1 बीओएस. की बैठक 15 नवंबर 2016 को अयोजित की गयी है।

<u>विभाग के महत्वपूर्ण कार्यक्रमों के फोटो</u>

राष्ट्रीयसंगोष्ठी - 19-20 सितम्बर, 2016

सत्र में विभाग की यात्रा करते हुए विदेशी प्रतिनिधि

सत्र में एचएमआई और विदेशी प्रतिनिधियों के साथ

वार्षिक उत्सव में के अथर साईमा .एमएके छात्रा अकादमिक एक्सेलेंस पुरस्कार लेते हुए.

VI) विज्ञान संकाय

विश्वविद्यालय ने कई क्षेत्रों में राष्ट्र के विकास में विज्ञान शिक्षा के महत्व पर केंद्रित विषयों कला और) से अलग एक महत्वपूर्ण शैक्षिक पाठ्यक्रम तैयार कर अध्ययन हेतु (सामाजिक विज्ञान 2006 में विज्ञान संकाय की स्थापना की है। हालांकि विज्ञान को मानव के प्रगतिपथ पर मूलप्रेरक के रुप में ग्रहण किया जाता है। साथ ही यह भी माना जाता है कि गरीबों के जीवन स्तर को सुधारने के लिए तकनीकी उन्नति का होना जरूरी है। विज्ञान के घटकों में प्रयोगों का संचालन करके नई अवधारणाओं की खोज, व्यवहारिक टिप्पणियों को सरल बनना तथा एक अवधारणा को प्राप्त करना और ज्ञान स्रोतों से एक सिद्धांत स्थापित करना आदि शामिल है।

विज्ञान पाठ्यक्रम का मुख्य उद्येश्य है कि नए ज्ञान के सृजन में मनुष्य की प्राकृतिक जिज्ञासा को बदल कर विज्ञान का अध्ययन करना साथ ही जो समस्या है उनका हल करके समाज की जरुरतों को पूरा करने के लिए सभी को आकर्षण करना है। अंततः समाज विचारों और उत्पादों से प्रेरित होने के कारण विज्ञान के प्रभाव मानव जीवन के सभी स्थानों पर वृद्धि कर रही है।

इस संकाय का उद्येश्य विज्ञान विषयों की गुणवत्ता को शिक्षा देना है साथ ही उर्दू के माध्यम से उर्दू बोलने वाले विद्यार्थियों को ध्यान में रखते हुए, समाज की चुनौतियों का सामना करने हेतु उनमें सकारात्मक दृष्टिकोण को विकास कर वैज्ञानिक योग्यता को बढ़ाना और शोध कार्य हेतु प्रोत्साहित करना है।

इस संकाय के पाँच विभाग है।

क्र.सं.	विभाग	स्थापना वर्ष	पाठ्यक्रम
1.	गणित विभाग	2012-13	बी.एससी, एमएससी.. और पीएच.डी.
2.	भौतिकी विभाग	2015-16	बी.एससी.
3.	रसायन विभाग	2015-16	बी.एससी.
4.	वनस्पति विभाग	2015-16	बी.एससी.
5.	प्राणि विभाग	2015-16	बी.एससी., &पीएच.डी.

संकाय का डीन : प्रो. सैयद नजामुल हसन

i) गणित विभाग

स्थापना वर्ष : 2011

लक्ष्य:

- गणित को पढ़ाने के लिए जो सक्षम विद्यार्थी हैं उन्हें गणित के माध्यम से आपनी क्षमता को प्रदर्शित करने के लिए गणितीय मॉडल तैयार किया गया है।
- विद्यार्थियों को सामान्य गणितीय की प्रशिक्षण देने के लिए उन्हें गहराई के साथ समझाया जाना।
- गणित की समस्याओं को सलझाने के लिए गणित की सटीकता तथा उसके प्रभाव और उसकी सीमाओं का आकलन करने के लिए कई प्रकार के गणितीय उपकरण और तकनीकों के साथ उसे प्रदर्शन किया है।
- विद्यार्थियों को सचारु रुप से शिक्षा देने के लिए उन्हें उचित शिक्षण और उन्हें प्रेरित भी देता है जिससे वे गणित के विशेषज्ञ बन सकते हैं।

विभागाध्यक्ष: प्रो. सैयद नजामुल हसन

1. पाठ्यक्रम विवरण :

सं.	प्रस्तुत पाठ्यक्रम	पाठ्यक्रम प्रकार	नामावली	इनटेक	टिप्पणियाँ
1.	स्नातक	सीबीसीएस	बी.एससी. (एमपीसी)	30	
			बी.एससी. (एमपीसी)	30	
2.	स्नातकोत्तर	सीबीसीएस	एमससी गणित.	30	
3.	पीएच.डी.	नॉन- सीबीसीएस	पीएच.डी. गणित.		

2. प्राध्यापक:

	नाम	योग्यता	पदनाम
	प्रो. सैयद नजामुल हसन	एमएससी., पीएच.डी.	आचार्य
	ख्वाजा मोइनुद्दीन	एमएससी.	सहायक आचार्य
	डॉ अफरोज़	एमएससी., पीएच.डी.	सहायक आचार्य
	डॉ सुभाष अल्हा	एमएससी., पीएच.डी.	सहायक आचार्य

3. प्राध्यापक उपलब्धियां

प्रकाशन	पत्रिकाएं – 4	प्रोसीडिंग्स – 1

4. शोध विवरण : शोध के विशिष्ट क्षेत्र :

	परिचालित परियोजना और पूर्ण परियोजना	03	राष्ट्रीय	8.10 लाख

5. कार्यशाला / सम्मेलन / संगोष्ठी / परिसंवाद (अंक के अनुसार)

सम्मेलन उपस्थिति	राष्ट्रीय – 01	अंतरराष्ट्रीय – 02

6. प्रशिक्षण / पुनश्चर्या / अभिविन्यास कार्यक्रम : उपस्थिति: राष्ट्रीय

प्रशिक्षण	01
अभिविन्यास कार्यक्रम	02

7. पाठ्यक्रम विवरण

सं.	पाठ्यक्रम	पाठ्क्रम का शीर्षक	पुनरावृत्ति वर्ष	कार्यान्वयन वर्ष
1.	स्नातक	बी.एससी.(एमपीसी /एमपीसीएस)	2017	2017
2.	स्नातकोत्तर	एमएससी., गणित	2017	2017
3.	पीएचडी.	गणित	2016	2016

8. छात्र विविधता एवं प्रगति

पाठ्यक्रम	राज्य के अंतर्गत अन्य विश्वविद्यालयों के विद्यार्थियों का प्रतिशत	उसी राज्य के बाहर अन्य विश्वविद्यालयों के विद्यार्थियों का प्रतिशत
बी.एससी.(एमपीसी /एमपीसीएस)	10	90

9. परीक्षा की सफलता दर

पाठ्यक्रम	श्रेष्ठता से उत्तीर्ण विद्यार्थियों का प्रतिशत : ए+ ग्रेड	प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण विद्यार्थियों का प्रतिशत ए: ग्रेड	द्वितीय श्रेणी से उत्तीर्ण विद्यार्थियों का प्रतिशत : बी + ग्रेड बी और
बी.एससी.,एमपीसीएस+ विशेष विषय गणित:	60	25	10

10. वित्तीय सहायता : पीएच.डी. गणित-3, एमएएनएफ-1, नॉन नेट अध्येतावृत्ति- 3

11. विभागीय वैधानिक बैठक

ii) भौतिकी विभाग

स्थापना वर्ष : 2014

उद्देश्य: भौतिकी के क्षेत्र में शिक्षा और अनुसंधान को बढ़ावा देना मूल लक्ष्य है।

- भौतिक विज्ञान के बुनियादी और व्यावहरिक पहलुओं में प्रशिक्षण के लिए अवसर प्रदान करना।
- विद्यार्थियों को अपने केरियर के प्रति सजग करने के लिए उन्हें भौतिकी और अनुप्रयुक्त भौतिकी के अवधारणाओं को समझाने के साथसाथ उन्हें स्वतन्त्र प्राशिक्षण देना।-
- वायुमंडलीय विज्ञान व तरिक्ष भौतिकीअं /विज्ञान और ब्रह्मांड विज्ञानखगोल विज्ञान आदि पर विशेष ध्यान / देते हुए एक जिज्ञासु वातावरण बनाना

विभागाध्यक्ष: डॉ एच अलीम बाशा

1. पाठ्यक्रम विवरण :

.सं.	**प्रस्तुत पाठ्यक्रम**	**पाठ्यक्रम**	**नामावली**	**इनटेक**	**टिप्पणियाँ**
1.	स्नातक	सीबीसीएस	बी.एससी. (एमपीसी)	40	
			बी.एससी. (एमपीसीएस(	40	

2. प्राध्यापक

नाम	**योग्यता**	**पदनाम**
डॉ. एच अलीम बाशा	एम.एससी., पीएच.डी.	सहआचार्य-
डॉ रिजवान उल हक अंसारी	एम.एससी., पीएच.डी.	सहायक आचार्य
डॉ. प्रिया हसन	एम.एससी., पीएच.डी.	सहायक आचार्य

3. प्राध्यापक विवरण:

.सं.	शिक्षण पदों की संख्या	:	स्वीकृत	पूर्ण
i.	आचार्य	:	01	00
ii.	सह- आचार्य	:	01	01
iii.	सहायक आचार्य	:	02	02
iv.	आगमित प्राध्यापक	:	01 (फरवरी 2016-मई 2016)	

4. शोध विवरण : शोध के विशिष्ट क्षेत्र :

प्राध्यापक की पूर्ण परियोजना	:	2	राष्ट्रीय	रु.4.7 लाख

5. कार्यशाला / सम्मेलन / संगोष्ठी / परिसंवाद (केवल नंबरों का संकेत)

श्रेणी	आयोजित		उपस्थिति	
	राष्ट्रीय	अंतरराष्ट्रीय	राष्ट्रीय	अंतरराष्ट्रीय
कार्यशाला		1		1
सम्मेलन	1		1	1

6. अतिथि व्याख्यान/विशिष्ट व्याख्यान

श्रेणी	संयोजक		व्यख्यान दिया गया	
	राष्ट्रीय	अंतरराष्ट्रीय	राष्ट्रीय	अंतरराष्ट्रीय
अतिथि व्याख्यान	-	-	1	

7. विभाग द्वारा प्रख्यात शिक्षाविदों की सूची / वैज्ञानिकों का आगमन / सूचीबद्ध

सं	शिक्षाविद /वैज्ञानिक	उद्देश्य	तारीख
1	प्रो. सामी, आचार्य और निर्देशक,सेंटर फॉर थिओरिटिकाल फिजिक्स , जामिया मिलिया इस्लामिया	सहयोगात्मक अनुसंधान	फरवरी से मई 2016

8. पाठ्यक्रम विवरण

- संकाय द्वारा अपनाई गई शिक्षण एवं शैक्षणिक विधियाँ : व्याख्यान विधि; पीपीटी/ओएचपी विधि; प्रदर्शन विधि; ब्लैक बोर्ड/ग्लास बोर्डविधि; शैक्षणिक उद्देश्य एवं परिणाम के आधार पर पाठ्यक्रम;
- दत्तक शोधार्थियों का क्रियाकलाप : प्राध्यापक अपने संबंधित शोध क्षेत्रों में सक्रिय रुप से शामिल होते हैं और समयसम्मेलनों में भाग लेते हैं।/सेमिनार /समय पर कार्यशालाओं-

9. मूलभूत सुविधाएँ :

सं.	मूलभूत	सुविधाएँ					
1.	भौतिक	कक्षाएँ	3	संगोष्ठी कक्ष	1	प्राध्यापक कक्ष	2
2.	अकादमिक	पुस्तकालय	हाँ	डीजिटाल लाइब्रेरी	ना	वाचनालय	हाँ
3.	आई.टी.सी.	कम्प्युटर लाव	1	इंटरनेट सुविधा	हाँ	प्रिंटर्स एवं नेटवर्क्स	हाँ
4.	कुशलता विकास	लावरेटारी	2	कार्यशाला	ना	इंस्ट्रूमेंटेशन लाव	ना
5.	खेलकुद	आंतरिक खेल	हाँ	आउटडॉर खेल	हां		

10. छात्र विविधता एवं प्रगति

पाठ्यक्रम	उसी विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों का प्रतिशत	उसी राज्य के अंदर विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों का प्रतिशत	अन्य राज्य के विश्वविद्यालयों से आए हुए विद्यार्थियों का प्रतिशत	अन्य देशों के विश्वविद्यालय से आए हुए विद्यार्थियों का प्रतिशत
बीसी.एस.	05	04	14	ना

11.भविष्य के उद्देश्य :

निकट भविष्य में एमऔर अनुसंधान कार्यक्रमों को प्रारंभ करना। (भौतिक विज्ञान) सी.एस.

अनुसंधान सहकर्मी समूह के साथ सहयोगपूर्ण कार्य को विकसित करना।

विभागीय स्तर पर मार्गदर्शन और प्लेसमेंट सेल को स्थापित करना।

राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सेमिनारसम्मेलनों और कार्यशालाओं को व्यवस्थित / करना।

वित्त पोषण के लिए अनुसंधान प्रस्तावों को विकसित करना।

अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय प्रतिष्ठित पत्रिकाओं में प्रकाशन अनुसंधान कार्य की संस्कृति विकसित करना।

12. बीओ एस की संख्या / स्कूल बोर्ड बैठके : बी.एस.ओ. बैठक – 16 जनवरी 2017.

iii) रसायन शास्त्र विभाग

स्थापना वर्ष : 2014

उद्देश्य :

- रसायन विज्ञान के क्षेत्र में शिक्षा और अनुसंधान को बढ़ावा देना।
- रसायन विज्ञान के बुनियादी और व्यावहारिक पहलुओं में प्रशिक्षण के लिए अवसर प्रदान करना।
- रसायन विज्ञान और एप्लाइड कैमिस्ट्री में अवधारणाओं की अधिक समझ के साथ स्वतंत्र सोच के माध्यम से कैरियर की संभावनाओं के लिए विद्यार्थियों को सशक्त बनाना।

विभागाध्यक्ष: प्रो. पीरहमान .एफ. प्रभारी अध्यक्ष

1. पाठ्यक्रम विवरण :

सं.	प्रस्तुत पाठ्यक्रम	पाठ्यक्रम प्रकार	नामावली	इनटेक	टिप्पणियाँ
1.	स्नातक	सीबीसीएस	बीसी.एस. (एमसी.पी.)	40	
			बीसी.एस. (बीसी.जेड.)	40	

2. प्राध्यापक :

क्र.सं.	नाम	योग्यता	पदनाम
1.	डॉ. क़ासीमुल्लाह	एम.एससी., पीएच.डी.	सहायक आचार्य

2. प्राध्यापक विवरण:

सं.	शैक्षणिक पदों की संख्या	:	स्वीकृत	पूर्ण	
i.	आचार्य	:	1	-	-
ii.	सह- आचार्य	:	1	-	-
iii.	सहायक आचार्य	:	-	-	डीडीई की तरफ से एक
iv.	आगमित प्राध्यापक	:	-		-
v.	संयुक्त प्राध्यापक	:	-		-
vi.	एडजंक्ट प्राध्यापक	:	1		-
vii.	अतिथि प्राध्यापक	:	1		-

3. संकाय उपलब्धियां

संख्या	इनपुट	विवरण			
1.	प्रकाशन	पुस्तकें	पत्रिकाएं	प्रोसीडिंग्स	प्रतिवेदन
		-	2	-	-

4. शोध विवरण : शोध के विशिष्ट क्षेत्र :

संख्या	इनपुट	योग	विवरण	कुल अनुदान
i.	परिचालित परियोजनाएँ/ पूर्ण परियोजना	1	राष्ट्रीय	1.05 लाख रुपये

5. प्रशिक्षण / पुनश्चर्या / अभिविन्यास कार्यक्रम

श्रेणी -	अभिविन्यास कार्यक्रम	अन्य कोई (पाठ्यक्रम परिचय)
उपस्थिति – राष्ट्रीय स्तर	1	1

6. अतिथि व्याख्यान/विशिष्ट व्याख्यान: समन्वित रुप से दो अतिथि व्याख्यान

7. विभाग द्वारा प्रख्यात शिक्षाविदों की सूची /वैज्ञानिकों का आगमन / सूचीबद्ध

संख्या	शिक्षाविद/वैज्ञानिकों का नाम	उद्देश्य	तिथि
1	प्रो. अनीस अहमद, रसायन विभाग, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय	पर्यावरण प्रदूषण	09 जनवरी2015
2	प्रो. अली मोहम्मद,एप्लाएड केमेस्ट्री विभाग, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय	हरा रसायन	11 मार्च 2016

8. पाठ्यक्रम विवरण : स्नातकोत्तर के लिए सीबीसीएस प्रणालीयों को अपनाना

9. मूलभूत सुविधाएँ:

संख्या	मूलभूत	सुविधाएँ					
1.	भौतिक	कक्षा	3	संगोष्ठी कक्ष	1	प्राध्यापक कक्ष	3
2.	अकादमिक	पुस्तकालय	-	डीजिटल लाइब्रेरी	हाँ	वाचानालय	-
3.	आईटी.सी.	कम्प्यूटर लैब	1	इंटरनेट सुविधाएँ	हाँ	प्रिंटर्स एवं नेटवर्क्स	4
4.	कुशलता विकास	प्रयोगशाला	2	कार्यशालाएँ	-	इंस्ट्रुमेंटेशन लैब	-
5.	खेलकूद	आंतरिक खेल	हाँ	बाह्य खेल	हाँ		

10. छात्र विविधता एवं प्रगति

पाठ्यक्रम	उसी विश्वविद्यालयों के विद्यार्थियों का प्रतिशत	राज्य के अंतर्गत अन्य विश्वविद्यालयों के विद्यार्थियों का प्रतिशत	विश्वविद्यालय में अन्य राज्यों के विद्यार्थियों का प्रतिशत
बीसी.एस.	शून्य	100%	60%

11. परीक्षा की सफलता दर

सं.	पाठ्यक्रम	श्रेष्ठता से उत्तीर्ण विद्यार्थियों का प्रतिशत/ए+ ग्रेड	प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण विद्यार्थियों का प्रतिशत/ए ग्रेड	द्वीतिय श्रेणी से उत्तीर्ण विद्यार्थियों का प्रतिशत/ बी और+ ग्रेड बी	पास हुए विद्यार्थियों का प्रतिशत/ सी और डी ग्रेड
1	बी(ऑनर्स)एससी	60%	20%	20%	-
2	बी एलएस)एससी. (	30%	20%	30%	10% (अनुत्तीर्ण)

12. विद्यार्थियों को वित्तीय सहायता : यूजीसी नॉननेट- अध्येतावृत्ति – 1 पीडी.एच. शोधार्थी

13. भविष्य की योजनाएँ:

- ☞ वित्त पोषण के लिए अनुसंधान परियोजना;
- ☞ रसायन विज्ञान अनुसंधान के लिए उपयुक्त अनुसंधान प्रयोगशालाओं की स्थापना;
- ☞ राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय अनुसंधान संस्थानोंसहयोग साथ के विश्वविद्यालयों/, तथा
- ☞ अध्यापको की समीक्षाओं को गुणवत्ता पत्रिकाओं में प्रकाशन कराना;
- ☞ विद्यार्थियों को प्रतिस्पर्धी, कुशल और सामाजिक रुप से प्रासंगिक बनाने के लिए, एवं
- ☞ विश्वविद्यालय के उद्देश्यों के साथ ऑनलाइन काम करना।

14. बीओ एस की संख्या. / स्कूल बोर्ड बैठके :-एक प्रति वर्ष

iv) वनस्पति विज्ञान विभाग

स्थापना वर्ष : 2014

उद्देश्य:

- वनस्पति विज्ञान में शिक्षा और शोध को बढाबा देने के लिए।
- प्लांट साइंस के बनियादी और व्यावहारिक पहलओं में प्रशिक्षण के लिए अवसर प्रदान करना।
- वर्गीकरण, प्लांट फिजियोलॉजी, प्लांट पैथोलॉजी, जैव विविधता आदि को अधिक समझ तथा विद्यार्थियों की स्वतंत्र सोच को विकसित करने के साथ साथ उनके कैरियर को सशक्त बनाना।

विभागाध्यक्ष: डॉअहमद मक़बूल .

1. पाठ्यक्रम विवरण :

क्र.सं.	प्रस्तुत पाठ्यक्रम	पाठ्यक्रम प्रकार	नामावली	इन टेक	टिप्पणी
1.	स्नातक	सीबीसीएस	बी.एस .सी (वनस्पती विज्ञान)	40	

2. प्राध्यापक :

क्र.सं.	नाम	योग्यता	पदनाम
1.	डा.मकबूल अहमद	एम .एस.सी ., पीएच.डी.	सह-आचार्य
2.	श्रीमती इरा खान	एम.एस.सी	सहायक आचार्य
3.	डा. मेराजुल इस्लाम रोबाब	एम.एस. सी ., पीएच.डी.	सहायक आचार्य

2. प्राध्यापक की उपलब्धियां

क्र. सं	**इनपुट**	**विवरण**			
1.	प्रकाशन	पुस्तकें	पत्रिकाएं	प्रोसीडिंग्स	रिपोर्ट
		शून्य	03	शून्य	शून्य
2.	समितियों में सेवारत	राष्ट्रीय	अंतरराष्ट्रीय	संपादकीय मंडल	अन्य कोई
		01	03	01	शून्य
3.	अवार्ड्स	क्षेत्रीय	राष्ट्रीय	अंतरराष्ट्रीय	व्यवसायिक
		शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
4.	सम्मान/सदस्यता	क्षेत्रीय	राष्ट्रीय	अंतरराष्ट्रीय	व्यवसायिक
		शून्य	03	शून्य	शून्य

3. शोध विवरण: शोध के विशिष्ट क्षेत्र:

क्र	**इनपुट**	**:**	**योग**	**विवरण**	**कुल अनुदान**
i.	परिचालित परियोजनाएं /पूर्ण परियोजनाएं	:	चार (4)	राष्ट्रीय	7.71 लाख
				अंतरराष्ट्रीय	शून्य
ii.	विभागीय परियोजनाएं	:		डी.एस.टी - एफ. आई. एस .टी	शून्य
				स्नातक सी-एस ए पी	तीन -स्नातक सी
				डी बी टी/ आई सी एस एस आर	एक -आई सी एस एस आर
				अन्य	--

4. सम्मेलन / संगोष्ठी: राष्ट्रीय संगोष्ठी और संगोष्ठी में प्रत्येक की उपस्थिति

5. अभिविन्यास कार्यक्रम: एक

6. अतिथि व्याख्यान /विशिष्ट व्याख्यान

श्रेणी	संयोजक		वितरित
	राष्ट्रीय	अंतरराष्ट्रीय	राष्ट्रीय
अतिथि व्याख्यान	01	-	10

7. प्रख्यात शिक्षाविदों की सूची /वैज्ञानिकों का आगमन /सूचीबद्ध

क्र.सं	अकादमिक/वैज्ञानिक नाम	उद्देश्य	दिनाक
1	डा.श्रीनिवासुलू का व्याख्यान ,विषय - जैवविविधता संरक्षण-तेलंगाना राज्य में पुष्प और जीवविविधता, दिनांक-16 मार्च, 2017		

8. पाठ्यक्रम विवरण

व्याख्यान पद्धति/पी पी टी पद्धति /श्याम पट और पेन आदि पद्धति

- सीखने का उद्देश्य और परिणाम आधारित पाठ्यक्रम
- व

नस्पती विज्ञान के ज्ञान का विकास और अध्ययन

- शो

धार्थियों की अन्य गतिविधियाँ

9. विभागीय समिति बैठक: 02

बोर्ड ऑफ़ स्टडीज़: 01

10. सर्वोत्तम प्रणालियाँ: व्यक्तिगत रूप से छात्रों पर ध्यान देना, वनस्पती विज्ञान, विभाग के द्वारा परिसर में 88 पेड़ो की पहचान करके उन पर उनका नाम अंकित किया गया है।

11. नवीन पाठ्यक्रम / अकादमिक सुधार : मशरूम कल्चर एण्ड टेक्नोलॉजी स्किल एन्हेंसमेंट कोर्से एण्ड बायोफ़र्टिलाइज़ विषय को बी.एस.सी III और IV सेमेस्टर में जोड़ा गया है।

वनस्पती विज्ञान, विभाग ने पर्यावरण अध्ययन को भी स्नातक के विद्यार्थियों के लिए आवश्यक रूप से लागू किया

12. बीओ एस की संख्या / स्कूल बोर्ड बैठके : 01

v) जीव विज्ञान विभाग

स्थापना वर्ष : 2014

उद्देश्य:

- शिक्षा और शोध को पश विज्ञान के क्षेत्र में बढ़ावा देना। पश विज्ञानं की सामान्य और विशिष्ट बिन्दुओ पर प्रशिक्षण प्रदान किया जाना। विद्यार्थीयों को उनके भविष्य के लिए सशक्त बनाना।

विभागाध्यक्ष: प्रो. पी. एफ.रहमान

1. पाठ्यक्रम विवरण:

क्र.सं	प्रस्तुत पाठ्यक्रम	पाठ्यक्रम प्रकार	नामावली	इन्टेक	टिप्पणिया
1.	स्नातक	सीबीएससी	बी.एस.सी (प्राणी विज्ञानं)	40	
2.	पीएच.डी	नॉन-सीबीएससी	पीएच.डी. प्राणी विज्ञानं	1	

2. प्राध्यापक :

क्र.सं.	नाम	योग्यताएं	पदनाम
1.	प्रो. पी. एफ.रहमान	एम.एस.सी ., पीएच.डी.	आचार्य
2.	डा.परवीन जहां	एम.एस.सी., पीएच.डी.	सह-आचार्य
3.	डा.मसरूर फातीमा	एम.एस.सी., पीएच.डी.	सहायक आचार्य
4.	डा.आरिफ अहमद	एम.एस.सी पीएच.डी	सहायक आचार्य

2. प्राध्यापक

क्र.सं	शैक्षणिक पद	स्वीकृत पद	भर्ती पद	टिप्पणिया
i.	आचार्य	1	1	
ii.	सह-आचार्य	1	1	
iii.	सहायक आचार्य	1	2	
vi.	एडजन्कड फेकल्टी	-	-	
vii.	अतिथि प्राध्यापक	कार्यभार के कारण एक अतिथि प्राध्यापक को दो सेमस्टर के लिए नियुक्त किया गया है।		

3. प्राध्यापक उपलब्धियां

1.	प्रकाशन	पत्रिकाएं – 6
2.	समितियों में सेवारत	अकादमिक परिषद् के सदस्य , स्कूल बोर्डस , नेक) सहकर्मी समितियां आदि . – 01

4. शोध विवरण: शोध के विशिष्ट क्षेत्र:

इनपुट	योग	विवरण	कुल अनुदान
परिचालित परियोजनाएं /पूर्ण परियोजनाएं	8.10 लाख	राष्ट्रीय	प्रथम अनुदान प्रारंभ

5. प्रशिक्षण / पुनश्चर्या / अभिविन्यास कार्यक्रम

श्रेणी	उपस्थिति – राष्ट्रीय
अभिविन्यास कार्यक्रम	02
अन्य कोई (अधिष्ठापन पाठ्यक्रम)	02

6. अतिथि व्याख्यान /विशिष्ट व्याख्यान

श्रेणी	संयोजन		व्याख्यान दिया गया	
	राष्ट्रीय	अंतरराष्ट्रीय	राष्ट्रीय	अंतरराष्ट्रीय
अतिथि प्राध्यापक	2	-	2	-

7. प्रख्यात शिक्षाविदों की सूची /वैज्ञानिकों का आगमन / सूचीबद्ध

No	शिक्षाविद/ वैज्ञानिक का नाम	उद्देश्य	दिनाक
1	डा . कुय.हसन,शोध निदेशक,कमिनेनी हॉस्पिटल,हैदराबाद	रक्त दान के संबंध में ब्लड ग्रुप की महत्ता	22 सितम्बर , 2016
2	डा.अशफाक हसन, प्रोफेस्सेर और विभागाध्यक्ष पुल्मोनारी मेडिसिन, ओवेसी हॉस्पिटल और शोध केंद्र,हैदराबाद	टीबी: जागरूकता के ज़रिये इस के खतरे पर काबू पाना	24 मार्च , 2017

8. पाठ्यक्रम विवरण

पाठ्यक्रम	पाठ्क्रम का शीर्षक	पुनरावृत्ति वर्ष	कार्यान्वयन वर्ष
स्नातक	सीबीएससी प्रणली का अनुसरण	2016	2016

9. मूलभूत सुविधाएं:

क्र.सं	मूलभूत	सुविधाएं					
1.	भौतिक	कक्षाएं	3	संगोष्ठी हॉल	1	अध्यापक कक्ष	4
2.	अकादमिक	पुस्तकालय	-	ई-पुस्तकालय	Y	वाचनालय	-
3.	आई.सी.टी	कंप्यूटर लेब	1	इंटरनेट सुविधा	Y	प्रिंटर एण्ड नेटवर्क	5
4.	कोशल विकास	प्रोयोगशाला	2	कार्यशाला	-	उपकरण प्रयोगशाला	1
5.	खेल	इनडोर खेल	Y	आउटडोर खेल	Y		

10. छात्र विविधता एवं प्रगति

क्र. सं	पाठ्यक्रम	उसी विश्वविद्यालय के विद्यार्थी का प्रतिशत	राज्य के अंतर्गत अन्य विश्वविद्यालयों के विद्यार्थियों का प्रतिशत	विश्वविद्यालय में अन्य राज्यों के विद्यार्थियों का प्रतिशत
1	बी.एस सी	शून्य	100%	60%

11. परीक्षा की सफलता दर

क्र. सं	पाठ्यक्रम	श्रेष्ठता से उतीर्ण विद्यार्थी का प्रतिशत	प्रथम श्रेणी में उतीर्ण विद्यार्थी	द्वितीय श्रेणी में उतीर्ण विद्यार्थी /बी+ एण्ड बी ग्रेड	तृतीय श्रेणी में उतीर्ण विद्यार्थी सी और डी ग्रेड
1	बी.एस.सी (आनर्स)	60%	20%	20%	-
2	बी.एस सी (एल एस)	30%	20%	30%	10% (10% फेल)

12. वित्तीय सहायता विद्यार्थी : एक पीएच.डी शोधार्थी. नॉन-नेट फेलोशिप

13. सर्वोत्तम प्रणालियाँ : केंसर जीव विज्ञानं में छ :शोध पत्र,फ़िश जीनोमिक्स का विज्ञान क्षेत्र के आधार ज्ञान में योगदान

14.भविष्य की योजना:

- शोध परियोजना के लिए सहयोग
- जीव विज्ञान अनुसन्धान के लिए शोध प्रोयोगशाला की स्थापना
- राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय शोध संस्थाओ/विश्वविद्यालय का सहयोग
- पियर रिव्युव्ड पत्रिकाओ में उत्कृष्ट प्रकाशन
- विद्यार्थीयों को सामाजिक रूप से प्रतिभागी और कुशल बनाना
- विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों का बौद्धिक विकास में वृद्धि करना।

15. नवीन पाठ्यक्रम / अकादमिक सुधार: पीएच.डी. 2016

16. बीओ एस की संख्या / स्कूल बोर्ड बैठके :- एक साल में

एक दिवसीय संगोष्ठी और कार्यशाला ब्लड ग्रुप और रक्त दान जागरूकता - "अपने ब्लड ग्रुप की जानकारी " 22 सितम्बर 2016	एक दिवसीय संगोष्ठी और प्रदर्शनी विश्व टीबी दिवस पर (24 मार्च 2017)
प्रोफ़ेसर.पीएफ रहमान के द्वारा डा.अशफाक हसन को स्मृति चिन्ह भेट किया गया -प्राणी विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष . प्रो.सईद नजमुल हसन , डीन वैज्ञानिक संकाय और डा.मसरूर फातिमा , सह आचार्य (प्राणी विज्ञान).	प्रदर्शनी में विद्यार्थियों ने कुलपति मोहम्मद असलम परवेज़ और संकाय के सदस्यों के साथ भाग लिया .

VII) वाणिज्य एवं व्यापार प्रबंधन विधापीठ

विश्वविद्यालय ने वाणिज्य और प्रबंधन अध्ययन के तहत शैक्षिक प्रस्तुति पाठ्यक्रम के लिए मानकों की स्थापना के लिए 1999 में स्कूल ऑफ कॉमर्स एंड बिज़नेस मैनेजमेंट की शुरुआत की और आवश्यकता मूल्यांकन के आधार पर विभागों के निर्माण के लिए सिफारिश की। विश्वविद्यालय ने वाणिज्य और प्रबंधन अध्ययन के तहत शैक्षिक प्रस्तुति पाठ्यक्रम के लिए मानकों की स्थापना के लिए 1999 में स्कूल ऑफ कॉमर्स एंड बिज़नेस मैनेजमेंट की शुरुआत की और आवश्यकता मूल्यांकन के आधार पर विभागों के निर्माण के लिए सिफारिश की। इसके अलावा, विभिन्न विभागों द्वारा प्रस्तुत पाठ्यक्रमों के लिए प्रवेश, निर्देश और मूल्यांकन के लिए नियमों का प्रस्ताव।

स्कूल का मुख्य उद्देश्य उन कार्यक्रमों को बढ़ावा देना है, जो व्यापार और व्यवसाय समुदाय का योगदान देता है और अध्ययन, पाठ्यक्रम के उद्देश्य और परिणामों को दायरा प्रदान करता है। इसके अलावा, उच्च गुणवत्ता और नेतृत्व के निर्माण के लिए गुणवत्ता की शिक्षा प्रदान करने और व्यावसायिक प्रशिक्षण प्रदान करना है। वर्तमान समय में स्कूल के दो विभाग हैं।

क्र.सं.	विभाग	स्थापना वर्ष	पाठ्यक्रम
1.	वाणिज्य	2015-16	बी.काम, एम .काम. और पीएच.डी.
2.	मैनेजमेंट अध्ययन	2004-05	एमबीए, एम.फिल.और पीएच.डी.

संकाय अध्यक्ष: प्रो .मो .अब्दुल अज़ीम

i) प्रबंधन अध्ययन विभाग

स्थापना वर्ष : 2004.

उद्देश्य: -

- कला सीखने के मूलभूत बुनियादी क्षेत्र में उद्योग केंद्रित अध्यापन प्रदान करना। प्रशिक्षण तथा अनुभव प्रदान करने के लिए उद्योगों के साथ बेहतर संबंध बनाना
- शिक्षण, शिक्षा, अनुसंधान और परामर्श में आईटी को एकीकृत करना। नैतिक और नैतिक मूल्यों को विकसित करना और सामाजिक जिम्मेदारी और पर्यावरण संबंधी मुद्दों के प्रति जागरूकता पैदा करना।
- शैक्षिक और प्रबंधन विकास कार्यक्रमों की पेशकश करना।

1. पाठ्यक्रम विवरण:

No	प्रस्तुत पाठ्यक्रम	पाठ्यक्रम के प्रकार	नामावली	इन्टेक	टिप्पणी
1.	स्नातोकोत्तर	सीबीएससी	एमबीए	60	
2.	एम.फिल	-	एम.फिल	10	
3.	पीएच.डी.	-	पीएच.डी.	10	

2. प्राध्यापक

क्र.स.	नाम	योग्यता	पदनाम
1.	प्रो .मो .अब्दुल अज़ीम	एम.बी.ए, पीएच.डी.	आचार्य
2.	प्रो .सनीम फातिमा	एम.बी.ए, पीएच.डी.	आचार्य
3.	डॉ .सय्यद ख्वाजा सफीउद्दीन	एम.बी.ए, पीएच.डी.	सहायक आचार्य
4.	डॉ .शेख कमरुद्दीन	एम.बी.ए, पीएच.डी.	सहायक आचार्य
5.	श्री .सैदल्वी .के	एम.बी.ए,	सहायक आचार्य
6.	सुश्री कविता मीणा	एम.बी.ए,	सहायक आचार्य
7.	सुश्री .रेशमा निकत	एम.बी .ए,	सहायक आचार्य
8.	डॉ .मो .राशिद फारूकी	एम.बी .ए, पीएच.डी.	सहायक आचार्य

3. प्राध्यापक उपलब्धियां

1.	प्रकाशन	पत्रिकाएं – 23		प्रोसीडिंग्स - 02	
2.	समितियों में सेवारत	राष्ट्रीय	अंतरराष्ट्रीय	संपादकीय मंडल	अन्य कोई
		03	03	04	04
3.	अवार्ड्स	क्षेत्रीय	राष्ट्रीय	अंतरराष्ट्रीय	पेशेवर
		-	03	-	02
4.	सम्मान/सदस्यता	क्षेत्रीय	राष्ट्रीय	अंतरराष्ट्रीय	पेशेवर
		01	01	01	06

3. कार्यशाला / सम्मेलन / संगोष्ठी / परिसंवाद:

श्रेणी	आयोजित	उपस्थिति	
	राष्ट्रीय	राष्ट्रीय	अंतरराष्ट्रीय
कार्यशाला	-	03	-
सम्मलेन	01	06	05
संगोष्ठी	-	04	-
परिसंवाद	01	-	-

4. प्रशिक्षण / पुनश्चर्या / अभिविन्यास कार्यक्रम:

श्रेणी	आयोजित	उपस्थिति	
	राष्ट्रीय	राष्ट्रीय	अंतरराष्ट्रीय
प्रशिक्षण	-	03	01
पुनश्चर्या पाठ्यक्रम	01	01	
उन्मुखीकरण कार्यक्रम	-	01	-

5. अतिथि व्याख्यान / विशिष्ट व्याख्यान:

श्रेणी	संयोजन		दिया गया	
	राष्ट्रीय	अंतरराष्ट्रीय	राष्ट्रीय	अंतरराष्ट्रीय
अतिथि व्याख्यान	05	-	10	-
विशिष्ट व्याख्यान	01	-	01	-
सत्र के अध्यक्ष	04	-	02	-

6. पाठ्यक्रम विवरण

No	पाठ्यक्रम	पाठ्क्रम का शीर्षक	कार्यान्वयन वर्ष
1.	स्नातोकोत्तर	एमबीए	2004
2.	एम.फिल.और पीएच .डी	प्रबंधन	2011

7. छात्र विविधता एवं प्रगति

क्र . सं.	पाठ्यक्रम	उसी विश्वविद्यालय के उत्तीर्ण विद्यार्थियों का प्रतिशत	राज्य के अंतर्गत अन्य विश्वविद्यालयों के विद्यार्थियों का प्रतिशत	विश्वविद्यालय में अन्य राज्यों के विद्यार्थियों का प्रतिशत	अन्य देशों के विद्यार्थियों का प्रतिशत
1.	एमबीए	-	-	100	0
2.	एम.फिल	100	-	-	-
3.	पीएच.डी	-	66	34	-

8. परीक्षा की सफलता दर

पाठ्यक्रम	श्रेष्ठता से उत्तीर्ण विद्यार्थियों का प्रतिशत/ए+ ग्रेड	प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण विद्यार्थियों का प्रतिशत/ए ग्रेड	द्वितीय श्रेणी से उत्तीर्ण विद्यार्थियों का प्रतिशत / बी+ और बी ग्रेड	उत्तीर्ण विद्यार्थियों का प्रतिशत /सी और डी ग्रेड
एमबीए	36	61	3	

9. नियुक्ति विवरण

कैंपस नियुक्तियां	ऑफ कैंपस नियुक्तियां	औसत वेतन	अधिकतम वेतन	कैंपस में नियोक्ताओं के आगमन की संख्या
12	शून्य	20000	30000	03

10. विद्यार्थियों को वित्तीय सहायता : एम.फिल-02 और पीएच.डी-03

11. विभाग की वैधानिक समितियां: विभागीय समिति: डीआरसी एवं बीओएस.

12. सर्वोत्तम प्रणालियाँ:

- ✓ उद्योग केंद्रित अध्यापन, जो उद्यमशीलता और अनुभवात्मक शिक्षा प्रदान करने के लिए उद्योग के साथ इंटरफ़ेस प्रदान करता है। शिक्षकों और छात्रों को अपनी पूरी क्षमता विकसित करने के लिए अनुकूल वातावरण प्रदान करना।
- ✓ व्यवसायिक मूल्यों को पाठ्यक्रम के एक अंग के रूप में नैतिक और नैतिक मूल्यों को विकसित करने के लिए और सामाजिक जिम्मेदारी और पर्यावरण संबंधी मुद्दों से संबंधित जागरूकता पैदा करने के लिए विचार करना।
- ✓ मानू के एमबीए छात्रों को एक अतिरिक्त भाषा उर्दू के रूप में अतिरिक्त लाभ मिलता है।

13. बुनियादी तथा नवीन ज्ञान को लागू करने में विभाग का योगदान:

- ✓ वर्ष के अंत के दौरान इंटर्नशिप और उनके कक्षा कक्ष ज्ञान के व्यावहारिक अनुप्रयोग के एक भाग के रूप में परियोजना का काम पूरा करना। परियोजना रिपोर्ट के लिए व्यावहारिक प्रशिक्षण, अनुसंधान कार्यक्रम जैसे एम .फ़िल .और पीएच.डी पाठ्यक्रम की विभाग द्वारा पेशकश की जा रही है और विद्वान अपने शोध प्रबंध के लिए नए और उभरते क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करते हैं।

14. नवीन पाठ्यक्रम / अकादमिक सुधार:

- ✓ सीबीएससी को इस वर्ष के दौरान शुरू और लागू किया गया है। सभी कोर्स के पाठ्यक्रम को संशोधित किया गया है। सीबीएससी विनियम और पाठ्यक्रम में संशोधन नवीनतम रुझानों और वर्तमान बाजार की आवश्यकताओं के अनुसार किए गए हैं।
- ✓ उदाहरण के लिए, लेखा और प्रबंधन एमबीए में समेस्टर विषय के पाठ्यक्रम में माल और सेवा कर जोड़ा गया है। इस्लामिक बैंकिंग में स्नातकोत्तर डिप्लोमा की शुरूआत करने के लिए प्रस्ताव दिया गया है।

15. बीओएस की संख्या/ स्कूल बोर्ड की बैठकें: 01.

विभाग के महत्वपूर्ण कार्यक्रमों का झलक -1 अप्रैल 2016 से 31 मार्च, 2017

एमबीए द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों की औद्योगिक यात्रा

कॉर्पोरेट मीट 2017 - प्रोफेसर शकील अहमद, उप कुलपति, एमबीए प्लेसमेंट विवरणिका जारी करते हुए

ii) वाणिज्य विभाग

स्थापना वर्ष : 2015

उद्देश्य:

- उर्दू माध्यम से वाणिज्य शिक्षा प्रदान करने तथा विद्यार्थियों को विश्वस्तरीय प्रतिस्पर्धा तथा नियोजन के योग्य बनाना।
- विभाग छात्रों को प्रबुद्ध, आध्यात्मिक रूप से प्रेरित, भावनात्मक रूप से संतुलित, आत्मनिर्भर, नैतिक रूप से ईमानदार और सामाजिक रूप से प्रतिबद्ध नागरिक बनाना।
- नए विषयों के साथ मास्टर डिग्री हासिल करने में वाणिज्यिक छात्रों की जरूरतों को पूरा करने के लिए, और वाणिज्य को उन पाठ्यक्रमों के लिए परामर्श दिया जाएगा जो उन्हें रोजगार प्रदान करेंगे।

विभागाध्यक्ष: प्रो .बदीउद्दीन अहमद

1. पाठ्यक्रम विवरण:

क्र.सं.	प्रस्तुत पाठ्यक्रम	पाठ्यक्रम के प्रकार	नामावली	इन्टेक	टिप्पणी
1.	स्नातक	सीबीएससी	बी.काम	40	
2.	स्नातकोत्तर	सीबीएससी	एम.काम	30	

2. प्राध्यापक

क्र.सं.	नाम	योग्यता	पदनाम
1.	प्रो .बदीउद्दीन अहमद	एम.काम, पीएच.डी.	आचार्य
2.	श्री .मो . सआदत शरीफ	एम काम	सहायक आचार्य

3. 2. प्राध्यापक उपलब्धियां

1.	प्रकाशन	पुस्तकें: 01	पत्रिकाएं: 09
2.	समितियों में सेवारत	संपादकीय मंडल – 10	अन्य कोई - 2
3.	अवाड्र्स	राष्ट्रीय: 03	
4.	सम्मान/सदस्यता	प्रोफेशनल बॉडीज़: 16	

3. कार्यशाला / सम्मेलन / संगोष्ठी / परिसंवाद : राष्ट्रीय कार्यशाला : 02; सम्मलेन: 08; परिसंवाद : 01; पुनश्चर्या पाठ्यक्रम: 01 और अतिथि व्याख्यान: 04

4. प्रख्यात शिक्षाविदों की सूची /वैज्ञानिकों का आगमन /विभाग द्वारा सूचीबद्ध:

अकादमी / वैज्ञानिक नाम	उद्देश्य	दिनांक
बुशरा, श्रीकांत	व्यक्तित्व विकास, इस्लामी वित्त	20 और 27-02-2017

5. पाठ्यक्रम विवरण

No	पाठ्यक्रम	पाठ्क्रम का शीर्षक	पुनरावृत्ति वर्ष	कार्यान्वयन वर्ष
1.	स्नातक	बी.काम	2016	2016
2.	स्नातोकोत्तर	एम.काम	2016	2016

6. छात्र विविधता एवं प्रगति :

पाठ्यक्रम	उसी विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों का प्रतिशत	राज्य के अंतर्गत अन्य विश्वविद्यालयों के विद्यार्थियों का प्रतिशत	विश्वविद्यालय में अन्य राज्यों के विद्यार्थियों का प्रतिशत	अन्य देशों के विद्यार्थियों का प्रतिशत
एम.काम	37%	74%	26%	-----

7. नियुक्ति विवरण

कैंपस नियुक्तियां	ऑफ कैंपस नियुक्तियां	औसत वेतन	अधिकतम वेतन
----------	16	12000/-	15000/-

8. विभागीय वैधानिक समितियां:

1. विभागीय प्रवेश समिति
2. बोर्ड ऑफ़ स्टडीज़

9. सर्वोत्तम प्रणालियाँ:

1. आयोजित संगोष्ठी
2. प्रस्तुतिकरण
3. समूह चर्चा
4. पर्यवेक्षण और परामर्श

10. भविष्य की योजनाएँ:

1. वाणिज्यिक प्रयोगशाला का परिचय
2. वाणिज्यिक पुस्तकालय का परिचय
3. अत्याधुनिक सुविधा की कक्षा
4. लेखांकन पैकेजों और संबंधित सॉफ्टवेयर के साथ कंप्यूटर लैब का परिचय

11. नवीन पाठ्यक्रम / अकादमिक सुधार: बी.कॉम

12. बीओएस की संख्या/स्कूल बोर्ड मीटिंग: 02 / 02

VIII) जन संचार और पत्रकारिता का स्कूल

वाणिज्य और प्रबंधन अध्ययन के तहत शैक्षिक प्रस्तुति पाठ्यक्रमों के लिए विश्वविद्यालय ने 1996 में मास कम्युनिकेशन और पत्रकारिता स्कूल की स्थापना की। और अन्य विभागों के निर्माण के लिए सिफारिश की। इसके अलावा विभिन्न विभागों द्वारा दाखिला पाठ्यक्रमों के लिए प्रवेश, निर्देश और मूल्यांकन के लिए नियमों का प्रस्ताव। वर्तमान में स्कूल के एक विभाग हैं। स्कूल का उद्देश्य मौलाना अब्दुल कलाम आज़ाद की आस्था और विरासत के लिए पत्रकारिता की अभिव्यक्ति के आधार पर जन संचार और पत्रकारिता के क्षेत्र में गुणवत्ता पेशेवरों को प्रशिक्षित करना है। यह कार्यक्रम उर्दू माध्यम में मीडिया के विस्तार के क्षेत्र में पेशेवर प्रशिक्षण प्रदान करता है। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के क्षेत्र में उभरती चुनौतियों के साथ सामना करने के लिए अच्छी तरह से प्रशिक्षित और सुसज्जित पेशेवरों का उत्पादन करना है।

क्र.सं	विभाग	स्थापना वर्ष	पाठ्यक्रम
1.	जनसंचार माध्यम और पत्रकारिता	2004-05	एम.ए (जे.एम.सी), एम.फिल.&पीएच.डी.

संकाए अध्यक्ष : प्रो. एहतेशाम अहमद खान

i) जनसंचार माध्यम ओर पत्रकारिता विभाग

स्थापना वर्ष : 2004

उद्देश्य:

- इलेक्ट्रॉनिक और प्रिंट मीडिया, विज्ञापन, जनसंपर्क, दस्तावेजी, फिल्म निर्माण और वेब पत्रकारिता के क्षेत्र में करियर बनाने ले लिए छात्रों को प्रशिक्षित करना।
- ऐसे पेशेवर पत्रकार का निर्माण करने के लिए जो इलेक्ट्रॉनिक और प्रिंट मीडिया के क्षेत्र में उभरती चुनौतियों का सामना कर सकते हैं और अन्य भाषा की तरह पेशेवर उर्दू मीडिया में भी पेशेवर विशेषज्ञता लाना।

विभागाध्यक्ष: प्रो .एहतेशाम अहमद खान

1. पाठ्यक्रम विवरण:

सं.	प्रस्तुत पाठ्यक्रम	पाठ्यक्रम प्रकार	नामावली	इन्टेक	टिप्पणी
1.	स्नातोकोत्तर	सीबीएससी	एम्.ए..(जेएमसी)	19	
2.	पीएच.डी.	नॉन-सीबीएससी	पीएच.डी. (जेएमसी)	06	

2. प्राध्यापक

सं.	नाम	योग्यता	पदनाम
1.	प्रो .एहतेशाम अहमद खान	एम.ए .पीएच.डी.	आचार्य
2.	श्री .मो .मुस्तफा अली	एम्.ए.., एम.फिल.	सह-आचार्य
3.	डॉ .मो .फरियाद	एम.ए .पीएच.डी.	सह-आचार्य
4.	श्री .सय्यद हुसैन अब्बास रिज़वी	एम्.ए.., एम.फिल.	सहायक आचार्य
5.	डॉ .मेराज अहमद मुबारकी	एम.ए .पीएच.डी.	सहायक आचार्य

2. प्राध्यापक उपलब्धियां

प्रकाशन	पुस्तकें	पत्रिकाएं	प्रोसीडिंग्स	दस्तावेज़/रिपोर्ट्स
	-	02	-	02

3. शोध विवरण:

प्राध्यापकों द्वारा जारी परियोजना	01	राष्ट्रीय एमआईआरपी	रू.1, 05,000/-

4. कार्यशाला /सम्मेलन/संगोष्ठी /परिसंवाद : राष्ट्रीय स्तर : सम्मेलन 04

5. प्रशिक्षण / पुनश्चर्या / अभिविन्यास कार्यक्रम: शून्य

6. अतिथि व्याख्यान / विशिष्ट व्याख्यान

श्रेणी	आयोजित		दिया गया	
	राष्ट्रीय	अंतरराष्ट्रीय	राष्ट्रीय	अंतरराष्ट्रीय
अतिथि व्याख्यान	-	-	02	-
विशिष्ट व्याख्यान	-	-	01	-

7. पूर्व छात्र

1) श्री .अवैश अहमद उस्मानी, 2) श्री .मोहम्मद सलमान और 3) सुश्री निशात कलीम	2016-17

8. पाठ्यक्रम विवरण:

- पाठ्यक्रम की डिजाइन और विकास के लिए आवश्यक, गैप और ट्रेंड मूल्यांकन: एमए (एमसीजे) के पाठ्यक्रम को नियमित अंतराल पर संशोधित किया जाता है और मीडिया उद्योग, वरिष्ठ कार्यरत पत्रकारों और प्रतिष्ठित शिक्षाविदों की प्रतिक्रिया के अनुसार अद्यतन किया जाता है। यह समाचार और मनोरंजन उद्योग की आवश्यकता के अनुसार पाठ्यक्रम को आकार देने में सक्षम है।
- प्राध्यापक द्वारा अपनाई गई शिक्षण-अधिगम पद्धति: शिक्षण पद्धति के लिए विविध दृष्टिकोण को अपनाया गया है। यह भारतीय सिनेमा की विशाल विरासत को जानने के लिए प्रति सप्ताह अनिवार्य फिल्म / दस्तावेजी देखने के लिए कक्षा शिक्षण प्रक्रिया का अभिन्न अंग के रूप में पीपीटी का उपयोग किया जाता है। इसके अलावा, अच्छी तरह से संचार और प्रस्तुति कौशल विकसित करने के लिए ट्यूटोरियल हर हफ्ते निर्धारित किए जाते हैं।
- अधिगम के उद्देश्य और परिणाम के आधार पर पाठ्यक्रम: 2016 में अधिगम के उद्देश्य और परिणाम आधारित पाठ्यक्रम को अपनाया गया है। 2016 में अपनाए गए पाठ्यक्रम में प्रत्येक प्रश्नपत्र स्पष्ट रूप से बताता है कि छात्र को क्या देना है? और छात्र अपने अधिगम के तरीके को जानकर संरचित तरीके से अध्ययन की योजना तैयार करेंगे।
- विद्वानों की गतिविधियों से परे अन्य स्वीकृति: विद्वानों की गतिविधियों से परे छात्र के ज्ञान क्षितिज को बढ़ाने के लिए विभिन्न विषयों पर कार्यशालाएं आयोजित की जाती हैं। विद्यार्थी एक खुले और इंटरैक्टिव वातावरण में आमंत्रित अतिथियों के साथ विचारों का आदान-प्रदान करते हैं।

क्र.सं.	पाठ्यक्रम	पाठ्यक्रम का शीर्षक	पुनरावृत्ति वर्ष	कार्यान्वयन वर्ष
1.	स्नातकोत्तर	एम.ए..(जेएमसी)	27 अगस्त, 2015	2016-17
2.	पीएच.डी.	पीएच.डी. (जेएमसी)	27 अगस्त, 2015	2016-17

9. मूलभूत सुविधाएं:

क्र.	मूलभूत	सुविधाएं					
1.	भौतिक	कक्षा	3	संगोष्ठी हाल	1	प्राध्यापक कक्ष	3
2.	अकादमिक	पुस्तकालय	1	डिजिटल पुस्तकालय	N	वाचनालय	1
3.	आईसीटी	कंप्यूटर प्रयोगशाला	2	इंटरनेट सुविधा	Y	प्रिंटर्स	Y
4.	कौशल विकास	प्रयोगशाला	1	कार्यशाला	-	इंस्ट्रुमेंटेशन लैब	Y

10. छात्र विविधता एवं प्रगति:

No	पाठ्यक्रम	राज्य के अंतर्गत अन्य विश्वविद्यालयों के विद्यार्थियों का प्रतिशत	अन्य राज्यों के विद्यार्थियों का प्रतिशत
i	एम्.ए.. (जेएमसी)	16%	84%
ii	पीएच.डी. (जेएमसी)	100%	0%

11. नियुक्ति विवरण:

कैंपस नियुक्तियां	ऑफ कैंपस नियुक्तियां	औसत वेतन	अधिकतम वेतन	कैंपस में नियोक्ताओं के आगमन की संख्या
01	01	16,000/- प्रतिमाह	16,000/- प्रतिमाह	01

12. परीक्षा की सफलता दर:

पाठ्यक्रम	श्रेष्ठता से उत्तीर्ण विद्यार्थियों का प्रतिशत/ ए$^{+}$ग्रेड	प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण विद्यार्थियों का प्रतिशत / ए ग्रेड	द्वितीय श्रेणी में उत्तीर्ण विद्यार्थियों का प्रतिशत / बी+ एवं बी ग्रेड
एम्.ए.. (जेएमसी)	25%	62.5%	12.5%

13. **विभाग की वैधानिक समितियां**: विभागीय समिति, विभागीय शोध समिति और बोर्ड आफ स्टडीज़.

14. **सर्वोत्तम प्रणालियाँ:** *विभाग ने संदर्भित पत्रिकाओं में संबंधित मुद्दों पर 01 पुस्तक और 04 लेखों को प्रकाशित किया, लेकिन फिल्म अध्ययन, विकास संचार, सीमांत वर्गों के संचार, और लिंग प्रथाओं के बड़े मुद्दों तक सीमित नहीं है। संकाय सदस्यों द्वारा दान की गई पुस्तकों का विभाग में एक पुस्तकालय भी होता है। इसने विद्यार्थियों के शोध कार्यों में बेहद मदद करना है।*

15. भविष्य योजनाएँ: यूजी कोर्स शुरू करने के लिए ताकि छात्रों को बीए (जेएमसी) स्तर पर संचार पाठ्यक्रमों के लिए नामांकन का विकल्प मिल सके। रोजगार सृजन के एक भाग के अलावा, विभाग 10 + 2 के बाद प्रैक्टिकल ट्रेनिंग के साथ ग्राफिक्स और एनीमेशन में एक साल का डिप्लोमा पाठ्यक्रम भी पेश करने की योजना बना रहा है।

16. नवीन पाठ्यक्रम / अकादमिक सुधार: व्यावहारिक कॉलेज के साथ स्टुडेंस को प्रोत्साहित करने के लिए, विभिन्न मुद्दों पर 3 से 5 दिनों की मीडिया कार्यशाला एम.ए. (जेएमसी) पाठ्यक्रम के प्रत्येक सेमेस्टर में शामिल की गई है। कार्यशाला में प्रख्यात मेदई व्यक्तित्व को संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित किया जाता है।

17. बीओ एस की संख्या / स्कूल बोर्ड बैठकें:बोर्ड ऑफ स्टडीज़ - 01, **स्कूल बोर्ड** - 01

==========

उद्घाटन सत्र की झलक

उर्दू कार्यरत पत्रकार के लिए 5 दिनों की कार्यशाला

"केपेसिटी बिल्डिंग फॉर वर्किंग उर्दू जर्नलिस्टस ऑफ तेलंगाना एण्ड देअरअबाउट"

3- 7, दिसंबर, 2016.

IX) शिक्षा एवं प्रशिक्षण संकाय

विश्वविद्यालय ने वर्ष 2006 में शिक्षा और प्रशिक्षण के स्कूल को शिक्षक शिक्षा के तहत प्रस्तुत शैक्षिक कार्यक्रमों के मानकों की स्थापना के लिए बनाया और विभागों के निर्माण की सिफारिश की। इसके अलावा, विभिन्न विभागों द्वारा प्रस्तावित कार्यक्रमों के लिए प्रवेश, निर्देश और मूल्यांकन के लिए नियमों का प्रस्ताव दिया।

स्कूल में केवल एक शिक्षा और प्रशिक्षण विभाग है। स्कूल ने श्रीनगर (जम्मू और कश्मीर), दरभंगा (बिहार), भोपाल (एमपी), में देश के विभिन्न भागों में अध्यापक शिक्षा के आठ महाविद्यालयों की स्थापना करके शिक्षा पर राष्ट्रीय मिशन पर योजना आयोग कार्य समूह की सिफारिशों के आधार पर शिक्षक शिक्षा कार्यक्रम का विस्तार किया। बी.एड. कार्यक्रम संभल (यूपी), आसनसोल (पश्चिम बंगाल), औरंगाबाद (एमएस), बिदर (कर्नाटक) और नूह (हरियाणा)में दी जा रही है। एम.एड. कार्यक्रम श्रीनगर (जम्मू और कश्मीर), दरभंगा (बिहार) और भोपाल (एमपी) में शिक्षक शिक्षा के तीन कॉलेजों में दिया जाता है।
शिक्षण एवं प्रशिक्षण संकाय का उद्देश्य प्राथमिक, माध्यमिक और वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों के लिए शिक्षकों को प्रशिक्षित करने और शिक्षक-शिक्षकों के लिए पेशेवर विशेषज्ञता विकसित करने के अलावा पेशेवर नैतिकता के मानकों और अभ्यास को तैयार करना है। आगे पूरे देश में फैले शिक्षक शिक्षा के कॉलेजों के नेटवर्क को बढ़ावा देता है।

क्र.	विभाग	स्थापन वर्ष	पाठ्यक्रम
1.	एजुकेशन एण्ड ट्रेनिंग	2001-02	डी.एड., बी.एड., एम.एड., एम.फिल. और पीएच.डी..

संकाय का डीन : प्रो.फातिमा बेग़म

i) शिक्षा एवं प्रशिक्षण विभाग

स्थापना वर्ष: 2001

उद्देश्य: शिक्षा विभाग और प्रशिक्षण का प्रयास:

- *अकादमिक उत्कृष्टता को बढ़ावा देने और उर्दू के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने का प्रयास करना।*
- *छात्रों, शिक्षकों और शिक्षक-प्रशिक्षण को शिक्षा के क्षेत्र में खोज करने और मार्गदर्शन के हेतु उन्मुखीकरण विकसित करना;*
- *उर्दू बोलने वाले परिवेश के साथ मिलकर काम करना और शिक्षा को उर्दू के माध्यम से गुणात्मक, सस्ती, आधुनिक और उच्च शिक्षा प्रदान करके उसी को सशक्त करने के लिए रणनीतियों का विकास करना; शिक्षा और शिक्षक-शिक्षा के क्षेत्र में शोध और इसके परास्नातक और शोध कार्यक्रमों के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान करना।*

परियोजनाओं और कार्यों सहित शोधकर्ताओं के साथ-साथ व्यावहारिक कार्यों पर नजर रखने के लिए; उत्कृष्टता, मानक, नवीन तकनीकों, दृष्टिकोण, कौशल-उन्नयन और शिक्षार्थियों के प्रशिक्षण को बढ़ावा देने के लिए शैक्षिक दिशानिर्देश प्रदान करना; शिक्षण तकनीक के क्षेत्र में अन्य शैक्षणिक संस्थानों तक पहुँच विकसित करना। सामाजिक विज्ञान और शैक्षिक प्रबंधन में शोध पद्धति को विकसित करना।

विभागाध्यक्ष: प्रो. एच. खतीजा बेगम

1.कार्यक्रम विवरण:

क्र.सं.	प्रस्तुत पाठ्यक्रम	पाठ्यक्रम प्रकार	नामकरण	प्रवेश	टिप्पणियाँ
1.	डिप्लोमा	---	डी.एल.एड.	100	
2.	स्नातक	सीबीसीएस	बी.एड.	100	
3.	स्नातकोत्तर		एम.एड.	50	
4.	एम.फिल		एम.फिल.एजुकेशन	10	
5.	पीएच.डी	सीबीसीएस	पीएच.डी.एजुकेशन	10	

2. प्राध्यापक:

सं.	नाम	योग्यताएँ	पद
1.	प्रो.एच.खतीजा बेगम	एम.एड., पीएच.डी..	आचार्य
2.	प्रो.फातिमा बेगम	एम.एड., पीएच.डी..	आचार्य
3.	प्रो.सिद्दीक़ी मोहम्मद महमूद	एम.एड., पीएच.डी..	आचार्य
4.	प्रो.घंटा रमेश	एम.एड., पीएच.डी..	आचार्य
5.	डॉ.एम.वनजा	एम.एड., पीएच.डी..	सह आचार्य
6.	डॉ.मोहम्मद मोशाहिद	एम.एड., पीएच.डी..	सह आचार्य
7.	डॉ.शाहीन शेख	एम.एड., पीएच.डी..	सह आचार्य
8.	डॉ.मोहम्मद मुजफ्फर हुसैन खान	एम.एड., पीएच.डी..	सहायकआचार्य
9.	डॉ.विक़ार उन्नीसा	एम.एड., पीएच.डी..	सहायकआचार्य
10.	डॉ.समीना बासु	एम.एड., पीएच.डी..	सहायकआचार्य
11.	शाकेरा परवीन	एम.एड., एम.फिल..	सहायकआचार्य
12.	डॉ.शमशाद बेगम	एम.एड., पीएच.डी..	सहायकआचार्य
13.	डॉ.मोहम्मद अतहर हुसैन	एम.एड., पीएच.डी..	सहायकआचार्य
14.	श्री फरहत अली	एम.एड., पीएच.डी..	सहायकआचार्य
15.	डॉ.नजमा बेगम	एम.एड., पीएच.डी..	सहायकआचार्य
16.	डॉ.तय्यबा नज़्ली	एम.एड., पीएच.डी..	सहायकआचार्य
17.	डॉ.अकतर परवीन	एम.एड., पीएच.डी..	सहायकआचार्य
18.	श्री भानू प्रताप प्रीतम	एम.एड., एम.फिल..	सहायकआचार्य
19.	डॉ.वी.एस.सूमि	एम.एड., पीएच.डी..	सहायकआचार्य
20.	श्री रफी मोहमेद	एम.एड., एम.फिल..	सहायकआचार्य
21.	सुश्री सैयद अमान उबेद	एम.एड., एम.फिल..	सहायकआचार्य
22.	डॉ.मोहम्मद अफ़रोज़ आलम	एम.एड., पीएच.डी..	सहायकआचार्य
23.	डॉ.एस .अब्दुल जब्बार	एम.एड., पीएच.डी..	सहायकआचार्य
24.	डॉ.फैसल मुस्तफा	एम.एड., पीएच.डी..	सहायकआचार्य
25.	श्री मोहम्मद सलाहुद्दीन अहमद	एम.एड., एम.फिल..	सहायकआचार्य

2. प्राध्यापकों की उपलब्धियाँ- अनुलग्नक 1

1.	**प्रकाशन**	पुस्तकें - 1	पत्रिकाएं – 15
2.	**समितियों में सेवारत**	राष्ट्रीय: 01	संपादकीय मंडल: 06
3.	**अवार्ड्स**	राष्ट्रीय: 01	
4.	**सम्मान/सदस्यता**	राष्ट्रीय: 02	

3. शोध विवरण: शोध रुझान क्षेत्र:

सं.	इनपुट	कुल	विवरण	कुल अनुदान
i.	प्राध्यापकों द्वारा जारी परियोजनाएँ	2	राष्ट्रीय	1,05,000/- प्रति माह

4. कार्यशाला / सम्मेलन/ संगोष्ठी / परिसंवाद –अनुलग्नक में विवरण

श्रेणी	आयोजित		उपस्थिति	
	राष्ट्रीय	अंतरराष्ट्रीय	राष्ट्रीय	अंतरराष्ट्रीय
कार्यशाला	2	-	-	-
सम्मेलन	-	1	4	16

5. प्रशिक्षण / पुनश्चर्या / अभिविन्यास कार्यक्रम :

श्रेणी	आयोजित		उपस्थिति	
	राष्ट्रीय	अंतरराष्ट्रीय	राष्ट्रीय	अंतरराष्ट्रीय
प्रशिक्षण	-	-	01	-
पुनश्चर्या कार्यक्रम	-	-	01	-
अभिविन्यास कार्यक्रम	-	-	01	-
अन्य कोई	-	-	01	-

6. पाठ्यक्रम विवरण:

सं.	पाठ्यक्रम	पाठ्यक्रम का विषय	पुनरावृत्ति वर्ष	कार्यान्वयन वर्ष
1.	डिप्लोमा	डी.एल.एड	2015	2015
2.	स्नातक	बी .एड.	2015	2015
3.	स्नातकोत्तर	एम .एड.	2015	2015
4.	पीएच.डी.	पीएच.डी. एजुकेशन	2017	2017

7. छात्रों के लिए वित्तीय सहायता: विश्वविद्यालय से वित्तीय सहायता प्राप्त करने वाले स्नातक / स्नातकोत्तर / शोध छात्रों की संख्या – 01

8. विभाग की वैधानिक समितियाँ: विभागीय समिति / विभागीय शोध समिति: -08; अध्ययन बोर्ड: -02

9. सर्वोत्तम प्रणालियाँ :

- एमएड और पीएचडी छात्र शिक्षा के क्षेत्र में शोध करते हैं, जो नए ज्ञान, मूल को लागू करने में योगदान देता है।
- कर्मचारी सदस्यों को शोध परियोजनाओं को लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है ताकि वे नए तथा बुनियादी ज्ञान को लागू करने के लिए योगदान दे सकें।

10. भविष्य की योजनाएं: - स्मार्ट क्लास स्थापित करने के लिए; एलसीडी और कंप्यूटर के साथ कक्षाओं को लैस करने के लिए; और एक राष्ट्रीय सम्मेलन व्यवस्थित तरीके से आयोजित करने के लिए ।

11. नए कार्यक्रम / शैक्षणिक सुधारों का परिचय: सीडीसीएस का अनुमोदन और पीएचडी के संशोधित पाठ्यक्रम लागू करना।

12. बीओएस की संख्या / स्कूल बोर्ड की बैठकें: 01

अनुलग्नक - 1

a. प्राध्यापकों का प्रकाशन: जर्नल/पत्रिकाएं

प्राध्यापक का नाम : प्रो सिद्दीकी मोहम्मद महमूद

शीर्षक	**जर्नल / पुस्तक (आईएसएसएन /आईएसबीएन और वॉल्यूम नं के साथ)**
औरंगाबाद टाइम्स	उर्दू डेली
इस्लाम एण्ड टोलरेन्स	*जर्नल ऑफ द हेनरी मार्टीन इनस्टीट्यूट* (**आईएसएसएन**. 0970-4698) **वॉल्यूम नं** 35; जनवरी-जून 2016
नज़्म की तदरीस अमोजिश और उसका अंदाज़े कद्र	*तज़ीन-ए-अदब* **आईएसएसएन**.2278-0718 अप्रेल-जून 2016
आईसीटी इन वेल्यू एजुकेशन	*एजुकेशनल रिफोर्म्स थ्रू आईसीटी* **आईएसबीएन**. 978-93-84845-179; 26th मई 2016
नई नस्ल की तैयारी में हमारे किरदार	अल-कलम मानू जर्नल जुलाई- 2016
डॉ.मोहम्मद मोशाहिद	
रोल ऑफ पेरेन्टल ऐटेन्शन ऑन द एकेडमिक ऐचीवमेंट ऑफ रुलर एण्ड अर्बन सैकेंडरी स्कूल स्टूडेंट	*लर्निंग कम्यूनिटी* (एन इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एजुकेशनल एण्ड सोशल डेवलपमेंट, अप्रेल - 2016, 7 (1), 61-70, **आईएसएसएन**. 0976-3201.
टीचर एफेक्टिवनेस ऑफ द इंग्लिश एण्ड उर्दू मीडियम सैकेंडरी स्कूल टीचर्स	*इंटरनेशनलजर्नल ऑफ एजुकेशन एस्पेक्ट्स, मेनेजमेंट स्टडीज़ एण्ड एपलाइड साइंसेस* (अ क्वाटरली पियर रिव्यूड जर्नल), मई-जुलाई, 2016, 4 (15), 21-30.
अ स्टडी ऑफ उर्दू एण्ड इंग्लिश मीडियम सैकेंडरी स्कूल टीचर्स मोरैल	*इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एजुकेशन एण्ड रिसर्च, जुलाई*-2016, 3(7), 113-122, **आईएसएसएन**. 2349-8838.
साइन्टिफिक एपटीट्यूट एमोंग उर्दू एण्ड इंग्लिश मीडियम सैकेंडरी लेवल स्टूडेंट्स	*एजुकेशनल क्वैस्ट* (एन इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एजुकेशन एण्ड एपलाइड सोशल साइंसिस), दिसम्बर– 2016, 7(3), 299 - 304, **आईएसएसएन**. 0976-7258.
इनफ्लूएंस ऑफ पेरेन्टल ऐटेन्शन ऑन द एकेडमिक ऐचीवमेंट ऑफ सैकेंडरी स्कूल स्टूडेंट्स ऑफ एक्सपेट्रीएट पेरेंट्स.	*लर्निंग कम्यूनिटी* (एन इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एजुकेशनल एण्ड सोशल डेवलपमेंट, 7 (3), 277-286, दिसम्बर 2016, **आईएसएसएन**. 0976-3201.
इनवोल्मेंट इन एक्टीविटीज़ फॉर एनहेनसिंग प्रोफेशनल केपेसिटीस) ईपीसी (इन डेवलपिंग टीचिंग एबीलिटी ऑफ प्रोस्पेक्टिव टीचर्स ऑफ टू यर्स बी.एड..	जामिया जर्नल ऑफ एजुकेशन (एन इंटरनेशनल बाइएन्यूअल पब्लिकेशन, मार्च- 2017, 3(2), 136-150, **आईएसएसएन**. 2348-3490.
डॉ.शाकेरा परवीन	
ओपिनियन ऑफ इन-सर्विस टीचर्स फॉर इम्पेक्ट ऑफ कम्प्यूटर्स, इंटरनेट एण्ड मोबाइल लर्निंग एमोंग टीनेज स्टूडेंट्स इन द प्रेज़ेन्ट ग्लोबलाइज़्ड सिनेरिओ	*एफेक्टीव यूज़ ऑफ आईसीटी फॉर एफेक्टीव टीचिंग एण्ड लर्निंग, प्रेगमा पब्लिकेशन, हैदराबाद.* **आईएसबीएन** 978-93-81845-16-2
डॉ.वी.एस.सूमी	
इनटीग्रेटिंग आईसीटी इन एजुकेशन: रीमूविंग हर्डल्स टू मूव फोरवर्ड	*इनसाइट - जर्नल ऑफ एपलाइड रीसर्च इन एजुकेशन,* वॉल्युम नं-21; (**आईएसएसएन**:0975-0665)
डॉ.मोहम्मद अफरोज़ आलम	
मोशरती तरबियात में तालिमी इदारों और आस्तेजा का किरदार	उर्दू दुनिया मंथली, 18 (11), 13-15. **आईएसएसएन**: 2249-0639.
यूसेज ऑफ इनफोरमेशन एण्ड कम्यूनिकेशन टेकनॉलोजिज़ इन टीचर एजुकेशन	रामाकृष्णा,ए.(एड.)आईसीटी मेनेजमेंट एण्ड चेलेंजेज़ (मई,2016), (pp. 189-192) हैदराबाद.: प्रेगमा पब्लिकेशन्स **आईएसबीएन**:978-93-84845-19-3

प्राध्यापको द्वारा प्रस्तुत पत्रः

सम्मेलन /संगोष्ठी /कार्यशाला	संस्था/ विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित	तिथि
प्रो.सिद्दीक़ी मोहम्मद महमूद		
यूजीसी एवं आईएससीएचई द्वारा प्रायोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन "डेवलपिंग थिंकिंग एण्ड लर्निंग वित आईसीटी चेनजिंग एजुकेशन फॉर फ्यूचर नीड्स इम्पॉर्टेंट ऑफ आईसीटी इन वेल्यू एजुकेशन अ नीड फॉर कनटैम्प्रेरि वर्ल्ड.	ओयू, शिक्षा विभाग, हैदराबाद.	29th एवं 30th मई 2016
वाईसीएमओयू, नासिक इनस्ट्रकशनल टेकनॉलॉजी एडिटेड वर्कशॉप एम.ए पाठ्यक्रम.	वाईसीएमओयू, नासिक	20-21 दिसंबर16
डॉ.मोहम्मद मोशाहिद		
अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन: एजुकेशन एण्ड ह्यूमन रिसोर्स डेवलपमेंट	एजुकेशनल डेवलपमेंट काउनसिल, पटना, बिहार	03 अप्रेल, 2016
राष्ट्रीय सम्मेलन : क्वालिटी एजुकेशन: एमर्जिंग ट्रेंडिंग एण्ड चेलेंजेस फॉर 21st सेनचुरी	आईक्यूएसी, तेलंगाना विश्वविद्यालय, टी.एस.	18–19 अगस्त. 2016
अंतरराष्ट्रीय शिक्षा सम्मेलन: टीचर एजुकेशन : चेलेंजेस, ऑपरच्यूनिटीज़ एण्ड स्ट्रेटजिज़	फैकेल्टी ऑफ एजुकेशन, जेएमआई, न्यू दिल्ली	7-8 , 2016
डॉ.मोहम्मद मोशाहिद		
अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन: डॉ.बी.आर .अम्बेडकर एंड बुद्धिज़्म	सामाजिक कल्याण वि भाग, एपी और एएनयू गुंटूर	24–25 फरवरी, 2017
अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन:लाइफलॉन्ग लर्निंग	मानू और एआईएईआर	25-27 मार्च, 2017
राष्ट्रीय सेमिनार: सोशल वायोलेंस एण्ड सोशल एक्सक्लूज़न श्री गुरुग्रंथ साहिब एण्ड सोशल रिफॉम	मानू और आईसीएसएसआर	27-28 मार्च, 2017
	एसआरएनटी विश्वविद्यालय, नान्देड़	29 मार्च, 2017
डॉ.शाहीन शेख		
एआईएईआर के द्वारा अयोजित आजीवन अधिगम पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन– स्टूडेंट्स अवेयरनेस एण्ड परसेपशन ऑफ मुक्स	मानू	25-27 मार्च 2017 जनवरी 28-29, 2017
डॉ.विक़ारउन्नीसा		
एआईएईआर के द्वारा अयोजित आजीवन अधिगम पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन; कंस्ट्रकटिविस्ट एपरोच ऑफ टीचिंग साइंस एण्ड इट्स इम्पेक्ट ऑन स्टूडेंड्स एचीवमेंट्स स्टडींग इन डिफरेंट टाइप्स ऑफ स्कूल, दूर शिक्षा निदेशालय, मानू, हैदराबाद, मार्च 25-27, 2017		

डॉ.समीना बासु
एआईएईआर के द्वारा अयोजित आजीवन अधिगम पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन – एडमिनसट्रेटिव बिहेवियर एण्ड लाइफलॉन्ग लर्निंग टेनडेन्सि ऑफ स्कूल एडमिनिस्ट्रेटर्स, दूर शिक्षा निदेशालय, मानू, हैदराबाद, मार्च 25-27, 2017
डॉ.शाकेरा परवीन
डेवलपिंग थिंकिंग एण्ड लर्निंग वित आईसीटी पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन: चेंजिंग एजुकेशन फॉर फ्यूचर नीड्स,उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद, 29-30 मार्च 2016
एआईएईआर के द्वारा अयोजित आजीवन अधिगम पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, दूर शिक्षा निदेशालय, मानू, हैदराबाद, मार्च, 25-27 2017
डॉ.नजमा बेगम
न्यू रिफोर्म्स इन टीचिंग एजुकेशन पर राष्ट्रीय संगोष्ठी, इशुज़ एण्ड चेलेंजेस, नूर कॉलेज ऑफ एजुकेशन, शादनगर,महबूबनगर 28-29th जनवरी 2016
डेवलपिंग थिंकिंग एण्ड लर्निंग वित आईसीटी पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन: चेंचिंग एजुकेशन फॉर फ्यूचर नीड्स, पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में प्रपत्र शीर्षक: यूज़ ऑफ आईसीटी इन टिचिंग मेथमेटिक्स एट सेकेंडरी स्कूल लेवेल, शिक्षा विभाग, उस्मानिया विश्वविद्यालय,हैदराबाद, 29-30मई 2016
एआईएईआर के द्वारा अयोजित आजीवन अधिगम : फॉम: परसेप्शन ऑफ गवरमेंट टीचर्स ऑन ऑर्गेनाइज़ेशनल क्लाइमेट इन सेकेंडरी स्कूल्स पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन अखिल भारतीय शैक्षणिक अनुसंधान और मानू, हैदराबाद, 25-27 मार्च, 2017
राष्ट्रीय सामाजिक हिंसा और सामाजिक बहिष्कार पर संगोष्ठी, प्रपत्र शीर्षक: प्रोबलम्स ऑफ सोशल एक्सक्लूज़न और इनक्लूज़ीव एजुकेशन द मार्जिनलाइज़द ग्रूप, सीएसएईईआईपी, मानू, हैदराबाद 27-28 मार्च, 2017

प्रशासन पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी, दक्षिण एसिस में मानव अधिकार और क्षेत्रीय सहयोग: वैश्वीकरण के अवसर और चुनौतियां, प्रपत्र शीर्षक" : गूड गवर्नांस प्राक्टिस फोर जेंडर एम्पावरमेंट एंड ह्युमान राइट्स यु.जी.सी-एच.आर.डी.सी,जामिया मीलिया इस्लामिया, नई दिल्ली, 19-20 अप्रेल 2017
भानू प्रताप प्रितम
"रीथिंकिंग एम्पावरमेंट : जेंडर एंड डेवलोपमेंट इन इंडिआ" पर राष्ट्रीय संगोष्ठी,मानू, हैदराबाद के साथ भारतीय विश्वविद्यालय)नई दिल्ली(के सहयोग से, हैदराबाद में, 19-20 सितंबर,2016
डॉ.वी.एस.सूमि
"एम्पावर विमेन – एन एम्पिरिकाल स्टुडेंट एवाउट द एवारनेस ओफ लॉज़ एंड राइट्स"पर राष्ट्रीय सम्मेलन, समाजशास्त्र विभाग, एम.एस.इरानी डिग्री कॉलेज ओफ आर्ट्स, साइंस एण्ड कॉमर्स, कलाबुर्गी और गुलबर्गा विश्वविद्यालय प्रा .कॉलेज टीचर्स एसोशियन, गुलबर्गा, 13 एवं 14 फरवरी, 2017.

"इंक्लुज़िव एजुकेशन फोर डाइनामिक एंड इक्यिटेबल सोसाइटिज़"परअंतरराष्ट्रीय सम्मेलन,समावेशी सोसाइटी: शामिल और समर्पण के लिए उपाय, ए.आइ.ए.ई.आर, एच.जी.एम .आज़म कॉलेज ऑफ एजुकेशन, पूने**28 एवं 29 जनवरी 2017**
मानू और ए.आइ.ए.ई.आर के सहयोग से उम्रभर शिक्षण पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन- 'टीचर एज़ ए लाइफलंग लर्नर : एन एम्पिरिकाल स्टडी,पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन संयुक्त रूप से आयोजित 25एवं 27मार्च , 2017, डी.डी.ई,मानू, हैदराबाद, मार्च 25-27, 2017

श्री सैयद अमान उबेद
उम्रभर शिक्षण: आर्टिकल आइ .ए स्तडी ओफ द इफेक्टिवनेस ओफ आइ.टी.एम ओन एचिवमेंट्स ओफ ट्राइबल स्टुडेंट्स इन एंवाइरोन्मेंटाल स्टडिज़' पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, डीडीई मानू, हैदराबाद, मार्च 25-27, 2017
डॉ.मोहम्मद अफरोज़ आलम
'डेवलोपिंग थिंकिंग एंड लर्निंग वित आइ.सी.टी : चेंजिंग एजुकेशन फोर फ्युचर नीड्स' पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, शिक्षा विभाग,उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद, 29-30 मई, 2016
'डॉ.बी.आर.अम्बेडकर एंड बुद्धिज़्म' पर अंतर्राष्ट्रीयसम्मेलन, आचार्य नागार्जुन विश्वविद्यालय, गुंटुर, 24एवं 25 फरवरी, 2017
लाइफ लॉन्ग लर्निंग पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, अखिल भारतीय एसोसिएशन शैक्षिक शोध के लिए(एआईएईआर),हैदराबाद, 25 – 27मार्च, 2017
एजुकेशन एंड ह्युमान रीसोर्स डेवलोपमेंट पर राष्ट्रीयसम्मेलन, शैक्षिक विकास परिषद,ए.एन.सिन ्हाइंस्टिट्यूट ऑफ सोशल स्टडीज, पटना 3 अप्रैल, 2016
सोसिआल वाओलेंस एंड सोसिआल एक्सक्लुज़न पर राष्ट्रीय संगोष्ठी, एसीएसएसईआईपी,मानू, हैदराबाद, 27 – 28 मार्च, 2017

सम्मेलन/संगोष्ठी/कार्यशाला उपस्थिति: राष्ट्रीयऔर अंतरराष्ट्रीय

क्र. सं.	प्राध्यापकों के नाम	विषय और स्थान	तारीख
1.	डॉ.समीना बासु	सूचना प्रोद्योगिकी पर कार्यशाला, यूजीसी, एचआरडीसी, कश्मीर विश्वविद्यालय,श्रीनगर	जून 14-20, 2016
2.	डॉ.शाकीरा परवीन	बी.एड. के लिए त्रि-दिवसीय कार्यशाला, डीएमकार्यक्रमकेंद्रसह-सयोंजक, डीडीई,मानू, हैदराबाद	3-5जनवरी
3.	डॉ.वी.एस.सूमि	ड्रेस एंड परसनालिटी पर कार्यशाला, आईएमसी,वीडियोव्याख्यानओरिएंटेशनपरदो दिवसिय कार्यशाला, सीयूएलएलसी,मानू	3-6मार्च 2017 22 फरवरी 2017

संसाधन व्यक्तियों के रूप में आमंत्रित प्राध्यापक:

प्राध्यापकों की संख्या	विषय	स्थान	तारीख
प्रो.सिद्दीकी मोहम्मद महमूद			
अध्यक्षीय सत्र, यूजीसी एण्ड टीएससीएचईपर प्रायोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन“डेवलपिंग थिकिंग एण्ड लर्निंग वित आईसीटी चेंजींग एजुकेशन फॉर फ्यूचर नीड्स.		शिक्षा विभाग, ओ.यू	29-30.05.2016
प्रस्तुति“ टीचिंग प्लान इन हायर एजुकेशन इस्लामी मुतालात फॉरम डिपार्टमेंट ऑफ इस्लामिक स्टडिज़, मानू (एक्सटेंशन लेक्चर्स)		मानू	11.08.2016
टीचिंग एड्स (एक्सटेंशन लेक्चर्स) यूजीसीनेट कॉचिंग सेंटर मानू		मानू	13.12.2016
केपेसीटी बिल्डिंग एण्ड वेलनेस एमजीटी, सी.पी.डी.यू.एम.टी. टेन डे ऑरियनटेशन प्रोग्राम फॉर स्कूल टीचर्स		मानू	14-1-2017
एक आदर्श शिक्षक की विशेषताएं, सी.पी.डी.यू.एम.टी. “द प्रेसेंट टाइम दीमाड्स एण्ड द रोल ऑफ मदरसा एजुकेशन" पर उन्मुलन प्रोग्राम		मानू	7-2-2017

अध्यक्षीय भाषण, आईसीएसएसआर की तरफ से "सोशन वाओलेंस एण्ड सोशल एक्सक्लूज़न' पर दस द्विवसीयराष्ट्रीय संगोष्ठी	ए.सी.एस.एस.ई. आई.ई .मानू	27-28.03.2017
डॉ.मोहम्मद मोशाहिद		
टीचिंग एज़ अ प्रोफेशन, केरेक्टरिस्टीक ऑफ एफेक्टीव टीचर, टीचर एज़ काउन्सेलर,	इस्लामिया वूमेंस कॉलेज, वन्यमबाड़ी, तमिलनाडु	05.05.2016
केरेक्टरिस्टीक ऑफ एफेक्टीव टीचर, टीचर एज़ काउन्सेलर,मॉटीवेटिंग द स्टूडेंट्स	द न्यू कॉलेज, चेन्नई, तमिलनाडु	01.09.2016
केरेक्टरिस्टीक ऑफ एफेक्टीव टीचर, टीचर एज़ काउन्सेलर, मॉटीवेटिंग द स्टूडेंट्स	द क्रीसेंट कॉलेज ऑफ एजुकेशन, मदुरई, तमिलनाडु	03 .09.2016
क्रिएटिंग इनक्लूज़ीव क्लासरूम्स: रॉल ऑफ टीचर्स, टीचर एज़ काउन्सेलर	सी.पी.डी.यु.एम.टी,मानू	14 .01.2017
लर्निंग डिसएबलिटिज़ ऑफ स्टूडेंट्स		08 .02.2017

डॉ.शाहीन शेख		
एक्सपिरियंसेस इन टीचिंग विंत आईसीटी	सी.पी.डी.यु.एम.टी,मानू	12/01/17
इनक्लूज़ीव एजुकेशन फॉर डायनमिक एण्ड इक्वीटेबल सोसाइटिजज़-गवरमेंट इनिश्येटिवस ऑन सोशन इनक्लूज़न ऑफ माइनॉरिटिज़. एच.जी.एम.आज़म कॉलेज ऑफ एजुकेशन, पूने		28-29.01.2017
लेक्चर एंड स्टोरी टेलिंग मेथड्स ओफ टीचिंग,सी.पी.डी.यु.एम.टी,मानू		13.02.17
डॉ .समीना बासु		
"टीचर एज़ ए कॉउनसेलस";	सी.पी.डी.यु.एम.टी,	14.02.2017
लाइफ लॉन्ग लर्निंग	मानू	25-27.03.17
डॉ.नजमा बेगम		
अपनेसीखनेवाले; शिक्षार्थियों से निपटने के लिए मानसिकता और रणनीतियों को समझना;		06-01-2017
मूल्यांकन– क्या, क्यों, कैसे,मानू		13-02-2017
भानू प्रताप प्रितम		
भारतीय उच्च शिक्षा के क्वार्टर सेंचुरी (1990-2015): नीति परिप्रेक्ष्य		01/04/2016
डॉ .मो.अफरोज़ आलम		
"टीचिंग लर्निंग फॉर ट्वंटिफस्ट सेंचुरी क्लासरूम" पर दस दिन का अभिविन्यास कार्यक्रम में "कंपीटेन्सी बेज़्ड टीचिंग" विषय पर एक व्याख्यान दिया गया है।	सीपीडीयूएमटी	07.01.2017

प्रकाशन: पुस्तकें/अनुवाद/संपादित

डॉ.मोहम्मद मोशाहिद	**शैक्षणिक प्रदर्शन के अनुमानक**	978-3-330-00222-7	क्र.सं.वी.'2016

विवाद और सदस्यताएं

क्र.सं.	**संकाय सदस्य**	**संगठन / बॉडी**	**वर्ष**	**स्थिति**
डॉ.मोहम्मद मोशाहिद				
अलगप्पा विश्वविद्यालय, कराईकुडी, तमिलनाडु			13.2.2017	पीएच.डी. मौखिक

		परीक्षा
सदस्य, एआईएईआर, भुवनेश्वर	2016	आजीवन सदस्य
सदस्य, आईएटीई, बरेली	2016	आजीवन सदस्य
डॉ .मो.अफरोज़ आलम		
इंडियन एसोसिएशन ऑफ टीचर एजुकेटर (आईएटीई)		2014
श्रृंखला *(आईएसएसएन: 2321-290X)*, मल्टी-अनुशासनात्मक अंतरराष्ट्रीय जर्नल के संपादकीय बोर्ड के सदस्य		2014-2015
पीरियोडिक रिसर्च (आईएसएसएन: 2231-0045), मल्टी-डिसिप्लिनेरी पियर रिव्यूड इंटरनेशनल जर्नल के संपादकीय बोर्ड के सदस्य		2016-2017
रिमार्किंग एन एनालिज़ेशन (आईएसएसएन:: 2394-0344),मल्टी-अनुशासनात्मक अंतरराष्ट्रीय जर्नल के संपादकीय बोर्ड के सदस्य		2016
एशियन रेसोनेन्स (आईएसएसएन:: 2349-9443), मल्टी-अनुशासनात्मक अंतरराष्ट्रीय जर्नल के संपादकीय बोर्ड के सदस्य		2016-2017

ii) शिक्षक शिक्षा कॉलेज, श्रीनगर

स्थापना वर्ष : 2006

उद्देश्य: सीटीई, श्रीनगर को उर्दू माध्यम में शिक्षक शिक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से स्थापित किया गया था। प्रारंभ में, सीटीई, श्रीनगर ने बी एड शुरू किया। कार्यक्रम, एमए एड की शुरूआत के बाद। शैक्षणिक वर्ष 2014-16 के कार्यक्रम ।

प्रधानाध्यापक: डॉ. बिलाल रफीक़ शाह, प्रभारी प्रधानाध्यापक

अकादमिक:-

1. छात्रों के लाभ के लिए, वर्तमान सत्र के दौरान विस्तार व्याख्यान आयोजित किए गए थे, जिसमें जिला बद्गाम और सिंचर के मुख्य शिक्षा अधिकारियों ने 'अभ्यास शिक्षण और इंटर्नशिप' विषयों पर व्याख्यान दिए थे।
2. माइक्रो शिक्षण कौशल पर विशेष व्याख्यान भी दिए गए।
3. टीम अध्यापन संस्थान की एक नियमित विशेषता है कि जिसमें छात्रों और शिक्षकों ने कई समस्याओं के बारे में चर्चा की है।
4. शनिवार को एक दिन बंद होने के बावजूद, हर शनिवार को अतिरिक्त कक्षाएं आयोजित की जाती हैं ताकि कमियों की भरपाई हो सके, यदि कोई हो। छात्रों की सुविधा के लिए पुस्तकालय शनिवार को भी खुला रहे।
5. चूंकि उर्दू में अध्ययन सामग्री की कमी है इसलिए, इस समस्या को दूर करने के लिए, आवश्यक अध्ययन सामग्री, जिसमें उर्दू में तकनीकी शब्दों का अनुवाद भी शामिल है, छात्रों को भी प्रदान किया गया था
6. श्रीनगर के अधिकार क्षेत्र में पुस्तकालयों, संग्रहालयों और अस्पतालों की यात्रा, छात्रों के लिए व्यवस्था की गई थी। इससे छात्रों को समाज के विभिन्न वर्गों की विभिन्न समस्याओं को समझने में मदद मिली।
7. हर साल इस संस्थान के छात्र "छोटे तारे फाउंडेशन" का दौरा करते हैं जो अलग-अलग बच्चों के लिए पुनर्वास केंद्र है। यह छात्रों को सामाजिक और मनोवैज्ञानिक मुद्दों का अध्ययन करने का अवसर प्रदान करता है। इस संबंध में एक प्रशंसापत्र इस संस्था द्वारा ऐसी एजेंसियों से प्राप्त किया गया है।

सह पाठ्यक्रम:- शिक्षा दिवस, शिक्षक दिवस और वार्षिक दिवस का उत्सव संस्थान की नियमित विशेषता है जिसमें छात्रों को प्रतिभा दिखाई देती है। यह प्रथा उन्हें भावी प्रयासों के लिए प्रशिक्षित करती है। संकाय सदस्यों के पर्यवेक्षण और मार्गदर्शन के तहत बी एड और एमएड के लिए अलग-अलग छात्र शैक्षिक पर्यटन की व्यवस्था की गई । इससे उन्हें समाज के विभिन्न वर्गों के लोगों के जीवन में एक अंतर्दृष्टि मिली।

iii) शिक्षक शिक्षा कॉलेज, भोपाल

स्थापना वर्ष: 2006

उद्देश्य: भोपाल में उर्दू माध्यम में शिक्षक शिक्षा प्रदान करना।

प्रधानाध्यापक: प्रो .वदुदुल्ला हक़ सिद्दीक़ी

1. कार्यक्रम विवरण:

क्र.सं ..	प्रस्तुत पाठ्यक्रम	पाठ्यक्रम प्रकार	:	नामकरण	प्रवेश	टिप्पणियाँ
1.	स्नातक	सीबीसीएस	:	बी.एड.	100	
2.	स्नातकोत्तर		:	एम.एड.	50	

2. संकाय उपलब्धियाँ:

1.	प्रकाशन	पुस्तकें - 2	पत्रिकाएँ– 10
2.	समितियों में सेवा		संपादक - मंडल – 01
3.	पुरस्कार		प्रॉफेशनल बॉडिज़- 7

3. शोध विवरण: शोध का रुझान क्षेत्र:

i.	चालू परियोजनाओं के साथ संकाय	3	यूजीसी-एमआईआरपी	Rs. 3,15,000

4. पाठ्यक्रम संबंधी पहलू: संकाय द्वारा अपनाई गई शिक्षण-प्रशिक्षण विधियों: कक्षा कक्ष शिक्षण, व्याख्यान और इंटरैक्टिव शिक्षण-प्रशिक्षण सत्र

5. बुनियादी सुविधाएँ:

क्र.सं	बुनियादी	सुविधाएँ					
1.	शारीरिक	कक्षा कक्ष	5	संगोष्ठी कक्ष	1	स्टाफ कक्ष	1
2.	अकादमिक	पुस्तकालय	Y	डिजिटल लाइब्रेरी	N	पठनालय कक्ष	Y
3.	आईसीटी	कम्प्यूटर लैब	Y	इंटरनेट सुविधा	Y	प्रिंटर और नेटवर्क	Y

6. छात्र विविधता एवं प्रगति

क्र.सं	पाठ्यक्रम	उसी विश्वविद्यालय के छात्र का प्रतिशत	राज्य के अंतर्गत अन्य विश्वविद्यालयों के विद्यार्थियों का प्रतिशत	राज्य के बाहर के विश्वविद्यालयों से विद्यार्थियो का प्रतिशत
01	बी.एड. 2015-17 (76 छात्र)	05(6.5%)	01(1.3%)	70(92%)
02.	एम.एड. 2015-17 (45 छात्र)	05(11%)	05(11%)	35(77.7%)

परीक्षा सफलता दर

क्र.सं..	प्रस्तुत पाठ्यक्रम	वैशिष्ट्य/ ए + ग्रेड के साथ उत्तीर्ण छात्रों का प्रतिशत	प्रथम श्रेणी / ए ग्रेड के साथ उत्तीर्ण छात्रों का प्रतिशत
01.	एम.एड.	3	38
02.	बी.एड.	10	66

iv) शिक्षक शिक्षा कॉलेज, औरंगाबाद

स्थापना वर्ष: 2014

उद्देश्य: औरंगाबाद में उर्दू माध्यम से शिक्षक शिक्षा प्रदान करने के लिए

प्रधानाध्यापक: डॉ.अब्दुल रहीम, प्रभारी प्रधानाध्यापक

1. कार्यक्रम विवरण:

क्र.सं	प्रस्तावित पाठ्यक्रम	पाठ्यक्रम प्रकार	नामकरण	प्रवेश	टिप्पणियाँ
1.	स्नातक	सीबीसीएस	बी.एड).नियमित(	50	

2. संकाय उपलब्धियाँ:

1.	**प्रकाशन**	**पुस्तकें– 02**	**पत्रिकाएँ – 06**
2.	समितियों में सेवारत	संपादकीय मंडल-05	
4.	सम्मान / सदस्यताएं	प्रोफेशनल बॉडीज़ – 04	

2. कार्यशाला /सम्मेलन/संगोष्ठी /परिसंवाद

उपस्थिति	राष्ट्रीय	अंतरराष्ट्रीय
कार्यशाला	06	…….
सम्मेलन	01	01
संगोष्ठी	02	…….

3. प्रशिक्षण / पुनश्चर्या / अभिविन्यास कार्यक्रम : उपस्थितिपुनश्चर्या पाठ्यक्रम : 3

4. अतिथि व्याख्यान / विशिष्ट व्याख्यान: वितरित 4 अतिथि व्याख्यान

- **6. पाठ्यचर्या पहलू**
- **पाठ्यचर्या डिजाइन और विकास के लिए आवश्यक, अंतर और रुझान आकलन:** पाठ्यक्रम संरचना 2015-16 से संशोधित और कार्यान्वित की गई है। एनसीटीई पाठ्यक्रम ढांचे के प्रकाश में समीक्षा करने के लिए।
- **शिक्षण - संकाय द्वारा अपनाई जाने वाली शिक्षण विधियां:-** शिक्षण केन्द्रों के लिए बच्चों पर केंद्रित दृष्टिकोण, टीम शिक्षण दृष्टिकोण, रचनात्मक दृष्टिकोण, अवधारणा मानचित्रण, सहभागिता दृष्टिकोण, समूह चर्चा, सामग्री और भाषा एकीकृत सीखने (सीएलआईएल) और सेमिनार प्रस्तुति जैसे विभिन्न दृष्टिकोणों का उपयोग किया जाता है।
- इनके अलावा, इनमें से करकर सीखना, गतिविधि आधारित शिक्षण और सीखने का उपयोग, सिखाया गया सामग्री की प्रकृति और प्रकार के आधार पर किया जाता है। आईसीटी आधारित शिक्षण-शिक्षा जैसे पीपीटी प्रस्तुतियों, मोबाइल सीखने आदि का उपयोग समय-समय पर किया जा रहा है।
- **सीखना उद्देश्य और परिणाम के आधार पर पाठ्यक्रम:** बी.एड. पाठ्यक्रम में सिद्धांत और व्यावहारिक घटक होते हैं जिसमें सिद्धांत के साथ शिक्षण, अभ्यास पाठ और इंटर्नशिप कार्यक्रम के कौशल शामिल होते हैं; और ये सभी सीखने के उद्देश्य और इच्छित परिणामों पर आधारित हैं।

4. बुनियादी सुविधाएँ:

क्र.सं..	बुनियादी			सुविधाएं			
1.	शारीरिक	कक्षा के कमरे	√	सेमिनार हॉल	√	स्टाफ रूम	√
2.	अकादमिक	पुस्तकालय	√	डिजिटल लाइब्रेरी	x	वचनालय	√
3.	आईसीटी	कंप्यूटर लैब	√	इंटरनेट सुविधा	√	प्रिंटर और नेटवर्क	√
4.	कौशल	प्रयोगशाला	√	कार्यशाला	x	इंस्ट्रूमेंटेशन लैब	X
5.	खेल	घरेलू खेल	√			बाहरी खेल	√

5. छात्र विविधता और प्रगति:

पाठ्यक्रम	**प्रतिशत उसी विश्वविद्यालय के छात्र**	**राज्य के भीतर अन्य विश्वविद्यालयों के विद्यार्थियो काप्रतिशत**	**राज्य के बाहर के विश्वविद्यालयों से विद्यार्थियो काप्रतिशत**
बी.एड.(नियमित)	9.84	1.64	88.52

6. परीक्षा सफलता दर:

पाठ्यक्रम	**वैशिष्ट्य / ए + ग्रेड के साथ उत्तीर्ण विद्यार्थियों का प्रतिशत**	**द्वितीय श्रेणी / बी + और बी ग्रेड के साथ उत्तीर्ण विद्यार्थियो का प्रतिशत**
बी.एड.(नियमित)	36.07	63.93

7. विभाग के वैधानिक अधिकारी : डीआरसी

8. सर्वोत्तम प्रणालियाँ :

- भिन्न सोच शैली का विकास, बुद्धिशीलता सत्र सत्र, टीम शिक्षण दृष्टिकोण
- बी.एड. के लिए उर्दू में तैयार स्वयं अधिगम सामग्री (एसएलएम)।

9.भविष्य की योजनाएं:

- अपने पाठ्यक्रम से संबंधित छात्र द्वारा बी.एड. के लिए ऑडियो-वीडियो क्लिप विकसित करना।
- कैरियर नियोजन और मार्गदर्शन में विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने और शिक्षण कार्यों को तलाशने के लिए एक प्रणाली / तंत्र विकसित करना
- एम.एड. पाठ्यक्रम और पीएच.डी. (शिक्षा) पाठ्यक्रम के लिए प्रस्ताव
- संकाय स्तर पर एम.एड. पाठ्यक्रम के लिए एसएलएम और शोध परियोजनाएं की तैयारी
- कॉलेज कर्मचारी बैठक की संख्या - 08

शैक्षणिक, खेल और अतिरिक्त पाठ्यक्रम घटनाक्रम / गतिविधियां:

बी.एड. (आर) 2015-17 भी-सेमेस्टर परीक्षा मई-2016

बी.एड. (आर) 2015-17 भी-सेमेस्टर परीक्षा मई-2016

बी.एड. (आर) परिचयात्मक सह ओरिएंटेशन प्रोग्राम

बी.एड. (आर) परिचयात्मक सह ओरिएंटेशन प्रोग्राम

बी.एड. (आर) मुंबई मार्च 2017 में जहांगीर आर्ट गैलरी में शैक्षिक भ्रमण

बी.एड.(आर) मुंबई मार्च 2017 के लिए शैक्षिक दौरे (भारत के गेटवे पर)

v) शिक्षक शिक्षा कॉलेज, आसनसोल

स्थापना वर्ष: 2014

उद्देश्य : पश्चिम बंगाल में उर्दू माध्यमिक और उच्च शिक्षा विद्यालय के शिक्षकों की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए ।

प्रधानाध्यापक का नाम: प्रो. नौशाद हुसैन

शिक्षक शिक्षा कॉलेज, आसनसोल मानु (पश्चिम बंगाल) मौलाना आजाद नेशनल उर्दू यूनिवर्सिटी, हैदराबाद का एक घटक कॉलेज है। कॉलेज विशेष रूप से पश्चिम बंगाल में उर्दू माध्यमिक और उच्च माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों की लगातार बढ़ती जरूरतों और पूरी तरह से राष्ट्र की जरूरतों को पूरा करने के लिए स्थापित किया गया है। महाविद्यालय में कक्षा के कमरों की आवश्यक क्र.सं., अच्छी तरह सुसज्जित बहुउद्देशीय हॉल और अच्छी तरह से सुसज्जित विज्ञान और गणित संसाधन केंद्र, मनोविज्ञान प्रयोगशाला, आईसीटी संसाधन केंद्र, कला और क्राफ्ट संसाधन केंद्र और स्वास्थ्य और शारीरिक शिक्षा गतिविधियों आदि के लिए एक विशाल इमारत है। लाइब्रेरी को 3500 पुस्तकें और 1 9 पत्रिकाओं के साथ अच्छी तरह से सुसज्जित किया गया है।

vi) शिक्षक शिक्षा कॉलेज, संभल

स्थापना वर्ष: 2014

उद्देश्य: अध्यापक शिक्षा पाठ्यक्रम के माध्यम से अपर्रेक तक पहुंचने के मिशन का एहसास

प्रधानाध्यापक का नाम: डॉ. सदाक़त अली खान, प्रभारी प्रधानाध्यापक

मांग, स्थानीय समुदाय की मांग और उपस्थिति के संदर्भ में, मानवू ने संभल (यू.पी.) में एक शिक्षक शिक्षा संस्थान का गठन किया गया है। विश्वविद्यालय ने परिसर की दीवार बनाने और इमारत और प्रयोगशाला से लैस करने के लिए 2 करोड़ खर्च किए हैं। विश्वविद्यालय की यह पहल यह है कि न केवल उर्दू बोलने वाले आबादी को स्थानीय स्तर पर उपलब्ध कराया जाए, बल्कि यह भी विश्वविद्यालय को अपने उद्देश्य तक पहुंचने के मिशन को हासिल करने में सक्षम बनाता है।

vii) शिक्षक शिक्षा कॉलेज बीदर

स्थापना वर्ष : **2015**

उद्देश्य: उर्दू माध्यमिक विद्यालय के शिक्षक की आवश्यकता को पूरा करने के लिए

प्रधानाध्यापक का नाम : **डॉ .मोहम्मद साहील खान**, प्रभारी प्रधानाध्यापक

कॉलेज ऑफ टीचर एजुकेशन, बीदर, कर्नाटक राज्य मौलाना आजाद नेशनल उर्दू यूनिवर्सिटी, हैदराबाद के एक घटक कॉलेज है। कर्नाटक राज्य में उर्दू माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों की आवश्यकता को पूरा करने के लिए टीचर एजुकेशन कॉलेज की स्थापना की गई है क्योंकि उर्दू माध्यम प्रशिक्षित शिक्षकों की काफी मांग है।

viii) शिक्षक शिक्षा कॉलेज , नूह

स्थापना वर्ष: 2015

उद्देश्य : नूह क्षेत्र में उर्दू माध्यम में शिक्षक शिक्षा प्रदान करने के लिए

प्रधानाध्यापक का नाम: प्रो. एडम पॉल पट्टेती

1. पाठ्यक्रम विवरण:

क्र.	प्रस्तुत पाठ्यक्रम	पाठ्यक्रम प्रकार	:	नामकरण	प्रवेश	टिप्पणियां
1.	स्नातक	सी.बी.सी.एस	:	बी.एड. (नियमित)	50	

2. प्राध्यापको की उपलब्धियाँ:

1.	प्रकाशन	पुस्तकें- 04	पत्रिकाएँ- 11	अधिकृत रपट- 04
2.	समितियों में सेवा	राष्ट्रीय – 01		संपादक-मंडल – 02
3.	पुरस्कार	क्षेत्रीय – 01		

3. शोध विवरण: शोध का रुझान क्षेत्र:

विभागीय परियोजनाएँ	:	01	**अन्य (आर एण्ड डी)**-1,05,000/-

4. कार्यशालाएं / सम्मेलन / संगोष्ठी / परिसंवाद

श्रेणी	**आयोजित**		**उपस्थिति/उपस्थिति**	
	राष्ट्रीय	अंतर्राष्ट्रीय	राष्ट्रीय	अंतर्राष्ट्रीय
कार्यशालाएं	शून्य	शून्य	03	शून्य
संगोष्ठी	शून्य	शून्य	16	05

5. बुनियादी सुविधाएँ:

सं.	**बुनियादी**		**सुविधाएँ**				
1.	शारीरिक	कक्षा कक्ष	3	संगोष्ठी कक्ष	01	कर्मचारी कक्ष	2
2.	शैक्षणिक	पुस्तकालय	1	वचनालय			1
3.	आई.सी.टी	कम्प्यूटर लैब	1	प्रिंटर और नेटवर्क			1
4.	कौशल विकास		प्रयोगशाला	1			
5.	खेल	घरेलू खेल	हाँ	बाहरी खेल			हाँ

6. छात्र विविधता और प्रगति :

क्र.सं..	**प्रस्तुत पाठ्यक्रम**	**उसी विश्वविद्यालय के छात्र का प्रतिशत**	**राज्य के अंतर्गत अन्य विश्वविद्यालयों के विद्यार्थियों का प्रतिशत**	**राज्य के बाहर के विश्वविद्यालयों से विद्यार्थियो का प्रतिशत**
1.	बी.एड.	4%	4%	92%

7. परीक्षा सफलता दर:

क्र.सं.	प्रस्तुत पाठ्यक्रम	प्रथम श्रेणी / ए ग्रेड के साथ उत्तीर्ण विद्यार्थियों का **प्रतिशत**
1.	बी.एड.	100

ix) शिक्षक शिक्षा कॉलेज, दरभंगा

स्थापित वर्ष : 2006
उद्देश्य : शिक्षक को शिक्षा प्रदान करने के लिए
प्रधानाध्यापक का नाम : डॉ. मो. फैज़ अहमद, प्रभारी प्रधानाध्यापक

1. पाठ्यक्रम विवरण:

सं.	प्रस्तुत पाठ्यक्रम	पाठ्यक्रम प्रकार	:	नामकरण	प्रवेश	टिप्पणियाँ
1.	स्नातक	सी.बी.सी.एस	:	बी.एड.	100	
2.	एम.एड.		:		50	

2. संकाय उपलब्धियाँ :

1.	प्रकाशन	पुस्तकें – 03	पत्रिकाएँ – 05
3.	पुरस्कार	राष्ट्रीय – 02	
4.	सम्मान / सदस्यताएँ	राष्ट्रीय – 03	

3. कार्यशालाएं / सम्मेलन / संगोष्ठी / परिसंवाद

श्रेणी	राष्ट्रीय स्तर पर उपस्थिति
कार्यशालाएं	01
सम्मेलन	02
संगोष्ठी	13

4. प्रशिक्षण / पुनश्चर्या / अभिविन्यास पाठ्यक्रम

श्रेणी	आयोजित		उपस्थिति	
	राष्ट्रीय	अंतरराष्ट्रीय	राष्ट्रीय	अंतरराष्ट्रीय
प्रशिक्षण	-	-	03	-
अभिविन्यास पाठ्यक्रम	01	-	01	-

5. अतिथि व्याख्यान / विशिष्ट व्याख्यान

श्रेणी	आयोजित		प्रसूत	
	राष्ट्रीय	अंतरराष्ट्रीय	राष्ट्रीय	अंतरराष्ट्रीय
अतिथि व्याख्यान	02		02	

5. पूर्व छात्रों की सूची

क्र.सं.	पूर्व छात्रों के नाम	वर्ष
01	श्री.मो.साजिद	2015-17
02	श्री.साजिद रज़ा	2015-17
03	कुमारी आसराना परवीन	2015-17

6. पाठ्यक्रम रूप :

☞ पाठ्यक्रम डिजाइन और विकास के लिए आवश्यकता, अंतर और रुझान आकलन।
☞ आवश्यकता- वहां बिहार में बहुत सी सरकारी शिक्षक शिक्षा संस्थान हैं। विशेष रूप से प्राथमिक शिक्षा में डिप्लोमा की अत्यंत आवश्यकता है।
☞ गैप- उर्दू माध्यम में सामग्री शायद ही उपलब्ध है

- रुझान- एक वर्ष की अवधि के पाठ्यक्रम के बाद सीटीई ने दो साल बी.एड और एम.एड .को अपनाया है। यह नवीनतम मांग और आवश्यकताओं को अपडेट कर रहा है।
- अध्यापन - संकाय द्वारा अपनाई जाने वाली शिक्षण विधियां है।
- अधिकांश अध्यापक शिक्षण अध्यापक विधि में रचनात्मक दृष्टिकोण को अपनाते हैं।
- सीखना उद्देश्य और परिणाम के आधारभूत पाठ्यक्रम - दोनों कार्यक्रमों का पाठ्यक्रम अच्छी तरह से परिभाषित उद्देश्य और पाठ्यक्रम इसे पुष्टि करता है।
- विद्वानों की गतिविधियों से परे दत्तक

क्र.सं..	**पाठ्यक्रम**	**पाठ्यक्रम**	**संशोधन का वर्ष**	**कार्यान्वयन का वर्ष**
1.	**स्नातक**	बी.एड.	2014	2015
2.	**स्नातकोत्तर**	एम.एड.	2014	2015

8. बुनियादी सुविधाएँ:

क्र.सं..	बुनियादी	**सुविधाएँ**					
1.	शारीरिक	कक्षा	06	संगोष्ठी कक्ष	01	स्टाफ कक्ष	04
2.	अकादमिक	पुस्तकालय	01	डिजिटल पुस्तकालय	शून्य	वाचनालय	01
3.	आईसीटी	कम्प्यूटर लैब	01	इंटरनेट सुविधा	01	प्रिंटर और नेटवर्क	हाँ
4.	कौशल विकास	प्रयोगशाला	01	कार्यशाला	01	उपकरण प्रयोगशाला	01
5.	खेल	इंडोर खेल		01	आउटडोर खेल		नहीं

9. विद्यार्थी विवधता और प्रगति

क्र.सं	**पाठ्यक्रम**	**उसी विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों का प्रतिशत**	**राज्य के अन्य विश्वविद्यालयों से विद्यार्थियों का प्रतिशत**	**राज्य के बाहर के विद्यार्थियों का प्रतिशत**
01	बी.एड.. 2016-18	04 (05प्रतिशत)	70 (90प्रतिशत)	04 (05प्रतिशत)
02	एम.एड.2016-18	14 (37प्रतिशत)	22 (58प्रतिशत)	02 (5प्रतिशत)

10. नियुक्ति विवरण

परिसर नियुक्ति	**बाह्य परिसर नियुक्ति**	**औसत वेतन**	**सर्वोच्च वेतन**	**नियुक्ताओं का परिसर में आगमन**
15	90प्रतिशत	18000/-	35000/-	03

11. परीक्षा सफलता दर

क्र.सं..	पाठ्यक्रम	श्रेष्ठता से उत्तीर्ण विद्यार्थियों का प्रतिशत ए+ ग्रेड	प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण विद्यार्थियों का प्रतिशत ए ग्रेड	द्वितीय श्रेणी से उत्तीर्ण विद्यार्थियों का प्रतिशत/बी +और बी ग्रेड
01	बी.एड..	8 प्रतिशत	91 प्रतिशत	1 प्रतिशत
02	एम.एड.	--	66 प्रतिशत	34 प्रतिशत

12. प्रतियोगी परीक्षाओं की सफलता दर

उत्तीर्ण विद्यार्थी - राष्ट्रीय / राज्य / विश्वविद्यालय स्तरीय परीक्षा							
उर्ध्वाधर स्तर(उच्च शिक्षा)				समतल स्तर(नियुक्ति)			
नेट	गेट	सेट	यूसेट	सीविल	डिफेंस	बैंक	अन्य
05	--	--	--	--	01	--	--

13. सर्वोत्तम कार्य: आयोजित क्षेत्र में विशेष विशेषज्ञों द्वारा विभिन्न विस्तार व्याख्यान। पूरे सत्र के अलावा रचनात्मकवादी, कक्षा में संकाय सदस्यों और वर्ग के बाहर की तरफ से ऐपिस्टोमोलॉजिकल दृष्टिकोण के माध्यम से सक्रिय है।

14. भविष्य योजनाएँ: सीटीई, दरभंगा ने हाल ही में राष्ट्रीय ज्ञान नेटवर्क (एनकेएन) से लैस किया गया है। शिक्षा के क्षेत्र में काम कर रहे राष्ट्रीय और अंतर राष्ट्रीय संस्थानों के साथ तालमेल स्थापित करने की दृष्टि है। छात्रावास की सुविधा प्रदान करने के लिए (लड़कों और लड़कियों के लिए अलग) यह गुणवत्ता नियंत्रण और गुणवत्ता आश्वासन के लिए प्रयास कर रहा है।

15. नए कार्यक्रम / शैक्षणिक सुधारों का परिचय: दो साल बी.एड .. और एम.एड. यूजीसी विनियम 2014 के अंतर्गत पेश किए गए कार्यक्रम

x) मानू मॉडल स्कूल, हैदराबाद

रूपरेखा: मॉडल स्कूल की स्थापना 2007 में शिक्षा के उर्दू के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण स्कूल शिक्षा प्रदान करने के लिए की गई थी। जैसा कि हम अपनी गतिविधियों के वार्षिक अद्यतनों को साझा करते हैं, हम विनम्रता से कहते हैं कि हमने जो कुछ योजना बनाई थी, उससे अधिक किया और हम अपने छात्रों और शिक्षकों पर गर्व महसूस करते हैं जो उम्मीदों से परे प्राप्त करने के लिए कड़ी मेहनत करते हैं। हमेशा की तरह, हमारा ध्यान विद्यार्थियों के समग्र विकास पर केंद्रित था।

प्रधानाचार्य: डॉ.कफील अहमद

_जैसा कि हम इस अकादमिक वर्ष के अंत और 2007 में अपनी स्थापना के बाद से गुणवत्ता की शिक्षा प्रदान करने के लिए सेवा के 10 वें वर्ष के बारे में सोचते हैं। जैसा कि हम अपनी गतिविधियों के वार्षिक अद्यतनों को साझा करते हैं, हम विनम्रता से कहते हैं कि हमने जो कुछ योजना बनाई थी और हम अपेक्षाओं से परे प्राप्त करने के लिए कड़ी मेहनत करने वाले हमारे छात्रों और शिक्षकों पर गर्व है। हमेशा की तरह, हमारा ध्यान विद्यार्थियों के समग्र विकास पर केंद्रित था।

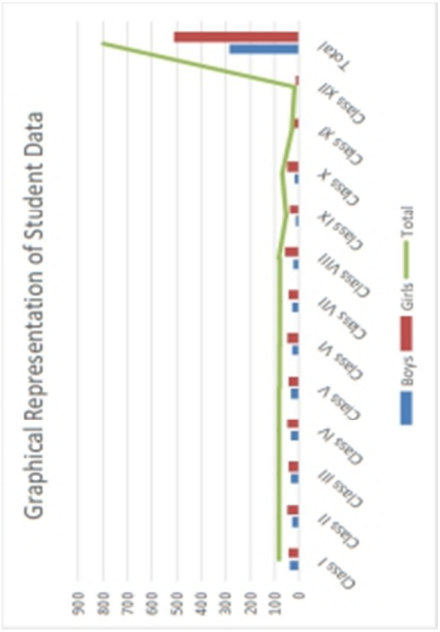

कक्षावार क्षमता सत्र 2016-17

कक्षा	बालक	बालिका	कुल
कक्षा I	37	43	80
कक्षा II	30	50	80
कक्षा III	34	46	80
कक्षा IV	33	47	80
कक्षा V	33	45	78
कक्षा VI	28	49	77
कक्षा VII	31	46	77
कक्षा VIII	23	58	81
कक्षा IX	14	37	51
कक्षा X	19	48	67
कक्षा XI	01	27	28
कक्षा XII	02	15	17
कुल	**285**	**511**	**796**

परिणाम: मई 2016 के महीने में उन्होंने दसवीं कक्षा के परिणाम घोषित किए और यह 100 प्रतिशत कक्षाएं 12 वीं के परिणाम मई 2016 में घोषित किया गया और यह 90 प्रतिशत था।

हमारे विद्यालय से उत्तीर्ण विद्यार्थी डी.एड., कला और विज्ञान में स्नातक और विविध क्षेत्रों में व्यावसायिक कोर्स कर रहे हैं ।

अभिभावक शिक्षक बैठक : नियमित अभिभावक शिक्षक बैठक 04.07.2016, 07.10.2016, 20.12.2016 और 31.03.2017 को आयोजित की गयी, जिसमें विद्यार्थियों की प्रगति परिचर्चा उनके अभिभावकों के साथ की गयी और और हमारे क्रियाकलापों के बारे में प्रतिक्रिया ली गयी.

सी.बी.एस.सी. पंजीकरण:सी.बी.एस.सी. द्वारा अकादमिक वर्ष 2016-17 के दौरान कक्षा 9 एवं 11का पंजीकरण.

छात्रवृत्ति: मानू मॉडल स्कूल हैदराबाद के विद्यार्थी 1. मौलाना आज़ाद एजुकेशनल फाउंडेशन; 2. बाबू खान ट्रस्ट एवं 3. केंद्र की प्रीमैट्रिक एवं पोस्ट मैट्रिक और उसी प्रकार राज्य सरकार से छात्रवृत्ति पाने हेतु सूचीबद्ध हैं।

क्राफ्ट रिपोर्ट: क्राफ्ट मानू मॉडल स्कूल में एक विषय के रूप में है.विद्यार्थियों को कढ़ाई कार्य, दर्पण कार्य, एप्लिक कार्य और विभिन्न प्रकार के गले का हार, वस्त्र सिलाई, टेडी बियर, कई प्रकार के फूलों से फूलदान बनाना, कला डिज़ाइन मिट्टी के बर्तन बनाना, चित्रकारी, मॉडल और पोस्टर बनाना स्कूल में सिखाया जाता है.इसके अलावा परंपरागत कार्यों में जैसे वाल हैंगिंग, और घरेलू सजावट.के कार्य भी सिखाए जाते हैं।

शारीरिक और स्वास्थ्य शिक्षा रिपोर्ट.

शारीरिक शिक्षा की कक्षाएं नियमित रूप से टी.जी.टी. शारीरिक शिक्षा द्वारा निर्धारित समय पर चलायी जाती हैं.मानू मॉडल स्कूल के प्रत्येक विद्यार्थी की क्रियाओं का नियमित रूप से निरिक्षण प्रतियोगी और समूह के भाव को विकसित करने के लिएकिया जाता है । इसलिए विद्यार्थियों को चार समूह में बांटा गया जो कि इस प्रकार है- मौलाना आजाद समूह, टीपू सुल्तान समूह, जाकिर हुसैन समूह, ए.पी.जे. अब्दुल कलाम समूह. जिनका निरीक्षण शारीरिक शिक्षा (टीजीटी)श्री मुख़्तार अहमद द्वारा किया गया तथा इनकी प्रतियोगिता मानू मॉडल स्कूल के परिसर में संपन्न हुई।समूह कार्यक्रम जैसे (मैदानी) वॉली बाल, थ्रो बॉल, खो-खो टेनिस, बास्केट बॉल और इंडोर कार्यक्रम जैसे बैडमिंटन, शतरंज, टेबल टेनिस और कैरम का आयोजन लड़के एवं लड़कियों के लिए अलग-अलग किया गया है।

इसके अतिरिक्त हमारे छात्र म्यूजिक पर एक सुन्दर पिरामिड कार्यक्रम किये और छात्राओं ने गणतंत्र दिवस के अवसर पर साड़ी ड्रिल पर नृत्य किया है हमारे विद्यार्थियों ने स्थानीय प्रतियोगिताएं में भी भाग लिया है ।हमने प्राथमिक विद्यार्थियों के लिए विभिन्न क्रिया-कलापों जैसे मनोरंजनात्मक खेल, बाल क्रीड़ा, मास ड्रिल का आयोजन किया गया है।

खेल: मानू मॉडल स्कूल हैदराबाद ने अंतर्विद्यालय खो-खो, कबड्डी और बेस बॉल प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन किया।
तेलंगाना खेल संघ और भारतीय स्कूल खेल संघ ने दो अलग-अलग स्तर पर अंडर-16 और अंडर17 छात्र और छात्राओं के लिए ज़ोन स्तर पर खो-खो, कबड्डी और बेस बॉल में अंतर्विद्यालय प्रतियोगिता का आयोजन किया है। ये प्रतियोगिताएँ 22 और 24 अगस्त 2016 खो-खो और कबड्डी के लिए तथा 04 और 06 सितम्बर 2016 को बसे बॉल के लिए आयोजित हुई, जिसमें मानू मॉडल स्कूल हैदराबाद के छात्र और छात्राओं ने न केवल भाग लिया बल्कि दोनों स्तर पर प्रतियोगिता में जीत दर्ज की. इस जीत ने मानू मॉडल स्कूल हैदराबाद के ताज में नगीना जोड़ दिया.

विजयी समूह का विवरण

समूह	खेल	स्थान
अंडर-14 छात्र	कबड्डी	प्रथम
अंडर-17 छात्र	कबड्डी	द्वितीय
अंडर-14 छात्राओं	खो-खो	प्रथम
अंडर-17 छात्राओं	खो-खो	द्वितीय
अंडर-17 छात्र	बेस बॉल1	द्वितीय
अंडर-14 छात्राओं	बेस बॉल1	द्वितीय
अंडर-17 छात्राओं	बेस बॉल1	तृतीय

मौलाना आज़ाद दिवस 2016 कार्यक्रम का उद्घाटन समारोह: माननीय कुलपति डॉ. असलम परवेज़ ने आज़ाद दिवस समारोह- 2016 का उद्घाटन किया मानु मॉडल स्कूल हैदराबाद के विद्यार्थियों द्वारा रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया है जो बहुत ज्यादा प्रोत्साहित किया गया. 8 नवम्बर को हैदराबाद के लगभग 23 विद्यालयों ने अंतर्विद्यालय प्रतियोगिता जैसे– मोनो एक्ट, सोलो सिंगिंग, ग्रुप सिंगिंग, क्विज़, निबन्ध लेखन आदि मौलाना आज़ाद दिवस से संबंधित कार्यक्रम में भाग लिया है।

को- करीकुलर गतिविधियाँ (सी.सी.ए): रचनात्मकता एक ऐसी योग्यता है, जो कला के कार्य को उभारती है। नए प्रकार से समस्या निस्तारण हमारे अंदर विचारों और नए दृष्टिकोण को विकसित करता है।विद्यार्थियों के चौमुखी व्यक्तित्व निर्माण को बढ़ावा देना और विद्यार्थियों में छिपी प्रतिभा को भी बाहर लाना, विभिन्न को-करीकुलर क्रियाएं अकादमिक वर्ष 2016-17 में आयोजित की गयीं।

मॉडल स्कूल हैदराबाद में गणमान्य व्यक्तियों का दौरा

- अनीस आज़मी मुख्य सलाहकार सी.यू.एल.एल.सी., मानू और श्री ज़िया मलिक विशेष ड्यूटी पर तैनात अधिकारी इंजीनियरिंग अनुभाग ने दिनांक 28.05.2016 मानू मॉडल स्कूल हैदराबाद का दौरा किया.उन्होंने स्कूल परिसर की बनावट और रखरखाव को देखा और प्रोत्साहित किया. उन्होंने तकनीकी सहायता के लिए आश्वासन दिया।
- प्रो.वहाब कैसर और असि. प्रो. मो. मुस्तफा अली सरवरी ने 7 मई 2016 को मानू मॉडल स्कूल हैदराबाद का दौरा किया.यह पहला अवसर था जब उन्होंने इस स्कूल का दौरा किया और इस बात को महसूस किया कि स्कूल परिसर के आस पास के लोगों और अभिभावकों को इस स्कूल से बहुत ज़्यादा आशाएं हैं, उन्होंने इस बात की प्रशंसा की किइस स्कूल के प्राध्यापक अपने हर संभव प्रयास से उनकी आशाओं को पूरा करने की कोशिश कर रहे हैं।उन्होंने मानू मॉडल स्कूल हैदराबाद के भित्ति पत्रिका का उद्घाटन भी किया।

- 1 फरवरी 2017 को माननीय कुलपति डॉ. असलम परवेज़ ने मानू मॉडल स्कूल का दौरा किया. बालिका **दिवस :** 23.12.2016 को बालिका दिवस मनाया गया और मुख्या अतिथि प्रो. अशरफ राफी, सेवानिवृत्त प्रोफेसर ओस्मानिया यूनिवर्सिटी द्वारा पुरस्कार वितरण किया गया।
- 03.08.2016 को श्री मो. साजिद संपादक एजुबेंच पत्रिका और इकरा ग्रुप ऑफ़ इंस्टिट्यूशन के चेयरमैन ने मानू मॉडल स्कूल का दौरा किया.उन्होंने अध्यापकों को संबोधित करते हुए 'कैसे पी.टी.एम का आयोजन और अभिभावकों की भागीदारी' शीर्षक पर प्रकाश डाला।

विज्ञान एवं क्राफ्ट प्रदर्शनी :-4 नवम्बर2016 को मानू मॉडल स्कूल में सामाजिक विज्ञान, कला एवं क्राफ्ट प्रदर्शनी काआयोजन का आयोजन किया गया है। माननीय कुलपति ने इस कार्यक्रम का उद्घाटन किया और विद्यार्थियों ने इस प्रदर्शनी में भाग लिया।

स्वतंत्रता दिवस समारोह 15 अगस्त 2016 को **मानू** मॉडल स्कूल में स्वतंत्रता दिवस समारोह मनाया गया। मानू मॉडल स्कूल के प्रिंसिपल ने झंडारोहण किया और स्कूल के अध्यापकों और विद्यार्थियों को संबोधित किया।

शिक्षक दिवस समारोह-5 सितंबर 2016 को मानू मॉडल स्कूल, हैदराबाद में शिक्षक दिवस मनाया गया.

हिंदी दिवस:- 14 सितम्बर-2016 को मानू मॉडल स्कूल में हिंदी दिवस मनाया गया है।

बाल दिवस और आज़ाद दिवस समारोह:- 11 नवम्बर 2016 को मानू मॉडल स्कूल में बाल दिवस और आज़ाद दिवस समारोह मनाया गया है।

आज़ाद दिवस सप्ताह समारोह –सांस्कृतिक कार्यक्रम:-4-8नवम्बर 2016 को विश्वविद्यालय परिसर गच्चीबावली में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया है।

पुस्तकालय सप्ताह:- यस्मिन बानो के निरिक्षण में 14-21 नवम्बर 2016 को मानू मॉडल स्कूल में पुस्तकालय सप्ताह समारोह मनाया गया है।

गर्ल चाइलड डे:-23.12.2016 को **मानू.मॉडल स्कूल** हैदराबाद में बालिका दिवस मनाया गया अशरफ रफ़ी रिटायर्ड प्रो. उस्मानिया यूनिवर्सिटी,मुख्य अतिथि रहे. राष्ट्रीय जूडो कराटे चैंपियन फलक नाज़ और अमीना तहसीन द्वारा छात्राओं में पुरस्कार वितरण किया गया. अशरफ रफ़ी रिटायर्ड प्रो. उस्मानिया यूनिवर्सिटी ने अध्यापकों और विद्यार्थियों को संबोधित किया।

गणित दिवस:-21 दिसंबर 2016 को गणित विभाग मानू द्वारा गणित दिवस मनाया गया. इस अवसर पर विभिन्न

स्तर की प्रतियोगिताएँ आयोजित की गई।

गणतंत्र दिवस समारोह: - 26 जनवरी 2016 को मानू मॉडल स्कूल में गणतन्त्र दिवस मनाया गया। मानू मॉडल स्कूल के प्रधानाचार्य ने झंडारोहण किया और स्कूल के स्टाफ और विद्यार्थियों को संबोधित किया।

खेल दिवस:- 5 फरवरी2016 को वार्षिक खेल दिवस मनाया गया. विद्यार्थियों में विभिन्न प्रकार की खेल प्रतियोगियाएं आयोजित की गई. इस कार्यकर्म के मुख्य अतिथि प्रो. मो. महमूद सिद्दीकी (विभागध्यक्ष, एजुकेशन एंड ट्रेनिंग), और प्रभारी परीक्षा नियंत्रक द्वारा विजेताओं को प्रमाण पात्र और ट्राफी प्रदान की गई।

वृक्षारोपण कार्यक्रम :- 15.07.2016 को मानू मॉडल स्कूल में शिक्षकों द्वारा वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया. इसका उदघाटन मानू मॉडल स्कूल के प्रधानाचार्य ने किया।

अंतरराष्ट्रीय योगा दिवस:- 21 जून 2016 को मानू मॉडल स्कूल हैदराबाद में अंतरराष्ट्रीय योगा दिवस मनाया गया।

प्रतियोगिताएं:- हमने अपने विद्यार्थियों को विभिन्न वाह्य और अन्त: स्तर की प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए प्रोत्साहित किया।: **सीरत क्विज़**:- दिसंबर 2015 में सीरत क्विज़ का आयोजन अब्दुल फ़िदा एजुकेशन, हैदराबाद द्वारा मानू मॉडल स्कूल हैदराबाद में आयोजित किया गया।सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र और विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किया गया.कक्षा 7 से 10 के विद्यार्थियों के लिए अंतर्विद्यालय खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. जिसमे बेस बॉल, बास्केट बॉल और खो-खो खेल शामिल थे।

भित्ति पत्रिका:-प्रति माह उर्दू में 5 पत्रिकाएँ प्रकाशित की जाती हैं। जिनके नाम ये हैं- बचपन, उड़ान, इन्केशाफ, नौखेज़ और ज़रखेज़ तथा अंग्रेज़ी में द राइजिंग सन, विजडम, द प्राइड, द रे ऑफ़ होप एवं द हेराल्ड और हिंदी में दर्पण, उड़ान, शिखर और विज्ञान में इंडिया की खोज, साइंसी दुनिया, वाखिफे असरार, द तहकीक और सय्यारा एवं खेल पत्रिकाओं में खेल की दुनिया.ये पत्रिकाएँ श्री. मो. नाहीद हसन पी.जी.टी. उर्दू की निगरानी में कक्षा 8 से 10 के विद्यार्थियों द्वारा तैयार की जाती हैं।

स्टाफ:- स्टाफ की गतिविधियाँ एवं उपलब्धियां

1) सितम्बर 2016 के दौरान श्री हसन बिन अली पी जी टी मैथमेटिक्स को सीबीएसई द्वारा गणित में ओरिएंटेशन प्रोग्राम के लिए आमंत्रित किया गय है ।
2) फरवरी माह 2017 के दौरान मैमूना बेगम पीजीटी बायोलॉजीको सीबीएसई द्वारा जीव विज्ञान में ओरिएंटेशन प्रोग्राम के लिए आमंत्रित किया गया है।

बोर्ड परीक्षा की तैयारी हेतु व्याख्यान:-फरवरी माह में मानू मॉडल स्कूल में एसआई.ओ द्वारा एक व्याख्यान 'बोर्ड परीक्षा की तयारी कैसे करें' शीर्षक पर आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में कक्षा 9 एवं 10 के विद्यार्थी उपस्थित रहे है।

मासिक स्टाफ मीटिंग:- प्रत्येक माह की आखिरी कार्य दिवस को शिक्षकों की मीटिंग आयोजित की जाती है और विद्यार्थियों के प्रदर्शन पर चर्चा की जाती है।

परीक्षाएं:- सतत एवं सघन मूल्यांकन के अंतर्गत सभी रचनात्मक एवं योगात्मक मूल्यांकन का आयोजन वार्षिक योजना के निर्धारण के अंतर्गत किया गया।

शैक्षणिक ट्रिप:-1.अगस्त माह 2016 में 1857 स्वतंत्रता संग्राम प्रदर्शनी में कक्षा 9 से 11 के विद्यार्थियों को मानू परिसर में ले जाया गया।

2. सभी कक्षा के विद्यार्थियों को गोलकोंडा किला ले जाया गया।

xi) मानू मॉडल स्कूल, दरभंगा

स्थापना वर्ष : 2007

सीबीएसई नई दिल्ली, से सम्बद्ध केएम्एम्एस,दरभंगाकी स्थापना 2007 में इंटेक 320 विद्यार्थियों के साथ हुई।

मानव संसाधन और भौतिक संसाधन: मानव संसाधन:शिक्षण और गैर-शिक्षण कर्मचारियों के संदर्भ में मानव संसाधन नियमित आधार पर 21 अध्यापकों के साथ प्रिंसिपल शामिल हैंसात स्थाई अध्यापक, (10 पीजीटी, 8 टीजीटी,6 पीआरटी,01 एचएम आर्ट और क्राफ्ट 01 पीईटी), और 9 अध्यापक संविदात्मक आधार पर.(03 पीजीटी, 04 टीजीटी, 07 पीआरटी) एवं5गैर शैक्षणिक सदस्य (01 कार्यालय सहायक , 01 यूडीसी, 01 एलडीसी, 01 प्रयोगशाला परिचारक, 01 कार्यालय परिचारक) पूर्णकालिक और दो पुस्तकालय सहकर्मी (01 पुस्तकालयाध्यक्ष, 01 पुस्तकालय सहायक)। मूलभूत सुविधाएँ:विद्यालय कामरान मानू मॉडल स्कूल भवन में काम कर रहा है, शिक्षकों और छात्रों की जरूरतों को काफी हद तक पूरा करने के प्रयास किए गए हैं। पुस्तकालय**:** पुस्तकालय किसी भी शैक्षणिक संस्था का तंत्रिका केंद्र है और इस बिंदु को ध्यान में रखते हुए, शिक्षकों और विद्यार्थियों की जरूरतों को पूरा करने के लिए बार-बार अनुरोध पर अपग्रेड नहीं किया गया है । स्कूल लाइब्रेरी ने केवल 30,000 पाठ्य पुस्तकों और 2,000 संदर्भ किताबें, पत्रिकाएं और शब्दकोश की खरीद की। विज्ञान प्रयोगशाला: विज्ञान प्रयोगशाला भी सीबीएसई पाठ्यक्रम की आवश्यकताओं के अनुसार स्थापित नहीं की गई है। यह पर्याप्त रूप से आवश्यक सामग्री से सुसज्जित नहीं है, जिसमें वैज्ञानिक उपकरण, रसायन, मॉडल और चार्ट शामिल हैं, जिन्हें छात्रों के लिए जब आवश्यक हो, उपलब्ध कराया जा सके। मेडिकल निरीक्षण कक्ष: मेडिकल निरीक्षण कक्ष स्थापित किया गया है, लेकिन मेडिकल स्टाफ की नियुक्ति न होने के कारण व्यर्थ है। **उपलब्धि:** मानव संसाधन विकास मंत्री श्रीमती स्मृति ईरानी द्वारा स्कूल के उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रशंसा पत्र प्राप्त हुआ है।

xii) मानू मॉडल स्कूल, मेवात

कॉलेज स्थापना वर्ष: सितंबर, 2006

उर्दू माध्यम द्वारा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान के लिए मानू मॉडल स्कूल, नूह, मेवात, हरियाणा में एक और मॉडल स्कूल स्थापित किया गया है। मॉडल स्कूल में एक लाइब्रेरी सुविधा है और लाइब्रेरी में पुस्तकें की संख्या लगभग 200 है। स्कूल में एक खेल का मैदान है. मानू मॉडल स्कूल नूह, नूह एक लोकप्रिय स्कूल है। मॉडल स्कूल के शिक्षकों ने प्रत्येक व्यक्ति को अपनी शैक्षिक सफलता में सहायता करने के लिए संबद्ध स्कूल बोर्ड पाठ्यक्रम के साथ छात्र के विकास पर ध्यान केंद्रित किया गया है।

X) संगणक विज्ञान और सूचना प्रौद्योगिकी स्कूल

विश्वविद्यालय ने वर्ष 2006 में कंप्यूटर विज्ञान और सूचना प्रौद्योगिकी के स्कूल को विज्ञान के तहत शैक्षिक प्रस्तुति पाठ्यक्रम के लिए मानकों की स्थापना और विभागों के निर्माण की सिफारिश की है। इसके अलावा विभिन्न विभागों द्वारा दाखिला पाठ्यक्रमों के लिए प्रवेश, निर्देश और मूल्यांकन के लिए नियमों का प्रस्ताव. स्कूल में वर्तमान में एक विभाग है।स्कूल का मुख्य उद्देश्य उन विषयों के एक अंतर्विषयक समूह के साथ पाठ्यक्रमों का मिश्रण प्रदान करना है, जो विश्व में उच्चतम गुणवत्ता के कुशल जनशक्ति को बनाने में योगदान देता है।

क्र.सं.	विभाग	स्थापना वर्ष	पाठ्यक्रम
1.	कंप्यूटर विज्ञान और सूचना प्रौद्योगिकी	2011-12	बी.टेक. एम.टेक. एम.सी.ए और पीएच.डी.

संकायाध्यक्ष: प्रो. अब्दुल वाहिद

i) संगणक विज्ञान और सूचना प्रौद्योगिकी

स्थापना वर्ष : 2006

उद्देश्य:

- • *तेजी से विकसित तकनीक और नवाचार की निरंतर आवश्यकता के साथ कंप्यूटर विज्ञान और सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना है।*
- *सॉफ्टवेयर, हार्डवेयर और नेटवर्क इंजीनियर की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए सैद्धांतिक और व्यावहारिक रूप से अच्छी तरह से सुसज्जित और कुशल पेशेवरों का उत्पादन करने के लिए, तेजी से बदलते आईटी दुनिया में सॉफ्टवेयर विकास प्रथाओं को लागू करना है। सॉफ्टवेयर, हार्डवेयर और नेटवर्क इंजीनियर की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए सैद्धांतिक और व्यावहारिक रूप से अच्छी तरह से सुसज्जित और कुशल पेशेवरों का उत्पादन करने के लिए, तेजी से बदलते आईटी दुनिया में सॉफ्टवेयर विकास प्रथाओं को लागू करना।*
- *औद्योगिक इंटर्नशिप, परियोजना आधारित और अनुसंधान आधारित शिक्षा के माध्यम से वैश्विक प्रदर्शन के लिए छात्रों को सीखने के अवसरों के लिए अनुकूल गुणवत्ता प्रयोगशाला सुविधाएं और छात्र-केंद्रित वातावरण प्रदान करना।*

विभागाध्यक्ष: प्रो. अब्दुल वाहिद

1. पाठ्यक्रम विवरण :

क्र.सं.	प्रस्तुत पाठ्यक्रम	पाठ्यक्रम प्रकार	नामावली	इन्टेक	टिप्पणियाँ
1.	**स्नातक**	**सीबीएससी**	बी.टेक (सीएस)	60	
2.	**स्नातोकोत्तर**	**सीबीएससी**	एमसीए एम.टेक (सीएस)	30 18	
3.	**पीएच.डी.,**	**नॉन-सीबीएससी**	पीएच.डी (सीएस)	4	

2. प्राध्यापक:

क्र.सं.	नाम	योग्यताएं	पदनाम
1.	प्रो. अब्दुल वाहिद	एम.टेक,पीएच.डी.	प्रोफेसर
2.	डॉ. प्रदीप कुमार	एम.टेक,पीएच.डी.	असिस्टेंट प्रोफेसर
3.	श्रीमती. टी. अरुंधती	एम.टेक	असिस्टेंट प्रोफेसर
4.	डॉ. अलीमुद्दीन	एम.टेक, पीएच.डी.	असिस्टेंट प्रोफेसर
5.	डॉ. बोंथू कोटय्या	एम.टेक., पीएच.डी.	असिस्टेंट प्रोफेसर
6.	डॉ. खलील अहमद	एम.टेक, पीएच.डी.	असिस्टेंट प्रोफेसर
7.	श्रीमती. खालेदा अफरोज़	एम.टेक	असिस्टेंट प्रोफेसर
8.	श्रीमती. अफराह फातिमा	एम.टेक	असिस्टेंट प्रोफेसर
9.	श्री.अहमद तलहा सिद्दीकी	एम.टेक	असिस्टेंट प्रोफेसर
10.	श्री.मो. उमर	एम.टेक	असिस्टेंट प्रोफेसर
11.	श्री. मो. रफीक	एम.टेक	असिस्टेंट प्रोफेसर
12.	डॉ. मुकीम अहमद	एम.टेक, पीएच.डी.	असिस्टेंट प्रोफेसर
13.	श्री. मो. असलम	एम.टेक	असिस्टेंट प्रोफेसर
14.	श्री जमील अहमद	एम.टेक	असिस्टेंट प्रोफेसर
15.	श्रीमती गीता पत्तुन	एम.टेक	असिस्टेंट प्रोफेसर
16.	श्री. मोहतेशाम पाशा कादरी	एम.टेक	असिस्टेंट प्रोफेसर

2. संकाय उपलब्धियां

क्र.सं.	इनपुट	विवरण		
1.	प्रकाशन	पुस्तकें - 03	पत्रिकाएं - 20	प्रोसीडिंग्स - 8
2.	समितियों में सेवारत	अंतरराष्ट्रीय - 5		संपादकीय मंडल - 5
3.	पुरस्कार	राष्ट्रीय - 2		
4.	सम्मान/सदस्यता	प्रोफेशनल बॉडीज़: 19		

3. शोध विवरण: शोध के विशिष्ट क्षेत्र:

i.	प्राध्यापकों द्वारा जारी परियोजनाएं	:	05	राष्ट्रीय	@रू.. 1,05,000

4. कार्यशाला /सम्मेलन / संगोष्ठी / परिसंवाद

श्रेणी	आयोजित		उपस्थिति	
	राष्ट्रीय	अंतरराष्ट्रीय	राष्ट्रीय	अंतरराष्ट्रीय
कार्यशाला	04	-	10	1
सम्मेलन	0	-	5	6
संगोष्ठी	0	-	2	0
परिसंवाद	0	-	0	3

5. अतिथि व्याख्यान / विशिष्ट व्याख्यान

श्रेणी	संयोजन		दिये गये व्याख्यान	
	राष्ट्रीय	अंतरराष्ट्रीय	राष्ट्रीय	अंतरराष्ट्रीय
अतिथि व्याख्यान	18	-	-	-
विशिष्ट व्याख्यान	04	-	-	-
अध्यक्षता सत्र	-	-	03	01

6. प्रख्यात शिक्षाविदों की सूची /वैज्ञानिकों का आगमन / विभाग द्वारा सूचीबद्ध

क्र.सं.	शिक्षाविद / वैज्ञानिक नाम	उद्देश्य	दिनांक
1	प्रो. ब्रह्मित सिंह, प्रो. के. विवेकानंदन, प्रो. पी.आर.के. मूर्ती, प्रो. सलमा अहमद फारूकी, प्रो. सैयद नजमुलहसन	स्कूल बोर्ड	18-02-2017
2	प्रो. खुर्रम मुस्तफा, प्रो. निसार अहमद, डॉ. सलमान अब्दुल मोइज़	बोर्ड ऑफ़ स्टडीज़	06-02-2017

7. प्रतिष्ठित पूर्व छात्रों की सूची

क्र.सं.	प्रतिष्ठित पूर्व छात्र का नाम	वर्ष
1.	अब्दुल माजिद	2015
2	आसिफ खान	2017

8. पाठ्यक्रम विवरण

क्र.सं.	पाठ्यक्रम	पाठ्क्रम का शीर्षक	पुनरावृत्ति वर्ष	कार्यान्वयन वर्ष
1.	स्नातक	बी.टेक	2017	2017
2.	स्नातकोत्तर	एमसीए, एम.टेक,	2017	2017
3.	पीएच डी		2017	2017

9. मूलभूत सुविधाएं:

क्र.सं.	मूलभूत	सुविधाएं						
1.	भौतिक	कक्ष	5	संगोष्ठी कक्ष	1	स्टाफ रूम		09
2.	अकादमिक	पुस्तकालय	1	डिजिटल पुस्कालय	-	वाचनालय		01
3.	आईसीटी	कंप्यूटर प्रयोगशाला	3	इंटरनेट सुविधा	1	प्रिंटर और नेटवर्क		21
4.	कौशल विकास	प्रयोगशाला	1					

10. छात्र विविधता एवं प्रगति

क्र.सं.	पाठ्यक्रम	उसी विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों का प्रतिशत	राज्य के अंतर्गत अन्य विश्वविद्यालों के विद्यार्थियों का प्रतिशत	राज्य के बाहर के विश्वविद्यालयों के विद्यार्थियों का प्रतिशत	अन्य देशों के विद्यार्थियों का प्रतिशत
1	पीएच.डी.	0	25%	25%	50%
2	एम.टेक	23%	22%	55%	0
3	एमसीए	0	0	100%	0
4	बी.टेक	0	0	97%	3%

11. नियुक्ति विवरण

कैंपस नियुक्तियां	ऑफ कैंपस नियुक्तियां	औसत वेतन	अधिकतम वेतन	कैंपस में नियोक्ताओं के आगमन की संख्या
-	5	2.4लाख	4 लाख	-

12. परीक्षा की सफलता दर

क्र.सं.	पाठ्यक्रम	श्रेष्ठता से उत्तीर्ण विद्यार्थियों का प्रतिशत / ए$^{+}$ ग्रेड	प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण विद्यार्थियों का प्रतिशत / ए ग्रेड	द्वितीय श्रेणी में उत्तीर्ण विद्यार्थियों का प्रतिशत / बी + और बी ग्रेड
1	बी.टेक	10%	90%	0
2	एम.टेक	16%	84%	0
3	एमसीए	0	100%	0

13. प्रतियोगी परीक्षा की सफलता दर : नेट: 1 विद्यार्थी & गेट: 1 विद्यार्थी

14. वित्तीय सहायता प्राप्त विद्यार्थी : एमसीए = 29 विद्यार्थी ; पीएचडी = 5 विद्यार्थी

15.विभाग की वैधानिक समितियां : विभागीय समिति: 15

- विभागीय शोध समिति: 1; बोर्ड ऑफ़ स्टडीज़: 1

16. सर्वोत्तम प्रणालियाँ :

- कम्प्यूटर साइंस और सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अभिनव शिक्षण देकर उत्कृष्टता के मामले में सीएस और आईटी के विभाग का नेतृत्व जारी है।
- कंप्यूटर विज्ञान और सूचना प्रौद्योगिकी की क्षमता विकसित करने के लिए एक उचित अनुशासन और समस्या डोमेन की विविधता में ज्ञान विकसित करना।
- अच्छे संचार और विश्लेषणात्मक कौशल विकसित करने के लिए ताकि वे समस्याओं को हल कर सकें और उनके समाधान का संचार कर सकें।
- समूहों में काम करने और समस्या सुलझाने की गतिशील और सहयोगी प्रकृति की सराहना करने के लिए ।

- डिजाइन, कार्यान्वयन, दस्तावेज़ीकरण, और परीक्षण सहित सॉफ्टवेयर के विकास प्रक्रिया को समझने के साथ-साथ सुसज्जित होना।
- समाज की में कंप्यूटर की भूमिका की सराहना करने के लिए और एक लाभकारी तरीके से प्रौद्योगिकी के उपयोग को निर्देशित करने और नई समस्याओं को हल करने में सक्षम होने के लिए।

17. भविष्य की योजनाएं

- विद्यार्थियों के लिए गर्मी में प्रशिक्षण कार्यक्रम, संगोष्ठि, कार्यशाला और विशेष व्याख्यान / सम्मेलन आयोजित करने तथा व्यावहारिक संपर्क उपलब्ध कराने के लिए सॉफ्टवेयर उद्योगों और तकनीकी संस्थानों / विश्वविद्यालयों के नजदीकी रिश्ते (एमओयू) विकसित करना है।
- सूचना प्रौद्योगिकी और डिजिटलीकरण के उभरते क्षेत्रों में अनुसंधान संचालन को प्रोत्साहित करना। अनुसंधान केंद्र की मंजूरी मिलने के बाद अनुसंधान योजनाएं आरंभ करने के लिए है।
- एक अद्वितीय शैक्षिक अनुभव प्रदान करने के लिए जो अत्यधिक सक्षम, समर्पित और परिपक्व पेशेवरों का उत्पादन करेगा जो, आईटी दुनिया के बदलते तकनीकी और कारोबारी माहौल की चुनौतियों का सामना करने में सक्षम हों।
- अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय सम्मेलन, कार्यशाला और अल्पावधि पाठ्यक्रम का आयोजन करना है।

बीओ एस की संख्या / स्कूल बोर्ड बैठकें : 1+1

शैक्षणिक, खेल और अतिरिक्त पाठयक्रम घटनाक्रम / विभाग की गतिविधियां की तस्वीरें

ii) पॉलिटेक्निक हैदराबाद

स्थापना वर्ष : **2008., उद्देश्य:** पॉलिटेक्निक कॉलेजों का उद्देश्य अद्वितीय गुणवत्ता और विशिष्ट कौशल के टेक्नोक्रेट का मंथन करना है, जो प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अग्रिम ऊंचाई तक पहुंचने में मदद कर सकते हैं।

प्रधानाचार्य का नाम: डॉयुसूफ खान .मो .

1. पाठ्यक्रम का विवरण :

क्र.सं.	प्रस्तुत पाठ्यक्रम	पाठ्यक्रम के प्रकार	:	नामावली	इन्टेक	टिप्पणियां
1.	पॉलिटेक्निक **डिप्लोमा**	--	:	पॉलिटेक्निक	720	

पॉलिटेक्निक कॉलेज, हैदराबाद (एआईसीटीई द्वारा मान्यता प्राप्त)

पाठ्यक्रम	समयावधि	इन्टेक	प्रवेश प्रावधान
डिप्लोमा इन सिविल इंजीनियरिंग	3 वर्ष	60	प्रवेश परीक्षा
कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग.	3 वर्ष	60	प्रवेश परीक्षा
इलेक्ट्रॉनिक एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग	3 वर्ष	60	प्रवेश परीक्षा
इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी	3 वर्ष	60	प्रवेश परीक्षा

2. प्राध्यापक विवरण:

क्र.सं.	इनपुट	:	विवरण	
I	**शैक्षणिक पदों की संख्या**	:	**पारित**	**भर्ती**
i.	**आचार्य**	:	01	01
ii.	**सह- आचार्य**	:	04	03
iii.	**सहायक आचार्य**	:	19	18
vii.	**अतिथि प्राध्यापक**	:	12	

3. प्राध्यापक उपलब्धियां

1.	**प्रकाशन**	**पत्रिकाएं** - 5	
2.	**सम्मानसदस्यता/**		**प्रोफेशनल बॉडीज़** - 7

4. कार्यशाला / सम्मेलन / संगोष्ठी / परिसंवाद

श्रेणी	उपस्थिति	
	राष्ट्रीय	**अंतरराष्ट्रीय**
कार्यशाला	4	1
सम्मलेन	2	1

5. प्रशिक्षण / अभिविन्यास कार्यक्रम : राष्ट्रीय स्तर पर प्रशिक्षण पाठ्यक्रम-4 और अभिविन्यास कार्यक्रम-11

6. नियुक्ति विवरण :

क्र.सं.	शाखा	नियुक्ति प्राप्त विद्यार्थियों की संख्या
1	डिप्लोमा इन इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी	2
2	डिप्लोमा इन कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग	4
3	डिप्लोमा इन सिविल इंजीनियरिंग	14
4	डिप्लोमा इन इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन	7

7. विभाग की वैधानिक समितियां : शैक्षिक गतिविधियों की निगरानी और समन्वय करने के लिए समितियां गठित की गयी हैंपर उचित कार्य करने के लिए मानू पॉलिटेक्निक इंस्टीट्यूशनल बोर्ड की विश्वविद्यालय स्तर . स्थापना की जा रही है।

8. सर्वोत्तम प्रणालियाँ : छात्र के समग्र विकास के लिए एक घंटे अपने व्यावसायिक कौशल विकसित करने के अलावा समय सारणी एक घंटा में शामिल है। छात्र उच्च शिक्षा और रोजगार के लिए विभिन्न राज्यों द्वारा आयोजित शैक्षिक पाठ्यक्रम के साथ समानांतर परीक्षाओं के लिए निर्देशित होते हैं।

9. भविष्य की योजनायें: संसाधन साझाकरण के लिए अग्रणी संगठनों (उद्योग, गैर सरकारी संगठनों, विश्वविद्यालयों) के साथ समझौता ज्ञापन में प्रवेश करना, तकनीकी विशेषज्ञता को बढ़ाने, कौशल विकसित करने और रोजगार के अवसरों का पता लगाने के लिए दो और शाखाओं के अलावा डिप्लोमा में मैकेनिकल इंजीनियरिंग और डिप्लोमा में इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग नामक पाठ्यक्रम मानू पॉलिटेक्निक हैदराबाद में शुरू करना

तकनीकी उत्सव के दौरान विद्यार्थियों द्वारा अपने कौशल का प्रदर्शन

iii) पॉलिटेक्निक बैंगलोर

स्थापना वर्ष : 2008

उद्देश्य: पॉलिटेक्निक कॉलेजों का उद्देश्य अद्वितीय गुणवत्ता और विशिष्ट कौशल के टेक्नोक्रेट को मंथन करना है जो प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में राष्ट्र को अतुलनीय ऊंचाई तक आगे बढ़ाने में मदद कर सकता है ।

प्रधानाचार्य का नाम: श्री रियाज़ुर्रह्मान

1. पाठ्यक्रम विवरण : पॉलिटेक्निक डिप्लोमा

क्र.सं.	प्रस्तुत पाठ्यक्रम	प्रकार	नामावली	इंटेक	टिप्पणियां
1.	सिविल इंजीनीयरिंग	नॉन-सीबीसीएस	डीसीई	20	
2.	इले कम्युनिकेशन . इंजीनीयरिंग		डीईसीई	24	
3.	कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनीयरिंग		डीसीएसई	24	

सम्मानसदस्यता/	**राष्ट्रीय**: सदस्यता 02

2. कार्यशाला / सम्मेलन / संगोष्ठी / परिसंवाद

श्रेणी	उपस्थिति – राष्ट्रीय
कार्यशाला	1
सम्मलेन	2

3. प्रशिक्षण / पुनश्चर्या / अभिविन्यास कार्यक्रम : राष्ट्रीय उपस्थिति

प्रशिक्षण	2
अभिविन्यास कार्यक्रम	4
अन्य प्रस्तावित पाठ्यक्रम	3
अल्पकालिक पाठ्यक्रम	1

4 मूलभूत सुविधाएँ:

क्र	मूलभूत	सुविधाएँ					
1.	भौतिक	कक्षाएं	5	संगोष्ठी कक्ष	नहीं	स्टाफ कक्ष	1
2.	अकादमिक	पुस्तकालय	1	डिजिटल पुस्तकालय	नहीं	वाचनालय	नहीं
3.	ईसीटी	कंप्यूटर प्रयोगशाला	1	इन्टरनेट सुविधा	1	प्रिंटर्स एवं नेटवर्क	नहीं
4.	कौशल विकास	प्रयोगशाला	नहीं	कार्यशाला	नहीं	उपकरण प्रयोगशाला	नहीं
5.	खेल	इंडोर गेम	1			आउटडोर गेम	

5. नियुक्ति विवरण

कैंपस नियुक्तियां	ऑफ कैंपस नियुक्तियां	औसत वेतन	अधिकतम वेतन
-	25	10000	17000

6. परीक्षा की सफलता दर

पाठ्यक्रम	श्रेष्ठता से उत्तीर्ण विद्यार्थियों का प्रतिशतए/+ ग्रेड	प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण विद्यार्थियों का प्रतिशत / ए ग्रेड	द्वितीय श्रेणी में उत्तीर्ण विद्यार्थियों का बी और बी + ग्रेड
पॉलिटेक्निक	14	47	01

iv) पॉलिटेक्निक दरभंगा

स्थापना वर्ष : 2008

उद्देश्य: पॉलिटेक्निक का उद्देश्य सामाजिक रूप से जिम्मेदार टेक्नोक्रेट्स का निर्माण उर्दू माध्यम से करना है।

प्रधानाचार्य का नाम : डॉअब्दुल मुक्सित खान .मो .

ग्रामीण छात्रों के बीच अकादमिक कार्यक्रमों की सराहना की जाती है और उन अभिभावकों में उत्साह है जो इन पाठ्यक्रमों में शामिल होने के लिए अपने वार्ड को प्रोत्साहित कर रहे हैं। मानवू पॉलिटेक्निक, दरभंगा के संकाय सदस्यों के समर्पण, कड़ी मेहनत, उत्साह और सहनशक्ति ने अपनी सफल स्थापना की है जो अब इस क्षेत्र में पॉलिटेक्निक संस्थानों के बीच एक प्रतीक है। पाठ्यक्रम का सेवन और प्रवेश इस प्रकार हैं: : पॉलिटेक्निक **डिप्लोमा**

क्र.सं.	प्रस्तुत पाठ्यक्रम	प्रकार	नामावली	इन्टेक	टिप्पणियां
1.	**सिविल** इंजीनीयरिंग	गैरसीबीसीएस-	डीसीई	40	
2.	**इलेकम्युनिकेशन एंड .** इइंजीनीयरिंग		डीईसीई	40	
3.	**कंप्यूटर साइंस एंड** इइंजीनीयरिंग		डीसीएसई	40	

v) औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, हैदराबाद

प्रमुख पहल: एनसीवीटी संबद्ध उपलब्धियां: 1.पाठ्यक्रम कुल छः बैचों (2 वर्ष की अवधि) और सात बैचों (एक वर्ष की अवधि) में समाप्त होता है और अधिकांश छात्र भारत / विदेश में विभिन्न बहुराष्ट्रीय कंपनियों में स्थापित हुए। 2. भारत की गुणवत्ता परिषद (क्यूसीआई, नई दिल्ली) से प्रत्यायन के लिए आवेदन किया गया। ड्रॉफ्टमैन,सिविल, आर एंड ए.सी., इलेक्ट्रीशियन, इलेक्ट्रॉनिक्स मैकेनिक, और नलसाजी जैसे पाठ्यक्रम प्रदान करता है।

मौलाना आज़ाद नेशनल उर्दू यूनिवर्सिटी

स्थापना वर्ष : **2007**

विभागाध्यक्ष: डॉअर्हिया आज़म ., प्रभारी आईटीआई

1. पाठ्यक्रम विवरण :आईटीआई प्रमाणपत्र

क्र.सं.	प्रस्तुत पाठ्यक्रम	पाठ्यक्रम के प्रकार	इंटेक	समयावधि
1.	इलेक्ट्रीशियन	नॉनसीबीसीएस-	40	2 वर्ष
2.	इलेक्ट्रॉनिक मैकेनिक		26	2 वर्ष
3.	रेफ्रिजरेशन और एयर कंडीशनिंग		26	2 वर्ष
4.	ड्राफ्टमैन सिविल		26	2 वर्ष
5.	प्लंबिंग		42	1 वर्ष

2. प्रशिक्षण / पुनश्चर्या / अभिविन्यास कार्यक्रम

श्रेणी	आयोजित – राष्ट्रीय	उपस्थिति – राष्ट्रीय
प्रशिक्षण	01(अनुलग्नक– 1)	01(अनुलग्नक – 2)

3. अतिथि व्याख्यान / विशिष्ट व्याख्यान

श्रेणी	संयोजन- राष्ट्रीय
अतिथि व्याख्यान	03- (अनुलग्नक – 3)

4. पाठ्यक्रम विवरण : एनआईएमआई, एनसीवीटी के दिशानिर्देशों के अनुसार शिक्षण और प्रशिक्षण पद्धति; पावर प्वाइंट प्रस्तुतियों के लिए एलसीडी का उपयोग; छात्र के साथ सार्थक बातचीत को प्रोत्साहित करना; सक्रिय रूप स छात्रों के लिए अधिकम को आकर्षक बनाने के लिए समस्या आधारित सीखने की रणनीतियों, समस्या हल करने के लिए अनुभव पर छात्रों को सक्षम करने के लिए; ट्यूटोरियल का आयोजन; बेहतर समझने के लिए पूरक शिक्षण सामग्री प्रदान करना है।

5. अधिगम उद्देश्य और परिणाम के आधार पर पाठ्यक्रम **:**

- ☞ प्रतियोगी परीक्षाओं में भाग लेने के लिए छात्र को प्रोत्साहित करना
- ☞ अपने कौशल और ज्ञान स्तर को बढ़ाने के लिए उपचारात्मक उपाय उठाना
- ☞ शैक्षिक, रोजगार और अनुसंधान के अवसरों के लिए छात्रवृत्ति और ओरिएंटेशन कोर्स आयोजित करना।

विद्वानों से परे गतिविधियां :विद्यार्थी एपीसीपीडीसीएल- हैदराबाद, एनएसी हैदराबाद, वेदांग सोल्यूशन और ब्लू स्टार आदि से प्रशिक्षण प्राप्त किया।

6. मूलभूत सुविधाएँ:

क्र.सं.	मूलभूत		सुविधाएँ				
1.	भौतिक	कक्षाएं	5	संगोष्ठी कक्ष	नहीं	स्टाफ कक्ष	1
2.	अकादमिक	पुस्तकालय	1	डिजिटल पुस्तकालय	1	वाचनालय	नहीं
3.	ईसीटी	कंप्यूटर प्रयोगशाला	1	इन्टरनेट सुविधा	हाँ	प्रिंटर्स एवं नेटवर्क	हाँ
4.	कौशल विकास	प्रयोगशाला	हाँ	कार्यशाला	हाँ	उपकरण प्रयोगशाला	नहीं
5.	खेल	इंडोर गेम	हाँ			आउटडोर खेल	हाँ

7. छात्र विविधता एवं प्रगति

पाठ्यक्रम	उसी विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों का प्रतिशत	राज्य के अंतर्गत अन्य विश्वविद्यालयों के विद्यार्थियों का प्रतिशत	राज्य के बाहर के विद्यार्थियों का प्रतिशत
आईटीआई	3 (मॉडल स्कूल)	89	8

8. नियुक्ति विवरण

कैंपस नियुक्तियां	ऑफ कैंपस नियुक्तियां	औसत वेतन	अधिकतम वेतन	कैंपस में नियोक्ताओं के आगमन की संख्या
20	25	8000/प्रति माह	96000/प्रतिमाह	02

9. परीक्षा की सफलता दर

पाठ्यक्रम	श्रेष्ठता से उत्तीर्ण विद्यार्थियों का प्रतिशत A^+ ग्रेड	प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण विद्यार्थियों का प्रतिशत / A ग्रेड
आईटीआई	90	10

10. विभागीय वैधानिक समितियां : संस्थागत प्रबंधन समिति, मानू आई हैदराबाद की स्थापना .आई.टी. 31.05.2017 को हुई और इसकी बैठक 28.08.2017 को हुई।

1.	प्रोरहमान .एफ.पी ., चेयरमैन सीएसी	चेयरमैन
2.	प्रोफेसर नजमुल हसन, डीन, स्कूल ऑफ साइंसेस	*सदस्य*
3.	प्रोअब्दुल वाहिद ., डीआईएन, स्कूल ऑफ सीएसआईटी	*सदस्य*
4.	डा मोहम्मद .यूसुफ खान प्रिंसिपल, पॉलिटेक्निक मानू	*सदस्य*
5.	कॉल आनंद वसंत तलपल्लीकर, डीजीएम (विनिर्माण और संचालन), वेदांग रेडियो टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड	*सदस्य*
6.	एस नरसिंह राव, कार्यकारी अभियंता, मानू	*सदस्य*
7.	श्री मोहम्मद अमीर, प्रशिक्षक, इलेक्ट्रॉनिक मैकेनिक	*सदस्य*
8.	श्री मोहम्मद अब्दुल कदीर, प्रशिक्षक, इलेक्ट्रीशियन	*सदस्य*
9.	प्रोरवींद्र नाथ .ए .ए ., डीन, अकादमी	*विशेष आमंत्रित*
10.	डॉआर्शिया आज़म ., सह-आचार्य, पॉलिटेक्निक हैदराबाद और प्रिंसिपल, मानू आईटीआई हैदराबाद	*संयोजक*

11. भविष्य की योजनाएं नवीन :पाठ्यक्रम फिटर और ऑटोमोबाइल जैसी नई ट्रेडों की :अकादमिक सुधार / शुरुआत; प्रशिक्षण और शिक्षुता के लिए उद्योग और सरकारी संगठन के साथ प्लेसमेंट सेल और समझौता ज्ञापन की स्थापना; और विषय कोर तकनीकी किताबों का वैश्विक शब्दावली को बनाये रखते हुए उर्दू में अनुवा /द करना है।

अनुलग्नक – 1: प्रशिक्षक के लिए एक सप्ताह का प्रशिक्षण पाठ्यक्रम केन्द्रीय स्टाफ प्रशिक्षण और अनुसंधान संस्थान कोलकाता द्वारा आयोजित किया गया था, जो मानू वीटीसी / आईटीआई- हैदराबाद में 6 से 10 मार्च 2017 तक आयोजित हुआ है।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में उपस्थिति प्राध्यापक : श्री मोअमीर ., प्रशिक्षक इलेक्ट्रॉनिक मैकेनिक, 2 सप्ताह का प्रशिक्षण ,ट्रेनिंग एंड रिसर्च इंस्टिट्यूट कोलकाता.

श्री एस वी के नागेश का अतिथि व्याख्यान, संयुक्त निदेशक, डीईटीटी, तेलंगाना सरकार, मानू आईटीआई, हाइड द्वारा कौशल भारत कार्यक्रम

मानू आईटीआई हैदराबाद में औद्योगिक विशेषज्ञ द्वारा अतिथि व्यख्यान

vi) औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, बेंगलुरु

स्थापना वर्ष : 2007

अध्यक्ष का नाम: श्री रियाज़ुर्रह्मान (प्रभारी आईटीआई)

इलेक्ट्रॉनिक सिटी बैंगलोर में मानू इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट की स्थपना नवम्बर 2007 में हुई। जिसमें दो ट्रेड्स इलेक्ट्रॉनिक मैकेनिक, रेफ्रिजेशन मैकेनिक और एनसीवीटी से जुड़ी एसी हैं।

मिशन वक्तव्य और उद्देश्य:

इलेक्ट्रॉनिक सिटी बैंगलोर में मानू इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट की स्थपना नवम्बर 2007 में हुई। जिसमें दो ट्रेड्स इलेक्टॉनिक मैकेनिक. रेफ्रिजेशन मैकेनिक और एनसीवीटी से जुड़ी एसी हैं। बाद में संस्थान स्वंय की ईमारत जन भारती लेआउट वल्गेर्हल्ली बंगलुरु में संस्थापित हुआ।

विश्वविद्यालय ने औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई), बेंगलुरु में स्थापित किया गया है। आईटीआई में प्रस्तावित सभी विषयों के लिए उर्दू, शिक्षा का माध्यम है, जो उर्दू में व्यावसायिक प्रशिक्षण प्रदान करने के विश्वविद्यालय के एक उद्देश्य को पूरा करता है। तदनुसार, औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान का मिशन इस प्रकार है:

• औद्योगिक प्रशिक्षण को प्राप्त करने के इच्छुक लोगों तक व्यापक पहुंच बनाने परिसर में उर्दू माध्यम से शिक्षा प्रदान की जाती है।

vii) औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान , दरभंगा

स्थापना वर्ष : 2007

अध्यक्ष का नाम: डॉ(प्रभारी) अब्दुल मुक्सित खान .मो .

पाठ्यक्रम विवरण : ITI प्रमाणपत्र

क्र.सं.	प्रस्तुत पाठ्यक्रम	पाठ्यक्रम के प्रकार	इन्टेक	समयावधि
1.	इलेक्ट्रीशियन	नॉनसीबीसीएस-	21	2 वर्ष
2.	प्लंबिंग		21	1 वर्ष

वर्तमान में आईटीआई पाठ्यक्रम और इसकी परीक्षा संबंधित राज्य सरकारों की देखरेख में आयोजित की जाती है। समन्वयन अनुभाग केन्द्रीय सरकार निकाय जैसे राष्ट्रीय परिषद के व्यावसायिक प्रशिक्षण (एनसीवीटी) और रोजगार और प्रशिक्षण निदेशालय (डीजीईटी), भारत सरकार से प्रत्यक्ष संपर्क और संबद्धता के लिए आवश्यक कदम उठा रही है।.

XI) मानू सॅटॅलाइट कैंपस

i) मानू सॅटॅलाइट कैंपस, लखनऊ

विभाग का नाम: अरबी विभाग की स्थापना वर्ष 2009 में लखनऊ परिसर में हुई। यह यहां खोले गए चार भाषा विभागों में से एक था। वे छात्र जो यहाँ से बीए अरबी उत्तीर्ण करते हैं या वे विद्यार्थी जो मान्यता प्राप्त मदरसों से उत्तीर्ण होते हैं उन्हें विश्वविद्यालय तथा विभाग में एम ए अरबी में सीधे प्रवेश के लिए पात्र होते हैं। अरबी परिसर के अच्छी तरह से सुसज्जित पुस्तकालय में अरबी पुस्तकें का एक समृद्ध संग्रह विद्यार्थी और संकाय सदस्यों की सभी संसाधन-संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करता है। विद्यार्थियों में प्रतिस्पर्धी भावना को लागू करने के लिए और उन में विभिन्न कौशल विकसित करने के लिए, विभिन्न शैक्षणिक और सांस्कृतिक गतिविधियों और पाठ्यक्रम जैसे जैसे सैमसंग और एसईओ व्याख्यान विभाग द्वारा आयोजित किए जाते हैं। एक व्यापक और अच्छी तरह से तैयार किए गए पाठ्यक्रम में अरबी भाषा और साहित्य के लगभग सभी आवश्यक पहलुओं को शामिल किया गया है। साहित्य के अलावा, अनुवाद, भाषाविज्ञान और संचार कौशल जैसे विषयों को उनके प्रासंगिक क्षेत्र में व्यावसायिक ज्ञान और कौशल के साथ छात्रों को लैस करने के लिए पाठ्यक्रम में महत्व दिया जाता है। विभाग में योग्य संकाय सदस्यों की एक टीम अपनी सभी क्षमता का उपयोग वांछनीय परिणाम और आउटपुट हासिल करने के लिए करती है।

1. पाठ्यक्रम विवरण:

प्रस्तुत पाठ्यक्रम	पाठ्यक्रमों के प्रकार	नामावली	इन्टेक	टिप्पणियां
स्नातकोत्तर	सीबीसीएस	अंग्रेजी, फ़ारसी, उर्दू	@ 20	

2. प्राध्यापक उपलब्धियां

1.	प्रकाशन	पुस्तकें - 08	पत्रिकाएं - 24	दस्तावेज़रिपोर्ट्स/ – 03
2.	पुरस्कार	राष्ट्रीय – 01		
3.	सम्मानसदस्यता/	राष्ट्रीय - 05	प्रोफेशनल बॉडीज़ – 20	

3. शोध विवरण : शोध के विशिष्ट क्षेत्र :

i.	प्राध्यापकों द्वारा जारी परियोजना	02	राष्ट्रीय	175000/-
ii.	विभागीय परियोजना	01	अन्य	1,05,000/-

4. कार्यशाला / सम्मेलन / संगोष्ठी / परिसंवाद (केवल नंबरों का संकेत दिया जाए)

श्रेणी	आयोजित		उपस्थिति	
	राष्ट्रीय	अंतरराष्ट्रीय	राष्ट्रीय	अंतरराष्ट्रीय
कार्यशाला	-	-	-	01
सम्मलेन	-	-	-	02
संगोष्ठी s	01	-	35	14

5. प्रशिक्षण / पुनश्चर्या / अभिविन्यास कार्यक्रम

श्रेणी		उपस्थिति –राष्ट्रीय स्तर
प्रशिक्षण		03
पुनश्चर्या विषय		01
अतिथि व्याख्यान	संयोजन	दिया गया
	राष्ट्रीय - 07	राष्ट्रीय – 10

6. मूलभूत सुविधाएँ:

.सं.	मूलभूत		सुविधाएँ				
1.	भौतिक	कक्षा	7	संगोष्ठी कक्ष	1	स्टाफ कक्ष	12
2.	अकादमिक	पुस्तकालय	1	डिजिटल पुस्तकालय	नहीं	वाचनालय	01
3.	आईसीटी	कंप्यूटर प्रयोग शाला	नहीं	इन्टरनेट सुविधाएँ	हाँ	प्रिंटर्स एंड नेटवर्क	07

7. छात्र विविधता एवं प्रगति

पाठ्यक्रम	उसी विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों का प्रतिशत	राज्य के अंतर्गत अन्य विश्वविद्यालयों के विद्यार्थियों का प्रतिशत	विश्वविद्यालय में अन्य राज्यों के विद्यार्थियों का प्रतिशत	अन्य देशों के विद्यार्थियों का प्रतिशत
स्नातकोत्तर	0%	98.04%	1.96%	0

8. परीक्षा की सफलता दर

क्र.सं.	पाठ्यक्रम	श्रेष्ठता से उत्तीर्ण विद्यार्थियों का प्रतिशत ए/+ ग्रेड	प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण विद्यार्थियों का प्रतिशत / ए ग्रेड	द्वितीय श्रेणी में उत्तीर्ण विद्यार्थियों का प्रतिशत / बी +और बी ग्रेड	उत्तीर्ण विद्यार्थियों का प्रतिशत /सी और डी ग्रेड
	एम्.ए..	0	1.85	70.37	25.92

ii) मानू सॅटॅलाइट कैंपस, श्रीनगर

मानु कला और विज्ञान कॉलेज, महिलाओं के लिए 2015 में स्थापित किया गया था। यह महिलाओं के सशक्तीकरण के विश्वविद्यालय के मुख्य उद्देश्य में से एक की पूर्ति में स्थापित किया गया था। स्नातक पाठ्यक्रमों के लिए कॉलेज की प्रवेश क्षमता 150 है। कॉलेज में विभिन्न विश्वविद्यालयों से लिए जाने वाले अनुभवी शिक्षकों की संख्या है। कश्मीर विश्वविद्यालय, जामिया मिलिया इस्लामिया, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, हैदराबाद केंद्रीय विश्वविद्यालय, मौलाना आजाद राष्ट्रीय उर्दू विश्वविद्यालय, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय । यह कॉलेज मौलाना आजाद द्वारा स्थापित पहली महिला संस्थान है। जम्मू एवं कश्मीर राज्य में राष्ट्रीय उर्दू विश्वविद्यालय जो स्नातक का उर्दू माध्यम से विभिन्न पाठ्यक्रम प्रदान करता है। कॉलेज वर्तमान में मुस्लिम एजुकेशन ट्रस्ट, भगत-ए-बर्जुलह श्रीनगर के परिसर में काम कर रहा है, जो कि बडगाम और श्रीनगर के जुड़वां जिलों के लिए आसानी से मूल्यांकन योग्य स्थान है। कॉलेज भी रेलवे स्टेशन नोगाम के करीब है, जैसे कि कश्मीर घाटी के अन्य जिलों के लिए यह आकलन किया जाता है। मानू आर्ट्स एंड साइंस कॉलेज फॉर विमेन, श्रीनगर में पर्याप्त आवास और बहुत बड़ा खेल का मैदान है.

XII) अनुसंधान केंद्र

i) उर्दू संस्कृति अध्ययन केंद्र (सीयूसीएस)

स्थापना वर्ष : 2007

उद्देश्य: "उर्दू और इसकी ऐतिहासिक चेतना के सौंदर्य और सांस्कृतिक मूल्यों का संरक्षण और प्रोत्साहन" इस केंद्र का उद्देश्य और मिशन है "इसे संग्रह, संग्रहालय, पुस्तकालय, सांस्कृतिक कक्ष के संयोजन के रूप में विकसित करना और संग्रह और संरक्षण के संदर्भ में उर्दू संस्कृति के लिए एक प्रामाणिक संसाधन केंद्र के रूप में माना जाना"। सीयूएलएलसी विश्वविद्यालय की छवि को बढ़ाने के लिए सांस्कृतिक गतिविधियों में एक सक्रिय भूमिका निभा रहा है।

नवंबर, 2016 में सेंटर के लिए नामांकित "सेंटर फॉर उर्दू कल्चर स्टडीज" के रूप में संशोधित किया जाता है, ताकि अनुसंधान और ज्ञान प्रसार को बढ़ावा देने के लिए कला, संस्कृति और सौंदर्यशास्त्र के विशिष्ट विषयों की पहचान करने के लिए और अधिक केंद्रित उद्देश्य की सुविधा मिल सके। केंद्र के लिए उर्दू संस्कृति अध्ययन को भाषा के पहलुओं के रूप में बदल दिया गया है और साहित्य को विशेष रूप से भाषा विज्ञान, भाषाविज्ञान और इंडोलजी स्कूल के अंतर्गत उर्दू विभाग के विषय क्षेत्रों के रूप में शामिल किया गया है। केंद्र को एक नोडल एजेंसी बनाने का लक्ष्य है जिसमें आँकड़ों के संदर्भ और विविध सूचनाओं के बारे में उर्दू संस्कृति और इसकी आबादी है। यह अनुसंधान और संरक्षण के उद्देश्य के लिए आधुनिक तरीकों और उपकरणों का उपयोग करना चाहता है। साहित्यिक और सांस्कृतिक मूल्य से संबंधित जानकारी, उर्दू को डिजिटल प्रारूप में शोधकर्ताओं / पाठकों के लिए उपलब्ध कराया जाएगा। सीयूसीएस के पास एक अलग पुस्तकालय है जो मौलाना अबुल कलाम आज़ाद पर उर्दू साहित्य और संस्कृति के साथ सभी उपलब्ध पठन सामग्री एकत्र करने के लिए एक अनुसंधान कक्ष के रूप में चल रहा है। इस पुस्तकालय के उपलब्ध संग्रह में दुर्लभ और मूल्यवान रीडिंग सामग्री शामिल है जो शोधकर्ताओं और उर्दू प्रेमियों के लिए बहुत उपयोगी हैं।

केन्द्राध्यक्ष: अनीस एहसान आज़मी

प्राध्यापक विवरण:

नाम	शैक्षिक योग्यता	पदनाम	विशेषज्ञता
डॉफ़िरोज़ आलम .	उर्दू में पीएच.डी. (जेएनयू)	सहायक आचार्य	गद्य

प्राध्यापकों द्वारा प्रस्तुत प्रपत्र फ़िरोज़ आलम .डॉ :

राजेंद्र सिंह बेदी विषय राजेंद्र सिंह बेदी: अपने खुतूत की रोशनी में:"	साहित्य अकादमी , नई दिल्ली	हैदराबाद	7-8 मई 2016

सम्मेलन/संगोष्ठी /कार्यशाला उपस्थिति: डॉफ़िरोज़ आलम .

राजेंद्र सिंह बेदी जन्म शताब्दी वर्ष संगोष्ठी	हैदराबाद	7-8 मई 2016

वर्ष 2016-17 के दौरान सीयूसीएस द्वारा सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन

1) 23 मई 2016 को डीडीई ऑडिटोरियम में "दादी अम्मा मान भी जाओ" (ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान छोटे बच्चों के साथ तैयार) खेल क्र.सं.- 12

1) स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम – 15 अगस्त, 2016 - डीडीई ऑडिटोरियम - प्रतिभागियों की संख्या - 21; 1) देशभक्ति गीत और तराना; 2) शहीदों के खुतुत

2) 3 दिवसीय कार्यशाला (उर्दू बच्चों के लिए संरचनात्मक लेखन) - 27 से 29 तक अगस्त, 2016 सी .एस.सी.यू. बिल्डिंग - क्र.सं. प्रतिभागी – 46; 2) तीन दिवसीय कार्यशाला (उर्दू क्रिएटिव राइटिंग बच्चों के लिए) - 27 से 29 अगस्त, 2016 सीयूसीएस बिल्डिंग में प्रतिभागियों की संख्या - 46;

3) "महफिल-ए-दस्तांगोई" उर्दू में कहानी कहने की पुरानी परंपरा, द्वारा सुश्री पूनम गिरधारी द्वारा 30 अगस्त , 2016 को मानू के छात्र और स्टाफ के लिए स्थान सीयूसीएस बिल्डिंग.

4) आज़ाद दिवस समारोह (साहित्यिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम, 2016) - 4 से 11 नवंबर, 2016 - मानू कैंपस - बड़ी संख्या में मानू छात्र और स्टाफ के बच्चों ने भाग लिया;

5) "ग़ज़ल गायन" (छात्र के लिए छह महीने के प्रशिक्षण पाठ्यक्रम) - नवम्बर 2016 से अप्रैल 2017 तक सीयूसीएस बिल्डिंग- प्रतिभागियों की संख्या - 3 9 छात्र (19 लड़के और 20 लड़कियां);

6) सांस्कृतिक शाम (मध्य क्षेत्र के कुलपति) सम्मेलन - गजल गायन गायक डॉ राधिका चोपड़ा - 28 नवंबर 2016 – डीडीई सभागार

7) लड़कियों के लिए दास्तानगोई कार्यशाला - 9 से 14 जनवरी, 2017 सीयूसीएस बिल्डिंग प्रतिभागियों की संख्या - 32 बालिकाएं

8) 1857 भारत के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम पर प्रदर्शनी - 26 से 28 जनवरी, 2017 को सीयूसीएस बिल्डिंग में – 25 विद्यार्थी शामिल और अभिनय किए गए - विद्यार्थी, स्टाफ और जुड़वां शहर के कई स्कूलों ने देखा.

ड्रेस और पर्सनालिटी वर्कशॉप - 18 से 23 फरवरी, 2017 सीयूसीएस बिल्डिंग, प्रतिभागियों की संख्या- 55 छात्रा और महिला कर्मचारी सदस्य

9) मानू ड्रामा क्लब प्रस्तुति "चौराहा" श्री अनीस आजमी द्वारा लिखित और निर्देशित एक नाटक (26 दिनों के थिएटर कार्यशाला के दौरान तैयार) 2 से 28 मार्च, 2017 - सीएसई आवासीय कोचिंग अकादमी के पास अम्पीथिएटर – प्रतिभागियों की संख्या- 15 छात्र;

ii) उर्दू में ज्ञान को बढ़ावा देने के लिए केन्द्र (सीपीकेयू)

स्थापना वर्ष : 2016

उद्देश्य:

- ज्ञान के अन्य क्षेत्रों में ज्ञान साहित्य के रूप में उर्दू का विकास और इस तरह की गतिविधियों का विस्तार।
- विलगित जीवन के अनुभवों से जोड़कर ज्ञान साहित्य के रूप में उर्दू भाषा सीखने के लिए छात्रों को तैयार करना।
- सहनशीलता, समग्रता, प्रेम और शांति की संस्कृति को अन्वेषण करते हुए चीजों की समझ और समझने के लिए क्या है, इसके लिए प्रक्रिया को समृद्ध करना। इसके अलावा, यह भी है कि अपनी समझ और दुनिया के साथ टकराव के बारे में जागरूकता बढ़ाने का भी लक्ष्य है।

केन्द्राध्यक्ष : डॉआबिद मोइज़ .

उर्दू जनता की भाषा थी और उन्होंने हजारों लेखकों और पत्रकारों का निर्माण किया, जिन्होंने संचार, शिक्षा, साहित्य और संस्कृति के संदर्भ में अपनी पदोन्नति के लिए योगदान दिया था, जो आज भी भारत के किसी भी भाग में पाया जा सकता है। उर्दू अभी भी अपनी पसंदीदा दृष्टिकोण, सौंदर्यवादी समझ, सादगी और जुनून के लिए कविता लिखने के लिए सबसे पसंदीदा भाषाओं में से एक है। विशेष रूप से, उर्दू गाने, जो कविता के सबसे ज्वलंत और रंगीन क्षेत्र में से एक का प्रदर्शन करते हैं, पढ़ते हैं और आधुनिक दुनिया में भी अपनी मिठास और माधुर्य के लिए बहुत उत्साह और प्रशंसा से सुनते हैं, जो मानव में नैतिकता और आध्यात्मिकता के गहरे आयामों में अच्छी तरह से एकीकृत जीवन शैली है। विश्वविद्यालय की जनादेश के अनुसार उर्दू भाषा को बढ़ावा देने के लिए बौद्धिक संपदा के तौर पर ज्ञान के हस्तांतरण से गहनता से जुड़ा हुआ है। विभिन्न कारणों से उर्दू ज्ञान साहित्य के क्षेत्र तक ही सीमित है और उर्दू करीब छह दशकों से लगभग अपनी महिमा से गुज़र रहा था। मूल ज्ञान साहित्य के रूप में उर्दू भाषा को बढ़ावा देने और पुनरोद्धार करने के लिए, विविध क्षेत्रों को जोडनें वाली प्रासंगिक सामग्री, सामग्री संवर्धन का ध्यान रखने के लिए कुछ व्यवस्थित संरचना होनी चाहिए।

iii) एच.के. शेरवानी दक्कन अध्ययन केन्द्र

स्थापना वर्ष - 2012

उद्देश्य:

केंद्र के दृष्टिकोण और मिशन शोध के उच्च स्तरीय क्षेत्रों और अंतर-अनुशासनात्मक अध्ययन दृष्टि में रखते हुए पाठ्यक्रम में रखते हुए तैयार किया गया है जो इन क्षेत्रों में से कई को अभी तक परंपरागत रूप से निर्मित ढांचे में अध्ययन के लिए जगह नहीं मिली है। दक्कन अध्ययन के लिए एच.के.शेरवानी केंद्र की स्थापना विकसित की गई। और मानू के शैक्षणिक ढांचे में सोचने के तरीके को फिर से परिभाषित करने के इच्छुक थे, केंद्र से पहले इसे अपने कार्यक्षेत्र में लाने का कार्य, अध्ययन के क्षेत्रों सामाजिक विज्ञान और मानविकी के लिए प्राकृतिक विज्ञान केंद्र के व्यापक आधार पर, सभी शामिल क्षेत्रों में अध्ययन-पुरातात्विक, ऐतिहासिक, भौगोलिक, भूवैज्ञानिक, कार्टोग्राफिक, प्रशासनिक, सामाजिक-आर्थिक, धार्मिक, सांस्कृतिक और साहित्यिक विषयों के विभिन्न विषयों और नदियों को एक साथ लाया जाता है-जो स्वस्थ अकादमिक मानकों का निर्माण करने के लिए एकजुट होगा। .

निर्देशक का नाम: प्रोसलमा अहमद फारूकी .

1. प्राध्यापक विवरण:

क्र.सं.	प्राध्यापक पदों की संख्या	पारित	भर्ती	टिप्पणियां
i.	**आचार्य**	01	01	
ii.	**सह- आचार्य**	01	--	
iii.	**सहायक आचार्य**	02	02	
iv.	**आगंतुक संकाय**	--		

2. संकाय उपलब्धियां: प्रोफसलमा अहमद फारूकी .

इनपुट	**विवरण**			
प्रकाशन	**पुस्तकें** - 01	**पत्रिकाएं** - 01	**प्रोसीडिंग्स** – 0	**प्रतिवेदन – 0**
समितियों में सेवारत	राष्ट्रीय	अंतरराष्ट्रीय	संपादकीय मंडल	अन्य कोई
	01	01	01	--
सम्मानसदस्यता/	क्षेत्रीय	राष्ट्रीय	अंतरराष्ट्रीय	पेशेवर
	--	--	--	02

इनपुट	**श्री ए. सुभाष**	**श्री अब्दुल माजिद**	
प्रकाशन	**प्रोसीडिंग्स** - 01	**पत्रिकाएं-01**	**प्रोसीडिंग्स - 01**
सम्मानसदस्यता/	**पेशेवर** - 02	**पेशेवर** - 02	

3. शोध विवरण : शोध के विशिष्ट क्षेत्र :

क्र.सं.	इनपुट	योग	विवरण	कुल अनुदान
i.	**प्राध्यापकों द्वारा जारी परियोजना**	01	**राष्ट्रीय**	Rs. 1,05,000/-
ii.	**परामर्श परियोजना**	02	**एनजीओ**	Rs. 40,000/-
iii.	**सहयोग**			**अंतरराष्ट्रीय** - 02

4. कार्यशाला /सम्मेलन/संगोष्ठी /परिसंवाद (संकेत संख्या)

श्रेणी	**राष्ट्रीय**		**अंतरराष्ट्रीय**	
सम्मलेन	**आयोजित**	03	**उपस्थिति**	03
संगोष्ठी	**उपस्थिति**	09	-	-
परिसंवाद	-	-	**आयोजित**	03

5. **प्रशिक्षण/पुनश्चर्या/अभिविन्यास कार्यक्रम :** राष्ट्रीय-प्रशिक्षण - 02; **अभिविन्यास** - 01

6. अतिथि व्याख्यान / विशिष्ट व्याख्यान

श्रेणी	**संयोजन - राष्ट्रीय**	**दिया गया**	
		राष्ट्रीय	**अंतरराष्ट्रीय**
अतिथि व्याख्यान	-	03	01
विशिष्ट व्याख्यान	03	01	-

7. प्रख्यात शिक्षाविदों की सूची / वैज्ञानिकों का आगमन / केंद्र द्वारा सूचीबद्ध पैनल

क्र.सं.	अकादमिक / वैज्ञानिक नाम	**उद्देश्य**	**दिनांक**
1	प्रोबेंजामिन कोहेन .	शोध	21.07.16
2	पेवंड फिरौज़े एएसपीएस - विजिटिंग स्कॉलर		3.05.16
3	डॉ एन ताहेर	व्याख्यान	22.09.2016
4	प्रोपिएरे सिल्वन ., संस्कृत विद्वान	--	30.02.2017
5	डानेविना हैदर ., इस्लामी आर्ट क्यूरेटर ऑफ़ मेट्रोपोलिटन म्यूजियम ऑफ़ आर्ट, न्यूयॉर्क, यूएसए	अंतरराष्ट्रीय विचार विमर्श में व्याख्यान	30-31 जनवरी 2017
6	प्रफिसर पैट्रिक मैनिंग एंड्रयू डब्लू। मेलेन, , प्रोविश्व . इतिहास पिट्सबर्ग विश्वविद्यालय		
7	डॉ-वसुंधरा कवली . फ़िलियोज़ात, शोधकर्ता		
8	प्रोआलम इतिहास विभाग एएमयू इशरत .		
9	श्री सज्जाद शहीद सह संयोजक आईएनटीएसीएच		
10	डॉकलूस रोत्ज़ेर . पुरातत्वविद् और इतिहासकार		
11	श्री अमीन हल्लूर स्वतंत्र विद्वान		
12	प्रोसुचंद्र घोष प्राचीन इतिहास एवं संस्कृति विभाग ., कलकत्ता विश्वविद्यालय		
13	डॉसेषनइतिहास विभाग पुणे विश्वविद्यालय राधिका .	परिसंवाद में दिया गया व्याख्यान	
14	डॉ .बिना सेंगर प्राचीन इतिहास और संस्कृति विभाग डॉ . बीआर अम्बेडकर मराठवाडा विश्विद्यालय औरंगाबाद		
15	डॉनजरुल बारी अध्यक्ष इतिहास विभाग .मो ., सीयूके		
16	डॉएवं उप संपादक द हिन्दू नागा श्रीधर इतिहासकार .		
17	श्री वीसबनीस .एस. सहायक अधीक्षक पुरातत्वविद्, अभिलेखागार निदेशालय और पुरातत्व, गोवा सरकार		
18	प्रोविश्वविद्यालयबीपी साहू इतिहास विभाग दिल्ली . विश्वविद्यालय		

डेक्कन हेरिटेज क्लब : डेक्कन हेरिटेज क्लब की स्थापना वर्ष 2015 हुई थी। युवा शिक्षार्थियों में जागरूकता पैदा करने, और दक्कन की समृद्ध संस्कृति और परंपराओं को बनाए रखने और बढ़ावा देने के उद्देश्य से इसकी स्थापना की गयी है। क्लब की सदस्यता मानू के स्नातकोत्तर छात्रों के लिए खुली है। क्लब की गतिविधियों में स्मारकों और पुरातात्विक स्थलों के लिए मासिक क्षेत्रीय यात्राएं, ऐतिहासिक क्षेत्रों की विरासत को समझाना शामिल है। इसके अलावा संग्रहालयों की साइट पर विज़िट, शिल्प केंद्रों, कपड़ा उद्योग इकाइयों, हस्तशिल्प कार्यशाला, प्रश्नोत्तरी, प्रश्नोत्तरी चर्चा, पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन, दक्कन के पुरातात्विक विशेषज्ञों के व्याख्यान आदि शामिल हैं.

भविष्य की योजनायें: • दक्कन के वायफेर नामक एक घर के प्रमुख शोध अध्ययन पर काम करने की योजनाएं

बैठकों की संख्या:

1. एच.के. शेरवानी सेंटर की सलाहकार समिति द्वारा दक्कन अध्ययन हेतु का आयोजन का आयोजन 19 अगस्त, 2016 को मनू में किया गया।
2. छठी सलाहकार स1मिति की बैठक एच.के. शेरवानी सेंटर दक्कन स्टडीज में 25 नवंबर, 2016 को आयोजित की गयी

डेक्कन हेरिटेज क्लब के विद्यार्थी कुली क़ुतुब शाह के मकबरे पर

गोलकुंडा किले में दक्कन हेरिटेज क्लब के छात्र

भोंगीर किले में हेरिटेज क्लब के छात्र

iv) सामाजिक बहिष्कार और समावेशी नीति के अध्ययन के लिए अल बरुनी केंद्र- (एसीएसएसईआईपी)

स्थापना वर्ष : 2007

उद्देश्य:

इस केन्द्र का उद्देश्य है सैद्धांतिक नीति के ढांचे को बरकरार रखने के लिए कुछ चुनिंदा समूहों के बीच सामाजिक बहिष्कार की प्रकृति, सीमा और रूपों का अध्ययन करना है।इसका मुख्य उद्देश्य जाति / जातीयता और धर्म के आधार पर भेदभाव, बहिष्कार और उसके मुख्य कारणों का अध्ययन करना है ।एक अनुभवजन्य स्तर पर बहिष्कार और भेदभाव की प्रकृति और गतिशीलता की समझ विकसित करना और इन समूहों के अधिकारों की सुरक्षा के लिए नीतियों को तैयार करना और भेदभाव और बहिष्कार की समस्या को समाप्त करना. सीएसएसईआईपी के विशेष अध्ययन क्षेत्र में धार्मिक अल्पसंख्यकों का अध्ययन किया जाता है ताकि मुसलमानों को एक सामाजिक रूप से बहिष्कृत समूह के रूप में विशेष ध्यान दिया जा सके और दलितों और जनजातियों जैसे अन्य बहिष्कृत समूहों का अध्ययन किया जा सके।

निदेशक: प्रो. कांचा एलैहिया

संकाय उपलब्धियां

1.	**प्रकाशन**	**पुस्तकें**	**पत्रिकाएं**	**प्रोसीडिंग्स**	**दस्तावेज / रिपोर्ट**
		1	9	2	1
2.	**समितियों में सेवारत**	**राष्ट्रीय –** 2			
3.	**सम्मानसदस्यता/**	**क्षेत्रीय–**1			**राष्ट्रीय –** 1

शोध विवरण :

i.	**प्राध्यापकों द्वारा जारी परियोजना**	**राष्ट्रीय**: 2	
ii.	**विभागीय परियोजना**	**डीबीटी /आईसीएसएसआर**	1
iii.	**कंसल्टेंसी परियोजना**	**सरकार**	2

कार्यशाला / सम्मेलन / संगोष्ठी / परिसंवाद

श्रेणी	**स्तर**	**आयोजित**	**उपस्थिति**
कार्यशाला	राष्ट्रीय	-	1
सम्मलेन	अंतरराष्ट्रीय	-	1
संगोष्ठी	राष्ट्रीय	1	4
परिसंवाद	राष्ट्रीय	1	-

प्रख्यात शिक्षाविदों की सूची / वैज्ञानिकों का आगमन / विभाग द्वारा सूचीबद्ध

क्र.सं	अकादमी / वैज्ञानिक नाम	उद्देश्य	दिनांक
1	प्रो.फैजान मुस्तफा	सलाहकार समिति के सदस्य	23 नवंबर 2016
2	प्रो. अडपा सत्यनारायण		

मूलभूत सुविधाएँ **:**

क्र.सं.	मूलभूत	सुविधाएं					
1.	भौतिक	कक्षा	√	संगोष्ठी हाल	√	स्टाफ कक्ष	√
2.	अकादमिक	पुस्तकालय	√	डिजिटल पुस्तकालय		वाचनालय	√
3.	कौशल विकास			कार्यशाला	√		

पूर्व छात्र संघ : मो. हुसैन - 2016

अतिथि व्याख्यान: संयोजित 3 राष्ट्रीय स्तर

छात्र विविधता एवं प्रगति

पाठ्यक्रम	उसी विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों का प्रतिशत	अन्य विश्वविद्यालयों के विद्यार्थियों का प्रतिशत
एम.फिल	100	-

परीक्षा की सफलता दर

पाठ्यक्रम	श्रेष्ठता से उत्तीर्ण विद्यार्थियों का प्रतिशत /ए ग्रेड	प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण विद्यार्थियों का प्रतिशत / ए ग्रेड
एम.फिल	-	100

सर्वोत्तम प्रणालियाँ : 1) केरल, कर्नाटक, टी.एन, ए.पी. और तेलंगाना राज्य के संबंधित राज्यों के स्थानीय लोगों के साथ बातचीत करने के लिए यात्रा। गैर सरकारी संगठनों, सरकारी कर्मचारियों / अधिकारियों, सिविल सोसाइटी संगठनों, धार्मिक नेताओं, राजनेता, शिक्षाविदों, युवाओं, एसएचजी और एसईजी के साथ आयोजित बैठकें । (**दिसंबर** 2015 **से जून** 2016);

2) हैदराबाद के पुराने शहर के सम्मानित लोगों के सहयोग से, सरकार के कौशल विकास कार्यक्रम (मई-जून 2016) के तहत बेरोजगार युवाओं के साथ जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए थे।

3) शैक्षणिक सहकर्मी और विद्यार्थियों द्वारा तेलुगु और उर्दू के सरकारी माध्यमिक विद्यालयों का दौरा करके छात्रों को उच्च शिक्षा के क्षेत्र में अवसरों के बारे में चर्चा सत्र का आयोजन किया गया।

4) **अतिरिक्त कार्य: केंद्र और राज्य सरकार की साक्षात्कार नीति (युवा और धार्मिक अल्पसंख्यकों के लिए) के संबंध में मुसलमानों के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए नीति निर्माताओं, सरकारी एजेंसियों और नागरिक समाज के साथ काम किया गया।**

भविष्य की योजनाएँ: दलितों की सामाजिक-आर्थिक स्थिति और धार्मिक अल्पसंख्यकों और सामाजिक रूप से बहिष्कृत समूहों के बारे में अनुभवजन्य आंकड़े एकत्र करने और अध्ययन करना। समावेशी विकास और सामाजिक न्याय के लिए नीति तैयार करने और कार्यक्रम के कार्यान्वयन के लिए विभिन्न सरकारी विभागों को डेटा प्रदान करना।

विद्यार्थियों को वित्तीय सहायता : आठ(8) शोधार्थी ; **प्रतियोगी परीक्षा की सफलता दर** : नेट – 1 उत्तीर्ण

विभाग की वैधानिक समितियां: डीसी/डीआरसी: हाँ; सलाहकार समिति: हाँ

बीओएस संख्या / सलाहकार समिति बैठक: 1

शैक्षणिक, खेल और अतिरिक्त पाठ्यचर्या वाला आयोजन / गतिविधियों की तस्वीरें

डॉ. बी आर अम्बेडकर का 125 वां जन्मदिन समारोह। एक बैठक और चर्चा 12 मई 2016 को आयोजित की गई थी।

27.03.2016 को "सामाजिक हिंसा और सामाजिक बहिष्कार" राष्ट्रीय संगोष्ठी में सीएसईआईपी के निदेशक प्रोफेसर कंचा ऐल्लय्या

श्री उमर जलील, आईएएस, सचिव, अल्पसंख्यक कल्याण विभाग, तेलंगाना, "अल्पसंख्यकों के विकास के लिए नीतियां और योज नाएं" विषय पर व्याख्यान देते हुए ।

श्री नसीम अनवर, सहायक प्रबंधक, आंध्र बैंक, चारमीनार, हैदराबाद, "क्रेडिट और बैंकिंग तक पहुंच" विषय पर चर्चा करते हुए ।

एसीएसईईपी प्राध्यापक क्षेत्रीय यात्रा में डेटा संग्रह तक नीक को दिखाते हुए

23.11. 2016 को एसीएसएसईआईपी में आयोजित सलाहकार समिति की बैठक

v) महिला अध्ययन केंद्र

स्थापना वर्ष : 2004

केंद्र का उद्देश्य: शिक्षण, अनुसंधान, प्रशिक्षण, क्षेत्र क्रिया और वकालत के माध्यम से महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए काम करना। महिलाओं को काम करने और महत्वपूर्ण मुद्दों पर लिंग विश्लेषण की सुविधा के लिए एक जगह बनाना। उर्दू बोलने वाली महिलाओं और समुदाय स्तर पर लिंग समानता की अवधारणा के सशक्तिकरण पर ध्यान केंद्रित करना।

निदेशक: डा. अमीना तहसीन

1. प्राध्यपको की उपलब्धियां

प्रकाशन	**पुस्तकें** -01	**सम्मानसदस्यता/**	**क्षेत्रीय – 1**	**प्रोफेशनल बॉडीज़ –** 1

2. शोध विवरण: शोध के विशिष्ट क्षेत्र :

प्राध्यापकों द्वारा जारी परियोजना	**राष्ट्रीय : 1**	**1, 05, 000/-**
अंतर्संस्थानिक सहयोग	18.10.2016 को एनएचआरसी, नई दिल्ली के सहयोग से "महिलाओं के अधिकार" विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम	

3. कार्यशाला /सम्मेलन / संगोष्ठी / परिसंवाद: आयोजित - राष्ट्रीय - 01 ;उपस्थिति - राष्ट्रीय - 06

4. प्रशिक्षण /अभिविन्यास कार्यक्रम : प्रशिक्षण: आयोजित - राष्ट्रीय - 02; अभिविन्यास: उपस्थिति - राष्ट्रीय - 01

5. अतिथि व्याख्यान / विशिष्ट व्याख्यान: आयोजित - राष्ट्रीय - 01

6. प्रख्यात शिक्षाविदों की सूची / वैज्ञानिकों का आगमन / केंद्र द्वारा सूचीबद्ध पैनल

क्र.सं.	अकादमी / वैज्ञानिक का नाम	उद्देश्य	दिनांक
1.	डॉ. दुर्दाना	अतिथि प्रशिक्षण कार्यक्रम	20- 21.09.2016
2.	प्रो. फैजान मुस्तफा	अतिथि और आमंत्रित पैनल के सदस्य का प्रशिक्षण कार्यक्रम	18.10.2016
3.	प्रो. अह्मदुलाह खान		
4.	प्रो. फातिमा अली खान		
5.	श्रीमती रेहाना गौस		
6.	डॉ. फरज़ाना खान		
7.	श्रीमती कमला भासिन	विस्तार व्याख्यान	21.10.2016
8.	श्री. बी. नर्सिंग राव	प्रदर्शनी के लिए मुख्य अतिथि	8 – 9.11.2016
9.	श्रीमती जलीसा सुलताना यासीन	विस्तार व्याख्यान	8.12.2016
10.	श्रीमती तसनीम जौहर	विस्तार व्याख्यान	
11.	प्रो. एस.ए. शकूर	सम्मानीय अतिथि	4-5.03.2017
12.	प्रो. अब्दुल सत्तार दलवी	सम्मानीय अतिथि	
14.	डॉ. सुफिया बेगम	आमंत्रित वक्ता	
15.	प्रो. सय्यद सज्जाद हुसैन		
16.	प्रो. खलील अहमद		
17.	डॉ. औदेश रानी		
18.	प्रो. अमीना किशोरे		
19.	प्रो. अब्दुल सत्तर साहिर		

सर्वोत्तम प्रणालियाँ

- कार्यशाला / लिंग संवेदीकरण पर प्रशिक्षण
- • स्त्री मुद्दों पर जागरूकता व्याख्यान

• लैंगिक समानता विषयों पर साहित्यिक और सांस्कृतिक गतिविधियां

नवीन पाठ्यक्रम अकादमिक सुधार / : अनुलग्नक-I में संलग्न

बीओ एस की क्रस्कूल बोर्ड मीटिंग / .सं. :

* सलाहकार समिति बैठक (1)

* स्थायी समिति की बैठकें (3)

क्षेत्रीयकार्य कार्यक्रम: तीन श्रेणियों में व्यवस्थित

i) प्रयोगशाला/संगोष्ठी /परिसंवाद / सम्मेलन / पैनल चर्चा / एक्शन रिसर्च

ii) विशेष / जागरूकता कार्यक्रम और

iii) साहित्यिक - सांस्कृतिक कार्यक्रम

i) कार्यशाला का विवरण / संगोष्ठी /परिसंवाद / सम्मेलन / पैनल चर्चा

7. सूचना प्रसार, दस्तावेजीकरण और प्रकाशन

• दस्तावेज़ीकरण कार्य

दस्तावेजों का विवरण	**प्रकाशित / दस्तावेज़ीकरण**
एचआईवी एड्स और महिलाएं	दस्तावेज़ीकरण
हम और हमारा स्वास्थ्य	दस्तावेज़ीकरण
मुस्लिम महिला का विरासत में अधिकार	दस्तावेज़ीकरण
मेहर - मुस्लिम महिला का अधिकार	दस्तावेज़ीकरण
भारत में महिलाओं की स्थिति (सांख्यिकीय सूचना)	दस्तावेज़ीकरण
मुस्लिम महिलाओं के रखरखाव के अधिकार	दस्तावेज़ीकरण

==========

माननीय डॉ. मोहम्मद असलम परवेज़ कुलपति, मानू, 20 और 21 सितंबर 2016 को गृह आधारित महिलाओं द्वारा निर्मित हस्तशिल्प प्रदर्शनी, सह बिक्री का उद्घाटन करते हुए, साथ में डॉ. शकील अहमद (सम कुलपति, मानू) और डॉ. अमेना तहसीन (निदेशक, सीडब्ल्यूएस)

दिनांक 8-10-2016 को "महिलाओं के अधिकार" शीर्षक से आयोजित एकदिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में नलसर विश्वविद्यालय आफ़ लॉ के कुलपति माननीय प्रो. फैज़ान मुस्तफा प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए.

==========

प्रख्यात नारीवादी, कार्यकर्ता और लेखक सुश्री कमला भसीन 21-10-2016 को "लिंग, समाज और हिंसा" विषय पर विस्तारपूर्वक व्याख्यान देते हुए.

==========

8 व 9 नवम्बर, 2016 को "मदर-ए-वतन को सलाम" नामक फोटो प्रदर्शनी ।

स्वतंत्रता सेनानी श्री बी नरसिंगराव प्रदर्शनी का उद्घाटन करते हुए साथ में डॉ. असलम परवेज़, कुलपति, मानू

25 नवंबर 2016 से 10 दिसबंर 2016 को "एलिमिनेशन ऑफ वाइलेंस अगेंस्ट वूमन एंड गर्लस" पर डॉ.शकील अहमद,सम-कुलपति, मानू, द्वारा जागरूकता अभियान

09-12-2016 में आलापूर, बोराबंडा, हैदराबाद में"एलिमिनेशन ऑफ वाइलेंस अगेंस्ट वूमन एंड गर्लस" अभियान

"जनवरी 2017 में गर्ल चाइल्ड डे- समारोह" पर फलक नाज़ द्वार मानू मॉडल स्कूल में संबोधन

जनवरी 2017 में सफदरिया गर्ल्स हाई स्कूल,हैदराबाद में आयोजित साहित्यिक और सांस्कृतिक प्रतियोगिताएं

8 मार्च, 2017 को महिला स्वयं रक्षा प्रशिक्षण @ गर्ल्स हॉस्टल, अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस

XIII) समर्थन केन्द्र

i) विश्वविद्यालय केन्द्रीय पुस्तकालय

विश्वविद्यालय की केन्द्रीय पुस्तकालय, प्राध्यापक, अनुसंधान विद्वानों और छात्रों की जानकारी की जरूरतों को पूरा करने के लिए विश्वविद्यालय की महत्वपूर्ण सुविधाओं में से एक है। लाइब्रेरी ज्ञान संसाधनों का मुख्य रूप से उर्दू, अरबी, फ़ारसी, हिंदी, प्रबंधन, इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी और संबद्ध विषयों से संबंधित है। लाइब्रेरी का उद्देश्य मौलाना आजाद नेशनल उर्दू यूनिवर्सिटी के अकादमिक समुदाय के लिए सक्रिय और अभिनव सूचना सेवाएं प्रदान करना है। लाइब्रेरी की इमारत में 3300 वर्ग मीटर का क्षेत्रफल है, इसमें एक अत्याधुनिक ऑडिटोरियम और पुस्तकालय भवन के केंद्र में एक सुंदर बगीचा है। लाइब्रेरी का नाम दिवंगत सैयद हामिद (प्रमुख भारतीय शिक्षाविद्, राजनयिक और भारतीय प्रशासनिक सेवा के सदस्य) के नाम पर रखा गया है।

साईंद हामिद पुस्तकालय, ज्ञान संसाधनों और सूचना सेवाओं के संग्रह की विस्तृत श्रृंखला के साथ, मानू के छात्रों और प्राध्यापक सदस्यों के बौद्धिक कार्यों में एक अनिवार्य आवश्यकता पूरी करता है। लाइब्रेरी उच्चतम पेशेवर मानकों पर सेट एक विस्तृत श्रृंखला की सूचना सेवाओं की पेशकश करने और मानू उपयोगकर्ता समुदाय के लिए सक्रिय संदर्भ सेवाएं प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

पुस्तकालय सेवाएँ:

मद	वर्तमान	नए जोडे गए	कुल
	सं.	सं.	सं.
पाठ्य पुस्तक संदर्भ पुस्तकें	57031	6652	63683
ई-पुस्तकें	Nil	2500	2500
पत्रिकाएँ	121	43	164
ई-पत्रिकाएँ	यूजीसी इन्फोनेट सहायता संघ के माध्यम से प्राप्त - 8 डाटा बेसिस		
डिजीटल डाटाबेस	-	-	-
सीडी और वीडियों			पुस्तकों सहित प्राप्त सीडी
अन्य (विशेष रूप में)			

ii) सूचना प्रौद्योगिकी केन्द्र (सीआईटी)

केंद्र के लिए सूचना प्रौद्योगिकी (सीआईटी) आईसीटी के परिचय के साथ एक पूरी तरह से एकीकृत सूचना प्रबंधन प्रणाली है कि उद्धार और छात्र, प्राध्यापक और समर्थन अधिकारियों के लिए शैक्षिक सेवाओं का समर्थन करने के लिए अनुमति देने के उद्देश्य के साथ की स्थापना की है। सीआईटी को बढ़ावा देता है और परिवर्तन और सूचना प्रबंधन प्रणाली का मानकीकरण की सुविधा और भी केंद्रीय और डेटा भंडारण का मानकीकरण। सीआईटी भी छात्रों और शिक्षकों के लिए कंप्यूटिंग सुविधाओं उपलब्ध कराने के लिए आईसीटी आवश्यकताओं को पूरा करता है। सीआईटी से छोटे कंप्यूटिंग सुविधा एक महत्वपूर्ण केंद्रीय सुविधा करने के लिए विकसित किया गया। इसकी प्रकृति पुनर्सज्जा शिक्षा और अनुसंधान के साथ आधुनिकीकरण के ध्यान में रखते हुए, विश्वविद्यालय आईसीटी रणनीतिक सुधार और परिवर्तन प्रणाली में प्रेरित करने के लिए एक उपकरण के रूप में इस्तेमाल किया गया है।

उपरोक्त को समझने के लिए, मानू ने निम्नलिखित मिशन वक्तव्य तैयार किए हैं:

- विश्वविद्यालय के प्राध्यापक, छात्रों और कर्मचारियों को इंटरनेट सक्षम कंप्यूटिंग सुविधाएं प्रदान करने के लिए। पर्याप्त वाई-फाई सुविधाओं के साथ एक अत्याधुनिक परिसर विस्तार नेटवर्क बनाने और बनाए रखने के लिए ।
- ई-गवर्नेंस (ईआरपी) प्रणाली को विकसित और प्रबंधित करने के लिए जो प्रभावी निर्णय लेने के लिए अभिनव तरीकों और समर्थन की जानकारी की आवश्यकता में विश्वविद्यालय की शैक्षिक और प्रशासनिक प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित और स्वचालित बनाता है।
- प्रदर्शन विश्लेषण और गुणवत्ता सुधार के लिए विशिष्ट डेटा विश्लेषिकी के लिए विश्वविद्यालय के ई-गवर्नेंस सिस्टम का लाभ उठाने के लिए । देश और देश के विभिन्न हिस्सों में रिमोट बैठकों का आयोजन करने के लिए, समय और संसाधनों को बचाने के लिए मानू हैदराबाद और इसके सैटेलाइट / क्षेत्रीय परिसरों / उप-क्षेत्रीय केंद्रों के बीच इलेक्ट्रॉनिक लिंक और वेब कॉन्फ्रेंसिंग प्रणाली की स्थापना करना। सैटेलाइट कैंपस / क्षेत्रीय केंद्र / उप-क्षेत्रीय केंद्रों और दूरस्थ शिक्षा के छात्रों के लिए वर्चुअल कक्षाओं की स्थापना करने हेतु।
- एमओओसी को बढ़ावा देने के लिए और मानू छात्रों और प्राध्यापक सदस्यों को उनके प्रभावी वितरण के लिए अनुकूल तकनीकी वातावरण प्रदान करना।
- विश्वविद्यालय के प्रशासनिक और शैक्षिक कार्यों को ई-मेल सुविधाओं के साथ एकीकृत करके कागज की खपत को कम करना। विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं और / या विशिष्ट आवश्यकताओं के लिए वैज्ञानिक / कस्टम सॉफ्टवेयर विकास करने के लिए ।
- तीन भाषाओं उर्दू, हिंदी और अंग्रेजी में एक गतिशील, बहुभाषी, अक्षम-अनुकूल और अनुकूली विश्वविद्यालय पोर्टल को विकसित और बनाए रखने के लिए ।
- यूनिवर्सिटी के उपयोगकर्ताओं के स्थानीय सॉफ़्टवेयर और डेटा आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए इंट्रानेट सेवाएँ स्थापित करने के लिए और मानू कैम्पस में 24x7 आईपी-आधारित निगरानी प्रणाली का विकास करना और उसके रखरखाव को देखना। आवाज संचार के लिए आईपी-पीबीएक्स प्रणाली को स्थापित करना और उसका रखरखाव देखना। विश्वविद्यालय के उपयोगकर्ताओं के लिए आईटी हेल्पडेस्क की स्थापना करना है। प्राध्यापक सदस्यों, छात्रों और अन्य कर्मचारियों के लिए लगातार आईसीटी क्षमता विकास कार्यक्रमों को व्यवस्थित करने के लिए।

उपरोक्त के मद्देनजर, मानव यूपीयू ने सूचना प्रौद्योगिकी के लिए केंद्र को फिर से शुरू करने और पांच तकनीकी समूहों में आयोजित आईसीटी पेशेवरों की एक टीम बनाने का प्रस्ताव दिया है, जैसे ई-गवर्नेंस, आईसीटी सहायता डेस्क, डाटा सेंटर, वेब सेवाओं और नेटवर्क सुरक्षा प्रदान करना है। यह भारत सरकार के डिजिटल इंडिया कार्यक्रम के अंतर्गत परिकल्पना के रूप विश्वविद्यालय के कैंपस को स्मार्ट कैम्पस में परिवर्तित करने के लिए प्रभावी ढंग से सहायता करेगा।

iii) अनुदेशात्मक मीडिया केन्द्र(आईएमसी)

अनुदेशात्मक मीडिया केंद्र (आईएमसी), ऑडियो, वीडियो, रेडियो, टीवी और मल्टीमीडिया के आधार पर मीडिया घटकों के साथ अपने दूरस्थ और परंपरागत शिक्षा को समृद्ध करने के लिए मानू द्वारा उठाए गया एक पहल है।

आईएमसी पाठ्यक्रम आधारित कार्यक्रमों का निर्माण कर रहा है, व्यापक उदार दर्शकों को लक्षित शैक्षिक वृत्तचित्रों के साथ ही विशेष अवसरों के लिए कार्यक्रम भी तैयार कर रहा है। मानू कैंपस अंतर्गत संगोष्ठियों/ कार्यशालाओं/सम्मेलनों आदि कराता है ।

अप्रैल-2016-मार्च-2017 माह के दौरान घटनाक्रमों और आईएमसी गतिविधियों का प्रतिवेधन इस प्रकार है।

वीडियों निर्माण में एक नई पहल:

ओडीएल छात्रों के लिए शैक्षिक कार्यक्रम तैयार करने हेतु शैक्षिक समन्वय समिति की पहली बैठक 15 फरवरी 2017 को प्रशासन भवन, सम्मेलन कक्ष में आयोजित की गई थी। इस बैठक का उद्देश्य ओडीएल कार्यक्रमों के निर्माण हेतु दीर्घकालिक रणनीति पर चर्चा करना था। पहली बैठक माननीय कुलपति की अध्यक्षता में की गई और जिसमें सम-कुलपति, निदेशक डीडीई और विभागाध्यक्षों ने भाग लिया।

2) आईएमसी ने निर्माण प्रक्रिया के साथ प्राध्यापक सदस्यों का परिचय कराने के लिए 27 फरवरी-2017 से 6 मार्च -2017 तक मुक्त एवं दूरस्थ ज्ञानार्जन मल्टीमीडिया कार्यक्रम निर्माण पर अभिविन्यास कार्यक्रम का आयोजन किया। यह बेहद सफल रहा और 70 डीन, विभागाध्यक्षों और प्राध्यापक सदस्यों ने इसमें भाग लिया।

आईएमसी कर्मचारियों ने जनसंचार और पत्रकारिता के छात्रों को अधिवीक्षण और प्रशिक्षित किया। विभाग विभिन्न परियोजनाओं पर

व्यक्तित्व आधारित वीडियो निर्माण में "मैं और मेरा बचपन" मी एंड माय चाइल्डहुड के नाम पर एक अनूठी श्रृंखला को शुरू किया गया। इस श्रृंखला का एकमात्र उद्देश्य जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में बहुमुखी व्यक्तियों के महत्वपूर्ण पहलुओं को प्रकट करना है। इसके अलावा, विशेष अवधि की भाषा, साहित्य और सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करना और इसे कैमरे की आंखों के माध्यम से रहने वाले किंवदंतियों के अपने शब्दों के साथ दस्तावेजी साक्ष्य बनाना है। निम्नलिखित कार्यक्रमों को आई.एम.सी. द्वारा रिकोर्ड किया गया है :-

प्रो.शमसूर रहमान फारूकी (प्रख्यात उर्दू आलोचक)
के.के.मोहम्मद (प्रमुख पुरातत्त्वविद्)
प्रो.इब-ने-कनवल (डीयू)
प्रो.शरीफ़ हुसैन कासमी(डीयू)
प्रो.शमीम हनाफी (प्रख्यात आलोचक)
प्रो.काज़ी अफज़ाल (एएमयू)
प्रो.शाहपर रसूल(जेएमआई)
अल्लामा ऐजाजड फारूख

विभिन्न विषयों के पाठ्यक्रम आधारित कार्यक्रम, जिसमें विज्ञान, मानविकी और सामाजिक विज्ञान शामिल हैं - 20 संख्या; आई.एम.सी. द्वारा विशेष कार्यक्रम का निर्माण – 13
संगोष्ठियों/ कार्यशालाओं/सम्मेलनों आदि के साथ., - कुल- 60

अन्य गतिविधियाँ: प्रसिद्ध भारतीय फिल्म, थियेटर व्यक्तित्व श्री एम के रैना और एथलीट और क्रोएशिया के प्रोफेसर वेना बाबाक ने एक चर्चा रिकॉर्डिंग के लिए आईएमसी स्टूडियो का दौरा किया।

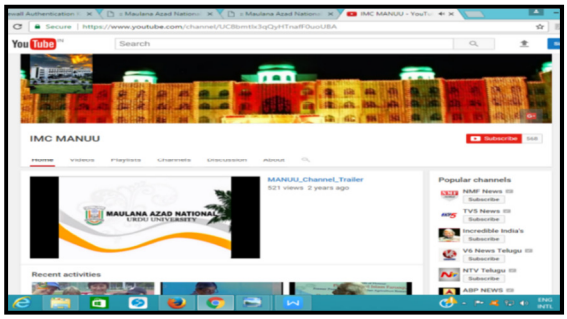

यूट्यूब और मानू वेबपेज पर वीडियो: आईएमसी ने अपने स्वयं के यूट्यूब चैनल का सृजन किया(UC8bmtIx3qQyHT nafF0uoUBA) और मानू हॉमपेज पर लींक किया गया है। यूट्यूब चैनल पर मानू इवेंट्स और अन्य पाठ्यक्रम-आधारित कार्यक्रम अपलोड किए गए है।

श्री. रिज़वान अहमद (भूतपूर्व उप निदेशक/विभागाध्यक्ष, डीएफएफ, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय) ने दिसंबर 2016 में आई.एम.सी. निदेशक पद नियुक्त हुए। इन्हें 21 से 28 मार्च - 2017 तक सम्मानित अतिथि के रूप में **फ़ज्र इंटरनेशनल फिल्म्स फेस्टिवल, तेहरान ईरान** में आमंत्रित किया गया था।

iv) अनुवाद एवं प्रकाशन निदेशालय (डीटीपी)

मौलाना आजाद नेशनल उर्दू यूनिवर्सिटी को अनिवार्य शिक्षा के उर्दू माध्यम के उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए अनुवाद और प्रकाशन निदेशालय (डीटीपी) की स्थापना एक महत्वपूर्ण पहल है। मानु अधिनियम में अपने विश्वविद्यालय की स्थापना के मूल उद्देश्य का उद्देश्य उर्दू भाषा को बढ़ावा देना और विकसित करना, उर्दू माध्यम के व्यावसायिक और तकनीकी विषयों में शिक्षा और प्रशिक्षण देना है और उच्च शिक्षा और प्रशिक्षण कार्यक्रमों को पूरा करने के इच्छुक लोगों तक व्यापक पहुंच प्रदान करना है। आज, भाषाओं के अलावा, विश्वविद्यालय सामाजिक विज्ञान, वाणिज्य और प्रबंधन, विज्ञान और प्रौद्योगिकी और अन्य समकालीन विषयों में पाठ्यक्रम पेश कर रहा है। इसके अलावा, दूरस्थ मोड के माध्यम से, विश्वविद्यालय विभिन्न यूजी और पीजी पाठ्यक्रमों की पेशकश कर रहा है जहां शिक्षा की भाषा भी उर्दू है। हालांकि, विषयों की इस विस्तृत श्रृंखला में अनिवार्य पुस्तकों की कमी या अनुपलब्धता अध्यापन और शिक्षा के रास्ते में एक ठोकर खाई है। ज्ञान की वैज्ञानिक और आधुनिक धाराओं में उर्दू पुस्तकों के प्रकाशन के संबंध में, यह परिदृश्य राष्ट्रीय या वैश्विक स्तर पर अलग नहीं है। यह अधोरेखित करना प्रासंगिक है कि भले ही उर्दू पुस्तकों को भारत या अन्य जगहों पर प्रकाशित किया जा रहा है, वे ज्यादातर कथाएं, कविता, साक्षरता की आलोचना, राजनीति, इस्लाम और मुस्लिम संस्कृति आदि विज्ञान, सामाजिक विज्ञान, वाणिज्य या क्षेत्र में प्रकाशन अन्य समकालीन विषयों बहुत कम हैं उर्दू माध्यम के छात्रों के लिए पाठ्यपुस्तकों के उत्पादन के क्षेत्र में बहुत कम प्रयास किए गए हैं, जो कि उनकी शिक्षा और बौद्धिक प्रगति को बढ़ाने के लिए आवश्यक हैं।

छात्रों की शैक्षणिक जरूरतों को पूरा करने के लिए यह अपरिहार्य है और इसलिए सभी बुनियादी सामग्री और पाठ्य पुस्तकों के लिए व्यवस्था की जाती है जो विभिन्न डिस्क्लेन्स और पाठ्यक्रमों के लिए आवश्यक हैं जो विश्वविद्यालय द्वारा परिसर और शिक्षा के दोनों दूरी के माध्यम से चलाये जा रहे हैं। इसके अलावा, पाठ्य पुस्तकों को समय-समय पर समीक्षा करने के लिए एक प्रभावी तंत्र रखने के लिए अनिवार्य भी है और उन्हें सीखने की सामग्री को अद्यतन करने के लिए पुनः प्रकाशित करना अनिवार्य है। इन लक्ष्यों को ध्यान में रखते हुए, विश्वविद्यालय ने 2016 में जनवरी में "अनुवाद और प्रकाशन निदेशालय" की स्थापना की।

इसकी स्थापना के बाद से, अनुवाद और प्रकाशन निदेशालय (डीटीपी) ने मैनुअयू द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न पाठ्यक्रमों के पाठ्यक्रम के आधार पर विभिन्न पाठ्यक्रम पुस्तकों और सामग्रियों के उत्पादन और प्रकाशन से जुड़े जिम्मेदारियों को उठाया है। यदि आवश्यक पुस्तकों / सामग्रियां अन्य भाषाओं में हैं, तो निदेशालय उन्हें उर्दू में अनुवाद करने का प्रबंधन करता है। यह सभी धाराओं और शैलियों की पुस्तकों को तैयार करने और प्रकाशित करने की व्यवस्था भी करता है, विभिन्न भाषाओं से प्रसिद्ध किताबों को उर्दू में अनुवाद करने और साथ ही उर्दू माध्यमों, शिक्षक और उर्दू प्रेमियों के लोगों की मदद के लिए प्रिंट से बाहर निकल गई महत्वपूर्ण उर्दू पुस्तकों का पुनरुत्पादन करने की योजना है। सीखने के विभिन्न क्षेत्रों में अपने ज्ञान और ज्ञान को बढ़ाएं। निदेशालय भी एक वार्षिक अनुसंधान और रेफ्रिच पत्रिका "अदब-ओ-सफ़त" प्रकाशित करता है जो उप-कुलपति और प्रोफेसर वाइस चांसलर के संरक्षण में उर्दू भाषा, साहित्य और संस्कृति के प्रचार के लिए समर्पित है। अब तक, पत्रिका के पांच मुद्दे प्रकाशित किए गए हैं। पत्रिका में यूजीसी के रेफ्रिड पत्रिकाओं की सूची शामिल है।

निदेशालय विश्वविद्यालय की संकायों द्वारा लिखित विभिन्न विषयों पर पुस्तकों को प्रकाशित कर सकता है और उनके लिए आईएसबीएन खरीद सकता है। यदि आवश्यक हो, तो निदेशालय विभागों और सामग्रियों की मदद से जोर क्षेत्रों को खोज और पहचान सकता है जिसमें पुस्तकों और सामग्रियों को विकसित और प्रकाशित किया जाना चाहिए।

vi) आंतरिक शिकायत समिति

विश्वविद्यालय यौन उत्पीड़न के प्रति शून्य सहिष्णुता के लिए प्रतिबद्ध है। 13 अक्टूबर 1 99 7 को में माननीय उच्चतम न्यायालय के विसाखा बनाम राजस्थान राज्य न्यायिक फैसले के अनुसरण में, विश्वविद्यालय के आदेश संख्या मानू /प्रशासन- I / मि.38 / ए / 2010-11/66 दिनांक 8 अप्रैल 2011 के माध्यम से एक समिति का गठन किया। विश्वविद्यालय ने भेदभाव और यौन उत्पीड़न (पदाश) के खिलाफ नीति अपनाई और यौन उत्पीड़न की रोकथाम और उन्मूलन के उद्देश्य से कर्मचारियों के संचालन को नियंत्रित करने वाले नियम तैयार किए। समिति का उद्देश्य लिंग संवेदीकरण कार्यक्रम संचालित करना है;कर्मचारियों , छात्रों;के बीच जागरूकता पैदा करने के लिए; विश्वविद्यालय के छात्र ,कर्मचारियों को शिक्षित और संवेदनशील बनाने के लिए; यौन उत्पीड़न के बुरे खतरों के बारे में बताना; यौन उत्पीड़न की घटनाओं की रोकना और जांच करना।

vii) प्रशिक्षण और प्लेसमेंट प्रकोष्ठ

मानू मुख्यालय में कैंपस प्लेसमेंट से संबंधित विवरण - 2016-17

कैंपस में		
संगठनों के भ्रमण की संख्या	छात्र भागीदारी की संख्या	स्थापन्न छात्रों की संख्या
1	150	20
1	70	--
4	170	7
1	12	4
1	14	--
3	70	5
कुल: 11	486	36

कैंपस में				
क्रम.सं.	दिनांक	संगठनों के दौरे	छात्र भागीदारी की संख्या	छात्रों स्थापन्न
1.	03-02-2017	फिएबीलाइट नेटवर्क सोल्यूशन प्रावेट लिमिटेड	150	20
2.	21-03-2017	एमोज़ोन (अरबी प्रोसेस)	70	--
3.	27-03-2017 & 28-03-2017	1. जेनपैक्ट; 2. हिन्दुजा ग्लोबल सोल्यूशन; 3. फेसबुक; 4. गूगल एडवर्ड	170	7
4.	21-04-2017	ईटीवी भारत	12	4
5.	04-05-2017	फेसबुक (फ़ारसी प्रोसेस)	14	--
6.	11-05-2017	1. कैम्पैक्ट 2. एलियन्स ग्रुप 3. स्टेरलिंग प्लेसमेंट	70	5

XIV) प्रशिक्षण केन्द्र

i) यूजीसी-मानव संसाधन विकास केन्द्र(एचआरडीसी)

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने जनवरी 2007 में मौलाना आजाद नेशनल उर्दू यूनिवर्सिटी के यूजीसी अकादमिक स्टाफ कॉलेज मंजूर की गई है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग-ए एस सी प्रो मूलचंद शर्मा, उपाध्यक्ष अध्यक्ष, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा 24 मार्च, 2007 को उद्घाटन किया गया। यूजीसी अकादमिक स्टाफ कॉलेज, मौलाना आजाद राष्ट्रीय उर्दू विश्वविद्यालय मार्च 2007 में अपनी मिशन शुरू कर दिया और खुद कॉलेज और विश्वविद्यालय शिक्षकों, प्रधानाध्यापकों और शैक्षिक प्रशासकों, गैर-शिक्षण स्टाफ और शोधार्थियों के प्रशिक्षण और व्यावसायिक विकास के लिए समर्पित है। ए एस सी फरवरी 2015 में मानव संसाधन विकास केंद्र के रूप में पुनः नामित कर दिया है।

एचआरडीसी, मानू विविध विषयों के शिक्षकों और बुद्धिजीवियों के लिए एक मंच है। कार्यक्रम अपने विशेष विषयों में ज्ञान और कौशल को अद्यतन करने के लिए केंद्रित करते हैं, उच्च शिक्षा में वैश्विक चुनौतियों का सामना करने के लिए पर्याप्त सक्षम हैं। एचआरडीसी विविध कार्यक्रमों के माध्यम से अपने मिशन को प्राप्त करने के लिए लगातार प्रयास कर रहा है और इसके माध्यम से प्रतिभागियों की शिक्षण क्षमताओं को बढ़ाने के लिए हैं। एचआरडीसी ने अपने कार्यक्रमों को यूजीसी द्वारा निर्धारित सभी घटकों और उसके दृष्टिकोण और मिशन से संबंधित अन्य पहलुओं को शामिल करने की योजना बनाई।

दिशानिर्देशों में परिकल्पना की गई एचआरडीसी का प्रमुख उद्देश्य शिक्षकों के लिए व्यावसायिक विकास के लिए एक मंच प्रदान करना और उच्च शिक्षा और सामाजिक-आर्थिक और राष्ट्रीय विकास के मुद्दों की गुणवत्ता के प्रति संवेदनशीलता प्रदान करना है। हमारे एचआरडीसी कार्यक्रम इन उद्देश्यों के साथ गठबंधन कर रहे हैं, यह सुनिश्चित करने के उद्देश्य से कि शिक्षकों को विषय, सामाजिक-आर्थिक और राष्ट्रीय विकास के मुद्दों में नवीनतम ज्ञान के अनुसार अपडेट किया गया; नए शिक्षण और अनुसंधान विधियों

अकादमिक गतिविधियां: दिनांक 31.03.2017 तक यूजीसी अकादमिक स्टाफ कॉलेज अब तक **30** अभिमुखीकरण कार्यक्रम, **77** पुनश्चर्या पाठ्यक्रम और **28** व्यावसायिक विकास कार्यक्रम शैक्षिक प्रशासकों, प्रधानाचार्यों और शैक्षणिक और गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों के लिए आयोजन किया गया है। अकादमिक वर्ष 2016-17 में, यूजीसी , एचआरडीसी ने 3 अभिविन्यास कार्यक्रम, 4 पुनश्चर्या पाठ्यक्रम और 3 व्यावसायिक विकास कार्यक्रमों को आयोजित किया। कुल 377 प्रतिभागियों ने इन पाठ्यक्रमों में उपस्थिति दर्ज की।

शैक्षणिक उपलब्धि : नैक ने एचरआरडीसी, मानू पूरे भारत में **66** एचरआरडीसी में से **11** स्थान पर क्रमित किया है; एचरआरडीसी, मानू नें आंध्र प्रदेश राज्य में **2** स्थान पर रहा था; यह दक्षिण एशिया में **4** स्थान पर खड़ा रहा था; यह एचरआरडीसी क्लस्टर में **3** स्थान पर खड़ा रहा है।

ii) सीएसई आवासीय कोचिंग अकादमिक

सिविल सेवा कोचिंग अकादमी प्रतियोगी परीक्षाओं के उम्मीदवारों के लिए कोचिंग प्रदान करने के लिए 2009 में स्थापित किया गया था। यह अकादमी अल्पसंख्यकों, अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति समुदायों और महिलाओं से संबंधित उम्मीदवारों के लिए सेवा प्रदान करता है। अकादमी के अंतर्गत लगभग 650 उम्मीदवारों लाभान्वित हुए है। 16 प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया है। उम्मीदवार जिन्होने अकादमी से कोचिंग का लाभ उठाया है, और अन्य बहुराष्ट्रीय कंपनियों (बहुराष्ट्रीय कंपनियों) बैंकिंग भर्ती, राज्य लोक सेवा आयोगों, शिक्षक भर्ती के माध्यम से रोजगार की तलाश में सफल रहे हैं। वर्ष 2015-16 के दौरान 82 उम्मीदवारों में से 6 उम्मीदवार संघ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित परीक्षा में अकादमी से सिविल सेवा प्रारंभिक परीक्षा योग्य हुए। हमारे प्रतिभागियों में से एक भारतीय वन सेवा में चयनित हुआ है। अकादमी प्रतिष्ठित व्यक्तियों को संसाधन व्यक्ति के रूप प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए उम्मीदवारों को कोचिंग प्रदान करता है।

स्थापना वर्ष	2009
विशेषज्ञता	सिविल सेवा परीक्षा हेतु कोचिंग

प्राध्यापक विवरण :

सं.	शैक्षणिक पदो की संख्या	:	स्वीकृत	भर्ती
i.	आचार्य	:	1	1
ii.	सह आचार्य	:	-	-
iii.	सहायक आचार्य	:	2	0
iv.	आगंतुक प्राध्यापक	:	संबंधित विषयों के लिए संसाधन व्यक्तियों को काम पर रखा गया है।	
v.	अतिथि प्राध्यापक	:	विशेष व्याख्यान हेतु प्रख्यात अतिथि प्राध्यापक को आमंत्रित।	

प्राध्यापक गुण:

सं.	इनपुट	विवरण		
1.	प्रकाशन	पुस्तकें - 02	पत्रिकाएँ - 05	
2.	कार्यरत समितियाँ		राष्ट्रीय - 10	
3.	पुरस्कार	क्षेत्रीय - 05	राष्ट्रीय - 05	
4.	सम्मान/सदस्यता	क्षेत्रीय - 06	राष्ट्रीय - 06	

कार्यशालाएं	आयोजित -राष्ट्रीय - 02	उपस्थिति -राष्ट्रीय - 200

अभिविन्यास पाठ्यक्रम	आयोजित - राष्ट्रीय - 02	उपस्थिति-राष्ट्रीय - 100

अतिथि व्याख्यान / विशिष्ट व्याख्यान

वर्ग	संचालित-राष्ट्रीय	प्रस्तुत-राष्ट्रीय

अतिथि व्याख्यान	30	30
विशिष्ट व्याख्यान	10	10
सत्रों की अध्यक्षता	06	06

विभाग द्वारा सूचीबद्ध/ प्रख्यात शिक्षाविद/ आगंतुक वैज्ञानिक की सूची

शिक्षाविद/ वैज्ञानिक के नाम	**उद्देश्य**	**तिथि**
प्रो.फैज़ान मुस्तफ़ा, प्रो.अब्दुल शाबन, श्री ज़फर इकबाल, श्री एम.ए.अज़ीम, श्री एस.फहीम अहमद, प्रो. श्रीनिवास राव, श्री जी.सुधीर	विशेष व्याख्यान प्रस्तुत	फरवरी 2017

ढ़ांचागत सुविधाएँ:

ढ़ांचागत	**सुविधाएँ**					
भौतिक	कक्षा कक्ष	4	सेमिनार कक्ष	1	स्टाफ कक्ष	1
अकादमिक	पुस्तकालय	1	डिजीटल पुस्तकालय	-	रीडिंग कक्ष	4
आईसीटी	कंप्यूटर लैब	1	इंटरनेट सुविधाएँ	20	प्रिंटर और नेटवर्क	20
खेल	इंडोर खेल		01		आउटडोर खेल	01

छात्र विविधता और प्रगति

सं.	**कार्यक्रम का नाम**	**राज्य के अंदर अन्य विश्वविद्यालयों से आए छात्रों का प्रतिशत**	**राज्य के बाहर के विश्वविद्यालयों से आए छात्रों का प्रतिशत**
100	सिविल सेवा परीक्षा के लिए कोचिंग कार्यक्रम	60%	40%

स्थापन्न विवरण: 5 छात्रों का केन्द्रीय और राज्य सरकार की नौकरियों में चयन।

छात्रों को वित्तिय सहायता : मेरिट सह मीनस आधारित मासिक फ्रीशिप पर 20 छात्रों के .2000 प्रदान कर रहे है।

विभाग की वैधानिक अधिकारी : सलाहकार समिति बोर्ड

बीओएस / संकाय बोर्ड बैठकों की संख्या : 02

iii) उर्दू माध्यम के शिक्षको के पेशेवर विकास(सीपीडीयूएमटी)

उर्दू माध्यम शिक्षकों के पेशेवर विकास(सीपीडीयूएमटी) के लिए केन्द्र सेवाकालीन उर्दू भाषा के शिक्षकों, शिक्षक उर्दू मध्यम विद्यालयों और मदरसों के अधिग्रहण और प्रभावी शिक्षण की कला में सुधार करने के लिए और उन्हें शिक्षाशास्त्र में नवीनतम विकास के बराबर रखने के लिए सक्षम करने के लिए अक्टूबर 2006 में स्थापित किया गया था। उर्दू माध्यम शिक्षकों के पेशेवर विकास(सीपीडीयूएमटी) के लिए केन्द्र सेवाकालीन उर्दू भाषा के शिक्षकों, शिक्षक उर्दू मध्यम विद्यालयों और मदरसों के अधिग्रहण और प्रभावी शिक्षण की कला में सुधार करने के लिए और उन्हें शिक्षाशास्त्र में नवीनतम विकास के बराबर रखने के लिए सक्षम करने के लिए अक्टूबर 2006 में स्थापित किया गया था। नए शोध और तकनीक के अनुसार उनके ज्ञान को अद्यतन करने के लिए उनके संबंधित विषयों में शिक्षकों के लिए पुनश्चर्या पाठ्यक्रम का आयोजन करना। उर्दू माध्यम स्कूलों में लोकतंत्र, धर्मनिरपेक्षता, वातावरण, कंप्यूटर, इंटरनेट आदि के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए; उर्दू माध्यम शिक्षण समुदाय, शिक्षाविदों, शिक्षाविद और बुद्धिजीवी आपसी बातचीत के लिए उर्दू माध्यम शिक्षा की समस्याओं को हल करने के लिए एक मंच प्रदान करने के लिए; और उर्दू अकादमियों, एससीईआरटीएस, एनसीईआरटी और अन्य सार्वजनिक और निजी एजेंसियों के साथ केंद्र के उद्देश्यों को पूरा करने के लिए संबंध स्थापित करना। केंद्र अब तक प्रशिक्षण कार्यक्रम, जो तीस नौ (39) प्रशिक्षण कार्यक्रम से बाहर देश भर में प्राथमिक, उच्च प्राथमिक, माध्यमिक और वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों और पंद्रह (15) कार्यक्रम के लिए मदरसा शिक्षकों के लिए आयोजित किया गया है चौवन (54) लघु अवधि आयोजित किया गया है। सीपीडीयूएमटी से अधिक तीस (30) छह राज्यों के शहरों में सेवाकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया है। हैदराबाद, करीमनगर, महबूबनगर, निजामाबाद और वारंगल तेलंगाना में प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है । औरंगाबाद, अकोला, अमरावती, अकालकुआ, बीड, मुंबई, नांदेड और परभणी में महाराष्ट्र में; बीदर, हुबली और रायचूर कर्नाटक में; कालीकट, करनथूर, कन्नूर, कसरकोड, कोल्लम, मलप्पुरम, पलक्कड़, तिरुअनंतपुरम, त्रिशूर और केरल में कलपेटा (वायनाड) पर; कट्टक ओडिशा और आंध्र प्रदेश में कडप्पा पर। सभी में, सीपीडीयूएमटी से दो हजार आठ सौ बीस तीन (2,823) शिक्षकों के सैकड़ों विद्यालयों और मदरसों से लाभान्वित किया है। केंद्र भी उनके समाधान के लिए उपायों को अपनाने के लिए उर्दू माध्यम शिक्षकों की समस्याओं की पहचान करने के लिए सर्वेक्षण आयोजित करता है। केंद्र की तरह विज्ञान, गणित, सामाजिक विज्ञान, सूचना प्रौद्योगिकी, आदि मदरसों में आधुनिक विषयों की शुरुआत की और शुरुआत की आधुनिक शिक्षण एड्स और दृष्टिकोण में। केंद्र के रूप में प्रत्येक कार्यक्रम के अंत में प्रतिभागियों से प्रतिक्रिया पर आधारित अपने कार्यक्रम मूल्यांकन प्रोफार्मा में भरा और समेकित रिपोर्ट। समेकित रिपोर्ट प्रदर्शन, मूल्यांकन, राय और सुझाव प्रतिभागियों के कौशल, पाठ्यक्रम क्षेत्रों और अभिमुखीकरण कार्यक्रम भविष्य में आयोजित किया जाएगा शैक्षिक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए शैक्षणिक तरीकों की पहचान करने के लिए हो। उर्दू माध्यम शिक्षकों के व्यावसायिक विकास के मद्देनजर रखते हुए, एक विभागीय पुस्तकालय जो नवंबर 2008 से कामकाज शुरू कर दिया है स्थापित किया गया है। लाइब्रेरी पुस्तकों की एक बड़ी संख्या शामिल है और शिक्षा और प्रशिक्षण के विभिन्न पत्रिकाओं हस्ताक्षर।

iv) समान अवसर केंद्र (ईओसी)

भारत सरकार की सकारात्मक नीति के अनुरूप मानू ने यह तय किया कि सकारात्मक नीतियां, कार्यक्रम, योजनाएं, सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी और सोसायटी के सभी हकदार वर्गों में विस्तारित किए जाएंगे। एमएचआरडी और यूजीसी द्वारा समय-समय पर जारी आदेश के कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए विश्वविद्यालय ने समान अवसर केंद्र स्थापित किया है। यह केंद्र विशेष रूप से एससी, एसटी, ओबीसी (गैर-मलाईदार परत) और सामाजिक असमानता को खत्म करने और लिंग भेदभाव को खत्म करने के लिए विकलांग लोगों सहित अल्पसंख्यकों को लक्षित करने वाले परिसर समुदाय के मुद्दों और चिंताओं को दूर करने के लिए विशेष रूप से केंद्रित है। भारत सरकार की

नीतियों को लागू करके शिक्षा की गुणवत्ता और प्रासंगिकता के मानक को सुनिश्चित करते हुए यूजीसी ने प्रवेश और इक्विटी के राष्ट्रीय चिंताओं को संबोधित किया है और सामाजिक और आर्थिक समानता को बढ़ावा देने वाली कई योजनाएं शुरू की हैं। सुधारवादी रणनीतियों के एक हिस्से के रूप में, मानू ने नीति निर्माताओं के कदम का स्वागत किया है और 'समान अवसर केंद्र' (ईओसी) शुरू करने के लिए अपना समर्थन दिया है। तदनुसार, मैन्यु ने ईओसी की स्थापना की और नोडल अधिकारी भी नियुक्त किया। इसके अलावा, यूओसी की विभिन्न कोचिंग योजनाओं के समन्वयकों के अलावा ईओसी विभिन्न कोशिकाओं (एससी / एसटी सेल, ओबीसी सेल, अल्पसंख्यक सेल, पीडब्ल्यूडी सेल और महिला सेल) के समन्वयकों के साथ-साथ समर्थित है और साथ ही एक विरोधी भेदभाव अधिकारी ।

मानू में ईओसी के निम्नलिखित उद्देश्य हैं:

1. विशेष और विविध कौशल तक पहुंच बढ़ाने के लिए।
2. छात्रों की प्रतिस्पर्धी क्षमताओं को बढ़ाने के लिए

3. अंग्रेजी में संचार कौशल विकसित करने के लिए

4. किसी भी विषय के कठिन घटक को सुधारने के लिए।

5. आचार और व्यक्तित्व विकास में छात्रों को प्रशिक्षित करने के लिए।

6. एंटाइटेलमेंट और अवसरों पर संवेदनशील बनाने के लिए

"अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति वर्ग" की स्थापना के उद्देश्य निम्नानुसार हैं

- ❖ विश्वविद्यालय में अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षण नीति के कार्यान्वयन की निगरानी करना
- ❖ भारत सरकार और यूजीसी द्वारा प्रयोजनों के लिए निर्धारित लक्ष्यों और लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए इस तरह के अनुवर्ती उपाय करने के लिए।
- ❖ भारत सरकार की नीति और कार्यक्रमों के प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के लिए विश्वविद्यालय में लगातार आरक्षण नीति को कार्यान्वित, मॉनिटर और मूल्यांकन करने के लिए

विश्वविद्यालय सरकार के अनुसार आरक्षण नीति का पालन करती है भारत के मानदंडों में से अनुसूचित जातियों के मामले में 15% और अनुसूचित जनजाति के लिए 7.5% और 27% अन्य पिछड़ा वर्ग के मामले में। यह कक्षा विश्वविद्यालय में अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति / ओबीसी समुदायों से संबंधित कुल शिक्षण और गैर-शिक्षण कर्मचारियों की संख्या और छात्रों की जानकारी एकत्र करती है। संगठन समय-समय पर एकत्रित आंकड़ों का विवरण एमएचआरडी / यूजीसी / अन्य सरकार को भेज दिया जाता है।
संयोग से, अधिकांश छात्र पहली पीढ़ी के हैं और वे ग्रामीण और सीमांत पृष्ठभूमि से हैं। छात्रों को जीवन और कैरियर के बारे में एक दृष्टि से अपनी आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए विभिन्न उम्मीदों के साथ विश्वविद्यालय आते हैं। 'प्राप्त स्थिति' से 'हासिल की स्थिति' को उठाने की प्रक्रिया में एक को अंग्रेजी बोलना वैश्विक संचार के लिए एक सामाजिक जीभ के रूप में स्वीकार करना होगा, जबकि अपनी मातृभाषा का सम्मान करना चाहिए। यद्यपि यह एक व्यक्ति की आत्मीयता है, हालांकि, विश्वविद्यालय ने ईओसी के रूप में अपने सपनों को पूरा करने में एक मंच प्रदान किया। सामाजिक समावेश को सुनिश्चित करने के अलावा अधिकारियों, विशेषाधिकार, हितों और शिक्षा और कैरियर में प्रगति के लिए अधिकारों की सुरक्षा के द्वारा वंचित समूहों के लिए ईओसी समाज की मुख्यधारा में प्रवेश करने के लिए वंचित समूहों के लिए एक दो समानीय रणनीति का प्रदर्शन कर रहा है।

मौलाना आजाद नेशनल उर्दू यूनिवर्सिटी (एमएयूयू) का समान अवसर केंद्र यूजीसी योजना के तहत कोचिंग गतिविधियों का आयोजन करने के लिए सौंपा गया है।

1. सेवाओं में प्रवेश करने के लिए प्रतियोगी परीक्षाएं कोचिंग

2. पुरस्कार फैलोशिप या व्याख्याता के लिए योग्यता के लिए नेट कोचिंग

3. जरूरतमंद छात्रों के लिए उपचारात्मक कोचिंग क्लास

अपने प्रयासों में ऊर्ध्वाधर और क्षैतिज गतिशीलता दोनों के विस्तारित अवसरों का लाभ उठाने के लिए इस विश्वविद्यालय के छात्रों को सक्षम करने में ईओसी की भूमिका महत्वपूर्ण है।

iv) अल्पसंख्यकों के लिए नेट कोचिंग सेंटर

अल्पसंख्यकों के लिए नेट कोचिंग सेंटर **2005** में अल्पसंख्यकों के लिए कोचिंग प्रदान करने के उद्देश्य से स्थापित किया गया था जो यूजीसी-नेट परीक्षा के लिए उपस्थित हो रहे हैं। केंद्र ने मई और नवंबर में **45** दिन की गहन प्रशिक्षण का आयोजन किया। यूजीसी नेट के लिए कोचिंग पेपर **I** (सभी विषयों पर सामान्य कागज) और पेपर **II** और **III** (उर्दू, अंग्रेजी, अरबी, फ़ारसी, हिंदी, लोक प्रशासन / राजनीति विज्ञान, प्रबंधन, सामाजिक कार्य, कंप्यूटर विज्ञान और अनुप्रयोग, महिलाएं) में आयोजित किया गया था। अध्ययन, शिक्षा और जनसंचार और पत्रकारिता)।

v) अल्पसंख्यकों के लिए सुधारात्मक कोचिंग केंद्र (आरसीसीएम)

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग- अल्पसंख्यकों के लिए सुधारात्मक कोचिंग सेंटर (आरसीसीएम) Xवीं योजना के अंतर्गत 2006 में स्थापित किया गया था। अल्पसंख्यक समुदाय के छात्रों सहित अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग के अधीन प्रति सेमेस्टर प्रति 25 घंटे के लिए सुधारात्मक कोचिंग केंद्र प्रदान करता है। इन-हाउस से शिक्षकों में मानू, शोधार्थियों और प्राध्यापक से स्थानीय विश्वविद्यालयों और कॉलेजों से शिक्षक छात्रों उन्हें उनके अकादमिक प्रदर्शन को बेहतर बनाने में मदद करने के लिए। सुधारात्मक कक्षाओं में संबंधित विभागों से पहले या अक्टूबर-नवंबर और मार्च-अप्रैल में नियमित रूप से कक्षाओं के बाद हर साल आयोजित की जाती हैं। आम तौर पर, वर्ग 2:30 बजे और 5:30 बजे के बीच आयोजित की जाती हैं। केन्द्र द्वारा अधिग्रहीत किताबें उनके संदर्भ के लिए छात्रों को जारी किए गए हैं। हैंडआउट् से भी फोटोकॉपी और के रूप में और जब आवश्यक लगा छात्रों के बीच वितरित कर रहे हैं। फोटोस्टेट प्रतियां के रूप में सामग्री पढ़ने भी आरसीसीएम छात्रों द्वारा उपयोग के लिए उपलब्ध है। 1115 जो की उर्दू में 200 हैं किताबों की संख्या के एक कुल है। दृश्य-श्रव्य एड्स उपचारात्मक कक्षाएं आकर्षक प्राध्यापक द्वारा उपयोग के लिए उपलब्ध हैं।

खंड - IV

XV) दूरस्थ शिक्षा निदेशालय

दूरस्थ शिक्षा निदेशालय (डीडीई) देश में उर्दू माध्यम के माध्यम से दूरस्थ शिक्षा प्रदान करने में एक अग्रणी संस्थान है। डीडीई ने अपने दूरस्थ शिक्षा कार्यक्रमों को बी.ए. की पेशकश के द्वारा अपने स्थापना के वर्ष (1 99 8) में उर्दू माध्यम में शुरू किया। विश्वविद्यालय श्रव्य-दृश्य शैक्षणिक कार्यक्रमों की तैयारी के लिए एक निर्देशात्मक मीडिया केंद्र की स्थापना की। वर्तमान में, मानू के अध्ययन कार्यक्रमों के लिए स्वयं शिक्षण सामग्री (एसएलएम) की रिकॉर्डिंग पूरे जोरों पर चल रही है। डीडीई ने अपने सभी कार्यक्रमों के लिए ऑनलाइन प्रवेश सुविधा प्रदान करने का लक्ष्य प्राप्त कर लिया है। डीडीई के पूरे प्राध्यापक को प्रिंटर, इंटरनेट और वाईफाई सुविधा वाले कंप्यूटर प्रदान किए गए हैं।

डीडीई ने 14 क्षेत्रीय केंद्रों (आरसी) और उप-क्षेत्रीय केंद्र (एसआरसी) प्रभावी रूप से स्थापित करके चला रहा है जो पूरे देश में कुल 183 अध्ययन केंद्रों और परीक्षा केंद्रों को संभाल कर रहे हैं। क्षेत्रीय और उप-क्षेत्रीय केंद्रों द्वारा विद्यार्थी समर्थन सेवाओं की देखभाल की जा रही हैं; अध्ययन केंद्रों के कार्यों की निगरानी; प्रवेश प्रक्रिया और ऐसे अन्य कार्यों जो मानू द्वारा सूचित किया जाता है। आर.सी. ने शैक्षिक सलाहकारों और समन्वयकों के लिए वार्षिक अभिविन्यास कार्यशाला (2016-17) आयोजित किया। डीडीई मुख्यालय के वार्षिक कैलेंडर (2016-17) संपर्क वर्गों / शैक्षणिक परामर्श के सभी अध्ययन केंद्रों द्वारा सभी कार्यक्रमों के लिए सफलतापूर्वक अपनाया गया। मुख्यालय में, डीडीई ने एक पुस्तकालय स्थापित किया है जो दूरस्थ पाठ्यक्रम के अंतर्गत डीडीई द्वारा प्रस्तावित सभी कार्यक्रमों को कवर करने वाले सभी विषयों पर पुस्तकों से सुसज्जित है। इसके साथ इंटरनेट सुविधा के साथ पूरी तरह से सुसज्जित कंप्यूटर प्रयोगशाला, 500 लोगों के बैठने की क्षमता वाला प्रेक्षा-गृह और एक समिति कक्ष उपलब्ध है। जबकि, पूरे देश के सभी अध्ययन केन्द्रों को विश्वविद्यालय के दिशानिर्देशों के अनुसार, नामांकित छात्रों के लिए परामर्श कक्षाओं को सुविधाजनक बनाने हेतु क्रियाशील कक्षा कक्षों ,डीडीई मुख्यालय द्वारा आवश्यक पुस्तकों और अन्य साहित्य के साथ छात्रों को अपने संबंधित पाठ्यक्रमों में सहायता प्रदान करना ।

डीडीई (2016-17) के अकादमिक कार्यक्रम : वर्तमान में, दूरस्थ शिक्षा निदेशालय, दूरस्थ कार्यक्रम (ओडीएल) के माध्यम से 11 कार्यक्रमों की पेशकश कर रहा है। यू.जी. कार्यक्रमों के पहले दो वर्षों में अंग्रेजी भाषा को अनिवार्य पाठ्यक्रम के रूप में पेश किया जाता है। पर्यावरण अध्ययन सभी प्रथम वर्ष के यू.जी. छात्रों के लिए एक अनिवार्य पाठ्यक्रम है। उर्दू और अरबी के साथ हिंदी को दूसरी भाषा के रूप में पेश किया जाता है।

स्नातकोत्तर कार्यक्रम (न्यूनतम 2 वर्ष / अधिकतम 4 वर्ष): i) एम.ए. उर्दू; ii) एम.ए.अंग्रेज़ी और iii) एम.ए.इतिहास	पूर्व स्नातक (न्यूनतम 3 वर्ष/ अधिकतम 6 वर्ष): i) बी.ए.; ii) बी.एससी., जैविक विज्ञान (बी.जेड.सी.); iii) बी.एससी., भौतिकी विज्ञान(एम.पी.सी.)
डिप्लोमा पाठ्यक्रम (न्यूनतम 1 वर्ष / अधिकतम 2 वर्ष): i)जनसंचार और पत्रकारिता में डिप्लोमा ; और ii) अंग्रेज़ी अध्यापन में डिप्लोमा	प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम (न्यूनतम 6 माह/ अधिकतम 2 वर्ष): i) अंग्रेज़ी के माध्यम से से उर्दू में प्रवीणता प्रमाणपत्र; ii) उर्दू बोलने वालों के लिए प्रयोजनमूलक अंग्रेज़ी में प्रमाणपत्र ।
पेशेवर पाठ्यक्रम: i) बी.एड.	

मानू, डीडीई द्वारा पेश किए गए सभी पाठ्यक्रम विश्वविद्यालय अनुदान आयोग(यूजीसी), भारत सरकार,नई दिल्ली के दूरस्थ शिक्षा बोर्ड(डीईबी) द्वारा मान्यता प्राप्त हैं।

छात्र समर्थन सेवाएँ :

डीडीई ने मुख्यालय में, छात्र सहायता सेवा (एसएसएस) एकक की स्थापना की है, जो एक संयोजक, सदस्य सचिव और तीन अतिरिक्त सदस्यों द्वारा प्रशासित किया जाता हैं। क्षेत्रीय केंद्र (आरसी) और उप-क्षेत्रीय केंद्र (एसआरसी) छात्र सहायता सेवा एकक (एसएसएसयू) का भाग हैं। एसएसएस एकक डीडीई की सभी सेवाओं तक पहुंच हासिल करने के लिए छात्रों के लिए एक स्टॉप शॉप है और विश्वविद्यालय के अन्य अकादमिक और पेशेवर समर्थन का स्थान के पता लगाने और । छात्रों की जरूरतों को पूरा करने और उनकी समस्याओं का समाधान करने के लिए एक सहायता डेस्क प्रदान करता है।

विभागाध्यक्ष का नाम (निदेशक): प्रो.के.आर.इकबाल अहमद

वर्तमान डीडीई प्राध्यापक विवरण :

प्राध्यापक का नाम	योग्यता	पदनाम	विशेषज्ञता
प्रो.के.आर.इकबाल अहमद	पीएच.डी	प्रोफेसर एवं निदेशक	इतिहास
प्रो.एन.आई.मुल्ला	पीएच.डी	प्रोफेसर	वाणिज्य
प्रो.गुलफिशान हबीब	एम.ए, पीएच.डी	प्रोफेसर	अंग्रेज़ी
प्रो.खाज़ी ज़ियाउल्लाह	पीएच.डी	प्रोफेसर	उर्दू
प्रो.मुश्ताक ए.आई. पटेल	एमएससी,एम.एड.,पीएच.डी	प्रोफेसर	शिक्षा
प्रो.एस.ए.वहाब	पीएच.डी	प्रोफेसर	भौतिक शास्त्र
डॉ.नजमस सहर	एम.ए.,एम.एड.,पीएच.डी.	एसोसिएट प्रोफेसर	शिक्षा
डॉ.निखत जहान	एम.ए., पीएच.डी.	एसोसिएट प्रोफेसर	उर्दू
डॉ.एस.आर.सुभानी	एम.ए., पीएच.डी.	एसोसिएट प्रोफेसर	दूरस्थ शिक्षा
डॉ.फिरोज़ आलम	पीएच.डी.	सहायक प्रोफेसर	उर्दू
डॉ.डी.बाशा छाबनूर	बी.एड., एम.ए., पीएच.डी.	सहायक प्रोफेसर	राजनीतिक विज्ञान
डॉ. मलिक आर. अहमद	एम.ए., पीएच.डी.	सहायक प्रोफेसर	समाजशास्त्र
डॉ.अशवनी	एम.ए., एम.एड., पीएच.डी.	सहायक प्रोफेसर	शिक्षा
श्री. बी.एल.मीणा	एम.ए., एम.एड.,पीएच.डी.	सहायक प्रोफेसर	शिक्षा
डॉ. सदात शरीफ़	पीएच.डी.	सहायक प्रोफेसर	वाणिज्य
डॉ. खाजा मोइनुद्दीन	पीएच.डी.	सहायक प्रोफेसर	गणित
अतिया नाहिद	एम.ए., बी.एड.,एम.फिल.	सहायक प्रोफेसर	अंग्रेज़ी
डॉ. इर्शाद अहमद	एम.ए., पीएच.डी.	सहायक प्रोफेसर	उर्दू
डॉ.एस.महबूब बाशा	पीएच.डी.	सहायक प्रोफेसर	इतिहास
श्री. शम्स इमरान	एम.ए (एमसीजे)	सहायक प्रोफेसर	पत्रकारिता
डॉ.एम.इस्लाम रोबाब	पीएच.डी.	सहायक प्रोफेसर	वनस्पतिशास्त्र
श्री.एफ.रहमान पी.के.	एम.ए., नेट	सहायक प्रोफेसर	अर्थशास्त्र
डॉ.आरीफ़ अहमद	पीएच.डी.	सहायक प्रोफेसर	प्राणि विज्ञान
डॉ. कासिमुल्ला	पीएच.डी.	सहायक प्रोफेसर	रसायन शास्त्र
डॉ.ए.एम.कादिर ख़्वाजा	कानून, पीएच.डी.	सहायक प्रोफेसर	इस्लाम अध्ययन
डॉ.प्रिया हसन	पीएच.डी.	सहायक प्रोफेसर	भौतिक शास्त्र
डॉ.एम.एम.शर्फे आलम	पीएच.डी.	सहायक प्रोफेसर	अरबी

वर्तमान प्रशासनिक कर्मचारी विवरण :

प्राध्यापक का नाम	योग्यता	पदनाम
डॉ.पी.एस.मुनव्वर हुसैन	एम.कॉम.,एल.एल.एम.,पीएच.डी.	संयुक्त कुलसचिव
श्री शमसुद्दीन अंसारी	एम.बी.ए., एल.एल.बी.	क्षेत्रीय निदेशक
श्री आफताब आलम बेग	एम.ए.,नेट,एम.ए.	सहायक कुलसचिव
डॉ.अब्दुल घनी	एम.ए.,नेट,सलेट,पीएच.डी.	सहायक क्षेत्रीय निदेशक
डॉ.साहब सिंह	एम.ए.,एम.फिल.,पीएच.डी.	सहायक क्षेत्रीय निदेशक
डॉ.बद्दीयूद्दीन	पीएच.डी.	सहायक क्षेत्रीय निदेशक
श्री एम.मुबशीर अहमद		सहायक निदेशक
डॉ.मो.मज़हर कादरी	पीएच.डी.	सहायक क्षेत्रीय निदेशक
डॉ.शफीक अहमद	पीएच.डी.	सहायक क्षेत्रीय निदेशक
डॉ. मो. शमसुद्दीन	पीएच.डी.	सहायक क्षेत्रीय निदेशक
श्री आर.श्रीनिवास	एम.ए.	अनुभाग अधिकारी
ई.दुर्गा भवानी	एम.ए.	सहायक
श्री मो.अब्दुल नसीर	एम.ए.	सहायक
श्री मोहम्मद याकूब	एम.ए.	प्रवर श्रेणी लिपिक
यासमीन बेगम	एम.ए.	प्रवर श्रेणी लिपिक
नुज़हत यासमीन	एम.कॉम और एम.बी.ए.(एच आर)	प्रवर श्रेणी लिपिक
श्री शेख इस्माइल	एम.ए.	प्रवर श्रेणी लिपिक
श्री एस. नरसिमहुलु	एम.ए.	अवर श्रेणी लिपिक
श्री मो. वसीम अहमद ख़ान	एम.ए.	अवर श्रेणी लिपिक

डीडीई प्राध्यापक सदस्यों का अकादमिक योगदान: वर्ष भर प्राध्यापक सदस्य अनुसंधान, प्रकाशन और कई अन्य गतिविधियों में शामिल रहते है। विवरण निम्नानुसार हैं: -

- प्रकाशन: (4) पुस्तकें/लेख, पत्रिकाओं में (11) लेख, (4) कार्यवाही और (10) दस्तावेज़/ प्रतिवेदन;
- पुरस्कार: एक प्राध्यापक को राष्ट्रीय पुरस्कार साथ में व्यावसायिक निकायों से (4) पुरस्कार ।

- **अनुसंधान विवरण:**
  1. 1 परियोजना - राष्ट्रीय स्तर "लोक प्रशासन" अनुदान - □.1,05,000/-
  2. 1 परियोजना - राष्ट्रीय स्तर - अनुदान - □. 5,00,200/-
  3. इतिहास विषय के अंतर्गत 1 विभागीय परियोजना स्वीकृत।

- **कार्यशालाएं / सम्मेलन / संगोष्ठी / विचार-गोष्ठी**

वर्ग	आयोजित		उपस्थिति	
	राष्ट्रीय	अंतर्राष्ट्रीय	राष्ट्रीय	अंतर्राष्ट्रीय
कार्यशालाएं	3	-	11	1
सम्मेलन	1	3	10	3
संगोष्ठीयां	शून्य	-	2	1
विचार गोष्ठी	शून्य	-		2

- प्रशिक्षण/ पुनश्चर्या / अभिविन्यास पाठ्यक्रम: राष्ट्रीय प्रशिक्षण पाठ्यक्रम: 1; पुनश्चर्या पाठ्यक्रम: 1; अन्य राष्ट्रीय पाठ्यक्रम: 3 में उपस्थिति।

- संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित प्राध्यापक: राष्ट्रीय स्तर पर, डीडीई प्राध्यापक ने कुल मिलाकर (12) व्याख्यान प्रस्तुत किए है; अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर 2 व्याख्यान. 2 राष्ट्रीय और 3 अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अध्यक्षता और समन्वयित की। प्राध्यापक द्वारा किए गए अध्यक्षीय सत्र की कुल संख्या 6 जिसमें से एक अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर की।
- **स्वयं शिक्षण सामग्री (एसएलएम) के विकास, लेखन, संपादन और समन्वय**: एसएलएम सामग्री ऐसे तरीके से रूपांकित है कि जो छात्रों में रुचि उत्पन्न करती है और आत्मनिर्भर होने के दौरान उन्हें प्रेरित करती मानू, डीडीई में चल रहे सभी ओडीएल कार्यक्रमों के लिए डीडीई प्राध्यापक ने एसएलएम सामग्री विकसित और व्यवस्थित है।वर्तमान ओडीएल सामग्री इकाई-वार संशोधन की प्रक्रिया से गुजर रही है जिसमें ज्यादातर डीडीई प्राध्यापक लेखन, संपादन और अनुवाद कार्यों में लिप्त है।

की गई है। किया

ओडीएल पाठ्यक्रम के अंतर्गत छात्रों के आंकडे (2016-2017):

कार्यक्रम का नाम	प्रवेश	दाखिल छात्र	उत्तीर्ण छात्र
बी.ए.	मुक्त	14458	2353
बी.एड.	1300	782	470
बी.एससी(बीजेडसी)	मुक्त	1482	411
बी.एससी (एमपीसी)	मुक्त	735	227
एम.ए.अंग्रेज़ी	मुक्त	2559	1500
एम.ए.इतिहास	मुक्त	1292	88
एम.ए.उर्दू	मुक्त	7492	4700
प्रयोजनमूलक अंग्रेज़ी में प्रमाण पत्र	मुक्त	12	05
उर्दू में प्रवीणता प्रमाणपत्र	मुक्त	55	37
पत्रकारिता एवं जनसंचार में डिप्लोमा	मुक्त	113	88
अंग्रेज़ी अध्यापन में डिप्लोमा	मुक्त	39	34

भूतपूर्व छात्रों की सूची :

फ़रीद अहमद कोहली	एम.ए इतिहास	कश्मीर प्रशासनिक सेवा (केएएस)
निसार अहमद शाद	एम.ए उर्दू	कश्मीर प्रशासनिक सेवा (केएएस)
वाई. मोहम्मद ख़ान	एम.ए उर्दू	कश्मीर प्रशासनिक सेवा (केएएस)
टी.हफ़ीज़ राठौर	बी.ए.	भारतीय सेना में जेसीओ
परवीन अख़्तर	एम.ए उर्दू	प्रवक्ता, शिक्षा विभाग, जम्मू और कश्मीर
नसीर अहमद	एम.ए उर्दू	प्रवक्ता, उच्च शिक्षा, जम्मू और कश्मीर
अब्दुल ख़ालिक	बी.एड	आंचलिक शिक्षा अधिकारी, सुरनकोट, जम्मू और कश्मीर
मुश्ताक अहमद	एम.ए अंग्रेज़ी	प्रवक्ता, उच्च शिक्षा विभाग, जम्मू और कश्मीर
जावेद अहमद कुरैशी	एम.ए अंग्रेज़ी	प्रवक्ता, उच्च शिक्षा विभाग, जम्मू और कश्मीर
मो. जुबैर ख़ान	बी.ए.	ब्लॉक विकास अधिकारी

क्षेत्रीय केन्द्र

विश्वविद्यालय का जनादेश विश्वविद्यालय को शिक्षा के दोहरे पाठ्यक्रम प्रदान करता है, अर्थात नियमित पाठ्यक्रम कैंपस में; और दूरस्थ शिक्षा निदेशालय(डीडीई) के माध्यम से दूरस्थ पाठ्यक्रम । मानू एक गैर-सम्बद्ध विश्वविद्यालय है। यह दोनों घटक कॉलेजों, उपग्रह परिसरों के साथ नियमित रूप से मोड में चल रही है; और क्षेत्रीय केंद्रों, देश के विभिन्न भागों में स्थित उप क्षेत्रीय केंद्रों के नेटवर्क के साथ दूरी मोड। आयोजन और दूरस्थ शिक्षा कार्यक्रम का प्रबंध के लिए, वहाँ 9 क्षेत्रीय केंद्रों, 5 उप-क्षेत्रीय केन्द्र पूरे देश का एक नेटवर्क है। दिल्ली, पटना, बेंगलुरु, भोपाल, दरभंगा, मुंबई, कोलकाता, रांची और हैदराबाद क्षेत्रीय केन्द्र हैं।

मानू क्षेत्रीय केन्द्र, कोलकाता

मानू क्षेत्रीय केंद्र कोलकाता 7 नवंबर, 2005 को स्थापित किया गया। भारत में अपने अधिकार क्षेत्र अर्थात असम, मिजोरम, मेघालय, नागालैंड, त्रिपुरा, अरुणाचल प्रदेश और मणिपुर के पश्चिम बंगाल, ओडिशा और उत्तर पूर्वी राज्यों से अधिक रहा था। वर्तमान में, क्षेत्रीय केंद्र कोलकाता बारह अध्ययन केंद्र चल रहे हैं। एक कॉलेज के शिक्षक शिक्षा (सीटीई) असनसोल (पश्चिम बंगाल) 2013 में स्थापित किया गया जहां दो साल नियमित पाठ्यक्रम और दो वर्ष दूरस्थ पाठ्यक्रम बीएड पाठ्यक्रम चल रहा है मानू सी.टी.ई. असनसोल कार्यक्रम केंद्र को 100 सीटों आवंटित किया गया और कोलकाता शिक्षक प्रशिक्षण कॉलेज, पानपूर, 24 परगना (एन) में नये बी. एड (दूरस्थ मोड) कार्यक्रम केंद्र को द्विशाखित कर 50 सीटें आवंटित की गई है।

मानू क्षेत्रीय केन्द्र, रांची

क्षेत्रीय केंद्र की स्थापना 2007 में की गई जिसका क्षेत्राधिकार सम्पूर्ण झारखंड राज्य है । वर्तमान में, क्षेत्रीय केंद्र रांची सात अध्ययन केन्द्रों जैसे गोमो, जमशेदपुर, रांची, छात्रा, जामतारा, हजारीबाग, बोकारो के साथ दीप्तिमान तेजी बढ़ रहा है। गत अकादमिक वर्ष 2015-16 दौरान छात्रों की संख्या भी बढ़ी है। दूरस्थ शिक्षा निदेशालय, मौलाना आजाद नेशनल उर्दू यूनिवर्सिटी, हैदराबाद द्वारा यू.जी., पी.जी. पाठ्यक्रमों , जनसंचार, डिप्लोमा और प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम की पेशकश की जाती है।

मानू क्षेत्रीय केन्द्र, बैंगलोर

क्षेत्रीय केंद्र बंगलौर की स्थापना 1998 में हुई, यह केन्द्र बीएड (डीएलपी) यूजी, पी.जी. डिप्लोमा और प्रमाणपत्र कार्यक्रम, विवरणिका की बिक्री, प्रवेश प्रपत्रों की प्राप्ति, जांच कर आंकडों की एंट्री और नाममात्र सूची तैयार करने के आयोजित करना। अन्य जिम्मेदारियों में अध्ययन / परीक्षा केंद्रों से परीक्षा आवर्तियाँ ,फॉर्म की जांच, सभी केन्द्रों में परीक्षाओं का आयोजन, बीएड (डीएलपी) के लिए विवरणिका की बिक्री, प्राप्त प्रारूपों की जांच, प्रवेश परीक्षा, बीएड प्रवेश परामर्श और बीएड अवधि समाप्ति परीक्षा आयोजित करना ।

मानू क्षेत्रीय केन्द्र, श्रीनगर

क्षेत्रीय केंद्र श्रीनगर की स्थापना अगस्त 2005 में विशेष रूप से दलित छात्रों के दरवाजें तक लाने जिसमें महिला लोक एवं उर्दू भाषी लोगों और नियंत्रण रेखा के पास रहने वाले उम्मीदवारों को शिक्षा प्रदान करने के उद्देश्य के साथ स्थापित किया गया था। क्षेत्रीय केंद्र ने सीमावर्ती क्षेत्रों - उरी, कारगिल और कुपवारा में अध्ययन केंद्रों की स्थापना की है।

XVI) घटनाक्रम 1अप्रैल 2016 से 31मार्च 2017

1.	04-04-16	04 से 06 अप्रैल 2016 तक नैक शिष्टजन समूह का भ्रमण।
2.	03-05-16	डॉ. मोहम्मद असलम परवेज़, कुलपति द्वारा पूर्वस्नातक विज्ञान प्रयोगशाला का उद्घाटन ।
3.	17-05-16	श्री. शमसूर रहमान फारूकी द्वारा "फिक्शन की तनकीद", पर विशेष व्याख्यान, उर्दू विभाग द्वारा आयोजित।
4.	17-05-16	एन एस एस प्रकोष्ठ द्वारा 17 और 18 को योग मेला।
5.	20-05-16	नाटक "दादी अम्मा मान जाओ" कर्मचारियों के बच्चों द्वारा अभिनीत, सीयूएलएलसी द्वारा आयोजित।
6.	25-05-16	नैक द्वारा मानू को "ए" ग्रेड के साथ प्रत्यायित किया गया।
7.	11-07-16	मानू में बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण अभियान चलाया गया।
8.	13-07-16	साइबराबाद पुलिस द्वारा हरित हारम ।
9.	12-08-16	एनएसएस द्वारा याद करो कुरबानी, आज़ादी 70 का आयोजन।
10.	15-08-16	स्वतंत्रता दिवस मनाया गया, डॉ. असलम परवेज़, कुलपति द्वारा ध्वजारोहण किया गया।
11.	17-08-16	श्री. नवीन चंद, साइबराबाद पुलिस आयुक्त द्वारा अनुदेशात्मक मीडिया केन्द्र के पूर्वावलोकन थियेटर का उद्घाटन किया गया।
12.	22-08-16	मानव संसाधन विकास मंत्रालय के वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग द्वारा राजनीतिक विज्ञान विभाग में पांच दिवसीय कार्यशाला ।
13.	27-08-16	सीयूएलएलसी द्वारा दिनांक **27-29.08.2016.** को " आइये बच्चों के लिए उर्दू लिखना सीखें" पर तीन दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन।
14.	30-08-16	श्री. अंकित चढ्ढा और पूनम गिरधानी द्वारा दास्तानगोई ।
15.	06-09-16	शिक्षक दिवस : मुख्य अतिथि: श्री. सदातुल्लाह हुसैनी, निदेशक, अध्ययन एवं शोध, नई दिल्ली।
16.	08-09-16	छात्र संघ चुनाव आयोजित ।
17.	19-09-16	महिला शिक्षा विभाग द्वारा "बा इक्तियारी पर ताजदीद-ए-फिक्र: हिन्दुस्तान में सिन्फ और तरक्की" पर दो दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन।
18.	21-09-16	महिला अध्ययन केन्द्र द्वारा दस्तकारी मेला।
19.	21-09-16	उर्दू विभाग द्वारा दाग दहलवी पर तीन दिवसीय संगोष्ठी, प्रधान वक्ता के रूप में प्रो.शमीम हनाफी ।

20.	18-10-16	राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग, नई दिल्ली के सहकार्यता के साथ महिला अध्ययन केन्द्र द्वारा "महिला अधिकार" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम ।
21.	4-11-11-16	आज़ाद दिवस समारोह 2016; आज़ाद टेक फेस्ट – 2016;
22.	26-12-16	छठा दीक्षांत समारोह -श्री. शाहरूख ख़ान और श्री. संजीव सराफ़ को मानद की उपाधि प्रदान की गई।
23.	28.11.16	केन्द्रीय मंडल कुलपति सम्मेलन के लिए आयोजित 'सांस्कृतिक शाम'
24.	01.12.16	अंतर्राष्ट्रीय पीडब्ल्यूडी दिवस पर चलचित्र प्रदर्शित।
25.	03.12.16	'कपैसिटी बिल्डिंग फॉर वर्किंग उर्दू जर्नलिस्ट ऑफ तेलंगाना एंड देरबाउट्स'पर कार्यशाला का उद्घाटन सत्र
26.	03.01.17	डॉ. इवा ऑर्थमान, प्रख्यात फ़ारसी अध्येता, आचार्य इस्लाम अध्ययन विभाग, बॉन विश्वविद्यालय, जर्मनी द्वारा 'द इंडो-परशियन ट्रांस्लेशन मूवमेंट : एन अर्ली सलीहोत्रा ट्रांस्लेशन फ्रम द डेक्कन- पर विशिष्ट व्याख्यान दिया गया ।
27.	4//7/9/10.1.17	भारत के माननीय राष्ट्रपति से वीडियों कॉन्फ्रन्सिंग
28.	09.01.17	डॉ. वी.के.सारस्वत, प्रख्यात वैज्ञानिक और नीति आयोग के सदस्य द्वारा स्थापना दिवस पर व्याख्यान।
29.	11.01.17	पुस्तकालय समिति की बैठक
30.	20.01.17	"रोल ऑफ एसोसिएशन इन यूनिवर्सिटीस ऑफ ए डेमोक्रेटिक कंट्री" पर बातचीत
31.	02.01.17	तीन दिवसीय कौशल विकास कार्यक्रम का उद्घाटन
32.	04.01.17	तीन दिवसीय कौशल विकास कार्यक्रम का समापन सत्र
33.	09.01.17	श्रीमती सय्यदा सारा शुतारी, सी.ई.ओ., अकादमिक - अलाइड लर्निंग इन्स्टिटूट, हैदराबाद द्वारा "करियर आपर्टूनिटी फॉर उर्दू स्पीकिंग स्टूडेन्टस" पर अंत:क्रिया और स्थान्न अभियान
34.	7/16/17.02.17	दिनांक 7-16 फरवरी 2017 तक मदरसा शिक्षकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम और दिनांक 16 और 17 फरवरी 2017 को उर्दू साइंस कांग्रेस।
35.	22.02.17	केन्द्रीय स्वायत्त निकायों(सीएबी) और राज्य स्वायत्त निकायों (एसएबी) के लिए एन पी एस का कार्यान्वयन - कार्यशाला-सह-समीक्षा बैठक ।
36.	27.02.17	वॉक विथ ए स्कालर कार्यक्रम
37.	07.03.17	प्रो.कल्पना कन्नाबिराम द्वारा व्याख्यान
38.	09.03.17	मौलाना ख़ालिद सैफुल्लाह रहमानी द्वारा विस्तारण व्याख्यान
39.	21-23.03.17	अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी
40.	22, 23.03.17	जागरूकता कार्यक्रम
41.	24.03.17	विश्व टीबी दिवस
42.	25- 27.03.17	लाईफलॉन्ग लर्निंग पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मलेन
43.	25.03.17	एआईएईआर सम्मेलन के अवसर सांस्कृतिक कार्यक्रम
44.	25, 26.03.17	लाईफलॉन्ग लर्निंग पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मलेन
45.	27–28.03.17	"सोशल वाइलेंस एंड सोशल एक्सक्लूशन" पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी
46.	30-31.03.17	हिन्दी और उर्दू की साझी विरासत पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी ।

छठें दीक्षांत समारोह की झलक – 26 दिसंबर, 2016

जारी.....छठें दीक्षांत समारोह की झलक – 26 दिसंबर, 2016

अभिनेता शाहरूख ख़ान को मानद डॉक्टरेट की उपाधि प्रदत्त करते हुए।

संजीव सराफ, रेख़्ता संस्था के संस्थापक को मानद की उपाधि प्रदत्त करते हुए ।

कार्यकारी परिषद एवं अकादमिक परिषद के माननीय सदस्य